

جدول رسم کلمات قرآن

مطابق با آخرین تحقیقات مرکز طبع و نشر قرآن جمهوری اسلامی ایران
مهرماه ۱۳۹۲

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|----|
| ۲ | حمد | العَالَمِينَ | ۱ |
| ۴ | حمد | مَلِكِ | ۲ |
| ۶ | حمد | الصِّرَاطَ | ۳ |
| ۷ | حمد | صِرَاطَ | ۴ |
| ۲ | بقره | الْكِتَابُ | ۵ |
| ۳ | بقره | الصَّلَاةَ | ۶ |
| ۳ | بقره | رَزَقْنَاهُمْ | ۷ |
| ۶ | بقره | ءَاَنْذَرْتَهُمْ | ۸ |
| ۷ | بقره | أَبْصَارِهِمْ | ۹ |
| ۷ | بقره | غِشَاوَةً | ۱۰ |
| ۹ | بقره | يُخْلِدُونَ | ۱۱ |
| ۱۴ | بقره | شَيْطَانِهِمْ | ۱۲ |
| ۱۴ | بقره | مُسْتَهْزِءُونَ | ۱۳ |
| ۱۵ | بقره | طُغْيَانِهِمْ | ۱۴ |
| ۱۶ | بقره | تِجَارَتِهِمْ | ۱۵ |
| ۱۷ | بقره | ظَلُمْتُ | ۱۶ |
| ۱۹ | بقره | ظَلُمْتُ | ۱۷ |
| ۱۹ | بقره | أَصَابِعَهُمْ | ۱۸ |
| ۱۹ | بقره | الصَّوَاعِقِ | ۱۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|----|
| ۱۹ | بقرة | بِالْكَافِرِينَ | ۲۰ |
| ۲۰ | بقرة | أَبْصَارُهُمْ | ۲۱ |
| ۲۰ | بقرة | أَبْصَارِهِمْ | ۲۲ |
| ۲۱ | بقرة | يَايُهَا | ۲۳ |
| ۲۲ | بقرة | فِرَاشًا | ۲۴ |
| ۲۲ | بقرة | الثَّمَرَاتِ | ۲۵ |
| ۲۳ | بقرة | صٰدِقِينَ | ۲۶ |
| ۲۴ | بقرة | لِلْكَافِرِينَ | ۲۷ |
| ۲۵ | بقرة | الصَّلٰحٰتِ | ۲۸ |
| ۲۵ | بقرة | جَنَّتِ | ۲۹ |
| ۲۵ | بقرة | الْأَنْهَارِ | ۳۰ |
| ۲۵ | بقرة | مُتَشَابِهًا | ۳۱ |
| ۲۵ | بقرة | أَزْوَاجٍ | ۳۲ |
| ۲۵ | بقرة | خٰلِدُونَ | ۳۳ |
| ۲۶ | بقرة | لَا يَسْتَحْيَءُ | ۳۴ |
| ۲۶ | بقرة | الْفٰسِقِينَ | ۳۵ |
| ۲۷ | بقرة | مِثْقَالِ | ۳۶ |
| ۲۷ | بقرة | الْخُسْرٰوْنَ | ۳۷ |
| ۲۸ | بقرة | أَمْوَاتًا | ۳۸ |
| ۲۸ | بقرة | فَآحِيَاكُمْ | ۳۹ |
| ۲۹ | بقرة | فَسَوَّيْنَهُنَّ | ۴۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|----|
| ۲۹ | بقرة | سَمَوَاتِ | ۴۱ |
| ۳۰ | بقرة | لِلْمَلَائِكَةِ | ۴۲ |
| ۳۱ | بقرة | الْمَلَائِكَةِ | ۴۳ |
| ۳۱ | بقرة | أَنْبِئُونِي | ۴۴ |
| ۳۱ | بقرة | صَادِقِينَ | ۴۵ |
| ۳۲ | بقرة | سُبْحَانَكَ | ۴۶ |
| ۳۳ | بقرة | يَعَادِمُ | ۴۷ |
| ۳۳ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ۴۸ |
| ۳۴ | بقرة | لِلْمَلَائِكَةِ | ۴۹ |
| ۳۴ | بقرة | الْكَافِرِينَ | ۵۰ |
| ۳۵ | بقرة | يَعَادِمُ | ۵۱ |
| ۳۵ | بقرة | الظَّالِمِينَ | ۵۲ |
| ۳۶ | بقرة | الشَّيْطَانُ | ۵۳ |
| ۳۶ | بقرة | مَتَاعٌ | ۵۴ |
| ۳۷ | بقرة | كَلِمَاتٍ | ۵۵ |
| ۳۹ | بقرة | بِأَيَّتِنَا | ۵۶ |
| ۳۹ | بقرة | أَصْحَابُ | ۵۷ |
| ۳۹ | بقرة | خَالِدُونَ | ۵۸ |
| ۴۰ | بقرة | يَبْنَى | ۵۹ |
| ۴۰ | بقرة | إِسْرَآءِيلَ | ۶۰ |
| ۴۰ | بقرة | إِيَّايَ | ۶۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|----|
| ٤١ | بقرة | بِئَايَاتِي | ٦٢ |
| ٤١ | بقرة | إِيَّايَ | ٦٣ |
| ٤٢ | بقرة | بِالْبَاطِلِ | ٦٤ |
| ٤٣ | بقرة | الصَّلَاةِ | ٦٥ |
| ٤٣ | بقرة | الزَّكَاةِ | ٦٦ |
| ٤٣ | بقرة | الرُّكْعَيْنِ | ٦٧ |
| ٤٤ | بقرة | الْكِتَابِ | ٦٨ |
| ٤٥ | بقرة | الصَّلَاةِ | ٦٩ |
| ٤٥ | بقرة | الْخَشَعَيْنِ | ٧٠ |
| ٤٦ | بقرة | مُلْقُوا | ٧١ |
| ٤٦ | بقرة | رَاجِعُونَ | ٧٢ |
| ٤٧ | بقرة | يَبْنَى | ٧٣ |
| ٤٧ | بقرة | إِسْرَآءِيلَ | ٧٤ |
| ٤٧ | بقرة | الْعَالَمِينَ | ٧٥ |
| ٤٨ | بقرة | شَيْئًا | ٧٦ |
| ٤٨ | بقرة | شَفَاعَةً | ٧٧ |
| ٤٩ | بقرة | نَجِّينَكُمْ | ٧٨ |
| ٥٠ | بقرة | فَأَنْجَيْنَكُمْ | ٧٩ |
| ٥١ | بقرة | وَعَدْنَا | ٨٠ |
| ٥١ | بقرة | ظَالِمُونَ | ٨١ |
| ٥٣ | بقرة | الْكِتَابِ | ٨٢ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ۵۴ | بقرة | يَقُومُ | ۸۳ |
| ۵۵ | بقرة | يُمُوسَى | ۸۴ |
| ۵۵ | بقرة | الصَّعِقَةُ | ۸۵ |
| ۵۶ | بقرة | بَعَثْنُكُمْ | ۸۶ |
| ۵۷ | بقرة | طَيَّبَتْ | ۸۷ |
| ۵۷ | بقرة | رَزَقْنُكُمْ | ۸۸ |
| ۵۸ | بقرة | خَطَايَكُمْ | ۸۹ |
| ۶۱ | بقرة | يُمُوسَى | ۹۰ |
| ۶۱ | بقرة | وَاحِدٍ | ۹۱ |
| ۶۱ | بقرة | بَاءُوهُ | ۹۲ |
| ۶۱ | بقرة | بِأَيَّتِ | ۹۳ |
| ۶۱ | بقرة | النَّبِيِّنَ | ۹۴ |
| ۶۲ | بقرة | النَّصْرَى | ۹۵ |
| ۶۲ | بقرة | الصَّبِيِّنَ | ۹۶ |
| ۶۲ | بقرة | صَلِحًا | ۹۷ |
| ۶۳ | بقرة | مِيثَاقَكُمْ | ۹۸ |
| ۶۳ | بقرة | ءَاتَيْنَكُمْ | ۹۹ |
| ۶۴ | بقرة | الْخُسْرَيْنَ | ۱۰۰ |
| ۶۵ | بقرة | خُسَيْنَ | ۱۰۱ |
| ۶۶ | بقرة | فَجَعَلْنَاهَا | ۱۰۲ |
| ۶۶ | بقرة | نَكَالًا | ۱۰۳ |

| آيه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|---------------|-----|
| ٦٧ | بقرة | الْجَاهِلِينَ | ١٠٤ |
| ٦٩ | بقرة | النَّظِيرِينَ | ١٠٥ |
| ٧٠ | بقرة | تَشْبَهَ | ١٠٦ |
| ٧١ | بقرة | الْعَنَ | ١٠٧ |
| ٧٢ | بقرة | فَادْرَأْتُمْ | ١٠٨ |
| ٧٣ | بقرة | يُحْيِ | ١٠٩ |
| ٧٣ | بقرة | ءَايَاتِهِ | ١١٠ |
| ٧٤ | بقرة | الْأَنْهَارِ | ١١١ |
| ٧٤ | بقرة | بِغَافِلٍ | ١١٢ |
| ٧٥ | بقرة | كَلَامَ | ١١٣ |
| ٧٨ | بقرة | الْكِتَابِ | ١١٤ |
| ٧٩ | بقرة | الْكِتَابِ | ١١٥ |
| ٨١ | بقرة | أَحَاطَتْ | ١١٦ |
| ٨١ | بقرة | خَطِيئَتُهُ | ١١٧ |
| ٨١ | بقرة | أَصْحَابُ | ١١٨ |
| ٨١ | بقرة | خَالِدُونَ | ١١٩ |
| ٨٢ | بقرة | الصَّالِحَاتِ | ١٢٠ |
| ٨٢ | بقرة | أَصْحَابُ | ١٢١ |
| ٨٢ | بقرة | خَالِدُونَ | ١٢٢ |
| ٨٣ | بقرة | مِيثَاقَ | ١٢٣ |
| ٨٣ | بقرة | إِسْرَآءِيلَ | ١٢٤ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|------------------|-----|
| ٨٣ | بقرة | بِالْوَالِدَيْنِ | ١٢٥ |
| ٨٣ | بقرة | الْيَتَامَى | ١٢٦ |
| ٨٣ | بقرة | الْمَسْكِينِ | ١٢٧ |
| ٨٣ | بقرة | الصَّلَاةَ | ١٢٨ |
| ٨٣ | بقرة | الزَّكَاةَ | ١٢٩ |
| ٨٤ | بقرة | مِيثَاقَكُمْ | ١٣٠ |
| ٨٤ | بقرة | دِيَارِكُمْ | ١٣١ |
| ٨٥ | بقرة | دِيَارِهِمْ | ١٣٢ |
| ٨٥ | بقرة | تَظَاهَرُونَ | ١٣٣ |
| ٨٥ | بقرة | الْعُدْوَانَ | ١٣٤ |
| ٨٥ | بقرة | أُسْرَى | ١٣٥ |
| ٨٥ | بقرة | تُفْدُوهُمْ | ١٣٦ |
| ٨٥ | بقرة | الْكِتَابِ | ١٣٧ |
| ٨٥ | بقرة | الْحَيَاةِ | ١٣٨ |
| ٨٥ | بقرة | الْقِيَمَةِ | ١٣٩ |
| ٨٥ | بقرة | بِغَافِلٍ | ١٤٠ |
| ٨٦ | بقرة | الْحَيَاةَ | ١٤١ |
| ٨٧ | بقرة | الْكِتَابِ | ١٤٢ |
| ٨٧ | بقرة | الْبَيِّنَاتِ | ١٤٣ |
| ٨٧ | بقرة | أَيَّدْنَهُ | ١٤٤ |
| ٨٩ | بقرة | كِتَابٍ | ١٤٥ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|-----|
| ۸۹ | بقرة | الْكٰفِرِيْنَ | ۱۴۶ |
| ۹۰ | بقرة | بِئْسَمَا | ۱۴۷ |
| ۹۰ | بقرة | فَبَآءُو | ۱۴۸ |
| ۹۰ | بقرة | لِّلْكٰفِرِيْنَ | ۱۴۹ |
| ۹۲ | بقرة | بِالْبَيِّنٰتِ | ۱۵۰ |
| ۹۲ | بقرة | ظٰلِمُوْنَ | ۱۵۱ |
| ۹۳ | بقرة | مِثَاقُكُمْ | ۱۵۲ |
| ۹۳ | بقرة | ءَاتٰیكُمْ | ۱۵۳ |
| ۹۳ | بقرة | بِئْسَمَا | ۱۵۴ |
| ۹۳ | بقرة | اِيْمَانُكُمْ | ۱۵۵ |
| ۹۴ | بقرة | صٰدِقِيْنَ | ۱۵۶ |
| ۹۵ | بقرة | بِالظَّٰلِمِيْنَ | ۱۵۷ |
| ۹۶ | بقرة | حَيٰوَةٍ | ۱۵۸ |
| ۹۸ | بقرة | مَلٰٓئِكَتِهٖ | ۱۵۹ |
| ۹۸ | بقرة | مِیْکَلَّ | ۱۶۰ |
| ۹۸ | بقرة | لِّلْكٰفِرِيْنَ | ۱۶۱ |
| ۹۹ | بقرة | ءَاٰیٰتٍ | ۱۶۲ |
| ۹۹ | بقرة | بَيِّنٰتٍ | ۱۶۳ |
| ۹۹ | بقرة | الْفٰسِقُوْنَ | ۱۶۴ |
| ۱۰۰ | بقرة | عٰهَدُوْا | ۱۶۵ |
| ۱۰۱ | بقرة | الْكِتٰبِ | ۱۶۶ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ١٠١ | بقرة | كِتَبَ | ١٦٧ |
| ١٠٢ | بقرة | الشَّيْطَانُ | ١٦٨ |
| ١٠٢ | بقرة | سُلَيْمَنَ | ١٦٩ |
| ١٠٢ | بقرة | سُلَيْمَنُ | ١٧٠ |
| ١٠٢ | بقرة | الشَّيْطَانِ | ١٧١ |
| ١٠٢ | بقرة | هَارُوتَ | ١٧٢ |
| ١٠٢ | بقرة | مَارُوتَ | ١٧٣ |
| ١٠٢ | بقرة | اشْتَرَاهُ | ١٧٤ |
| ١٠٢ | بقرة | خَلَقِ | ١٧٥ |
| ١٠٤ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ١٧٦ |
| ١٠٤ | بقرة | رَاعِنَا | ١٧٧ |
| ١٠٤ | بقرة | لِلْكَافِرِينَ | ١٧٨ |
| ١٠٥ | بقرة | الْكِتَابِ | ١٧٩ |
| ١٠٧ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ١٨٠ |
| ١٠٨ | بقرة | تَسْأَلُوا | ١٨١ |
| ١٠٨ | بقرة | بِالْإِيمَانِ | ١٨٢ |
| ١٠٩ | بقرة | الْكِتَابِ | ١٨٣ |
| ١٠٩ | بقرة | إِيمَانِكُمْ | ١٨٤ |
| ١١٠ | بقرة | الصَّلَاةَ | ١٨٥ |
| ١١٠ | بقرة | الزَّكَاةَ | ١٨٦ |
| ١١١ | بقرة | نَصْرِي | ١٨٧ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ١١١ | بقرة | بُرْهَانَكُمْ | ١٨٨ |
| ١١١ | بقرة | صِدِّقِينَ | ١٨٩ |
| ١١٣ | بقرة | النَّصْرَى | ١٩٠ |
| ١١٣ | بقرة | النَّصْرَى | ١٩١ |
| ١١٣ | بقرة | الْكِتَابِ | ١٩٢ |
| ١١٣ | بقرة | الْقِيَمَةِ | ١٩٣ |
| ١١٤ | بقرة | مَسْجِدَ | ١٩٤ |
| ١١٥ | بقرة | وَاسِعٌ | ١٩٥ |
| ١١٦ | بقرة | سُبْحَانَهُ | ١٩٦ |
| ١١٦ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ١٩٧ |
| ١١٦ | بقرة | قُنُوتَ | ١٩٨ |
| ١١٧ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ١٩٩ |
| ١١٨ | بقرة | تَشَابَهَتْ | ٢٠٠ |
| ١١٨ | بقرة | الْأَيْتِ | ٢٠١ |
| ١١٩ | بقرة | أَرْسَلْنَاكَ | ٢٠٢ |
| ١١٩ | بقرة | تُسْأَلُ | ٢٠٣ |
| ١١٩ | بقرة | أَصْحَابِ | ٢٠٤ |
| ١٢٠ | بقرة | النَّصْرَى | ٢٠٥ |
| ١٢١ | بقرة | ءَاتَيْنَاهُمْ | ٢٠٦ |
| ١٢١ | بقرة | الْكِتَابِ | ٢٠٧ |
| ١٢١ | بقرة | الْخُسْرُونَ | ٢٠٨ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ۱۲۲ | بقرة | يَبْنَى | ۲۰۹ |
| ۱۲۲ | بقرة | اِسْرَآءِیْلَ | ۲۱۰ |
| ۱۲۲ | بقرة | العَالَمِیْنَ | ۲۱۱ |
| ۱۲۳ | بقرة | شَیْئًا | ۲۱۲ |
| ۱۲۳ | بقرة | شَفَاعَةً | ۲۱۳ |
| ۱۲۴ | بقرة | اِبْرَاهِیْمَ | ۲۱۴ |
| ۱۲۴ | بقرة | بِكَلِمَتٍ | ۲۱۵ |
| ۱۲۴ | بقرة | الظَّالِمِیْنَ | ۲۱۶ |
| ۱۲۵ | بقرة | اِبْرَاهِیْمَ | ۲۱۷ |
| ۱۲۵ | بقرة | اِبْرَاهِیْمَ | ۲۱۸ |
| ۱۲۵ | بقرة | اِسْمَاعِیْلَ | ۲۱۹ |
| ۱۲۵ | بقرة | العَاكِفِیْنَ | ۲۲۰ |
| ۱۲۶ | بقرة | اِبْرَاهِیْمُ | ۲۲۱ |
| ۱۲۶ | بقرة | الثَّمَرَاتِ | ۲۲۲ |
| ۱۲۷ | بقرة | اِبْرَاهِیْمُ | ۲۲۳ |
| ۱۲۷ | بقرة | اِسْمَاعِیْلُ | ۲۲۴ |
| ۱۲۹ | بقرة | ءَايَاتِكَ | ۲۲۵ |
| ۱۲۹ | بقرة | الْكِتَابِ | ۲۲۶ |
| ۱۳۰ | بقرة | اِبْرَاهِیْمَ | ۲۲۷ |
| ۱۳۰ | بقرة | اصْطَفَيْنَاهُ | ۲۲۸ |
| ۱۳۰ | بقرة | الصَّٰلِحِیْنَ | ۲۲۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------|-----|
| ۱۳۱ | بقرة | العالمين | ۲۳۰ |
| ۱۳۲ | بقرة | ابراهيم | ۲۳۱ |
| ۱۳۲ | بقرة | يحيى | ۲۳۲ |
| ۱۳۳ | بقرة | ابراهيم | ۲۳۳ |
| ۱۳۳ | بقرة | اسماعيل | ۲۳۴ |
| ۱۳۳ | بقرة | اسحق | ۲۳۵ |
| ۱۳۳ | بقرة | واحدا | ۲۳۶ |
| ۱۳۴ | بقرة | تسئلون | ۲۳۷ |
| ۱۳۵ | بقرة | نصرى | ۲۳۸ |
| ۱۳۵ | بقرة | ابراهيم | ۲۳۹ |
| ۱۳۶ | بقرة | ابراهيم | ۲۴۰ |
| ۱۳۶ | بقرة | اسماعيل | ۲۴۱ |
| ۱۳۶ | بقرة | اسحق | ۲۴۲ |
| ۱۳۸ | بقرة | عبدون | ۲۴۳ |
| ۱۳۹ | بقرة | اعمالنا | ۲۴۴ |
| ۱۳۹ | بقرة | اعمالكم | ۲۴۵ |
| ۱۴۰ | بقرة | ابراهيم | ۲۴۶ |
| ۱۴۰ | بقرة | اسماعيل | ۲۴۷ |
| ۱۴۰ | بقرة | اسحق | ۲۴۸ |
| ۱۴۰ | بقرة | نصرى | ۲۴۹ |
| ۱۴۰ | بقرة | شهادة | ۲۵۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ۱۴۰ | بقرة | بِغَافِلٍ | ۲۵۱ |
| ۱۴۱ | بقرة | تُسْأَلُونَ | ۲۵۲ |
| ۱۴۲ | بقرة | وَلَهُمْ | ۲۵۳ |
| ۱۴۲ | بقرة | صِرَاطٍ | ۲۵۴ |
| ۱۴۳ | بقرة | جَعَلْنٰكُمْ | ۲۵۵ |
| ۱۴۳ | بقرة | اِيْمَانَكُمْ | ۲۵۶ |
| ۱۴۳ | بقرة | لَرَّءَوْفٌ | ۲۵۷ |
| ۱۴۴ | بقرة | تَرْضَاهَا | ۲۵۸ |
| ۱۴۴ | بقرة | الْكِتَابِ | ۲۵۹ |
| ۱۴۴ | بقرة | بِغَافِلٍ | ۲۶۰ |
| ۱۴۵ | بقرة | الْكِتَابِ | ۲۶۱ |
| ۱۴۵ | بقرة | الظَّالِمِينَ | ۲۶۲ |
| ۱۴۶ | بقرة | ءَاتَيْنَاهُمْ | ۲۶۳ |
| ۱۴۶ | بقرة | الْكِتَابِ | ۲۶۴ |
| ۱۴۸ | بقرة | الْخَيْرَاتِ | ۲۶۵ |
| ۱۴۹ | بقرة | بِغَافِلٍ | ۲۶۶ |
| ۱۵۱ | بقرة | ءَايَاتِنَا | ۲۶۷ |
| ۱۵۱ | بقرة | الْكِتَابِ | ۲۶۸ |
| ۱۵۳ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ۲۶۹ |
| ۱۵۳ | بقرة | الصَّلَاةِ | ۲۷۰ |
| ۱۵۳ | بقرة | الصَّابِرِينَ | ۲۷۱ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ١٥٤ | بقرة | أَمْوَاتٌ | ٢٧٢ |
| ١٥٥ | بقرة | الْأَمْوَالِ | ٢٧٣ |
| ١٥٥ | بقرة | الثَّمَرَاتِ | ٢٧٤ |
| ١٥٥ | بقرة | الصَّابِرِينَ | ٢٧٥ |
| ١٥٦ | بقرة | أَصَابَتْهُمْ | ٢٧٦ |
| ١٥٦ | بقرة | رَاجِعُونَ | ٢٧٧ |
| ١٥٧ | بقرة | صَلَوْتُ | ٢٧٨ |
| ١٥٩ | بقرة | الْبَيْتِ | ٢٧٩ |
| ١٥٩ | بقرة | بَيْنَهُ | ٢٨٠ |
| ١٥٩ | بقرة | الْكِتَابِ | ٢٨١ |
| ١٥٩ | بقرة | اللُّعْنُونَ | ٢٨٢ |
| ١٦١ | بقرة | الْمَلَائِكَةِ | ٢٨٣ |
| ١٦٢ | بقرة | خَالِدِينَ | ٢٨٤ |
| ١٦٣ | بقرة | وَاحِدٌ | ٢٨٥ |
| ١٦٤ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ٢٨٦ |
| ١٦٤ | بقرة | اِخْتِلَافٍ | ٢٨٧ |
| ١٦٤ | بقرة | الرَّيْحِ | ٢٨٨ |
| ١٦٤ | بقرة | لَايَةٍ | ٢٨٩ |
| ١٦٧ | بقرة | تَبَرَّءُوا | ٢٩٠ |
| ١٦٧ | بقرة | أَعْمَالَهُمْ | ٢٩١ |
| ١٦٧ | بقرة | حَسَرَاتٍ | ٢٩٢ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ١٦٧ | بقرة | بِخْرِجِينَ | ٢٩٣ |
| ١٦٨ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ٢٩٤ |
| ١٦٨ | بقرة | حَلَالًا | ٢٩٥ |
| ١٦٨ | بقرة | خُطُوتِ | ٢٩٦ |
| ١٦٨ | بقرة | الشَّيْطَانِ | ٢٩٧ |
| ١٧٠ | بقرة | شَيْئًا | ٢٩٨ |
| ١٧٢ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ٢٩٩ |
| ١٧٢ | بقرة | طَيِّبَتِ | ٣٠٠ |
| ١٧٢ | بقرة | رَزَقْنَكُمْ | ٣٠١ |
| ١٧٤ | بقرة | الْكِتَابِ | ٣٠٢ |
| ١٧٤ | بقرة | الْقِيَمَةِ | ٣٠٣ |
| ١٧٥ | بقرة | الضَّلَالَةِ | ٣٠٤ |
| ١٧٦ | بقرة | الْكِتَابِ | ٣٠٥ |
| ١٧٦ | بقرة | الْكِتَابِ | ٣٠٦ |
| ١٧٧ | بقرة | الْمَلَائِكَةِ | ٣٠٧ |
| ١٧٧ | بقرة | الْكِتَابِ | ٣٠٨ |
| ١٧٧ | بقرة | النَّبِيِّينَ | ٣٠٩ |
| ١٧٧ | بقرة | الْيَتَامَى | ٣١٠ |
| ١٧٧ | بقرة | الْمَسْكِينِ | ٣١١ |
| ١٧٧ | بقرة | الصَّلَاةَ | ٣١٢ |
| ١٧٧ | بقرة | الزَّكَاةَ | ٣١٣ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|-----|
| ١٧٧ | بقرة | عَاهِدُوا | ٣١٤ |
| ١٧٧ | بقرة | الصَّابِرِينَ | ٣١٥ |
| ١٧٨ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ٣١٦ |
| ١٧٩ | بقرة | حَيَوةٌ | ٣١٧ |
| ١٧٩ | بقرة | يَا أُولَى | ٣١٨ |
| ١٧٩ | بقرة | الْأَبَابِ | ٣١٩ |
| ١٨٠ | بقرة | لِللَّوَالِدِينَ | ٣٢٠ |
| ١٨٣ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ٣٢١ |
| ١٨٤ | بقرة | مَعْدُودَاتٍ | ٣٢٢ |
| ١٨٥ | بقرة | بَيِّنَاتٍ | ٣٢٣ |
| ١٨٥ | بقرة | هَدًى لَكُمْ | ٣٢٤ |
| ١٨٧ | بقرة | فَالْتَنَ | ٣٢٥ |
| ١٨٧ | بقرة | بِأَشْرَاهُنَّ | ٣٢٦ |
| ١٨٧ | بقرة | تُبَاشِرَاهُنَّ | ٣٢٧ |
| ١٨٧ | بقرة | عَلِكِفُونَ | ٣٢٨ |
| ١٨٧ | بقرة | ءَايَاتِهِ | ٣٢٩ |
| ١٨٨ | بقرة | أَمْوَالِكُمْ | ٣٣٠ |
| ١٨٨ | بقرة | بِالْبَاطِلِ | ٣٣١ |
| ١٨٨ | بقرة | أَمْوَالِ | ٣٣٢ |
| ١٨٩ | بقرة | يَسْأَلُونَكَ | ٣٣٣ |
| ١٨٩ | بقرة | مَوَاقِيتُ | ٣٣٤ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|-----------------|-----|
| ١٨٩ | بقرة | أَبَوَابِهَا | ٣٣٥ |
| ١٩٠ | بقرة | قَاتِلُوا | ٣٣٦ |
| ١٩٠ | بقرة | يُقْتَلُونَكُمْ | ٣٣٧ |
| ١٩١ | بقرة | تُقْتَلُوهُمْ | ٣٣٨ |
| ١٩١ | بقرة | يُقْتَلُوكُمْ | ٣٣٩ |
| ١٩١ | بقرة | قَتَلُوكُمْ | ٣٤٠ |
| ١٩١ | بقرة | الْكُفْرَيْنَ | ٣٤١ |
| ١٩٣ | بقرة | قَتَلُوهُمْ | ٣٤٢ |
| ١٩٣ | بقرة | عُدْوَانَ | ٣٤٣ |
| ١٩٣ | بقرة | الظَّالِمِينَ | ٣٤٤ |
| ١٩٤ | بقرة | الْحُرْمَتِ | ٣٤٥ |
| ١٩٦ | بقرة | رُءُوسَكُمْ | ٣٤٦ |
| ١٩٦ | بقرة | ثَلَاثَةَ | ٣٤٧ |
| ١٩٧ | بقرة | مَعْلُومَتٍ | ٣٤٨ |
| ١٩٧ | بقرة | يَأُولَى | ٣٤٩ |
| ١٩٧ | بقرة | الْأَلْبَابِ | ٣٥٠ |
| ١٩٨ | بقرة | عَرَفَتِ | ٣٥١ |
| ١٩٨ | بقرة | هَدَانُكُمْ | ٣٥٢ |
| ٢٠٠ | بقرة | مَنَاسِكَكُمْ | ٣٥٣ |
| ٢٠٠ | بقرة | خَلَقِ | ٣٥٤ |
| ٢٠٣ | بقرة | مَعْدُودَاتٍ | ٣٥٥ |

| آیه | سوره | رقم كلمات | آیه |
|-----|------|-----------|--------------------|
| ٢٠٤ | بقرة | ٣٥٦ | الحَيوة |
| ٢٠٧ | بقرة | ٣٥٧ | رَعَوْفٌ |
| ٢٠٨ | بقرة | ٣٥٨ | يَا أَيُّهَا |
| ٢٠٨ | بقرة | ٣٥٩ | خُطُوتِ |
| ٢٠٨ | بقرة | ٣٦٠ | الشَّيْطَانِ |
| ٢٠٩ | بقرة | ٣٦١ | البَيِّنَاتِ |
| ٢١٠ | بقرة | ٣٦٢ | المَلَأْنِيكَ |
| ٢١١ | بقرة | ٣٦٣ | إِسْرَآءِيلَ |
| ٢١١ | بقرة | ٣٦٤ | ءَاتَيْنَهُمْ |
| ٢١٢ | بقرة | ٣٦٥ | الحَيوةُ |
| ٢١٢ | بقرة | ٣٦٦ | الْقِيَمَةِ |
| ٢١٣ | بقرة | ٣٦٧ | وَاحِدَةً |
| ٢١٣ | بقرة | ٣٦٨ | النَّبِيِّينَ |
| ٢١٣ | بقرة | ٣٦٩ | الْكِتَابِ |
| ٢١٣ | بقرة | ٣٧٠ | البَيِّنَاتِ |
| ٢١٣ | بقرة | ٣٧١ | صِرَاطِ |
| ٢١٥ | بقرة | ٣٧٢ | يَسْأَلُونَكَ |
| ٢١٥ | بقرة | ٣٧٣ | فَلِلَّوَالِدَيْنِ |
| ٢١٥ | بقرة | ٣٧٤ | الْيَتَامَى |
| ٢١٥ | بقرة | ٣٧٥ | الْمَسْكِينِ |
| ٢١٦ | بقرة | ٣٧٦ | شَيْئًا |

| سورة | آيه | رسم كلمات | ج |
|------|-----|------------------|-----|
| بقرة | ٢١٦ | شَيْئًا | ٣٧٧ |
| بقرة | ٢١٧ | يَسْأَلُونَكَ | ٣٧٨ |
| بقرة | ٢١٧ | يُقَاتِلُونَكُمْ | ٣٧٩ |
| بقرة | ٢١٧ | اسْتَطَاعُوا | ٣٨٠ |
| بقرة | ٢١٧ | أَعْمَالُهُمْ | ٣٨١ |
| بقرة | ٢١٧ | أَصْحَابُ | ٣٨٢ |
| بقرة | ٢١٧ | خَالِدُونَ | ٣٨٣ |
| بقرة | ٢١٨ | جَاهِدُوا | ٣٨٤ |
| بقرة | ٢١٩ | يَسْأَلُونَكَ | ٣٨٥ |
| بقرة | ٢١٩ | مَنَافِعُ | ٣٨٦ |
| بقرة | ٢١٩ | يَسْأَلُونَكَ | ٣٨٧ |
| بقرة | ٢١٩ | الْأَيَّتِ | ٣٨٨ |
| بقرة | ٢٢٠ | يَسْأَلُونَكَ | ٣٨٩ |
| بقرة | ٢٢٠ | الْيَتِمِ | ٣٩٠ |
| بقرة | ٢٢٠ | فَإِخْوَانُكُمْ | ٣٩١ |
| بقرة | ٢٢١ | الْمُشْرِكِ | ٣٩٢ |
| بقرة | ٢٢١ | ءَايَاتِهِ | ٣٩٣ |
| بقرة | ٢٢٢ | يَسْأَلُونَكَ | ٣٩٤ |
| بقرة | ٢٢٢ | التَّوْبِينَ | ٣٩٥ |
| بقرة | ٢٢٣ | مُلَقَّوهُ | ٣٩٦ |
| بقرة | ٢٢٤ | لَا يَمْنُكُمْ | ٣٩٧ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|-----|
| ۲۲۵ | بقره | أَيْمِنِكُمْ | ۳۹۸ |
| ۲۲۶ | بقره | فَأَءُو | ۳۹۹ |
| ۲۲۷ | بقره | الطَّلَاقُ | ۴۰۰ |
| ۲۲۸ | بقره | الْمُطَلَّقَاتُ | ۴۰۱ |
| ۲۲۸ | بقره | ثَلَاثَةَ | ۴۰۲ |
| ۲۲۸ | بقره | إِصْلَاحًا | ۴۰۳ |
| ۲۲۹ | بقره | الطَّلَاقُ | ۴۰۴ |
| ۲۲۹ | بقره | بِإِحْسَانٍ | ۴۰۵ |
| ۲۲۹ | بقره | شَيْئًا | ۴۰۶ |
| ۲۲۹ | بقره | الظَّالِمُونَ | ۴۰۷ |
| ۲۳۱ | بقره | ءَايَاتِ | ۴۰۸ |
| ۲۳۱ | بقره | الْكِتَابِ | ۴۰۹ |
| ۲۳۲ | بقره | أَزْوَاجَهُنَّ | ۴۱۰ |
| ۲۳۲ | بقره | تَرَاضًا | ۴۱۱ |
| ۲۳۳ | بقره | الْوَالِدَتِ | ۴۱۲ |
| ۲۳۳ | بقره | أَوْلَادَهُنَّ | ۴۱۳ |
| ۲۳۳ | بقره | وَالِدَةٍ | ۴۱۴ |
| ۲۳۳ | بقره | أَوْلَادَكُمْ | ۴۱۵ |
| ۲۳۴ | بقره | أَزْوَاجًا | ۴۱۶ |
| ۲۳۵ | بقره | الْكِتَابِ | ۴۱۷ |
| ۲۳۶ | بقره | مَتَاعًا | ۴۱۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|-----|
| ۲۳۸ | بقره | حَافِظُوا | ۴۱۹ |
| ۲۳۸ | بقره | الصَّلَوَاتِ | ۴۲۰ |
| ۲۳۸ | بقره | الصَّلَاةِ | ۴۲۱ |
| ۲۳۸ | بقره | قُنْتَيْنِ | ۴۲۲ |
| ۲۴۰ | بقره | أَزْوَاجًا | ۴۲۳ |
| ۲۴۰ | بقره | لِأَزْوَاجِهِمْ | ۴۲۴ |
| ۲۴۰ | بقره | مَتَاعًا | ۴۲۵ |
| ۲۴۱ | بقره | لِلْمُطَلَّاتِ | ۴۲۶ |
| ۲۴۱ | بقره | مَتَاعٌ | ۴۲۷ |
| ۲۴۲ | بقره | ءَايَاتِهِ | ۴۲۸ |
| ۲۴۳ | بقره | دِيَارِهِمْ | ۴۲۹ |
| ۲۴۳ | بقره | أَحْيَاهُمْ | ۴۳۰ |
| ۲۴۴ | بقره | قَاتِلُوا | ۴۳۱ |
| ۲۴۵ | بقره | فَيُضْعِفَهُ | ۴۳۲ |
| ۲۴۶ | بقره | إِسْرَآءِيلَ | ۴۳۳ |
| ۲۴۶ | بقره | نُقَاتِلْ | ۴۳۴ |
| ۲۴۶ | بقره | نُقَاتِلُوا | ۴۳۵ |
| ۲۴۶ | بقره | نُقَاتِلْ | ۴۳۶ |
| ۲۴۶ | بقره | دِيَارِنَا | ۴۳۷ |
| ۲۴۶ | بقره | بِالظَّالِمِينَ | ۴۳۸ |
| ۲۴۷ | بقره | اصْطَفَاهُ | ۴۳۹ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | جُزْءُ |
|-----|------|----------------|--------|
| ۲۴۷ | بقرة | وَاسِعٌ | ۴۴۰ |
| ۲۴۸ | بقرة | هُرُونَ | ۴۴۱ |
| ۲۴۸ | بقرة | الْمَلَائِكَةُ | ۴۴۲ |
| ۲۴۹ | بقرة | مُلِقُوا | ۴۴۳ |
| ۲۴۹ | بقرة | الصَّابِرِينَ | ۴۴۴ |
| ۲۵۰ | بقرة | الْكَاذِبِينَ | ۴۴۵ |
| ۲۵۱ | بقرة | دَاوُدُ | ۴۴۶ |
| ۲۵۱ | بقرة | ءَاتَاهُ | ۴۴۷ |
| ۲۵۱ | بقرة | الْعَالَمِينَ | ۴۴۸ |
| ۲۵۲ | بقرة | ءَايَاتُ | ۴۴۹ |
| ۲۵۳ | بقرة | دَرَجَاتٍ | ۴۵۰ |
| ۲۵۳ | بقرة | الْبَيْتِ | ۴۵۱ |
| ۲۵۳ | بقرة | أَيْدِيهِ | ۴۵۲ |
| ۲۵۳ | بقرة | الْبَيْتِ | ۴۵۳ |
| ۲۵۴ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ۴۵۴ |
| ۲۵۴ | بقرة | رَزَقْنَكُمْ | ۴۵۵ |
| ۲۵۴ | بقرة | شَفَاعَةً | ۴۵۶ |
| ۲۵۴ | بقرة | الْكَاذِبِينَ | ۴۵۷ |
| ۲۵۴ | بقرة | الظَّالِمُونَ | ۴۵۸ |
| ۲۵۵ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ۴۵۹ |
| ۲۵۵ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ۴۶۰ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|---------------|-----|
| ٢٥٥ | بقرة | لَا يَعُودُ | ٤٦١ |
| ٢٥٦ | بقرة | بِالطَّاغُوتِ | ٤٦٢ |
| ٢٥٧ | بقرة | الظُّلُمَاتِ | ٤٦٣ |
| ٢٥٧ | بقرة | الطَّاغُوتِ | ٤٦٤ |
| ٢٥٧ | بقرة | الظُّلُمَاتِ | ٤٦٥ |
| ٢٥٧ | بقرة | أَصْحَابُ | ٤٦٦ |
| ٢٥٧ | بقرة | خَالِدُونَ | ٤٦٧ |
| ٢٥٨ | بقرة | إِبْرَاهِيمَ | ٤٦٨ |
| ٢٥٨ | بقرة | ءَاتَاهُ | ٤٦٩ |
| ٢٥٨ | بقرة | إِبْرَاهِيمَ | ٤٧٠ |
| ٢٥٨ | بقرة | يُحْيِءُ | ٤٧١ |
| ٢٥٨ | بقرة | أُحْيِءُ | ٤٧٢ |
| ٢٥٨ | بقرة | إِبْرَاهِيمَ | ٤٧٣ |
| ٢٥٨ | بقرة | الظَّالِمِينَ | ٤٧٤ |
| ٢٥٩ | بقرة | يُحْيِءُ | ٤٧٥ |
| ٢٥٩ | بقرة | مِائَةً | ٤٧٦ |
| ٢٥٩ | بقرة | مِائَةً | ٤٧٧ |
| ٢٦٠ | بقرة | إِبْرَاهِيمَ | ٤٧٨ |
| ٢٦٠ | بقرة | تُحْيِ | ٤٧٩ |
| ٢٦١ | بقرة | أَمْوَالَهُمْ | ٤٨٠ |
| ٢٦١ | بقرة | يُضْعِفُ | ٤٨١ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ٢٦١ | بقرة | وَاسِعٌ | ٤٨٢ |
| ٢٦٢ | بقرة | أَمْوَالُهُمْ | ٤٨٣ |
| ٢٦٤ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ٤٨٤ |
| ٢٦٤ | بقرة | صَدَقْتِكُمْ | ٤٨٥ |
| ٢٦٤ | بقرة | الْكٰفِرِينَ | ٤٨٦ |
| ٢٦٥ | بقرة | أَمْوَالُهُمْ | ٤٨٧ |
| ٢٦٦ | بقرة | الْأَنْهَارِ | ٤٨٨ |
| ٢٦٦ | بقرة | الثَّمَرَاتِ | ٤٨٩ |
| ٢٦٦ | بقرة | الْأَيْتِ | ٤٩٠ |
| ٢٦٧ | بقرة | يَا أَيُّهَا | ٤٩١ |
| ٢٦٧ | بقرة | طَبَّيْتُ | ٤٩٢ |
| ٢٦٨ | بقرة | الشَّيْطٰنِ | ٤٩٣ |
| ٢٦٨ | بقرة | وَاسِعٌ | ٤٩٤ |
| ٢٦٩ | بقرة | الْأَلْبَابِ | ٤٩٥ |
| ٢٧٠ | بقرة | لِلظَّالِمِينَ | ٤٩٦ |
| ٢٧١ | بقرة | الصَّدَقَاتِ | ٤٩٧ |
| ٢٧١ | بقرة | سَيِّئَاتِكُمْ | ٤٩٨ |
| ٢٧٢ | بقرة | هُدَاهُمْ | ٤٩٩ |
| ٢٧٣ | بقرة | بِسْمِهِمْ | ٥٠٠ |
| ٢٧٣ | بقرة | يَسْأَلُونَ | ٥٠١ |
| ٢٧٤ | بقرة | أَمْوَالُهُمْ | ٥٠٢ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|------|---------------|-----|
| ٢٧٥ | بقرة | الرَّيُّوْا | ٥٠٣ |
| ٢٧٥ | بقرة | الشَّيْطٰنُ | ٥٠٤ |
| ٢٧٥ | بقرة | الرَّيُّوْا | ٥٠٥ |
| ٢٧٥ | بقرة | الرَّيُّوْا | ٥٠٦ |
| ٢٧٥ | بقرة | اَصْحٰبُ | ٥٠٧ |
| ٢٧٥ | بقرة | خٰلِدُوْنَ | ٥٠٨ |
| ٢٧٦ | بقرة | الرَّيُّوْا | ٥٠٩ |
| ٢٧٦ | بقرة | الصَّٰدِقٰتِ | ٥١٠ |
| ٢٧٧ | بقرة | الصَّٰلِحٰتِ | ٥١١ |
| ٢٧٧ | بقرة | الصَّلٰوَةِ | ٥١٢ |
| ٢٧٧ | بقرة | الرَّٰكُوَةِ | ٥١٣ |
| ٢٧٨ | بقرة | يٰٓاَيُّهَا | ٥١٤ |
| ٢٧٨ | بقرة | الرَّيُّوْا | ٥١٥ |
| ٢٧٩ | بقرة | رُءُوْسُ | ٥١٦ |
| ٢٧٩ | بقرة | اَمْوَالِكُمْ | ٥١٧ |
| ٢٨٢ | بقرة | يٰٓاَيُّهَا | ٥١٨ |
| ٢٨٢ | بقرة | شَيْئًا | ٥١٩ |
| ٢٨٢ | بقرة | اِحْدٰهُمَا | ٥٢٠ |
| ٢٨٢ | بقرة | اِحْدٰهُمَا | ٥٢١ |
| ٢٨٢ | بقرة | تَسْمُوْا | ٥٢٢ |
| ٢٨٢ | بقرة | لِلشَّهَادَةِ | ٥٢٣ |

| آیه | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ٢٨٢ | بقرة | تِجَارَةً | ٥٢٤ |
| ٢٨٣ | بقرة | فَرِهْنِ | ٥٢٥ |
| ٢٨٣ | بقرة | أَمَانَتِهِ | ٥٢٦ |
| ٢٨٣ | بقرة | الشَّهَادَةِ | ٥٢٧ |
| ٢٨٤ | بقرة | السَّمَوَاتِ | ٥٢٨ |
| ٢٨٥ | بقرة | مَلَأْنَاهُ | ٥٢٩ |
| ٢٨٦ | بقرة | مَوْلَانَا | ٥٣٠ |
| ٢٨٦ | بقرة | الْكَافِرِينَ | ٥٣١ |
| ٣ | ال عمران | الْكِتَابِ | ٥٣٢ |
| ٣ | ال عمران | التَّوْرَةَ | ٥٣٣ |
| ٤ | ال عمران | بِأَيِّتِ | ٥٣٤ |
| ٧ | ال عمران | الْكِتَابِ | ٥٣٥ |
| ٧ | ال عمران | آيَاتِ | ٥٣٦ |
| ٧ | ال عمران | مُحْكَمَاتٍ | ٥٣٧ |
| ٧ | ال عمران | الْكِتَابِ | ٥٣٨ |
| ٧ | ال عمران | مُتَشَابِهَاتٍ | ٥٣٩ |
| ٧ | ال عمران | تَشَابَهَ | ٥٤٠ |
| ٧ | ال عمران | الرِّسْخُونَ | ٥٤١ |
| ٧ | ال عمران | الْأَلْبَابِ | ٥٤٢ |
| ١٠ | ال عمران | أَمْوَالُهُمْ | ٥٤٣ |
| ١٠ | ال عمران | أَوْلَادُهُمْ | ٥٤٤ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|------------------|-----|
| ۱۰ | ال عمران | شَيْئًا | ۵۴۵ |
| ۱۱ | ال عمران | بِأَيَّتِنَا | ۵۴۶ |
| ۱۳ | ال عمران | تُقَاتِلُ | ۵۴۷ |
| ۱۳ | ال عمران | الْأَبْصَارِ | ۵۴۸ |
| ۱۴ | ال عمران | الشَّهَوَاتِ | ۵۴۹ |
| ۱۴ | ال عمران | الْفَنَاطِيرِ | ۵۵۰ |
| ۱۴ | ال عمران | الْأَنْعَامِ | ۵۵۱ |
| ۱۴ | ال عمران | مَتَاعُ | ۵۵۲ |
| ۱۴ | ال عمران | الْحَيَاةِ | ۵۵۳ |
| ۱۵ | ال عمران | أَوْ نَبِّئُكُمْ | ۵۵۴ |
| ۱۵ | ال عمران | جَنَّتْ | ۵۵۵ |
| ۱۵ | ال عمران | الْأَنْهَرُ | ۵۵۶ |
| ۱۵ | ال عمران | خَالِدِينَ | ۵۵۷ |
| ۱۵ | ال عمران | أَزْوَاجُ | ۵۵۸ |
| ۱۵ | ال عمران | رِضْوَانُ | ۵۵۹ |
| ۱۷ | ال عمران | الصَّابِرِينَ | ۵۶۰ |
| ۱۷ | ال عمران | الصَّادِقِينَ | ۵۶۱ |
| ۱۷ | ال عمران | الْقَنِتِينَ | ۵۶۲ |
| ۱۸ | ال عمران | الْمَلَائِكَةُ | ۵۶۳ |
| ۱۹ | ال عمران | الْإِسْلَامُ | ۵۶۴ |
| ۱۹ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۵۶۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|-----------------|-----|
| ۱۹ | ال عمران | بِثَايَتِ | ۵۶۶ |
| ۲۰ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۵۶۷ |
| ۲۰ | ال عمران | الْأُمِّيِّعْنَ | ۵۶۸ |
| ۲۰ | ال عمران | الْبَلُغُ | ۵۶۹ |
| ۲۱ | ال عمران | بِثَايَتِ | ۵۷۰ |
| ۲۱ | ال عمران | النَّبِيِّعْنَ | ۵۷۱ |
| ۲۲ | ال عمران | أَعْمَالُهُمْ | ۵۷۲ |
| ۲۲ | ال عمران | نُصْرِينَ | ۵۷۳ |
| ۲۳ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۵۷۴ |
| ۲۳ | ال عمران | كِتَابِ | ۵۷۵ |
| ۲۴ | ال عمران | مَعْدُودَاتٍ | ۵۷۶ |
| ۲۵ | ال عمران | جَمْعُهُمْ | ۵۷۷ |
| ۲۶ | ال عمران | مَالِكَ | ۵۷۸ |
| ۲۸ | ال عمران | الْكَافِرِينَ | ۵۷۹ |
| ۲۸ | ال عمران | تُقْنَةً | ۵۸۰ |
| ۲۹ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۵۸۱ |
| ۳۰ | ال عمران | رَعَوْفٌ | ۵۸۲ |
| ۳۲ | ال عمران | الْكَافِرِينَ | ۵۸۳ |
| ۳۳ | ال عمران | إِبْرَاهِيمَ | ۵۸۴ |
| ۳۳ | ال عمران | عِمْرَانَ | ۵۸۵ |
| ۳۳ | ال عمران | الْعَالَمِينَ | ۵۸۶ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|----------|-----|----------------|-----|
| ال عمران | ۳۵ | عِمْرَان | ۵۸۷ |
| ال عمران | ۳۶ | الشَّيْطَانِ | ۵۸۸ |
| ال عمران | ۳۷ | يُمَرِّمُ | ۵۸۹ |
| ال عمران | ۳۹ | الْمَلَأَكَّةُ | ۵۹۰ |
| ال عمران | ۳۹ | الصَّالِحِينَ | ۵۹۱ |
| ال عمران | ۴۰ | عُلْمٌ | ۵۹۲ |
| ال عمران | ۴۱ | ثَلَاثَةَ | ۵۹۳ |
| ال عمران | ۴۱ | الْإِبْكَارِ | ۵۹۴ |
| ال عمران | ۴۲ | الْمَلَأَكَّةُ | ۵۹۵ |
| ال عمران | ۴۲ | يُمَرِّمُ | ۵۹۶ |
| ال عمران | ۴۲ | اصْطَفَاكَ | ۵۹۷ |
| ال عمران | ۴۲ | اصْطَفَاكَ | ۵۹۸ |
| ال عمران | ۴۲ | الْعَالَمِينَ | ۵۹۹ |
| ال عمران | ۴۳ | يُمَرِّمُ | ۶۰۰ |
| ال عمران | ۴۳ | الرُّكْعِينَ | ۶۰۱ |
| ال عمران | ۴۴ | أَقْلَامَهُمْ | ۶۰۲ |
| ال عمران | ۴۵ | الْمَلَأَكَّةُ | ۶۰۳ |
| ال عمران | ۴۵ | يُمَرِّمُ | ۶۰۴ |
| ال عمران | ۴۶ | الصَّالِحِينَ | ۶۰۵ |
| ال عمران | ۴۸ | الْكِتَابِ | ۶۰۶ |
| ال عمران | ۴۸ | التَّورَةَ | ۶۰۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۴۹ | ال عمران | إِسْرَآءِیلَ | ۶۰۸ |
| ۴۹ | ال عمران | کَهْبِئَةٍ | ۶۰۹ |
| ۴۹ | ال عمران | أُحِی | ۶۱۰ |
| ۵۰ | ال عمران | التَّورِیَّةُ | ۶۱۱ |
| ۵۱ | ال عمران | صِرَاطُ | ۶۱۲ |
| ۵۳ | ال عمران | الشَّهِدِیْنَ | ۶۱۳ |
| ۵۴ | ال عمران | المُکْرِیْنَ | ۶۱۴ |
| ۵۵ | ال عمران | یُعِیْسَى | ۶۱۵ |
| ۵۵ | ال عمران | الْقِیْمَةِ | ۶۱۶ |
| ۵۶ | ال عمران | نُصْرِیْنَ | ۶۱۷ |
| ۵۷ | ال عمران | الصَّالِحِیْنَ | ۶۱۸ |
| ۵۷ | ال عمران | الظَّالِمِیْنَ | ۶۱۹ |
| ۵۸ | ال عمران | الْأَیَّتِ | ۶۲۰ |
| ۶۱ | ال عمران | الْكَذِبِیْنَ | ۶۲۱ |
| ۶۴ | ال عمران | یَآهَلَ | ۶۲۲ |
| ۶۴ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۶۲۳ |
| ۶۴ | ال عمران | شَیْئًا | ۶۲۴ |
| ۶۵ | ال عمران | یَآهَلَ | ۶۲۵ |
| ۶۵ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۶۲۶ |
| ۶۵ | ال عمران | إِبْرَاهِیْمَ | ۶۲۷ |
| ۶۵ | ال عمران | التَّورِیَّةُ | ۶۲۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | آیه |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۶۲۹ | ال عمران | هَآنْتُمْ | ۶۶ |
| ۶۳۰ | ال عمران | حَآجَجْتُمْ | ۶۶ |
| ۶۳۱ | ال عمران | إِبْرَاهِيمَ | ۶۷ |
| ۶۳۲ | ال عمران | يَابْرَاهِيمَ | ۶۸ |
| ۶۳۳ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۶۹ |
| ۶۳۴ | ال عمران | يَا أَهْلَ | ۷۰ |
| ۶۳۵ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۰ |
| ۶۳۶ | ال عمران | بِثَايَتِ | ۷۰ |
| ۶۳۷ | ال عمران | يَا أَهْلَ | ۷۱ |
| ۶۳۸ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۱ |
| ۶۳۹ | ال عمران | بِالْبَاطِلِ | ۷۱ |
| ۶۴۰ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۲ |
| ۶۴۱ | ال عمران | وَاسِعٌ | ۷۳ |
| ۶۴۲ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۵ |
| ۶۴۳ | ال عمران | الْأُمِّيِّينَ | ۷۵ |
| ۶۴۴ | ال عمران | أَيْمَنِهِم | ۷۷ |
| ۶۴۵ | ال عمران | خَلَاقَ | ۷۷ |
| ۶۴۶ | ال عمران | الْقِيَمَةِ | ۷۷ |
| ۶۴۷ | ال عمران | يَلُؤْنَ | ۷۸ |
| ۶۴۸ | ال عمران | بِالْكِتَابِ | ۷۸ |
| ۶۴۹ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|-----------------|-----|
| ۷۸ | ال عمران | الکِتَبِ | ۶۵۰ |
| ۷۹ | ال عمران | الکِتَبِ | ۶۵۱ |
| ۷۹ | ال عمران | رَبَّنِیْعَن | ۶۵۲ |
| ۷۹ | ال عمران | الکِتَبِ | ۶۵۳ |
| ۸۰ | ال عمران | المَلٰئِکَۃَ | ۶۵۴ |
| ۸۰ | ال عمران | النَّبِیِّیْنَ | ۶۵۵ |
| ۸۱ | ال عمران | مِیثَاقَ | ۶۵۶ |
| ۸۱ | ال عمران | النَّبِیِّیْنَ | ۶۵۷ |
| ۸۱ | ال عمران | کِتَبِ | ۶۵۸ |
| ۸۱ | ال عمران | الشَّهِیْدِیْنَ | ۶۵۹ |
| ۸۲ | ال عمران | الْفٰسِقُوْنَ | ۶۶۰ |
| ۸۳ | ال عمران | السَّمَوٰتِ | ۶۶۱ |
| ۸۴ | ال عمران | اِبْرٰهَیْمَ | ۶۶۲ |
| ۸۴ | ال عمران | اِسْمٰعِیْلَ | ۶۶۳ |
| ۸۴ | ال عمران | اِسْحٰقَ | ۶۶۴ |
| ۸۵ | ال عمران | الْاِسْلَامَ | ۶۶۵ |
| ۸۵ | ال عمران | الْخٰسِرِیْنَ | ۶۶۶ |
| ۸۶ | ال عمران | اِیْمَانِهِمْ | ۶۶۷ |
| ۸۶ | ال عمران | الْبَیِّنٰتِ | ۶۶۸ |
| ۸۶ | ال عمران | الظَّالِمِیْنَ | ۶۶۹ |
| ۸۷ | ال عمران | المَلٰئِکَۃَ | ۶۷۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۸۸ | ال عمران | خُلْدِینَ | ۶۷۱ |
| ۹۰ | ال عمران | ایْمَانِهِمْ | ۶۷۲ |
| ۹۱ | ال عمران | نُصْرِینَ | ۶۷۳ |
| ۹۳ | ال عمران | اِسْرَآءِیْلَ | ۶۷۴ |
| ۹۳ | ال عمران | اِسْرَآءِیْلُ | ۶۷۵ |
| ۹۳ | ال عمران | التَّوْرَةُ | ۶۷۶ |
| ۹۳ | ال عمران | بِالتَّوْرَةِ | ۶۷۷ |
| ۹۳ | ال عمران | صٰدِقِیْنَ | ۶۷۸ |
| ۹۴ | ال عمران | الظَّالِمُوْنَ | ۶۷۹ |
| ۹۵ | ال عمران | اِبْرٰهِيْمَ | ۶۸۰ |
| ۹۶ | ال عمران | لِلْعٰلَمِیْنَ | ۶۸۱ |
| ۹۷ | ال عمران | ءَاٰیٰتِیْ | ۶۸۲ |
| ۹۷ | ال عمران | بَيِّنٰتِیْ | ۶۸۳ |
| ۹۷ | ال عمران | اِبْرٰهِيْمَ | ۶۸۴ |
| ۹۷ | ال عمران | العٰلَمِیْنَ | ۶۸۵ |
| ۹۸ | ال عمران | یَّآ اَهْلَ | ۶۸۶ |
| ۹۸ | ال عمران | الْكِتٰبِ | ۶۸۷ |
| ۹۸ | ال عمران | بِءَاٰیٰتِیْ | ۶۸۸ |
| ۹۹ | ال عمران | یَّآ اَهْلَ | ۶۸۹ |
| ۹۹ | ال عمران | الْكِتٰبِ | ۶۹۰ |
| ۹۹ | ال عمران | بِغَافِلِیْ | ۶۹۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|-----------------|-----|
| ۱۰۰ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۶۹۲ |
| ۱۰۰ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۶۹۳ |
| ۱۰۰ | ال عمران | إِيمَانِكُمْ | ۶۹۴ |
| ۱۰۰ | ال عمران | كَافِرِينَ | ۶۹۵ |
| ۱۰۱ | ال عمران | ءَايَاتُ | ۶۹۶ |
| ۱۰۱ | ال عمران | صِرَاطِ | ۶۹۷ |
| ۱۰۲ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۶۹۸ |
| ۱۰۳ | ال عمران | إِخْوَانًا | ۶۹۹ |
| ۱۰۳ | ال عمران | ءَايَاتِهِ | ۷۰۰ |
| ۱۰۵ | ال عمران | الْبَيِّنَاتِ | ۷۰۱ |
| ۱۰۶ | ال عمران | إِيمَانِكُمْ | ۷۰۲ |
| ۱۰۷ | ال عمران | خَالِدُونَ | ۷۰۳ |
| ۱۰۸ | ال عمران | ءَايَاتُ | ۷۰۴ |
| ۱۰۸ | ال عمران | لِلْعَالَمِينَ | ۷۰۵ |
| ۱۰۹ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۷۰۶ |
| ۱۱۰ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۰۷ |
| ۱۱۰ | ال عمران | الْفُسِقُونَ | ۷۰۸ |
| ۱۱۱ | ال عمران | يُقَاتِلُواكُمْ | ۷۰۹ |
| ۱۱۲ | ال عمران | بَاءَوْ | ۷۱۰ |
| ۱۱۲ | ال عمران | بِغَايَةِ | ۷۱۱ |
| ۱۱۳ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۱۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۱۱۳ | ال عمران | ءَايَاتِ | ۷۱۳ |
| ۱۱۴ | ال عمران | يُسَارِعُونَ | ۷۱۴ |
| ۱۱۴ | ال عمران | الْخَيْرَاتِ | ۷۱۵ |
| ۱۱۴ | ال عمران | الصَّالِحِينَ | ۷۱۶ |
| ۱۱۶ | ال عمران | أَمْوَالُهُمْ | ۷۱۷ |
| ۱۱۶ | ال عمران | أَوْلَادُهُمْ | ۷۱۸ |
| ۱۱۶ | ال عمران | شَيْئًا | ۷۱۹ |
| ۱۱۶ | ال عمران | أَصْحَابُ | ۷۲۰ |
| ۱۱۶ | ال عمران | خَالِدُونَ | ۷۲۱ |
| ۱۱۷ | ال عمران | الْحَيَاةِ | ۷۲۲ |
| ۱۱۸ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۷۲۳ |
| ۱۱۸ | ال عمران | أَفْوَاهِهِمْ | ۷۲۴ |
| ۱۱۸ | ال عمران | الْأَيَاتِ | ۷۲۵ |
| ۱۱۹ | ال عمران | هَآأَنْتُمْ | ۷۲۶ |
| ۱۱۹ | ال عمران | بِالْكِتَابِ | ۷۲۷ |
| ۱۲۰ | ال عمران | شَيْئًا | ۷۲۸ |
| ۱۲۱ | ال عمران | مَقَاعِدَ | ۷۲۹ |
| ۱۲۴ | ال عمران | بِثَلَاثَةِ | ۷۳۰ |
| ۱۲۴ | ال عمران | ءَالِفٍ | ۷۳۱ |
| ۱۲۴ | ال عمران | الْمَلَائِكَةِ | ۷۳۲ |
| ۱۲۵ | ال عمران | ءَالِفٍ | ۷۳۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۱۲۵ | ال عمران | الْمَلَائِكَةِ | ۷۳۴ |
| ۱۲۸ | ال عمران | ظَلِمُونَ | ۷۳۵ |
| ۱۲۹ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۷۳۶ |
| ۱۳۰ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۷۳۷ |
| ۱۳۰ | ال عمران | الرَّبِّوَا | ۷۳۸ |
| ۱۳۰ | ال عمران | أَضْعَفًا | ۷۳۹ |
| ۱۳۰ | ال عمران | مُضْعَفَةً | ۷۴۰ |
| ۱۳۱ | ال عمران | لِلْكَافِرِينَ | ۷۴۱ |
| ۱۳۳ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۷۴۲ |
| ۱۳۴ | ال عمران | الْكَاظِمِينَ | ۷۴۳ |
| ۱۳۵ | ال عمران | فَاحِشَةً | ۷۴۴ |
| ۱۳۶ | ال عمران | جَنَّتْ | ۷۴۵ |
| ۱۳۶ | ال عمران | الْأَنْهَرُ | ۷۴۶ |
| ۱۳۶ | ال عمران | خُلْدِينَ | ۷۴۷ |
| ۱۳۶ | ال عمران | الْعُمِلِينَ | ۷۴۸ |
| ۱۳۷ | ال عمران | عَاقِبَةً | ۷۴۹ |
| ۱۴۰ | ال عمران | الظَّالِمِينَ | ۷۵۰ |
| ۱۴۱ | ال عمران | الْكَافِرِينَ | ۷۵۱ |
| ۱۴۲ | ال عمران | جَاهِدُوا | ۷۵۲ |
| ۱۴۲ | ال عمران | الصَّابِرِينَ | ۷۵۳ |
| ۱۴۴ | ال عمران | أَفَانِ | ۷۵۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|---------------|-----|
| ۱۴۴ | ال عمران | أَعْقَابِكُمْ | ۷۵۵ |
| ۱۴۴ | ال عمران | شَيْئًا | ۷۵۶ |
| ۱۴۴ | ال عمران | الشُّكْرِينَ | ۷۵۷ |
| ۱۴۵ | ال عمران | كِتَبًا | ۷۵۸ |
| ۱۴۵ | ال عمران | الشُّكْرِينَ | ۷۵۹ |
| ۱۴۶ | ال عمران | قَتَلَ | ۷۶۰ |
| ۱۴۶ | ال عمران | الصَّابِرِينَ | ۷۶۱ |
| ۱۴۷ | ال عمران | الْكٰفِرِينَ | ۷۶۲ |
| ۱۴۸ | ال عمران | فَعَاتِلُهُمْ | ۷۶۳ |
| ۱۴۹ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۷۶۴ |
| ۱۴۹ | ال عمران | أَعْقَابِكُمْ | ۷۶۵ |
| ۱۴۹ | ال عمران | خٰسِرِينَ | ۷۶۶ |
| ۱۵۰ | ال عمران | مَوْلٰىكُمْ | ۷۶۷ |
| ۱۵۰ | ال عمران | النَّصِرِينَ | ۷۶۸ |
| ۱۵۱ | ال عمران | سُلْطٰنًا | ۷۶۹ |
| ۱۵۱ | ال عمران | مَأْوٰىهُمْ | ۷۷۰ |
| ۱۵۱ | ال عمران | الظَّالِمِينَ | ۷۷۱ |
| ۱۵۲ | ال عمران | تَنَازَعْتُمْ | ۷۷۲ |
| ۱۵۲ | ال عمران | أَرْبٰكُمْ | ۷۷۳ |
| ۱۵۳ | ال عمران | تَلَوْنَ | ۷۷۴ |
| ۱۵۳ | ال عمران | أُخْرٰكُمْ | ۷۷۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|------------------|-----|
| ۱۵۳ | ال عمران | فَأَثَابَكُمْ | ۷۷۶ |
| ۱۵۳ | ال عمران | أَصَابَكُمْ | ۷۷۷ |
| ۱۵۴ | ال عمران | الْجَاهِلِيَّةِ | ۷۷۸ |
| ۱۵۴ | ال عمران | هَاهُنَا | ۷۷۹ |
| ۱۵۵ | ال عمران | الشَّيْطَانُ | ۷۸۰ |
| ۱۵۶ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۷۸۱ |
| ۱۵۶ | ال عمران | لِأَخْوَانِهِمْ | ۷۸۲ |
| ۱۵۶ | ال عمران | يُحْيِءُ | ۷۸۳ |
| ۱۶۱ | ال عمران | الْقِيَمَةِ | ۷۸۴ |
| ۱۶۲ | ال عمران | رِضْوَانٍ | ۷۸۵ |
| ۱۶۲ | ال عمران | مَأْوَاهُ | ۷۸۶ |
| ۱۶۳ | ال عمران | دَرَجَاتٍ | ۷۸۷ |
| ۱۶۴ | ال عمران | ءَايَاتِهِ | ۷۸۸ |
| ۱۶۴ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۷۸۹ |
| ۱۶۴ | ال عمران | ضَلَّلِ | ۷۹۰ |
| ۱۶۵ | ال عمران | أَصَابَتْكُمْ | ۷۹۱ |
| ۱۶۶ | ال عمران | أَصَابَكُمْ | ۷۹۲ |
| ۱۶۷ | ال عمران | قَاتِلُوا | ۷۹۳ |
| ۱۶۷ | ال عمران | لَا تَبْغُنْكُمْ | ۷۹۴ |
| ۱۶۷ | ال عمران | لِلْإِيمَانِ | ۷۹۵ |
| ۱۶۷ | ال عمران | بِأَفْوَاهِهِمْ | ۷۹۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|--------------------|-----|
| ۱۶۸ | ال عمران | لَا خَوَافَ لَهُمْ | ۷۹۷ |
| ۱۶۸ | ال عمران | فَادْرَءُوا | ۷۹۸ |
| ۱۶۸ | ال عمران | صَدِيقِينَ | ۷۹۹ |
| ۱۶۹ | ال عمران | أَمْوَاتًا | ۸۰۰ |
| ۱۷۰ | ال عمران | ءَاتَهُمْ | ۸۰۱ |
| ۱۷۳ | ال عمران | إِيمَانًا | ۸۰۲ |
| ۱۷۴ | ال عمران | رِضْوَانٍ | ۸۰۳ |
| ۱۷۵ | ال عمران | الشَّيْطَانُ | ۸۰۴ |
| ۱۷۶ | ال عمران | يُسَارِعُونَ | ۸۰۵ |
| ۱۷۶ | ال عمران | شَيْئًا | ۸۰۶ |
| ۱۷۷ | ال عمران | بِالْإِيمَانِ | ۸۰۷ |
| ۱۷۷ | ال عمران | شَيْئًا | ۸۰۸ |
| ۱۸۰ | ال عمران | ءَاتَهُمْ | ۸۰۹ |
| ۱۸۰ | ال عمران | الْقِيَمَةِ | ۸۱۰ |
| ۱۸۰ | ال عمران | مِيرَاثُ | ۸۱۱ |
| ۱۸۰ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۸۱۲ |
| ۱۸۳ | ال عمران | بِالْيَمِينِ | ۸۱۳ |
| ۱۸۳ | ال عمران | صَدِيقِينَ | ۸۱۴ |
| ۱۸۴ | ال عمران | جَاءُوا | ۸۱۵ |
| ۱۸۴ | ال عمران | بِالْيَمِينِ | ۸۱۶ |
| ۱۸۴ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۸۱۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۱۸۵ | ال عمران | الْقِيَمَةِ | ۸۱۸ |
| ۱۸۵ | ال عمران | الْحَيَوَةُ | ۸۱۹ |
| ۱۸۵ | ال عمران | مَتَاعُ | ۸۲۰ |
| ۱۸۶ | ال عمران | أَمْوَالِكُمْ | ۸۲۱ |
| ۱۸۶ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۸۲۲ |
| ۱۸۷ | ال عمران | مِيثَاقَ | ۸۲۳ |
| ۱۸۷ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۸۲۴ |
| ۱۸۹ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۸۲۵ |
| ۱۹۰ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۸۲۶ |
| ۱۹۰ | ال عمران | اِخْتِلَافِ | ۸۲۷ |
| ۱۹۰ | ال عمران | لَا يُتِ | ۸۲۸ |
| ۱۹۰ | ال عمران | الْأَبَابِ | ۸۲۹ |
| ۱۹۱ | ال عمران | قِيَامًا | ۸۳۰ |
| ۱۹۱ | ال عمران | السَّمَوَاتِ | ۸۳۱ |
| ۱۹۱ | ال عمران | بَاطِلًا | ۸۳۲ |
| ۱۹۱ | ال عمران | سُبْحَانَكَ | ۸۳۳ |
| ۱۹۲ | ال عمران | لِلظَّالِمِينَ | ۸۳۴ |
| ۱۹۳ | ال عمران | لِلْإِيمَانِ | ۸۳۵ |
| ۱۹۳ | ال عمران | سَيِّئَاتِنَا | ۸۳۶ |
| ۱۹۴ | ال عمران | الْقِيَمَةِ | ۸۳۷ |
| ۱۹۵ | ال عمران | عَامِلٍ | ۸۳۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|----------|----------------|-----|
| ۱۹۵ | ال عمران | دِیَارِهِمْ | ۸۳۹ |
| ۱۹۵ | ال عمران | قُتِلُوا | ۸۴۰ |
| ۱۹۵ | ال عمران | سَيِّئَاتِهِمْ | ۸۴۱ |
| ۱۹۵ | ال عمران | جَنَّتْ | ۸۴۲ |
| ۱۹۵ | ال عمران | الْأَنْهَرُ | ۸۴۳ |
| ۱۹۶ | ال عمران | الْبِلَادِ | ۸۴۴ |
| ۱۹۷ | ال عمران | مَتَاعٌ | ۸۴۵ |
| ۱۹۷ | ال عمران | مَأْوَاهُمْ | ۸۴۶ |
| ۱۹۸ | ال عمران | جَنَّتْ | ۸۴۷ |
| ۱۹۸ | ال عمران | الْأَنْهَرُ | ۸۴۸ |
| ۱۹۸ | ال عمران | خَلَائِدِينَ | ۸۴۹ |
| ۱۹۹ | ال عمران | الْكِتَابِ | ۸۵۰ |
| ۱۹۹ | ال عمران | خَشِعِينَ | ۸۵۱ |
| ۱۹۹ | ال عمران | بِعَايَتِ | ۸۵۲ |
| ۲۰۰ | ال عمران | يَا أَيُّهَا | ۸۵۳ |
| ۱ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۸۵۴ |
| ۱ | نساء | وَاحِدَةٍ | ۸۵۵ |
| ۲ | نساء | الْيَتِمَى | ۸۵۶ |
| ۲ | نساء | أَمْوَالَهُمْ | ۸۵۷ |
| ۲ | نساء | أَمْوَالَهُمْ | ۸۵۸ |
| ۲ | نساء | أَمْوَالِكُمْ | ۸۵۹ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|-----|
| ۳ | نساء | الْيَتِمَى | ۸۶۰ |
| ۳ | نساء | ثُلُثَ | ۸۶۱ |
| ۳ | نساء | رُبْعَ | ۸۶۲ |
| ۳ | نساء | فَوَاحِدَةً | ۸۶۳ |
| ۳ | نساء | أَيْمُنُكُمْ | ۸۶۴ |
| ۴ | نساء | صَدُقَتِهِنَّ | ۸۶۵ |
| ۴ | نساء | هَنِيئًا | ۸۶۶ |
| ۴ | نساء | مَرِيئًا | ۸۶۷ |
| ۵ | نساء | أَمْوَالِكُمْ | ۸۶۸ |
| ۵ | نساء | قِيَمًا | ۸۶۹ |
| ۶ | نساء | الْيَتِمَى | ۸۷۰ |
| ۶ | نساء | أَمْوَالَهُمْ | ۸۷۱ |
| ۶ | نساء | أَمْوَالَهُمْ | ۸۷۲ |
| ۷ | نساء | الْوَالِدَانِ | ۸۷۳ |
| ۷ | نساء | الْوَالِدَانِ | ۸۷۴ |
| ۸ | نساء | الْيَتِمَى | ۸۷۵ |
| ۸ | نساء | الْمَسْكِينُ | ۸۷۶ |
| ۹ | نساء | ضِعْفًا | ۸۷۷ |
| ۱۰ | نساء | أَمْوَالَ | ۸۷۸ |
| ۱۰ | نساء | الْيَتِمَى | ۸۷۹ |
| ۱۱ | نساء | أَوْلَادِكُمْ | ۸۸۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|--------------------|-----|
| ۱۱ | نساء | وَاحِدَةً | ۸۸۱ |
| ۱۱ | نساء | وَاحِدٍ | ۸۸۲ |
| ۱۲ | نساء | أَزْوَاجُكُمْ | ۸۸۳ |
| ۱۲ | نساء | كَلَلَةً | ۸۸۴ |
| ۱۲ | نساء | وَاحِدٍ | ۸۸۵ |
| ۱۳ | نساء | جَنَّتِ | ۸۸۶ |
| ۱۳ | نساء | الْأَنْهَرُ | ۸۸۷ |
| ۱۳ | نساء | خَلِيدِينَ | ۸۸۸ |
| ۱۴ | نساء | خَلِدًا | ۸۸۹ |
| ۱۵ | نساء | الْفَاحِشَةَ | ۸۹۰ |
| ۱۵ | نساء | يَتَوَفَّيْنَهُنَّ | ۸۹۱ |
| ۱۶ | نساء | يَأْتِيْنَهَا | ۸۹۲ |
| ۱۷ | نساء | بِجَهَالَةٍ | ۸۹۳ |
| ۱۸ | نساء | السَّيِّئَاتِ | ۸۹۴ |
| ۱۸ | نساء | الْعَنَ | ۸۹۵ |
| ۱۹ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۸۹۶ |
| ۱۹ | نساء | بِفَاحِشَةٍ | ۸۹۷ |
| ۱۹ | نساء | شَيْئًا | ۸۹۸ |
| ۲۰ | نساء | إِحْدَاهُنَّ | ۸۹۹ |
| ۲۰ | نساء | شَيْئًا | ۹۰۰ |
| ۲۰ | نساء | بُهْتَانًا | ۹۰۱ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | جُزْء |
|-----|------|-----------------|-------|
| ۲۱ | نساء | مِثَاقًا | ۹۰۲ |
| ۲۲ | نساء | فَاحِشَةً | ۹۰۳ |
| ۲۳ | نساء | أُمَّهَاتُكُمْ | ۹۰۴ |
| ۲۳ | نساء | أَخَوَاتُكُمْ | ۹۰۵ |
| ۲۳ | نساء | عَمَّتُكُمْ | ۹۰۶ |
| ۲۳ | نساء | خَلَّتُكُمْ | ۹۰۷ |
| ۲۳ | نساء | أُمَّهَاتُكُمْ | ۹۰۸ |
| ۲۳ | نساء | أَخَوَاتُكُمْ | ۹۰۹ |
| ۲۳ | نساء | الرَّضَاعَةَ | ۹۱۰ |
| ۲۳ | نساء | أُمَّهَاتُ | ۹۱۱ |
| ۲۳ | نساء | رَبَائِبُكُمْ | ۹۱۲ |
| ۲۳ | نساء | حَلَائِلُ | ۹۱۳ |
| ۲۳ | نساء | أَصْلَابُكُمْ | ۹۱۴ |
| ۲۴ | نساء | الْمُحْصَنَاتُ | ۹۱۵ |
| ۲۴ | نساء | أَيْمَنُكُمْ | ۹۱۶ |
| ۲۴ | نساء | بِأَمْوَالِكُمْ | ۹۱۷ |
| ۲۴ | نساء | مُسْفِحِينَ | ۹۱۸ |
| ۲۴ | نساء | تَرَاضِيَةً | ۹۱۹ |
| ۲۵ | نساء | الْمُحْصَنَاتِ | ۹۲۰ |
| ۲۵ | نساء | الْمُؤْمِنَاتِ | ۹۲۱ |
| ۲۵ | نساء | أَيْمَنُكُمْ | ۹۲۲ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|-----|
| ۲۵ | نساء | فَتَيِّتِكُمْ | ۹۲۳ |
| ۲۵ | نساء | الْمُؤْمِنَاتِ | ۹۲۴ |
| ۲۵ | نساء | بِأَيْمَانِكُمْ | ۹۲۵ |
| ۲۵ | نساء | مُحْصَنَاتٍ | ۹۲۶ |
| ۲۵ | نساء | مُسْفِحَاتٍ | ۹۲۷ |
| ۲۵ | نساء | مُتَّخِذَاتِ | ۹۲۸ |
| ۲۵ | نساء | بِفَاحِشَةٍ | ۹۲۹ |
| ۲۵ | نساء | الْمُحْصَنَاتِ | ۹۳۰ |
| ۲۷ | نساء | الشَّهَوَاتِ | ۹۳۱ |
| ۲۸ | نساء | الْإِنْسَانُ | ۹۳۲ |
| ۲۹ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۹۳۳ |
| ۲۹ | نساء | أَمْوَالِكُمْ | ۹۳۴ |
| ۲۹ | نساء | بِالْبَاطِلِ | ۹۳۵ |
| ۲۹ | نساء | تِجَارَةً | ۹۳۶ |
| ۳۰ | نساء | عُدْوَانًا | ۹۳۷ |
| ۳۱ | نساء | سَيِّئَاتِكُمْ | ۹۳۸ |
| ۳۲ | نساء | وَسْأَلُوا | ۹۳۹ |
| ۳۳ | نساء | مَوَالِي | ۹۴۰ |
| ۳۳ | نساء | الْوَالِدَانِ | ۹۴۱ |
| ۳۳ | نساء | أَيْمَانِكُمْ | ۹۴۲ |
| ۳۴ | نساء | قَوْمُونَ | ۹۴۳ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------------|-----|
| ۳۴ | نساء | أَمْوَالِهِمْ | ۹۴۴ |
| ۳۴ | نساء | فَالصَّالِحَاتُ | ۹۴۵ |
| ۳۴ | نساء | قِنْتُ | ۹۴۶ |
| ۳۴ | نساء | حَفِظْتُ | ۹۴۷ |
| ۳۵ | نساء | إِصْلَاحًا | ۹۴۸ |
| ۳۶ | نساء | شَيْئًا | ۹۴۹ |
| ۳۶ | نساء | بِالْوَالِدَيْنِ | ۹۵۰ |
| ۳۶ | نساء | إِحْسَانًا | ۹۵۱ |
| ۳۶ | نساء | الْيَتَامَى | ۹۵۲ |
| ۳۶ | نساء | الْمَسْكِينِ | ۹۵۳ |
| ۳۶ | نساء | أَيْمَانُكُمْ | ۹۵۴ |
| ۳۷ | نساء | ءَاتَهُمْ | ۹۵۵ |
| ۳۷ | نساء | لِلْكَافِرِينَ | ۹۵۶ |
| ۳۸ | نساء | أَمْوَالَهُمْ | ۹۵۷ |
| ۳۸ | نساء | الشَّيْطَانُ | ۹۵۸ |
| ۴۰ | نساء | يُضْعِفُهَا | ۹۵۹ |
| ۴۳ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۹۶۰ |
| ۴۳ | نساء | الصَّلَاةَ | ۹۶۱ |
| ۴۳ | نساء | سُكْرَى | ۹۶۲ |
| ۴۳ | نساء | أَوَلَمْ تَسْمِعُوا | ۹۶۳ |
| ۴۴ | نساء | الْكِتَابِ | ۹۶۴ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|-----|
| ۴۴ | نساء | الضَّلَلَةَ | ۹۶۵ |
| ۴۶ | نساء | رَاعِنَا | ۹۶۶ |
| ۴۷ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۹۶۷ |
| ۴۷ | نساء | الْكِتَابِ | ۹۶۸ |
| ۴۷ | نساء | أَصْحَابِ | ۹۶۹ |
| ۵۱ | نساء | الْكِتَابِ | ۹۷۰ |
| ۵۱ | نساء | الطَّاغُوتِ | ۹۷۱ |
| ۵۴ | نساء | ءَاتَتْهُمْ | ۹۷۲ |
| ۵۴ | نساء | إِبْرَاهِيمَ | ۹۷۳ |
| ۵۴ | نساء | الْكِتَابِ | ۹۷۴ |
| ۵۴ | نساء | ءَاتَيْنَاهُمْ | ۹۷۵ |
| ۵۶ | نساء | بِأَيَّتِنَا | ۹۷۶ |
| ۵۶ | نساء | بَدَّلْنَاهُمْ | ۹۷۷ |
| ۵۷ | نساء | الصَّلَاحِ | ۹۷۸ |
| ۵۷ | نساء | جَنَّتِ | ۹۷۹ |
| ۵۷ | نساء | الْأَنْهَارِ | ۹۸۰ |
| ۵۷ | نساء | خُلْدِينَ | ۹۸۱ |
| ۵۷ | نساء | أَزْوَاجٍ | ۹۸۲ |
| ۵۸ | نساء | الْأَمْنِ | ۹۸۳ |
| ۵۹ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۹۸۴ |
| ۵۹ | نساء | تَنَازَعْتُمْ | ۹۸۵ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۶۰ | نساء | الطَّاعُونَ | ۹۸۶ |
| ۶۰ | نساء | الشَّيْطَانُ | ۹۸۷ |
| ۶۰ | نساء | ضَلَالًا | ۹۸۸ |
| ۶۱ | نساء | الْمُنْفِقِينَ | ۹۸۹ |
| ۶۲ | نساء | أَصَابَتْهُمْ | ۹۹۰ |
| ۶۲ | نساء | جَاءُوكَ | ۹۹۱ |
| ۶۲ | نساء | إِحْسَانًا | ۹۹۲ |
| ۶۴ | نساء | جَاءُوكَ | ۹۹۳ |
| ۶۶ | نساء | دِيَارِكُمْ | ۹۹۴ |
| ۶۷ | نساء | لَأَتَيْنَهُمْ | ۹۹۵ |
| ۶۸ | نساء | لَهَدَيْنَهُمْ | ۹۹۶ |
| ۶۸ | نساء | صِرَاطًا | ۹۹۷ |
| ۶۹ | نساء | النَّبِيِّينَ | ۹۹۸ |
| ۶۹ | نساء | الصَّالِحِينَ | ۹۹۹ |
| ۷۱ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۰۰۰ |
| ۷۲ | نساء | أَصَابَتْكُمْ | ۱۰۰۱ |
| ۷۳ | نساء | أَصَابَكُمْ | ۱۰۰۲ |
| ۷۳ | نساء | يَلْتَنِي | ۱۰۰۳ |
| ۷۴ | نساء | فَلْيُقَاتِلْ | ۱۰۰۴ |
| ۷۴ | نساء | الْحَيَاةَ | ۱۰۰۵ |
| ۷۴ | نساء | يُقَاتِلْ | ۱۰۰۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ٧٥ | نساء | تُقَاتِلُونَ | ١٠٠٧ |
| ٧٥ | نساء | الْوِلْدَانِ | ١٠٠٨ |
| ٧٦ | نساء | يُقَاتِلُونَ | ١٠٠٩ |
| ٧٦ | نساء | يُقَاتِلُونَ | ١٠١٠ |
| ٧٦ | نساء | الطَّاغُوتِ | ١٠١١ |
| ٧٦ | نساء | فَقَاتِلُوا | ١٠١٢ |
| ٧٦ | نساء | الشَّيْطَانِ | ١٠١٣ |
| ٧٦ | نساء | الشَّيْطَانِ | ١٠١٤ |
| ٧٧ | نساء | الصَّلَاةَ | ١٠١٥ |
| ٧٧ | نساء | الزَّكَاةَ | ١٠١٦ |
| ٧٧ | نساء | مَتَاعُ | ١٠١٧ |
| ٧٩ | نساء | أَرْسَلْنَاكَ | ١٠١٨ |
| ٨٠ | نساء | أَرْسَلْنَاكَ | ١٠١٩ |
| ٨٢ | نساء | اِخْتِلَافًا | ١٠٢٠ |
| ٨٣ | نساء | الشَّيْطَانِ | ١٠٢١ |
| ٨٤ | نساء | فَقَاتِلْ | ١٠٢٢ |
| ٨٥ | نساء | شَفَاعَةً | ١٠٢٣ |
| ٨٥ | نساء | شَفَاعَةً | ١٠٢٤ |
| ٨٧ | نساء | الْقِيَمَةِ | ١٠٢٥ |
| ٨٨ | نساء | الْمُتَّفِقِينَ | ١٠٢٦ |
| ٩٠ | نساء | مِيثَاقُ | ١٠٢٧ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۹۰ | نساء | جَاءُكُمْ | ۱۰۲۸ |
| ۹۰ | نساء | يُقَاتِلُوكُمْ | ۱۰۲۹ |
| ۹۰ | نساء | يُقَاتِلُوا | ۱۰۳۰ |
| ۹۰ | نساء | فَلَقَتَلُوكُمْ | ۱۰۳۱ |
| ۹۰ | نساء | يُقَاتِلُوكُمْ | ۱۰۳۲ |
| ۹۱ | نساء | سُلْطَنًا | ۱۰۳۳ |
| ۹۲ | نساء | خَطَا | ۱۰۳۴ |
| ۹۲ | نساء | خَطَا | ۱۰۳۵ |
| ۹۲ | نساء | مِثَاقُ | ۱۰۳۶ |
| ۹۳ | نساء | خِلْدًا | ۱۰۳۷ |
| ۹۴ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۰۳۸ |
| ۹۴ | نساء | السَّلَامِ | ۱۰۳۹ |
| ۹۴ | نساء | الْحَيَاةِ | ۱۰۴۰ |
| ۹۵ | نساء | الْقُعِدُونَ | ۱۰۴۱ |
| ۹۵ | نساء | الْمُجَاهِدُونَ | ۱۰۴۲ |
| ۹۵ | نساء | بِأَمْوَالِهِمْ | ۱۰۴۳ |
| ۹۵ | نساء | الْمُجَاهِدِينَ | ۱۰۴۴ |
| ۹۵ | نساء | بِأَمْوَالِهِمْ | ۱۰۴۵ |
| ۹۵ | نساء | الْقُعِدِينَ | ۱۰۴۶ |
| ۹۵ | نساء | الْمُجَاهِدِينَ | ۱۰۴۷ |
| ۹۵ | نساء | الْقُعِدِينَ | ۱۰۴۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۹۶ | نساء | دَرَجَتٍ | ۱۰۴۹ |
| ۹۷ | نساء | تَوَفَّيْنَاهُمْ | ۱۰۵۰ |
| ۹۷ | نساء | الْمَلَائِكَةُ | ۱۰۵۱ |
| ۹۷ | نساء | وَاسِعَةً | ۱۰۵۲ |
| ۹۷ | نساء | مَأْوَاهُمْ | ۱۰۵۳ |
| ۹۸ | نساء | الْوِلْدَانِ | ۱۰۵۴ |
| ۱۰۰ | نساء | مُرْغَمًا | ۱۰۵۵ |
| ۱۰۱ | نساء | الصَّلَاةِ | ۱۰۵۶ |
| ۱۰۱ | نساء | الْكُفْرَيْنِ | ۱۰۵۷ |
| ۱۰۲ | نساء | الصَّلَاةِ | ۱۰۵۸ |
| ۱۰۲ | نساء | وَاحِدَةً | ۱۰۵۹ |
| ۱۰۲ | نساء | لِلْكُفْرَيْنِ | ۱۰۶۰ |
| ۱۰۳ | نساء | الصَّلَاةِ | ۱۰۶۱ |
| ۱۰۳ | نساء | قِيَامًا | ۱۰۶۲ |
| ۱۰۳ | نساء | الصَّلَاةِ | ۱۰۶۳ |
| ۱۰۳ | نساء | الصَّلَاةِ | ۱۰۶۴ |
| ۱۰۳ | نساء | كِتَابًا | ۱۰۶۵ |
| ۱۰۵ | نساء | الْكِتَابِ | ۱۰۶۶ |
| ۱۰۵ | نساء | أَرْثَاكَ | ۱۰۶۷ |
| ۱۰۷ | نساء | تُجَادِلُ | ۱۰۶۸ |
| ۱۰۹ | نساء | هَآأَنَآتُمْ | ۱۰۶۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|--------------|------|-----------|------|
| جَادَلْتُمْ | نساء | ١٠٩ | ١٠٧٠ |
| الْحَيَاةِ | نساء | ١٠٩ | ١٠٧١ |
| يُجَادِلُ | نساء | ١٠٩ | ١٠٧٢ |
| الْقِيَمَةِ | نساء | ١٠٩ | ١٠٧٣ |
| خَطِيئَةً | نساء | ١١٢ | ١٠٧٤ |
| بَرِيئًا | نساء | ١١٢ | ١٠٧٥ |
| بُهْتَانًا | نساء | ١١٢ | ١٠٧٦ |
| الْكِتَابِ | نساء | ١١٣ | ١٠٧٧ |
| نَجْوَاهُمْ | نساء | ١١٤ | ١٠٧٨ |
| إِصْلَاحٍ | نساء | ١١٤ | ١٠٧٩ |
| ضَلَالًا | نساء | ١١٦ | ١٠٨٠ |
| إِنثًا | نساء | ١١٧ | ١٠٨١ |
| شَيْطَانًا | نساء | ١١٧ | ١٠٨٢ |
| الْأَنْعَامِ | نساء | ١١٩ | ١٠٨٣ |
| الشَّيْطَانِ | نساء | ١١٩ | ١٠٨٤ |
| الشَّيْطَانُ | نساء | ١٢٠ | ١٠٨٥ |
| مَأْوَاهُمْ | نساء | ١٢١ | ١٠٨٦ |
| الصَّلَاحِ | نساء | ١٢٢ | ١٠٨٧ |
| جَنَّتِ | نساء | ١٢٢ | ١٠٨٨ |
| الْأَنْهَرُ | نساء | ١٢٢ | ١٠٨٩ |
| خُلْدِينَ | نساء | ١٢٢ | ١٠٩٠ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۱۲۳ | نساء | الکِتَبِ | ۱۰۹۱ |
| ۱۲۴ | نساء | الصِّلِحَتِ | ۱۰۹۲ |
| ۱۲۵ | نساء | إِبْرَاهِيمَ | ۱۰۹۳ |
| ۱۲۵ | نساء | إِبْرَاهِيمَ | ۱۰۹۴ |
| ۱۲۶ | نساء | السَّمَوَاتِ | ۱۰۹۵ |
| ۱۲۷ | نساء | الکِتَبِ | ۱۰۹۶ |
| ۱۲۷ | نساء | يَتِمَّى | ۱۰۹۷ |
| ۱۲۷ | نساء | الْوِلْدَانِ | ۱۰۹۸ |
| ۱۲۷ | نساء | لِلْيَتَمَى | ۱۰۹۹ |
| ۱۳۰ | نساء | وَاسِعًا | ۱۱۰۰ |
| ۱۳۱ | نساء | السَّمَوَاتِ | ۱۱۰۱ |
| ۱۳۱ | نساء | الکِتَبِ | ۱۱۰۲ |
| ۱۳۱ | نساء | السَّمَوَاتِ | ۱۱۰۳ |
| ۱۳۲ | نساء | السَّمَوَاتِ | ۱۱۰۴ |
| ۱۳۵ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۱۰۵ |
| ۱۳۵ | نساء | قَوْمِينَ | ۱۱۰۶ |
| ۱۳۵ | نساء | الْوَالِدِينَ | ۱۱۰۷ |
| ۱۳۵ | نساء | تَلَوْ ، ا | ۱۱۰۸ |
| ۱۳۶ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۱۰۹ |
| ۱۳۶ | نساء | الکِتَبِ | ۱۱۱۰ |
| ۱۳۶ | نساء | الکِتَبِ | ۱۱۱۱ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۳۶ | نساء | مَلَأَتْکِتِه | ۱۱۱۲ |
| ۱۳۶ | نساء | ضَلَّالًا | ۱۱۱۳ |
| ۱۳۸ | نساء | الْمُنْفِقِینَ | ۱۱۱۴ |
| ۱۳۹ | نساء | الْکُفْرِینَ | ۱۱۱۵ |
| ۱۴۰ | نساء | الْکِتَابِ | ۱۱۱۶ |
| ۱۴۰ | نساء | ءَايَاتِ | ۱۱۱۷ |
| ۱۴۰ | نساء | الْمُنْفِقِینَ | ۱۱۱۸ |
| ۱۴۰ | نساء | الْکُفْرِینَ | ۱۱۱۹ |
| ۱۴۱ | نساء | لِلْکُفْرِینَ | ۱۱۲۰ |
| ۱۴۱ | نساء | الْقِیَمَةِ | ۱۱۲۱ |
| ۱۴۱ | نساء | لِلْکُفْرِینَ | ۱۱۲۲ |
| ۱۴۲ | نساء | الْمُنْفِقِینَ | ۱۱۲۳ |
| ۱۴۲ | نساء | يُخَادِعُونَ | ۱۱۲۴ |
| ۱۴۲ | نساء | خَادِعُهُمْ | ۱۱۲۵ |
| ۱۴۲ | نساء | الصَّلَاةِ | ۱۱۲۶ |
| ۱۴۲ | نساء | يُرَآوْنَ | ۱۱۲۷ |
| ۱۴۴ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۱۲۸ |
| ۱۴۴ | نساء | الْکُفْرِینَ | ۱۱۲۹ |
| ۱۴۴ | نساء | سُلْطَنًا | ۱۱۳۰ |
| ۱۴۵ | نساء | الْمُنْفِقِینَ | ۱۱۳۱ |
| ۱۵۱ | نساء | الْکُفْرُونَ | ۱۱۳۲ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۱۵۱ | نساء | لِّلْكَافِرِينَ | ۱۱۳۳ |
| ۱۵۳ | نساء | يَسْأَلُكَ | ۱۱۳۴ |
| ۱۵۳ | نساء | الْكِتَابِ | ۱۱۳۵ |
| ۱۵۳ | نساء | كِتَابًا | ۱۱۳۶ |
| ۱۵۳ | نساء | الصَّاعِقَةُ | ۱۱۳۷ |
| ۱۵۳ | نساء | الْبَيِّنَاتُ | ۱۱۳۸ |
| ۱۵۳ | نساء | سُلْطَنًا | ۱۱۳۹ |
| ۱۵۴ | نساء | بِمِثَاقِهِمْ | ۱۱۴۰ |
| ۱۵۴ | نساء | مِثَاقًا | ۱۱۴۱ |
| ۱۵۵ | نساء | مِثَاقَهُمْ | ۱۱۴۲ |
| ۱۵۵ | نساء | بِأَيِّتِ | ۱۱۴۳ |
| ۱۵۶ | نساء | بُهْتَانًا | ۱۱۴۴ |
| ۱۵۹ | نساء | الْكِتَابِ | ۱۱۴۵ |
| ۱۵۹ | نساء | الْقِيَمَةِ | ۱۱۴۶ |
| ۱۶۰ | نساء | طَيِّبَتِ | ۱۱۴۷ |
| ۱۶۱ | نساء | الرِّبَا | ۱۱۴۸ |
| ۱۶۱ | نساء | أَمْوَالٍ | ۱۱۴۹ |
| ۱۶۱ | نساء | بِالْبَاطِلِ | ۱۱۵۰ |
| ۱۶۱ | نساء | لِّلْكَافِرِينَ | ۱۱۵۱ |
| ۱۶۲ | نساء | الرَّسْخُونَ | ۱۱۵۲ |
| ۱۶۲ | نساء | الصَّلَاةَ | ۱۱۵۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۶۲ | نساء | الزَّكَاةُ | ۱۱۵۴ |
| ۱۶۳ | نساء | التَّيِّبِينَ | ۱۱۵۵ |
| ۱۶۳ | نساء | إِبْرَاهِيمَ | ۱۱۵۶ |
| ۱۶۳ | نساء | إِسْمَاعِيلَ | ۱۱۵۷ |
| ۱۶۳ | نساء | إِسْحَاقَ | ۱۱۵۸ |
| ۱۶۳ | نساء | هَارُونَ | ۱۱۵۹ |
| ۱۶۳ | نساء | سُلَيْمَانَ | ۱۱۶۰ |
| ۱۶۳ | نساء | دَاوُدَ | ۱۱۶۱ |
| ۱۶۴ | نساء | قَصَصْنَاهُمْ | ۱۱۶۲ |
| ۱۶۶ | نساء | الْمَلَائِكَةُ | ۱۱۶۳ |
| ۱۶۷ | نساء | ضَلَّالًا | ۱۱۶۴ |
| ۱۶۹ | نساء | خَالِدِينَ | ۱۱۶۵ |
| ۱۷۰ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۱۶۶ |
| ۱۷۰ | نساء | السَّمَوَاتِ | ۱۱۶۷ |
| ۱۷۱ | نساء | يَا أَهْلَ | ۱۱۶۸ |
| ۱۷۱ | نساء | الْكِتَابِ | ۱۱۶۹ |
| ۱۷۱ | نساء | أَلْقَاهَا | ۱۱۷۰ |
| ۱۷۱ | نساء | ثَلَاثَةً | ۱۱۷۱ |
| ۱۷۱ | نساء | وَاحِدٌ | ۱۱۷۲ |
| ۱۷۱ | نساء | سُبْحَانَهُ | ۱۱۷۳ |
| ۱۷۱ | نساء | السَّمَوَاتِ | ۱۱۷۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۷۲ | نساء | الْمَلَأَكُهُ | ۱۱۷۵ |
| ۱۷۳ | نساء | الصِّلِحَتِ | ۱۱۷۶ |
| ۱۷۴ | نساء | يَا أَيُّهَا | ۱۱۷۷ |
| ۱۷۴ | نساء | بُرْهَانُ | ۱۱۷۸ |
| ۱۷۵ | نساء | صِرَاطًا | ۱۱۷۹ |
| ۱۷۶ | نساء | الْكَلَلَةَ | ۱۱۸۰ |
| ۱۷۶ | نساء | امْرُؤًا | ۱۱۸۱ |
| ۱ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۱۸۲ |
| ۱ | مائده | الْأَنْعَامِ | ۱۱۸۳ |
| ۲ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۱۸۴ |
| ۲ | مائده | شَعِيرٌ | ۱۱۸۵ |
| ۲ | مائده | الْقَلَائِدَ | ۱۱۸۶ |
| ۲ | مائده | رِضْوَانًا | ۱۱۸۷ |
| ۲ | مائده | الْعُدْوَانِ | ۱۱۸۸ |
| ۳ | مائده | بِالْأَزْلَامِ | ۱۱۸۹ |
| ۳ | مائده | الْإِسْلَامِ | ۱۱۹۰ |
| ۴ | مائده | يَسْأَلُونَكَ | ۱۱۹۱ |
| ۴ | مائده | الطَّيِّبُتِ | ۱۱۹۲ |
| ۵ | مائده | الطَّيِّبُتِ | ۱۱۹۳ |
| ۵ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۱۹۴ |
| ۵ | مائده | الْمُحْصَنَاتِ | ۱۱۹۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|--------------------|------|
| ۵ | مائده | الْمُؤْمِنَاتِ | ۱۱۹۶ |
| ۵ | مائده | الْمُحْصَنَاتُ | ۱۱۹۷ |
| ۵ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۱۹۸ |
| ۵ | مائده | مُسْفِحِينَ | ۱۱۹۹ |
| ۵ | مائده | بِالْإِيمَانِ | ۱۲۰۰ |
| ۵ | مائده | الْخَسِرِينَ | ۱۲۰۱ |
| ۶ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۲۰۲ |
| ۶ | مائده | الصَّلَاةِ | ۱۲۰۳ |
| ۶ | مائده | بِرُّءُوسِكُمْ | ۱۲۰۴ |
| ۶ | مائده | أَوَلَمْ تَسْتُمُّ | ۱۲۰۵ |
| ۷ | مائده | مِيثَاقَهُ | ۱۲۰۶ |
| ۸ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۲۰۷ |
| ۸ | مائده | قَوْمِينَ | ۱۲۰۸ |
| ۹ | مائده | الصَّلَاحِ | ۱۲۰۹ |
| ۱۰ | مائده | بِأَيْتِنَا | ۱۲۱۰ |
| ۱۰ | مائده | أَصْحَابُ | ۱۲۱۱ |
| ۱۱ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۲۱۲ |
| ۱۲ | مائده | مِيثَاقَ | ۱۲۱۳ |
| ۱۲ | مائده | إِسْرَآءِيلَ | ۱۲۱۴ |
| ۱۲ | مائده | الصَّلَاةَ | ۱۲۱۵ |
| ۱۲ | مائده | الزَّكَاةَ | ۱۲۱۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۲ | مائده | سَيِّئَاتِكُمْ | ۱۲۱۷ |
| ۱۲ | مائده | جَنَّتِ | ۱۲۱۸ |
| ۱۲ | مائده | الْأَنْهَرُ | ۱۲۱۹ |
| ۱۳ | مائده | مِيثَاقَهُمْ | ۱۲۲۰ |
| ۱۳ | مائده | لَعَنَهُمْ | ۱۲۲۱ |
| ۱۳ | مائده | قَسِيَّةٌ | ۱۲۲۲ |
| ۱۴ | مائده | نَصْرِيَّ | ۱۲۲۳ |
| ۱۴ | مائده | مِيثَاقَهُمْ | ۱۲۲۴ |
| ۱۴ | مائده | الْقِيَمَةِ | ۱۲۲۵ |
| ۱۵ | مائده | يَا أَهْلَ | ۱۲۲۶ |
| ۱۵ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۲۲۷ |
| ۱۵ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۲۲۸ |
| ۱۵ | مائده | كِتَبٌ | ۱۲۲۹ |
| ۱۶ | مائده | رِضْوَانَهُ | ۱۲۳۰ |
| ۱۶ | مائده | السَّلَامِ | ۱۲۳۱ |
| ۱۶ | مائده | الظُّلُمَاتِ | ۱۲۳۲ |
| ۱۶ | مائده | صِرَاطِ | ۱۲۳۳ |
| ۱۷ | مائده | شَيْئًا | ۱۲۳۴ |
| ۱۷ | مائده | السَّمَوَاتِ | ۱۲۳۵ |
| ۱۸ | مائده | النَّصْرِيَّ | ۱۲۳۶ |
| ۱۸ | مائده | أَبْنَاءُ | ۱۲۳۷ |
| ۱۸ | مائده | أَحِبَّاءُ | ۱۲۳۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۱۸ | مائده | السَّمَوَاتِ | ۱۲۳۹ |
| ۱۹ | مائده | يَآهْلَ | ۱۲۴۰ |
| ۱۹ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۲۴۱ |
| ۲۰ | مائده | يُقَوْمُ | ۱۲۴۲ |
| ۲۰ | مائده | ءَاتِكُمْ | ۱۲۴۳ |
| ۲۰ | مائده | الْعَالَمِينَ | ۱۲۴۴ |
| ۲۱ | مائده | يُقَوْمُ | ۱۲۴۵ |
| ۲۱ | مائده | خَسِرِينَ | ۱۲۴۶ |
| ۲۲ | مائده | يُمُوسَى | ۱۲۴۷ |
| ۲۲ | مائده | دُخِلُونَ | ۱۲۴۸ |
| ۲۳ | مائده | غَالِبُونَ | ۱۲۴۹ |
| ۲۴ | مائده | يُمُوسَى | ۱۲۵۰ |
| ۲۴ | مائده | فَقَاتِلَا | ۱۲۵۱ |
| ۲۴ | مائده | هَاهُنَا | ۱۲۵۲ |
| ۲۴ | مائده | قُعِدُونَ | ۱۲۵۳ |
| ۲۵ | مائده | الْفُسِّقِينَ | ۱۲۵۴ |
| ۲۶ | مائده | الْفُسِّقِينَ | ۱۲۵۵ |
| ۲۸ | مائده | الْعَالَمِينَ | ۱۲۵۶ |
| ۲۹ | مائده | أَصْحَابِ | ۱۲۵۷ |
| ۲۹ | مائده | جَزْءًا | ۱۲۵۸ |
| ۲۹ | مائده | الظَّالِمِينَ | ۱۲۵۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۳۰ | مائده | الْخُسْرَيْنَ | ۱۲۶۰ |
| ۳۱ | مائده | يُورَى | ۱۲۶۱ |
| ۳۱ | مائده | يُؤَيَّلَتْ | ۱۲۶۲ |
| ۳۱ | مائده | فَأُورَى | ۱۲۶۳ |
| ۳۱ | مائده | التَّامِينَ | ۱۲۶۴ |
| ۳۲ | مائده | إِسْرَآءِيلَ | ۱۲۶۵ |
| ۳۲ | مائده | بِالْبَيْتِ | ۱۲۶۶ |
| ۳۳ | مائده | جَزْؤًا | ۱۲۶۷ |
| ۳۳ | مائده | خِلَافٍ | ۱۲۶۸ |
| ۳۵ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۲۶۹ |
| ۳۵ | مائده | جَاهِدُوا | ۱۲۷۰ |
| ۳۶ | مائده | الْقِيَمَةِ | ۱۲۷۱ |
| ۳۷ | مائده | بِخَرْجَيْنِ | ۱۲۷۲ |
| ۳۸ | مائده | نَكَالًا | ۱۲۷۳ |
| ۴۰ | مائده | السَّمَوَاتِ | ۱۲۷۴ |
| ۴۱ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۲۷۵ |
| ۴۱ | مائده | يُسَارِعُونَ | ۱۲۷۶ |
| ۴۱ | مائده | بِأَفْوَاهِهِمْ | ۱۲۷۷ |
| ۴۱ | مائده | سَمْعُونَ | ۱۲۷۸ |
| ۴۱ | مائده | سَمَاعُونَ | ۱۲۷۹ |
| ۴۱ | مائده | شَيْئًا | ۱۲۸۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۴۲ | مائده | سَمْعُونَ | ۱۲۸۱ |
| ۴۲ | مائده | أَكَلُونَ | ۱۲۸۲ |
| ۴۲ | مائده | جَاءُوكَ | ۱۲۸۳ |
| ۴۲ | مائده | شَيْئًا | ۱۲۸۴ |
| ۴۳ | مائده | التَّورَةُ | ۱۲۸۵ |
| ۴۴ | مائده | التَّورَةُ | ۱۲۸۶ |
| ۴۴ | مائده | الرَّتَبِيُّونَ | ۱۲۸۷ |
| ۴۴ | مائده | كِتَبِ | ۱۲۸۸ |
| ۴۴ | مائده | بِأَيْتِي | ۱۲۸۹ |
| ۴۴ | مائده | الْكُفْرُونَ | ۱۲۹۰ |
| ۴۵ | مائده | الظَّالِمُونَ | ۱۲۹۱ |
| ۴۶ | مائده | ءَاثَارِهِمْ | ۱۲۹۲ |
| ۴۶ | مائده | التَّورَةُ | ۱۲۹۳ |
| ۴۶ | مائده | ءَاتَيْنَهُ | ۱۲۹۴ |
| ۴۶ | مائده | التَّورَةُ | ۱۲۹۵ |
| ۴۷ | مائده | الْفُسِقُونَ | ۱۲۹۶ |
| ۴۸ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۲۹۷ |
| ۴۸ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۲۹۸ |
| ۴۸ | مائده | وَاحِدَةً | ۱۲۹۹ |
| ۴۸ | مائده | ءَاتَكُمْ | ۱۳۰۰ |
| ۴۸ | مائده | الْخَيْرَاتِ | ۱۳۰۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | جُزْءُ |
|-----|-------|-----------------|--------|
| ۴۹ | مائده | لَفْسُقُونَ | ۱۳۰۲ |
| ۵۰ | مائده | الْجَاهِلِيَّةِ | ۱۳۰۳ |
| ۵۱ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۰۴ |
| ۵۱ | مائده | النَّصْرَى | ۱۳۰۵ |
| ۵۱ | مائده | الظَّالِمِينَ | ۱۳۰۶ |
| ۵۲ | مائده | يُسَارِعُونَ | ۱۳۰۷ |
| ۵۲ | مائده | نُدَمِينَ | ۱۳۰۸ |
| ۵۳ | مائده | أَيْمُنِهِمْ | ۱۳۰۹ |
| ۵۳ | مائده | أَعْمَالُهُمْ | ۱۳۱۰ |
| ۵۳ | مائده | خُسْرِينَ | ۱۳۱۱ |
| ۵۴ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۱۲ |
| ۵۴ | مائده | الْكُفْرِينَ | ۱۳۱۳ |
| ۵۴ | مائده | يُجَاهِدُونَ | ۱۳۱۴ |
| ۵۴ | مائده | وَاسِعٌ | ۱۳۱۵ |
| ۵۵ | مائده | الصَّلَاةَ | ۱۳۱۶ |
| ۵۵ | مائده | الزَّكَاةَ | ۱۳۱۷ |
| ۵۵ | مائده | رَاكِعُونَ | ۱۳۱۸ |
| ۵۶ | مائده | الْغُلَبُونَ | ۱۳۱۹ |
| ۵۷ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۲۰ |
| ۵۷ | مائده | الْكِتَابَ | ۱۳۲۱ |
| ۵۸ | مائده | الصَّلَاةَ | ۱۳۲۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۵۹ | مائده | يَا أَهْلَ | ۱۳۲۳ |
| ۵۹ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۳۲۴ |
| ۵۹ | مائده | فَسِقُونَ | ۱۳۲۵ |
| ۶۰ | مائده | الطَّاغُوتِ | ۱۳۲۶ |
| ۶۲ | مائده | يُسَارِعُونَ | ۱۳۲۷ |
| ۶۲ | مائده | الْعُدْوَانِ | ۱۳۲۸ |
| ۶۳ | مائده | يَنْهَاهُمْ | ۱۳۲۹ |
| ۶۳ | مائده | الرَّيْبِيِّنَ | ۱۳۳۰ |
| ۶۴ | مائده | طُغْيَانًا | ۱۳۳۱ |
| ۶۴ | مائده | الْعَدَاوَةِ | ۱۳۳۲ |
| ۶۴ | مائده | الْقِيَمَةِ | ۱۳۳۳ |
| ۶۵ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۳۳۴ |
| ۶۵ | مائده | سَيِّئَاتِهِمْ | ۱۳۳۵ |
| ۶۵ | مائده | لَا دَخْلَ لَهُمْ | ۱۳۳۶ |
| ۶۵ | مائده | جَنَّتِ | ۱۳۳۷ |
| ۶۶ | مائده | التَّورَةِ | ۱۳۳۸ |
| ۶۷ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۳۹ |
| ۶۷ | مائده | الْكُفْرَيْنَ | ۱۳۴۰ |
| ۶۸ | مائده | يَا أَهْلَ | ۱۳۴۱ |
| ۶۸ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۳۴۲ |
| ۶۸ | مائده | التَّورَةِ | ۱۳۴۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۶۸ | مائده | طُغْيَانًا | ۱۳۴۴ |
| ۶۸ | مائده | الْكٰفِرِيْنَ | ۱۳۴۵ |
| ۶۹ | مائده | الصَّبِيْوْنَ | ۱۳۴۶ |
| ۶۹ | مائده | النَّصْرٰى | ۱۳۴۷ |
| ۶۹ | مائده | صٰلِحًا | ۱۳۴۸ |
| ۷۰ | مائده | مِيْثَاقَ | ۱۳۴۹ |
| ۷۰ | مائده | اِسْرَآءِيْلَ | ۱۳۵۰ |
| ۷۲ | مائده | يَبْنٰى | ۱۳۵۱ |
| ۷۲ | مائده | اِسْرَآءِيْلَ | ۱۳۵۲ |
| ۷۲ | مائده | مَآوٰهُ | ۱۳۵۳ |
| ۷۲ | مائده | لِلظَّٰلِمِيْنَ | ۱۳۵۴ |
| ۷۳ | مائده | ثَلَاثَةً | ۱۳۵۵ |
| ۷۳ | مائده | وَاحِدٌ | ۱۳۵۶ |
| ۷۵ | مائده | الْاٰیٰتِ | ۱۳۵۷ |
| ۷۷ | مائده | يَٰٓاَهْلَ | ۱۳۵۸ |
| ۷۷ | مائده | الْكِتٰبِ | ۱۳۵۹ |
| ۷۸ | مائده | اِسْرَآءِيْلَ | ۱۳۶۰ |
| ۷۸ | مائده | دَاوُدَ | ۱۳۶۱ |
| ۸۰ | مائده | خٰلِدُوْنَ | ۱۳۶۲ |
| ۸۱ | مائده | فٰسِقُوْنَ | ۱۳۶۳ |
| ۸۲ | مائده | عَدَاوَةً | ۱۳۶۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۸۲ | مائده | نَصْرِي | ۱۳۶۵ |
| ۸۳ | مائده | الشَّهِدِينَ | ۱۳۶۶ |
| ۸۴ | مائده | الصَّالِحِينَ | ۱۳۶۷ |
| ۸۵ | مائده | فَأَثَابَهُمُ | ۱۳۶۸ |
| ۸۵ | مائده | جَنَّتِ | ۱۳۶۹ |
| ۸۵ | مائده | الْأَنْهَرُ | ۱۳۷۰ |
| ۸۵ | مائده | خَالِدِينَ | ۱۳۷۱ |
| ۸۶ | مائده | بِأَيَّتِنَا | ۱۳۷۲ |
| ۸۶ | مائده | أَصْحَابُ | ۱۳۷۳ |
| ۸۷ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۷۴ |
| ۸۷ | مائده | طَيِّبَتْ | ۱۳۷۵ |
| ۸۸ | مائده | حَلَالًا | ۱۳۷۶ |
| ۸۹ | مائده | أَيْمُنِكُمْ | ۱۳۷۷ |
| ۸۹ | مائده | الْأَيْمَنَ | ۱۳۷۸ |
| ۸۹ | مائده | فَكَفَّارَتُهُ | ۱۳۷۹ |
| ۸۹ | مائده | مَسْكِينَ | ۱۳۸۰ |
| ۸۹ | مائده | ثَلَاثَةَ | ۱۳۸۱ |
| ۸۹ | مائده | كَفَّارَةً | ۱۳۸۲ |
| ۸۹ | مائده | أَيْمُنِكُمْ | ۱۳۸۳ |
| ۸۹ | مائده | أَيْمُنِكُمْ | ۱۳۸۴ |
| ۸۹ | مائده | ءَايَاتِهِ | ۱۳۸۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۹۰ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۸۶ |
| ۹۰ | مائده | الْأَزْلَامُ | ۱۳۸۷ |
| ۹۰ | مائده | الشَّيْطَانِ | ۱۳۸۸ |
| ۹۱ | مائده | الشَّيْطَانُ | ۱۳۸۹ |
| ۹۱ | مائده | الْعَدَاوَةِ | ۱۳۹۰ |
| ۹۱ | مائده | الصَّلَاةِ | ۱۳۹۱ |
| ۹۲ | مائده | الْبَلْعُ | ۱۳۹۲ |
| ۹۳ | مائده | الصَّلِيحَاتِ | ۱۳۹۳ |
| ۹۳ | مائده | الصَّلِيحَاتِ | ۱۳۹۴ |
| ۹۴ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۹۵ |
| ۹۵ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۳۹۶ |
| ۹۵ | مائده | بَلْعُ | ۱۳۹۷ |
| ۹۵ | مائده | كَفَّارَةً | ۱۳۹۸ |
| ۹۵ | مائده | مَسَاكِينَ | ۱۳۹۹ |
| ۹۶ | مائده | مَتَاعًا | ۱۴۰۰ |
| ۹۷ | مائده | قِيَمًا | ۱۴۰۱ |
| ۹۷ | مائده | الْقَلَائِدَ | ۱۴۰۲ |
| ۹۷ | مائده | السَّمَوَاتِ | ۱۴۰۳ |
| ۹۹ | مائده | الْبَلْعُ | ۱۴۰۴ |
| ۱۰۰ | مائده | يَا أُولَى | ۱۴۰۵ |
| ۱۰۰ | مائده | الْأَبَابِ | ۱۴۰۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱۰۱ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۴۰۷ |
| ۱۰۱ | مائده | لَا تَسْأَلُوا | ۱۴۰۸ |
| ۱۰۱ | مائده | تَسْأَلُوا | ۱۴۰۹ |
| ۱۰۲ | مائده | كَافِرِينَ | ۱۴۱۰ |
| ۱۰۴ | مائده | شَيْئًا | ۱۴۱۱ |
| ۱۰۵ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۴۱۲ |
| ۱۰۶ | مائده | يَا أَيُّهَا | ۱۴۱۳ |
| ۱۰۶ | مائده | شَهَادَةُ | ۱۴۱۴ |
| ۱۰۶ | مائده | فَأَصَابَتْكُمْ | ۱۴۱۵ |
| ۱۰۶ | مائده | الصَّلَاةِ | ۱۴۱۶ |
| ۱۰۶ | مائده | شَهَادَةَ | ۱۴۱۷ |
| ۱۰۷ | مائده | الْأُولَىٰ | ۱۴۱۸ |
| ۱۰۷ | مائده | لَشَهَادَتُنَا | ۱۴۱۹ |
| ۱۰۷ | مائده | شَهَادَتِهِمَا | ۱۴۲۰ |
| ۱۰۷ | مائده | الظَّالِمِينَ | ۱۴۲۱ |
| ۱۰۸ | مائده | بِالشَّهَادَةِ | ۱۴۲۲ |
| ۱۰۸ | مائده | أَيْمَنُ | ۱۴۲۳ |
| ۱۰۸ | مائده | أَيْمَنِهِمْ | ۱۴۲۴ |
| ۱۰۸ | مائده | الْفَاسِقِينَ | ۱۴۲۵ |
| ۱۰۹ | مائده | عَلَّامُ | ۱۴۲۶ |
| ۱۱۰ | مائده | يُعِيسَىٰ | ۱۴۲۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۱۱۰ | مائده | وَالِدَتِكَ | ۱۴۲۸ |
| ۱۱۰ | مائده | الْكِتَابِ | ۱۴۲۹ |
| ۱۱۰ | مائده | التَّورَةِ | ۱۴۳۰ |
| ۱۱۰ | مائده | كَهَيئَةِ | ۱۴۳۱ |
| ۱۱۰ | مائده | إِسْرَآءِيلَ | ۱۴۳۲ |
| ۱۱۰ | مائده | بِالْيَمِينِ | ۱۴۳۳ |
| ۱۱۱ | مائده | الْحَوَارِيِّينَ | ۱۴۳۴ |
| ۱۱۲ | مائده | يُعِيسَى | ۱۴۳۵ |
| ۱۱۳ | مائده | الشَّاهِدِينَ | ۱۴۳۶ |
| ۱۱۴ | مائده | الرَّازِقِينَ | ۱۴۳۷ |
| ۱۱۵ | مائده | الْعَامِينَ | ۱۴۳۸ |
| ۱۱۶ | مائده | يُعِيسَى | ۱۴۳۹ |
| ۱۱۶ | مائده | سُبْحَانَكَ | ۱۴۴۰ |
| ۱۱۶ | مائده | عَلَامُ | ۱۴۴۱ |
| ۱۱۹ | مائده | الصُّدِقِينَ | ۱۴۴۲ |
| ۱۱۹ | مائده | جَنَّتْ | ۱۴۴۳ |
| ۱۱۹ | مائده | الْأَنْهَارِ | ۱۴۴۴ |
| ۱۱۹ | مائده | خَالِدِينَ | ۱۴۴۵ |
| ۱۲۰ | مائده | السَّمَوَاتِ | ۱۴۴۶ |
| ۱ | انعام | السَّمَوَاتِ | ۱۴۴۷ |
| ۱ | انعام | الْظُّلُمَاتِ | ۱۴۴۸ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۳ | انعام | السَّمَوَاتِ | ۱۴۴۹ |
| ۴ | انعام | ءَايَاتِ | ۱۴۵۰ |
| ۵ | انعام | أَنْبِئُوا | ۱۴۵۱ |
| ۵ | انعام | يَسْتَهْزِءُونَ | ۱۴۵۲ |
| ۶ | انعام | مَكَانَهُمْ | ۱۴۵۳ |
| ۶ | انعام | الْأَنْهَارِ | ۱۴۵۴ |
| ۶ | انعام | فَأَهْلَكْنَاهُمْ | ۱۴۵۵ |
| ۷ | انعام | كِتَابًا | ۱۴۵۶ |
| ۹ | انعام | جَعَلْنَاهُ | ۱۴۵۷ |
| ۹ | انعام | لَجَعَلْنَاهُ | ۱۴۵۸ |
| ۱۰ | انعام | يَسْتَهْزِءُونَ | ۱۴۵۹ |
| ۱۱ | انعام | عَاقِبَةً | ۱۴۶۰ |
| ۱۲ | انعام | السَّمَوَاتِ | ۱۴۶۱ |
| ۱۲ | انعام | الْقِيَمَةِ | ۱۴۶۲ |
| ۱۴ | انعام | السَّمَوَاتِ | ۱۴۶۳ |
| ۱۹ | انعام | شَهَادَةً | ۱۴۶۴ |
| ۱۹ | انعام | وَاحِدٌ | ۱۴۶۵ |
| ۲۰ | انعام | ءَاتَيْنَاهُمْ | ۱۴۶۶ |
| ۲۰ | انعام | الْكِتَابِ | ۱۴۶۷ |
| ۲۱ | انعام | بِغَايَتِهِ | ۱۴۶۸ |
| ۲۱ | انعام | الظَّالِمُونَ | ۱۴۶۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|----------------|-------|-----------|------|
| جَاءُوكَ | انعام | ۲۵ | ۱۴۷۰ |
| يُجَادِلُونَكَ | انعام | ۲۵ | ۱۴۷۱ |
| أَسَاطِيرُ | انعام | ۲۵ | ۱۴۷۲ |
| يَنْعَوْنَ | انعام | ۲۶ | ۱۴۷۳ |
| يَلَيِّنَا | انعام | ۲۷ | ۱۴۷۴ |
| بِأَيِّتِ | انعام | ۲۷ | ۱۴۷۵ |
| لَكَذِبُونَ | انعام | ۲۸ | ۱۴۷۶ |
| يُحَسِّرُنَا | انعام | ۳۱ | ۱۴۷۷ |
| الْحَيَوةُ | انعام | ۳۲ | ۱۴۷۸ |
| الظَّالِمِينَ | انعام | ۳۳ | ۱۴۷۹ |
| بِأَيِّتِ | انعام | ۳۳ | ۱۴۸۰ |
| آتَاهُمْ | انعام | ۳۴ | ۱۴۸۱ |
| لِكَلِمَةٍ | انعام | ۳۴ | ۱۴۸۲ |
| نَبَايَ | انعام | ۳۴ | ۱۴۸۳ |
| الْجَاهِلِينَ | انعام | ۳۵ | ۱۴۸۴ |
| طَائِرٍ | انعام | ۳۸ | ۱۴۸۵ |
| الْكِتَابِ | انعام | ۳۸ | ۱۴۸۶ |
| بِأَيَّتِنَا | انعام | ۳۹ | ۱۴۸۷ |
| الظُّلُمَتِ | انعام | ۳۹ | ۱۴۸۸ |
| صِرَاطِ | انعام | ۳۹ | ۱۴۸۹ |
| أَرَأَيْتَكُمْ | انعام | ۴۰ | ۱۴۹۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۴۰ | انعام | آتَکُمْ | ۱۴۹۱ |
| ۴۰ | انعام | صٰدِقِیْنَ | ۱۴۹۲ |
| ۴۲ | انعام | فَاَخَذْنٰهُمْ | ۱۴۹۳ |
| ۴۳ | انعام | الشَّیْطٰنُ | ۱۴۹۴ |
| ۴۴ | انعام | اَبْوَابَ | ۱۴۹۵ |
| ۴۴ | انعام | اَخَذْنٰهُمْ | ۱۴۹۶ |
| ۴۵ | انعام | العٰلَمِیْنَ | ۱۴۹۷ |
| ۴۶ | انعام | اَرٰءَیْتُمْ | ۱۴۹۸ |
| ۴۶ | انعام | اَبْصَارَکُمْ | ۱۴۹۹ |
| ۴۶ | انعام | الْاٰیٰتِ | ۱۵۰۰ |
| ۴۷ | انعام | اَرٰءَیْتُمْ | ۱۵۰۱ |
| ۴۷ | انعام | آتَکُمْ | ۱۵۰۲ |
| ۴۷ | انعام | الظّٰلِمُوْنَ | ۱۵۰۳ |
| ۴۹ | انعام | بِاٰیٰتِنَا | ۱۵۰۴ |
| ۵۲ | انعام | بِالْغَدُوَّةِ | ۱۵۰۵ |
| ۵۲ | انعام | الظّٰلِمِیْنَ | ۱۵۰۶ |
| ۵۳ | انعام | بِالشُّکْرِیْنَ | ۱۵۰۷ |
| ۵۴ | انعام | بِاٰیٰتِنَا | ۱۵۰۸ |
| ۵۴ | انعام | سَلٰمٌ | ۱۵۰۹ |
| ۵۴ | انعام | بِجَهَالَةٍ | ۱۵۱۰ |
| ۵۵ | انعام | الْاٰیٰتِ | ۱۵۱۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۵۷ | انعام | الْفُصِّلِينَ | ۱۵۱۲ |
| ۵۸ | انعام | بِالظَّالِمِينَ | ۱۵۱۳ |
| ۵۹ | انعام | ظَلُمْتَ | ۱۵۱۴ |
| ۵۹ | انعام | كِتَبٍ | ۱۵۱۵ |
| ۶۰ | انعام | يَتَوَفَّنَاكُمْ | ۱۵۱۶ |
| ۶۲ | انعام | مَوْلَاهُمْ | ۱۵۱۷ |
| ۶۲ | انعام | الْحُسْبِينَ | ۱۵۱۸ |
| ۶۳ | انعام | ظَلُمْتَ | ۱۵۱۹ |
| ۶۳ | انعام | أَنْجِنَا | ۱۵۲۰ |
| ۶۳ | انعام | الشَّاكِرِينَ | ۱۵۲۱ |
| ۶۵ | انعام | الْأَيَّتِ | ۱۵۲۲ |
| ۶۸ | انعام | ءَايَاتِنَا | ۱۵۲۳ |
| ۶۸ | انعام | الشَّيْطَانُ | ۱۵۲۴ |
| ۶۸ | انعام | الظَّالِمِينَ | ۱۵۲۵ |
| ۷۰ | انعام | الْحَيَوةُ | ۱۵۲۶ |
| ۷۱ | انعام | هَدَيْنَا | ۱۵۲۷ |
| ۷۱ | انعام | الشَّيْطَانُ | ۱۵۲۸ |
| ۷۱ | انعام | أَصْحَابُ | ۱۵۲۹ |
| ۷۱ | انعام | الْعَالَمِينَ | ۱۵۳۰ |
| ۷۲ | انعام | الصَّلَاةَ | ۱۵۳۱ |
| ۷۳ | انعام | السَّمَوَاتِ | ۱۵۳۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | آیه |
|------|-------|-----------|----------------|
| ۱۵۳۳ | انعام | ۷۳ | عَالِمُ |
| ۱۵۳۴ | انعام | ۷۳ | الشَّهَادَةِ |
| ۱۵۳۵ | انعام | ۷۴ | إِبْرَاهِيمَ |
| ۱۵۳۶ | انعام | ۷۴ | أَرْثَاكَ |
| ۱۵۳۷ | انعام | ۷۴ | ضَلَّلِ |
| ۱۵۳۸ | انعام | ۷۵ | إِبْرَاهِيمَ |
| ۱۵۳۹ | انعام | ۷۵ | السَّمَوَاتِ |
| ۱۵۴۰ | انعام | ۷۶ | رَءَا |
| ۱۵۴۱ | انعام | ۷۷ | رَءَا |
| ۱۵۴۲ | انعام | ۷۸ | رَءَا |
| ۱۵۴۳ | انعام | ۷۸ | يَقُومُ |
| ۱۵۴۴ | انعام | ۷۹ | السَّمَوَاتِ |
| ۱۵۴۵ | انعام | ۸۰ | أَتُحَاجُّونِي |
| ۱۵۴۶ | انعام | ۸۰ | هَدِنِ |
| ۱۵۴۷ | انعام | ۸۰ | شَيْئًا |
| ۱۵۴۸ | انعام | ۸۱ | سُلْطَنًا |
| ۱۵۴۹ | انعام | ۸۲ | إِيمَانَهُمْ |
| ۱۵۵۰ | انعام | ۸۳ | ءَاتَيْنَاهَا |
| ۱۵۵۱ | انعام | ۸۳ | إِبْرَاهِيمَ |
| ۱۵۵۲ | انعام | ۸۳ | دَرَجَاتٍ |
| ۱۵۵۳ | انعام | ۸۴ | إِسْحَاقَ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۸۴ | انعام | داوودَ | ۱۵۵۴ |
| ۸۴ | انعام | سُلَیْمَنَ | ۱۵۵۵ |
| ۸۴ | انعام | هٰرُونَ | ۱۵۵۶ |
| ۸۵ | انعام | الصّٰلِحِیْنَ | ۱۵۵۷ |
| ۸۶ | انعام | اِسْمٰعِیْلَ | ۱۵۵۸ |
| ۸۶ | انعام | العٰلَمِیْنَ | ۱۵۵۹ |
| ۸۷ | انعام | ذُرِّیَّتِهِمْ | ۱۵۶۰ |
| ۸۷ | انعام | اِخْوَانِهِمْ | ۱۵۶۱ |
| ۸۷ | انعام | اِجْتَبٰیْنَهُمْ | ۱۵۶۲ |
| ۸۷ | انعام | هَدٰیْنَهُمْ | ۱۵۶۳ |
| ۸۷ | انعام | صِرَاطِ | ۱۵۶۴ |
| ۸۹ | انعام | ءَاتٰیْنَهُمْ | ۱۵۶۵ |
| ۸۹ | انعام | الْكِتٰبَ | ۱۵۶۶ |
| ۸۹ | انعام | بِکُفْرَیْنِ | ۱۵۶۷ |
| ۹۰ | انعام | فَبِهٰدٰیْنَهُمْ | ۱۵۶۸ |
| ۹۰ | انعام | اَسْأَلُکُمْ | ۱۵۶۹ |
| ۹۰ | انعام | لِلْعٰلَمِیْنَ | ۱۵۷۰ |
| ۹۱ | انعام | الْكِتٰبَ | ۱۵۷۱ |
| ۹۲ | انعام | کِتٰبٌ | ۱۵۷۲ |
| ۹۲ | انعام | اَنْزَلْنٰهُ | ۱۵۷۳ |
| ۹۳ | انعام | الظّٰلِمُوْنَ | ۱۵۷۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | جُزْءُ |
|-----|-------|---------------|--------|
| ۹۳ | انعام | غَمَرَتْ | ۱۵۷۵ |
| ۹۳ | انعام | الْمَلَأْتُكَ | ۱۵۷۶ |
| ۹۳ | انعام | ءَايَاتِهِ | ۱۵۷۷ |
| ۹۴ | انعام | فُرَادَىٰ | ۱۵۷۸ |
| ۹۴ | انعام | خَلَقْنٰكُمْ | ۱۵۷۹ |
| ۹۴ | انعام | خَوَّلْنٰكُمْ | ۱۵۸۰ |
| ۹۴ | انعام | شُرَكَآءُ | ۱۵۸۱ |
| ۹۷ | انعام | ظَلَمْتُ | ۱۵۸۲ |
| ۹۷ | انعام | الْأَيَّتِ | ۱۵۸۳ |
| ۹۸ | انعام | وَاحِدَةٍ | ۱۵۸۴ |
| ۹۸ | انعام | الْأَيَّتِ | ۱۵۸۵ |
| ۹۹ | انعام | جَنَّتِ | ۱۵۸۶ |
| ۹۹ | انعام | مُتَشَابِهٍ | ۱۵۸۷ |
| ۹۹ | انعام | لَأَيَّتِ | ۱۵۸۸ |
| ۱۰۰ | انعام | بَنَتْ | ۱۵۸۹ |
| ۱۰۰ | انعام | سُبْحَنَهُ | ۱۵۹۰ |
| ۱۰۰ | انعام | تَعَالَى | ۱۵۹۱ |
| ۱۰۱ | انعام | السَّمَوَاتِ | ۱۵۹۲ |
| ۱۰۱ | انعام | صَاحِبَةً | ۱۵۹۳ |
| ۱۰۲ | انعام | خَالِقُ | ۱۵۹۴ |
| ۱۰۳ | انعام | الْأَبْصَارُ | ۱۵۹۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۱۰۳ | انعام | الْأَبْصَارَ | ۱۵۹۶ |
| ۱۰۵ | انعام | الْأَيْتِ | ۱۵۹۷ |
| ۱۰۷ | انعام | جَعَلْنَاكَ | ۱۵۹۸ |
| ۱۰۹ | انعام | أَيْمَنِهِمْ | ۱۵۹۹ |
| ۱۰۹ | انعام | الْأَيْتُ | ۱۶۰۰ |
| ۱۱۰ | انعام | أَفِيدَتُهُمْ | ۱۶۰۱ |
| ۱۱۰ | انعام | أَبْصَارَهُمْ | ۱۶۰۲ |
| ۱۱۰ | انعام | طُغْيَانِهِمْ | ۱۶۰۳ |
| ۱۱۱ | انعام | الْمَلَائِكَةِ | ۱۶۰۴ |
| ۱۱۲ | انعام | شَیْطَانِ | ۱۶۰۵ |
| ۱۱۳ | انعام | أَفْعِدَةُ | ۱۶۰۶ |
| ۱۱۴ | انعام | الْكِتَابِ | ۱۶۰۷ |
| ۱۱۴ | انعام | ءَاتَيْنَهُمْ | ۱۶۰۸ |
| ۱۱۴ | انعام | الْكِتَابِ | ۱۶۰۹ |
| ۱۱۵ | انعام | لِكَلِمَتِهِ | ۱۶۱۰ |
| ۱۱۸ | انعام | بِأَيْتِهِ | ۱۶۱۱ |
| ۱۲۰ | انعام | ظَاهِرَ | ۱۶۱۲ |
| ۱۲۱ | انعام | الشَّيْطَانِ | ۱۶۱۳ |
| ۱۲۱ | انعام | لِيُجَادِلُوكُمْ | ۱۶۱۴ |
| ۱۲۲ | انعام | فَاحْيَيْنَهُ | ۱۶۱۵ |
| ۱۲۲ | انعام | الظُّلُمَاتِ | ۱۶۱۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱۲۲ | انعام | لِّلْكَافِرِينَ | ۱۶۱۷ |
| ۱۲۳ | انعام | أَكْبَرِ | ۱۶۱۸ |
| ۱۲۵ | انعام | لِلْإِسْلَامِ | ۱۶۱۹ |
| ۱۲۶ | انعام | صِرَاطُ | ۱۶۲۰ |
| ۱۲۷ | انعام | السَّلَامِ | ۱۶۲۱ |
| ۱۲۸ | انعام | يُمَعَّشَرِ | ۱۶۲۲ |
| ۱۲۸ | انعام | مَثُونُكُمْ | ۱۶۲۳ |
| ۱۲۸ | انعام | خَلِيدِينَ | ۱۶۲۴ |
| ۱۲۹ | انعام | الظَّالِمِينَ | ۱۶۲۵ |
| ۱۳۰ | انعام | يُمَعَّشَرِ | ۱۶۲۶ |
| ۱۳۰ | انعام | ءَايَتِي | ۱۶۲۷ |
| ۱۳۰ | انعام | الْحَيَوةُ | ۱۶۲۸ |
| ۱۳۰ | انعام | كَافِرِينَ | ۱۶۲۹ |
| ۱۳۱ | انعام | غُفْلُونَ | ۱۶۳۰ |
| ۱۳۲ | انعام | دَرَجَاتٍ | ۱۶۳۱ |
| ۱۳۲ | انعام | بِغَافِلٍ | ۱۶۳۲ |
| ۱۳۵ | انعام | يَقُومِ | ۱۶۳۳ |
| ۱۳۵ | انعام | عَاقِبَةُ | ۱۶۳۴ |
| ۱۳۵ | انعام | الظَّالِمُونَ | ۱۶۳۵ |
| ۱۳۶ | انعام | الْأَنْعَامِ | ۱۶۳۶ |
| ۱۳۷ | انعام | أَوْلَادِهِمْ | ۱۶۳۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------------|------|
| ۱۳۸ | انعام | أَنْعَامٌ | ۱۶۳۸ |
| ۱۳۸ | انعام | أَنْعَامٌ | ۱۶۳۹ |
| ۱۳۸ | انعام | أَنْعَامٌ | ۱۶۴۰ |
| ۱۳۹ | انعام | الْأَنْعَامِ | ۱۶۴۱ |
| ۱۳۹ | انعام | أَزْوَاجِنَا | ۱۶۴۲ |
| ۱۴۰ | انعام | أَوْلَادَهُمْ | ۱۶۴۳ |
| ۱۴۱ | انعام | جَنَّتِ | ۱۶۴۴ |
| ۱۴۱ | انعام | مَعْرُوشَتِ | ۱۶۴۵ |
| ۱۴۱ | انعام | مَعْرُوشَتِ | ۱۶۴۶ |
| ۱۴۱ | انعام | مُتَشَابِهًا | ۱۶۴۷ |
| ۱۴۱ | انعام | مُتَشَابِهٍ | ۱۶۴۸ |
| ۱۴۲ | انعام | الْأَنْعَامِ | ۱۶۴۹ |
| ۱۴۲ | انعام | خُطُوتِ | ۱۶۵۰ |
| ۱۴۲ | انعام | الشَّيْطَانِ | ۱۶۵۱ |
| ۱۴۳ | انعام | ثَمْنِيَّةَ | ۱۶۵۲ |
| ۱۴۳ | انعام | أَزْوَاجِ | ۱۶۵۳ |
| ۱۴۳ | انعام | ءَالِ الذَّكَرَيْنِ | ۱۶۵۴ |
| ۱۴۳ | انعام | نَبِّئُونِي | ۱۶۵۵ |
| ۱۴۳ | انعام | صٰدِقَيْنِ | ۱۶۵۶ |
| ۱۴۴ | انعام | ءَالِ الذَّكَرَيْنِ | ۱۶۵۷ |
| ۱۴۴ | انعام | وَصَّٰكُمُ | ۱۶۵۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۱۴۴ | انعام | الظَّالِمِينَ | ۱۶۵۹ |
| ۱۴۶ | انعام | جَزَيْنَهُمْ | ۱۶۶۰ |
| ۱۴۶ | انعام | لَصَدِقُونَ | ۱۶۶۱ |
| ۱۴۷ | انعام | وَاسِعَةً | ۱۶۶۲ |
| ۱۴۹ | انعام | الْبَالِغَةُ | ۱۶۶۳ |
| ۱۴۹ | انعام | لَهَدَيْكُمْ | ۱۶۶۴ |
| ۱۵۰ | انعام | بِأَيَّتِنَا | ۱۶۶۵ |
| ۱۵۱ | انعام | شَيْئًا | ۱۶۶۶ |
| ۱۵۱ | انعام | بِالْوَالِدَيْنِ | ۱۶۶۷ |
| ۱۵۱ | انعام | إِحْسَانًا | ۱۶۶۸ |
| ۱۵۱ | انعام | أَوْلَادَكُمْ | ۱۶۶۹ |
| ۱۵۱ | انعام | إِمْلَاقٍ | ۱۶۷۰ |
| ۱۵۱ | انعام | الْفَوَاحِشَ | ۱۶۷۱ |
| ۱۵۱ | انعام | وَصَّيْكُمْ | ۱۶۷۲ |
| ۱۵۲ | انعام | وَصَّيْكُمْ | ۱۶۷۳ |
| ۱۵۳ | انعام | صِرَاطِي | ۱۶۷۴ |
| ۱۵۳ | انعام | وَصَّيْكُمْ | ۱۶۷۵ |
| ۱۵۴ | انعام | الْكِتَابِ | ۱۶۷۶ |
| ۱۵۵ | انعام | كِتَابٍ | ۱۶۷۷ |
| ۱۵۵ | انعام | أَنْزَلْنَاهُ | ۱۶۷۸ |
| ۱۵۶ | انعام | الْكِتَابِ | ۱۶۷۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۵۶ | انعام | لَغْفَلِينَ | ۱۶۸۰ |
| ۱۵۷ | انعام | الْكِتَابُ | ۱۶۸۱ |
| ۱۵۷ | انعام | بِأَيَّتِ | ۱۶۸۲ |
| ۱۵۷ | انعام | ءَايَاتِنَا | ۱۶۸۳ |
| ۱۵۸ | انعام | الْمَلَائِكَةُ | ۱۶۸۴ |
| ۱۵۸ | انعام | ءَايَاتِ | ۱۶۸۵ |
| ۱۵۸ | انعام | ءَايَاتِ | ۱۶۸۶ |
| ۱۵۸ | انعام | اِيْمَانُهَا | ۱۶۸۷ |
| ۱۵۸ | انعام | اِيْمَانِهَا | ۱۶۸۸ |
| ۱۶۱ | انعام | هَدَنِي | ۱۶۸۹ |
| ۱۶۱ | انعام | صِرَاطِ | ۱۶۹۰ |
| ۱۶۱ | انعام | اِبْرَاهِيمَ | ۱۶۹۱ |
| ۱۶۲ | انعام | الْعَالَمِينَ | ۱۶۹۲ |
| ۱۶۵ | انعام | خَلَقَ | ۱۶۹۳ |
| ۱۶۵ | انعام | دَرَجَاتِ | ۱۶۹۴ |
| ۱۶۵ | انعام | ءَاتَاكُمْ | ۱۶۹۵ |
| ۲ | اعراف | كِتَابُ | ۱۶۹۶ |
| ۴ | اعراف | اَهْلَكْنَاهَا | ۱۶۹۷ |
| ۴ | اعراف | بَيَاتًا | ۱۶۹۸ |
| ۵ | اعراف | دَعَوَاهُمْ | ۱۶۹۹ |
| ۵ | اعراف | ظَالِمِينَ | ۱۷۰۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۶ | اعراف | فَلَنَسْأَلَنَّ | ۱۷۰۱ |
| ۶ | اعراف | لَنَسْأَلَنَّ | ۱۷۰۲ |
| ۸ | اعراف | مَوَازِينُهُ | ۱۷۰۳ |
| ۹ | اعراف | مَوَازِينُهُ | ۱۷۰۴ |
| ۹ | اعراف | بِعَايَتِنَا | ۱۷۰۵ |
| ۱۰ | اعراف | مَكْنُكُم | ۱۷۰۶ |
| ۱۰ | اعراف | مَعَايِشَ | ۱۷۰۷ |
| ۱۱ | اعراف | خَلَقْنٰكُمْ | ۱۷۰۸ |
| ۱۱ | اعراف | صَوَّرْنٰكُمْ | ۱۷۰۹ |
| ۱۱ | اعراف | لِلْمَلَائِكَةِ | ۱۷۱۰ |
| ۱۱ | اعراف | السَّجِدِينَ | ۱۷۱۱ |
| ۱۳ | اعراف | الصَّغِيرِينَ | ۱۷۱۲ |
| ۱۶ | اعراف | صِرَاطَكَ | ۱۷۱۳ |
| ۱۷ | اعراف | أَيْمَنِهِمْ | ۱۷۱۴ |
| ۱۷ | اعراف | شٰكِرِينَ | ۱۷۱۵ |
| ۱۹ | اعراف | يَعَادِمُ | ۱۷۱۶ |
| ۱۹ | اعراف | الظَّالِمِينَ | ۱۷۱۷ |
| ۲۰ | اعراف | الشَّيْطٰنُ | ۱۷۱۸ |
| ۲۰ | اعراف | وَوَرَىٰ | ۱۷۱۹ |
| ۲۰ | اعراف | سَوَاءَ اتَّهَمَا | ۱۷۲۰ |
| ۲۰ | اعراف | نَهٰكُمَا | ۱۷۲۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | آیه |
|------|-------|----------------|-----|
| ۱۷۲۲ | اعراف | الْخَالِدِينَ | ۲۰ |
| ۱۷۲۳ | اعراف | الْمُصْحِينَ | ۲۱ |
| ۱۷۲۴ | اعراف | فَذَلَّلَهُمَا | ۲۲ |
| ۱۷۲۵ | اعراف | سَوَاءُئِهِمَا | ۲۲ |
| ۱۷۲۶ | اعراف | نَادَاهُمَا | ۲۲ |
| ۱۷۲۷ | اعراف | الشَّيْطَانِ | ۲۲ |
| ۱۷۲۸ | اعراف | الْخٰسِرِينَ | ۲۳ |
| ۱۷۲۹ | اعراف | مَتَاعٌ | ۲۴ |
| ۱۷۳۰ | اعراف | يَبْنَىٰ | ۲۶ |
| ۱۷۳۱ | اعراف | يُوَارَىٰ | ۲۶ |
| ۱۷۳۲ | اعراف | سَوَاءُتِكُمْ | ۲۶ |
| ۱۷۳۳ | اعراف | ءَايَاتِ | ۲۶ |
| ۱۷۳۴ | اعراف | يَبْنَىٰ | ۲۷ |
| ۱۷۳۵ | اعراف | الشَّيْطٰنُ | ۲۷ |
| ۱۷۳۶ | اعراف | سَوَاءُتِهِمَا | ۲۷ |
| ۱۷۳۷ | اعراف | يَرٰنِكُمْ | ۲۷ |
| ۱۷۳۸ | اعراف | الشَّيْطٰنِ | ۲۷ |
| ۱۷۳۹ | اعراف | فَاحِشَةً | ۲۸ |
| ۱۷۴۰ | اعراف | الضَّلٰلَةُ | ۳۰ |
| ۱۷۴۱ | اعراف | الشَّيْطٰنِ | ۳۰ |
| ۱۷۴۲ | اعراف | يَبْنَىٰ | ۳۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۳۲ | اعراف | الطَّيِّبَاتِ | ۱۷۴۳ |
| ۳۲ | اعراف | الْحَيَاةِ | ۱۷۴۴ |
| ۳۲ | اعراف | الْقِيَمَةِ | ۱۷۴۵ |
| ۳۲ | اعراف | الْأَيِّتِ | ۱۷۴۶ |
| ۳۳ | اعراف | الْفَوَاحِشَ | ۱۷۴۷ |
| ۳۳ | اعراف | سُلْطَانًا | ۱۷۴۸ |
| ۳۵ | اعراف | يَبْنَى | ۱۷۴۹ |
| ۳۵ | اعراف | ءَايَتِي | ۱۷۵۰ |
| ۳۶ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۷۵۱ |
| ۳۶ | اعراف | أَصْحَابُ | ۱۷۵۲ |
| ۳۶ | اعراف | خَالِدُونَ | ۱۷۵۳ |
| ۳۷ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۷۵۴ |
| ۳۷ | اعراف | الْكِتَابِ | ۱۷۵۵ |
| ۳۷ | اعراف | كَافِرِينَ | ۱۷۵۶ |
| ۳۸ | اعراف | أُخْرَاهُمْ | ۱۷۵۷ |
| ۳۸ | اعراف | لِأُولَاهُمْ | ۱۷۵۸ |
| ۳۹ | اعراف | أُولَاهُمْ | ۱۷۵۹ |
| ۳۹ | اعراف | لِأُخْرَاهُمْ | ۱۷۶۰ |
| ۴۰ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۷۶۱ |
| ۴۰ | اعراف | أَبْوَابُ | ۱۷۶۲ |
| ۴۱ | اعراف | الظَّالِمِينَ | ۱۷۶۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۴۲ | اعراف | الصِّلِحَتِ | ۱۷۶۴ |
| ۴۲ | اعراف | أَصْحِبُ | ۱۷۶۵ |
| ۴۲ | اعراف | خَلِدُونَ | ۱۷۶۶ |
| ۴۳ | اعراف | الْأَنْهَرُ | ۱۷۶۷ |
| ۴۳ | اعراف | هَدُنَا | ۱۷۶۸ |
| ۴۳ | اعراف | هَدُنَا | ۱۷۶۹ |
| ۴۴ | اعراف | أَصْحِبُ | ۱۷۷۰ |
| ۴۴ | اعراف | أَصْحِبَ | ۱۷۷۱ |
| ۴۴ | اعراف | الظَّالِمِينَ | ۱۷۷۲ |
| ۴۵ | اعراف | كَافِرُونَ | ۱۷۷۳ |
| ۴۶ | اعراف | بِسِمْنَهُمْ | ۱۷۷۴ |
| ۴۶ | اعراف | أَصْحِبَ | ۱۷۷۵ |
| ۴۶ | اعراف | سَلَّمَ | ۱۷۷۶ |
| ۴۷ | اعراف | أَبْصَارُهُمْ | ۱۷۷۷ |
| ۴۷ | اعراف | أَصْحِبِ | ۱۷۷۸ |
| ۴۷ | اعراف | الظَّالِمِينَ | ۱۷۷۹ |
| ۴۸ | اعراف | أَصْحِبُ | ۱۷۸۰ |
| ۴۸ | اعراف | بِسِمْنَهُمْ | ۱۷۸۱ |
| ۵۰ | اعراف | أَصْحِبُ | ۱۷۸۲ |
| ۵۰ | اعراف | أَصْحِبَ | ۱۷۸۳ |
| ۵۰ | اعراف | الْكَافِرِينَ | ۱۷۸۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۵۱ | اعراف | الْحَيَوةُ | ۱۷۸۵ |
| ۵۱ | اعراف | نَنْسَهُمْ | ۱۷۸۶ |
| ۵۱ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۷۸۷ |
| ۵۲ | اعراف | جِنَّهُمْ | ۱۷۸۸ |
| ۵۲ | اعراف | بِكِتَابٍ | ۱۷۸۹ |
| ۵۲ | اعراف | فَصَّلْنَاهُ | ۱۷۹۰ |
| ۵۴ | اعراف | السَّمَوَاتِ | ۱۷۹۱ |
| ۵۴ | اعراف | مُسَخَّرَاتٍ | ۱۷۹۲ |
| ۵۴ | اعراف | الْعَالَمِينَ | ۱۷۹۳ |
| ۵۶ | اعراف | إِصْلَاحِهَا | ۱۷۹۴ |
| ۵۷ | اعراف | الرَّيْحِ | ۱۷۹۵ |
| ۵۷ | اعراف | سُقْنَاهُ | ۱۷۹۶ |
| ۵۷ | اعراف | الثَّمَرَاتِ | ۱۷۹۷ |
| ۵۸ | اعراف | الْأَيَّتِ | ۱۷۹۸ |
| ۵۹ | اعراف | يَقُومُ | ۱۷۹۹ |
| ۶۰ | اعراف | لَنَزْنَاكَ | ۱۸۰۰ |
| ۶۰ | اعراف | ضَلَلٍ | ۱۸۰۱ |
| ۶۱ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۰۲ |
| ۶۱ | اعراف | ضَلَلَةً | ۱۸۰۳ |
| ۶۱ | اعراف | الْعَالَمِينَ | ۱۸۰۴ |
| ۶۲ | اعراف | رَسَلْتِ | ۱۸۰۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۶۴ | اعراف | فَأَنْجَيْنَاهُ | ۱۸۰۶ |
| ۶۴ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۸۰۷ |
| ۶۵ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۰۸ |
| ۶۶ | اعراف | لَنَرَاكَ | ۱۸۰۹ |
| ۶۶ | اعراف | الْكَاذِبِينَ | ۱۸۱۰ |
| ۶۷ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۱۱ |
| ۶۷ | اعراف | الْعَالَمِينَ | ۱۸۱۲ |
| ۶۸ | اعراف | رِسَالَتِ | ۱۸۱۳ |
| ۷۰ | اعراف | الصَّادِقِينَ | ۱۸۱۴ |
| ۷۱ | اعراف | أَتُجَادِلُونَنِي | ۱۸۱۵ |
| ۷۱ | اعراف | سُلْطٰنٍ | ۱۸۱۶ |
| ۷۲ | اعراف | فَأَنْجَيْنَاهُ | ۱۸۱۷ |
| ۷۲ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۸۱۸ |
| ۷۳ | اعراف | صَلِحًا | ۱۸۱۹ |
| ۷۳ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۲۰ |
| ۷۵ | اعراف | صَلِحًا | ۱۸۲۱ |
| ۷۶ | اعراف | كَافِرُونَ | ۱۸۲۲ |
| ۷۷ | اعراف | يُصْلِحُ | ۱۸۲۳ |
| ۷۸ | اعراف | جَثِمِينَ | ۱۸۲۴ |
| ۷۹ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۲۵ |
| ۷۹ | اعراف | النَّاصِحِينَ | ۱۸۲۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۸۰ | اعراف | الفَاحِشَةُ | ۱۸۲۷ |
| ۸۰ | اعراف | الْعَلَمِينَ | ۱۸۲۸ |
| ۸۳ | اعراف | فَأَنْجَيْنَاهُ | ۱۸۲۹ |
| ۸۳ | اعراف | الْغَابِرِينَ | ۱۸۳۰ |
| ۸۴ | اعراف | عَاقِبَةُ | ۱۸۳۱ |
| ۸۵ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۳۲ |
| ۸۵ | اعراف | إِصْلَاحِهَا | ۱۸۳۳ |
| ۸۶ | اعراف | صِرَاطِ | ۱۸۳۴ |
| ۸۶ | اعراف | عَاقِبَةُ | ۱۸۳۵ |
| ۸۷ | اعراف | الْحَاكِمِينَ | ۱۸۳۶ |
| ۸۸ | اعراف | يُشْعِبُ | ۱۸۳۷ |
| ۸۸ | اعراف | كَرِهِينَ | ۱۸۳۸ |
| ۸۹ | اعراف | نَجَّاتًا | ۱۸۳۹ |
| ۸۹ | اعراف | الْفُتَحِينَ | ۱۸۴۰ |
| ۹۰ | اعراف | لَخَسِرُونَ | ۱۸۴۱ |
| ۹۱ | اعراف | جُثَمِينَ | ۱۸۴۲ |
| ۹۲ | اعراف | الْخَسِرِينَ | ۱۸۴۳ |
| ۹۳ | اعراف | يَقُومُ | ۱۸۴۴ |
| ۹۳ | اعراف | رِسَالَتِ | ۱۸۴۵ |
| ۹۳ | اعراف | كَافِرِينَ | ۱۸۴۶ |
| ۹۵ | اعراف | فَأَخَذْنَاهُمْ | ۱۸۴۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۹۶ | اعراف | بَرَکَاتٍ | ۱۸۴۸ |
| ۹۶ | اعراف | فَاَخَذْنَاهُمْ | ۱۸۴۹ |
| ۹۷ | اعراف | بَيَاتًا | ۱۸۵۰ |
| ۹۹ | اعراف | الْخُسْرٰوْنَ | ۱۸۵۱ |
| ۱۰۰ | اعراف | اَصْبٰنُهُمْ | ۱۸۵۲ |
| ۱۰۱ | اعراف | بِالْيَمِيْنِ | ۱۸۵۳ |
| ۱۰۱ | اعراف | الْكٰفِرِيْنَ | ۱۸۵۴ |
| ۱۰۲ | اعراف | لَفٰسِقِيْنَ | ۱۸۵۵ |
| ۱۰۳ | اعراف | بِاٰيٰتِنَا | ۱۸۵۶ |
| ۱۰۳ | اعراف | مٰلَاہِ | ۱۸۵۷ |
| ۱۰۳ | اعراف | عٰقِبَةُ | ۱۸۵۸ |
| ۱۰۴ | اعراف | يُفِرْعَوْنُ | ۱۸۵۹ |
| ۱۰۴ | اعراف | الْعٰلَمِيْنَ | ۱۸۶۰ |
| ۱۰۵ | اعراف | اِسْرَآءِيْلَ | ۱۸۶۱ |
| ۱۰۶ | اعراف | الصّٰدِقِيْنَ | ۱۸۶۲ |
| ۱۰۸ | اعراف | لِلنّٰظِرِيْنَ | ۱۸۶۳ |
| ۱۰۹ | اعراف | لَسٰحِرٍ | ۱۸۶۴ |
| ۱۱۱ | اعراف | حٰشِرِيْنَ | ۱۸۶۵ |
| ۱۱۲ | اعراف | سِحْرِ | ۱۸۶۶ |
| ۱۱۳ | اعراف | الْغٰلِيِيْنَ | ۱۸۶۷ |
| ۱۱۵ | اعراف | يُمُوْسٰى | ۱۸۶۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۱۱۶ | اعراف | جَاءُو | ۱۸۶۹ |
| ۱۱۹ | اعراف | صُغِرِينَ | ۱۸۷۰ |
| ۱۲۰ | اعراف | سُجِدِينَ | ۱۸۷۱ |
| ۱۲۱ | اعراف | الْعَالَمِينَ | ۱۸۷۲ |
| ۱۲۲ | اعراف | هَارُونَ | ۱۸۷۳ |
| ۱۲۴ | اعراف | خِلَافٍ | ۱۸۷۴ |
| ۱۲۶ | اعراف | بِأَيِّتٍ | ۱۸۷۵ |
| ۱۲۷ | اعراف | نَسْتَحْيِ | ۱۸۷۶ |
| ۱۲۷ | اعراف | قُهِرُونَ | ۱۸۷۷ |
| ۱۲۸ | اعراف | الْعَاقِبَةُ | ۱۸۷۸ |
| ۱۳۰ | اعراف | الثَّمَرَاتِ | ۱۸۷۹ |
| ۱۳۱ | اعراف | طَّأَتْهُمْ | ۱۸۸۰ |
| ۱۳۳ | اعراف | ءَايَاتٍ | ۱۸۸۱ |
| ۱۳۳ | اعراف | مُفَصَّلَاتٍ | ۱۸۸۲ |
| ۱۳۴ | اعراف | يُمُوسَى | ۱۸۸۳ |
| ۱۳۴ | اعراف | إِسْرَآءِيلَ | ۱۸۸۴ |
| ۱۳۵ | اعراف | بِالْغَوَةِ | ۱۸۸۵ |
| ۱۳۶ | اعراف | فَاَغْرَقْنَاهُمْ | ۱۸۸۶ |
| ۱۳۶ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۸۸۷ |
| ۱۳۶ | اعراف | غُلْفَيْنِ | ۱۸۸۸ |
| ۱۳۷ | اعراف | مَشَارِقَ | ۱۸۸۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۳۷ | اعراف | مَغَارِبَهَا | ۱۸۹۰ |
| ۱۳۷ | اعراف | بُرْكُنَا | ۱۸۹۱ |
| ۱۳۷ | اعراف | اِسْرَآءِیْلَ | ۱۸۹۲ |
| ۱۳۸ | اعراف | جَاوَزْنَا | ۱۸۹۳ |
| ۱۳۸ | اعراف | اِسْرَآءِیْلَ | ۱۸۹۴ |
| ۱۳۸ | اعراف | یُمُوْسَى | ۱۸۹۵ |
| ۱۳۹ | اعراف | بَطْلٌ | ۱۸۹۶ |
| ۱۴۰ | اعراف | الْعَالَمِیْنَ | ۱۸۹۷ |
| ۱۴۱ | اعراف | اَنْجِیْنٰكُمْ | ۱۸۹۸ |
| ۱۴۲ | اعراف | وَعَدْنَا | ۱۸۹۹ |
| ۱۴۲ | اعراف | ثَلٰثِیْنَ | ۱۹۰۰ |
| ۱۴۲ | اعراف | اَتَمَمْنٰهَا | ۱۹۰۱ |
| ۱۴۲ | اعراف | مِیْقَاتُ | ۱۹۰۲ |
| ۱۴۲ | اعراف | هٰرُونَ | ۱۹۰۳ |
| ۱۴۳ | اعراف | لِمِیْقَاتِنَا | ۱۹۰۴ |
| ۱۴۳ | اعراف | تَرَانِی | ۱۹۰۵ |
| ۱۴۳ | اعراف | تَرَانِی | ۱۹۰۶ |
| ۱۴۳ | اعراف | سُبْحٰنَكَ | ۱۹۰۷ |
| ۱۴۴ | اعراف | یُمُوْسَى | ۱۹۰۸ |
| ۱۴۴ | اعراف | بِرِّسْلِی | ۱۹۰۹ |
| ۱۴۴ | اعراف | بِکَلَامِی | ۱۹۱۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۱۴۴ | اعراف | الشُّكِرِينَ | ۱۹۱۱ |
| ۱۴۵ | اعراف | سَأُورِيكُمْ | ۱۹۱۲ |
| ۱۴۵ | اعراف | الْفُسِقِينَ | ۱۹۱۳ |
| ۱۴۶ | اعراف | ءَايَتِي | ۱۹۱۴ |
| ۱۴۶ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۹۱۵ |
| ۱۴۶ | اعراف | غُفْلِينَ | ۱۹۱۶ |
| ۱۴۷ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۹۱۷ |
| ۱۴۷ | اعراف | أَعْمَالُهُمْ | ۱۹۱۸ |
| ۱۴۸ | اعراف | ظَالِمِينَ | ۱۹۱۹ |
| ۱۴۹ | اعراف | الْخٰسِرِينَ | ۱۹۲۰ |
| ۱۵۰ | اعراف | غَضَبَانَ | ۱۹۲۱ |
| ۱۵۰ | اعراف | بِئْسَمَا | ۱۹۲۲ |
| ۱۵۰ | اعراف | الظَّالِمِينَ | ۱۹۲۳ |
| ۱۵۱ | اعراف | الرَّحْمِينَ | ۱۹۲۴ |
| ۱۵۲ | اعراف | الْحَيٰوةِ | ۱۹۲۵ |
| ۱۵۳ | اعراف | السَّيِّئَاتِ | ۱۹۲۶ |
| ۱۵۵ | اعراف | لِمِيقَاتِنَا | ۱۹۲۷ |
| ۱۵۵ | اعراف | إِيَّايَ | ۱۹۲۸ |
| ۱۵۵ | اعراف | الْغٰفِرِينَ | ۱۹۲۹ |
| ۱۵۶ | اعراف | الزَّكٰوةَ | ۱۹۳۰ |
| ۱۵۶ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۹۳۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۵۷ | اعراف | التَّورَةِ | ۱۹۳۲ |
| ۱۵۷ | اعراف | يَنْهَاهُمْ | ۱۹۳۳ |
| ۱۵۷ | اعراف | الطَّيِّبَاتِ | ۱۹۳۴ |
| ۱۵۷ | اعراف | الْخَبِيثَاتِ | ۱۹۳۵ |
| ۱۵۷ | اعراف | الْأَغْلَلِ | ۱۹۳۶ |
| ۱۵۸ | اعراف | يَأْتِيهَا | ۱۹۳۷ |
| ۱۵۸ | اعراف | السَّمَوَاتِ | ۱۹۳۸ |
| ۱۵۸ | اعراف | يُحْيِ | ۱۹۳۹ |
| ۱۵۸ | اعراف | كَلِمَاتِهِ | ۱۹۴۰ |
| ۱۶۰ | اعراف | قَطَّعْنَاهُمْ | ۱۹۴۱ |
| ۱۶۰ | اعراف | اسْتَسْقَاهُ | ۱۹۴۲ |
| ۱۶۰ | اعراف | الْغَمَامِ | ۱۹۴۳ |
| ۱۶۰ | اعراف | طَيِّبَاتِ | ۱۹۴۴ |
| ۱۶۰ | اعراف | رَزَقْنَاهُمْ | ۱۹۴۵ |
| ۱۶۱ | اعراف | خَطِيئَتِكُمْ | ۱۹۴۶ |
| ۱۶۳ | اعراف | وَسَّأَلَهُمْ | ۱۹۴۷ |
| ۱۶۵ | اعراف | بَيْسٍ | ۱۹۴۸ |
| ۱۶۶ | اعراف | خُسَيْنَ | ۱۹۴۹ |
| ۱۶۷ | اعراف | الْقِيلَمَةِ | ۱۹۵۰ |
| ۱۶۸ | اعراف | قَطَّعْنَاهُمْ | ۱۹۵۱ |
| ۱۶۸ | اعراف | الصُّلِحُونَ | ۱۹۵۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۶۸ | اعراف | بَلُونَهُمْ | ۱۹۵۳ |
| ۱۶۸ | اعراف | بِالْحَسَنَاتِ | ۱۹۵۴ |
| ۱۶۸ | اعراف | السَّيِّئَاتِ | ۱۹۵۵ |
| ۱۶۹ | اعراف | الْكِتَابِ | ۱۹۵۶ |
| ۱۶۹ | اعراف | مِثَاقُ | ۱۹۵۷ |
| ۱۶۹ | اعراف | الْكِتَابِ | ۱۹۵۸ |
| ۱۷۰ | اعراف | بِالْكِتَابِ | ۱۹۵۹ |
| ۱۷۰ | اعراف | الصَّلَاةِ | ۱۹۶۰ |
| ۱۷۱ | اعراف | ءَاتَيْنَاكُمْ | ۱۹۶۱ |
| ۱۷۲ | اعراف | الْقِيَمَةِ | ۱۹۶۲ |
| ۱۷۲ | اعراف | غُفْلِينَ | ۱۹۶۳ |
| ۱۷۴ | اعراف | الْأَيَّتِ | ۱۹۶۴ |
| ۱۷۵ | اعراف | ءَاتَيْنَاهُ | ۱۹۶۵ |
| ۱۷۵ | اعراف | ءَايَاتِنَا | ۱۹۶۶ |
| ۱۷۵ | اعراف | الشَّيْطَانُ | ۱۹۶۷ |
| ۱۷۶ | اعراف | لَرَفَعْنَاهُ | ۱۹۶۸ |
| ۱۷۶ | اعراف | هُوَ | ۱۹۶۹ |
| ۱۷۶ | اعراف | بِءَايَاتِنَا | ۱۹۷۰ |
| ۱۷۷ | اعراف | بِءَايَاتِنَا | ۱۹۷۱ |
| ۱۷۸ | اعراف | الْخُسْرُونَ | ۱۹۷۲ |
| ۱۷۹ | اعراف | كَالْأَنْعَامِ | ۱۹۷۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۱۷۹ | اعراف | الْغُفْلُونَ | ۱۹۷۴ |
| ۱۸۰ | اعراف | أَسْمَاءُ | ۱۹۷۵ |
| ۱۸۲ | اعراف | بِأَيَّتِنَا | ۱۹۷۶ |
| ۱۸۵ | اعراف | السَّمُوتِ | ۱۹۷۷ |
| ۱۸۶ | اعراف | طُغْيَانِهِمْ | ۱۹۷۸ |
| ۱۸۷ | اعراف | يَسْأَلُونَكَ | ۱۹۷۹ |
| ۱۸۷ | اعراف | مُرْسُهَا | ۱۹۸۰ |
| ۱۸۷ | اعراف | السَّمُوتِ | ۱۹۸۱ |
| ۱۸۷ | اعراف | يَسْأَلُونَكَ | ۱۹۸۲ |
| ۱۸۹ | اعراف | وَاحِدَةٍ | ۱۹۸۳ |
| ۱۸۹ | اعراف | تَغْشَاهَا | ۱۹۸۴ |
| ۱۸۹ | اعراف | صَلِحًا | ۱۹۸۵ |
| ۱۸۹ | اعراف | الشُّكْرِينَ | ۱۹۸۶ |
| ۱۹۰ | اعراف | ءَاتَاهُمَا | ۱۹۸۷ |
| ۱۹۰ | اعراف | صَلِحًا | ۱۹۸۸ |
| ۱۹۰ | اعراف | ءَاتَاهُمَا | ۱۹۸۹ |
| ۱۹۰ | اعراف | فَتَعَلَىٰ | ۱۹۹۰ |
| ۱۹۱ | اعراف | شَيْئًا | ۱۹۹۱ |
| ۱۹۳ | اعراف | صُمِتُونَ | ۱۹۹۲ |
| ۱۹۴ | اعراف | صٰدِقِينَ | ۱۹۹۳ |
| ۱۹۶ | اعراف | وَلِيِّءَ | ۱۹۹۴ |
| ۱۹۶ | اعراف | الْكِتَابِ | ۱۹۹۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۹۶ | اعراف | الصَّالِحِينَ | ۱۹۹۶ |
| ۱۹۸ | اعراف | تَرَاهُمْ | ۱۹۹۷ |
| ۱۹۹ | اعراف | الْجَاهِلِينَ | ۱۹۹۸ |
| ۲۰۰ | اعراف | الشَّيْطَانِ | ۱۹۹۹ |
| ۲۰۱ | اعراف | طَائِفٌ | ۲۰۰۰ |
| ۲۰۱ | اعراف | الشَّيْطَانِ | ۲۰۰۱ |
| ۲۰۲ | اعراف | إِخْوَانُهُمْ | ۲۰۰۲ |
| ۲۰۵ | اعراف | الْغَافِلِينَ | ۲۰۰۳ |
| ۱ | انفال | يَسْأَلُونَكَ | ۲۰۰۴ |
| ۲ | انفال | ءَايَاتِهِ | ۲۰۰۵ |
| ۲ | انفال | إِيمَانًا | ۲۰۰۶ |
| ۳ | انفال | الصَّلَاةَ | ۲۰۰۷ |
| ۳ | انفال | رَزَقْنَاهُمْ | ۲۰۰۸ |
| ۴ | انفال | دَرَجَاتٍ | ۲۰۰۹ |
| ۵ | انفال | لَكَرِهُونَ | ۲۰۱۰ |
| ۶ | انفال | يُجَادِلُونَكَ | ۲۰۱۱ |
| ۷ | انفال | بِكَلِمَتِهِ | ۲۰۱۲ |
| ۷ | انفال | الْكُفْرِينَ | ۲۰۱۳ |
| ۸ | انفال | الْبَاطِلَ | ۲۰۱۴ |
| ۹ | انفال | الْمَلَائِكَةِ | ۲۰۱۵ |
| ۱۱ | انفال | الشَّيْطَانِ | ۲۰۱۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۲ | انفال | الْمَلَائِكَةِ | ۲۰۱۷ |
| ۱۴ | انفال | لِلْكَافِرِينَ | ۲۰۱۸ |
| ۱۵ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۱۹ |
| ۱۶ | انفال | مَأْوَاهُ | ۲۰۲۰ |
| ۱۸ | انفال | الْكَافِرِينَ | ۲۰۲۱ |
| ۱۹ | انفال | شَيْئًا | ۲۰۲۲ |
| ۲۰ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۲۳ |
| ۲۴ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۲۴ |
| ۲۶ | انفال | فَأَوْبِكُمْ | ۲۰۲۵ |
| ۲۶ | انفال | الطَّيِّبَاتِ | ۲۰۲۶ |
| ۲۷ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۲۷ |
| ۲۷ | انفال | أَمْنَتِكُمْ | ۲۰۲۸ |
| ۲۸ | انفال | أَمْوَالِكُمْ | ۲۰۲۹ |
| ۲۸ | انفال | أَوْلَادُكُمْ | ۲۰۳۰ |
| ۲۹ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۳۱ |
| ۲۹ | انفال | سَيِّئَاتِكُمْ | ۲۰۳۲ |
| ۳۰ | انفال | الْمُكْرِبِينَ | ۲۰۳۳ |
| ۳۱ | انفال | ءَايَتُنَا | ۲۰۳۴ |
| ۳۱ | انفال | أَسَاطِيرُ | ۲۰۳۵ |
| ۳۶ | انفال | أَمْوَالَهُمْ | ۲۰۳۶ |
| ۳۷ | انفال | الْخُسِرُونَ | ۲۰۳۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۳۹ | انفال | قَاتِلُوهُمْ | ۲۰۳۸ |
| ۴۰ | انفال | مَوْلَاكُمْ | ۲۰۳۹ |
| ۴۱ | انفال | الْيَتَمَى | ۲۰۴۰ |
| ۴۱ | انفال | الْمَسْكِينِ | ۲۰۴۱ |
| ۴۲ | انفال | الْمِيعَدِ | ۲۰۴۲ |
| ۴۳ | انفال | أَرْبَاكَهُمْ | ۲۰۴۳ |
| ۴۳ | انفال | لَتَنَازَعْتُمْ | ۲۰۴۴ |
| ۴۵ | انفال | يَأَيُّهَا | ۲۰۴۵ |
| ۴۶ | انفال | لَا تَنَازَعُوا | ۲۰۴۶ |
| ۴۶ | انفال | الصَّابِرِينَ | ۲۰۴۷ |
| ۴۷ | انفال | دِيَارِهِمْ | ۲۰۴۸ |
| ۴۸ | انفال | الشَّيْطَانُ | ۲۰۴۹ |
| ۴۸ | انفال | أَعْمَالَهُمْ | ۲۰۵۰ |
| ۴۹ | انفال | الْمُنْفِقُونَ | ۲۰۵۱ |
| ۵۰ | انفال | الْمَلَائِكَةُ | ۲۰۵۲ |
| ۵۰ | انفال | أَدْبَرَهُمْ | ۲۰۵۳ |
| ۵۱ | انفال | بِظُلَامٍ | ۲۰۵۴ |
| ۵۲ | انفال | بِأَيِّتٍ | ۲۰۵۵ |
| ۵۴ | انفال | بِأَيِّتٍ | ۲۰۵۶ |
| ۵۴ | انفال | فَأَهْلَكْنَاهُمْ | ۲۰۵۷ |
| ۵۴ | انفال | ظَالِمِينَ | ۲۰۵۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------------|------|
| ۵۶ | انفال | عَاهَدَتْ | ۲۰۵۹ |
| ۶۴ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۶۰ |
| ۶۵ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۶۱ |
| ۶۵ | انفال | صَبِرُونَ | ۲۰۶۲ |
| ۶۵ | انفال | مَائَتَيْنِ | ۲۰۶۳ |
| ۶۵ | انفال | مِائَةً | ۲۰۶۴ |
| ۶۶ | انفال | الْعَنَ | ۲۰۶۵ |
| ۶۶ | انفال | مِائَةً | ۲۰۶۶ |
| ۶۶ | انفال | مَائَتَيْنِ | ۲۰۶۷ |
| ۶۶ | انفال | الصَّابِرِينَ | ۲۰۶۸ |
| ۶۸ | انفال | كِتَبُ | ۲۰۶۹ |
| ۶۹ | انفال | حَلَالًا | ۲۰۷۰ |
| ۷۰ | انفال | يَا أَيُّهَا | ۲۰۷۱ |
| ۷۲ | انفال | جَاهِدُوا | ۲۰۷۲ |
| ۷۲ | انفال | بِأَمْوَالِهِمْ | ۲۰۷۳ |
| ۷۲ | انفال | وَلَا يَتَّبِعِهِمْ | ۲۰۷۴ |
| ۷۲ | انفال | مِيثَاقُ | ۲۰۷۵ |
| ۷۴ | انفال | جَاهِدُوا | ۲۰۷۶ |
| ۷۵ | انفال | جَاهِدُوا | ۲۰۷۷ |
| ۷۵ | انفال | كِتَبِ | ۲۰۷۸ |
| ۱ | توبة | بِرَأْءَائِهِ | ۲۰۷۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ١ | توبه | عَاهَدْتُمْ | ٢٠٨٠ |
| ٢ | توبه | الْكٰفِرِيْنَ | ٢٠٨١ |
| ٣ | توبه | اٰذَانُ | ٢٠٨٢ |
| ٤ | توبه | عَاهَدْتُمْ | ٢٠٨٣ |
| ٤ | توبه | شَيْئًا | ٢٠٨٤ |
| ٤ | توبه | يُظَاهِرُوا | ٢٠٨٥ |
| ٥ | توبه | الصَّلٰوةَ | ٢٠٨٦ |
| ٥ | توبه | الزَّكٰوةَ | ٢٠٨٧ |
| ٦ | توبه | كَلَامَ | ٢٠٨٨ |
| ٧ | توبه | عَاهَدْتُمْ | ٢٠٨٩ |
| ٧ | توبه | اسْتَقَامُوا | ٢٠٩٠ |
| ٨ | توبه | بِاَفْوَاهِهِمْ | ٢٠٩١ |
| ٨ | توبه | فٰسِقُوْنَ | ٢٠٩٢ |
| ٩ | توبه | بِاَيِّتِ | ٢٠٩٣ |
| ١١ | توبه | الصَّلٰوةَ | ٢٠٩٤ |
| ١١ | توبه | الزَّكٰوةَ | ٢٠٩٥ |
| ١١ | توبه | فَاِخْوَانُكُمْ | ٢٠٩٦ |
| ١١ | توبه | الْاٰيٰتِ | ٢٠٩٧ |
| ١٢ | توبه | اٰيْمَنَهُمْ | ٢٠٩٨ |
| ١٢ | توبه | فَقَاتِلُوْا | ٢٠٩٩ |
| ١٢ | توبه | اٰيْمَنَ | ٢١٠٠ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۱۳ | توبه | تُقَاتِلُونَ | ۲۱۰۱ |
| ۱۳ | توبه | أَيْمَنَهُمْ | ۲۱۰۲ |
| ۱۳ | توبه | بَدَّءُوكُمْ | ۲۱۰۳ |
| ۱۴ | توبه | قَاتِلُوهُمْ | ۲۱۰۴ |
| ۱۶ | توبه | جَاهِدُوا | ۲۱۰۵ |
| ۱۷ | توبه | مَسْجِدَ | ۲۱۰۶ |
| ۱۷ | توبه | شُهَدِينَ | ۲۱۰۷ |
| ۱۷ | توبه | أَعْمَالُهُمْ | ۲۱۰۸ |
| ۱۷ | توبه | خَالِدُونَ | ۲۱۰۹ |
| ۱۸ | توبه | مَسْجِدَ | ۲۱۱۰ |
| ۱۸ | توبه | الصَّلَاةَ | ۲۱۱۱ |
| ۱۸ | توبه | الزَّكَاةَ | ۲۱۱۲ |
| ۱۹ | توبه | جَاهِدَ | ۲۱۱۳ |
| ۱۹ | توبه | يَسْتَوُونَ | ۲۱۱۴ |
| ۱۹ | توبه | الظَّالِمِينَ | ۲۱۱۵ |
| ۲۰ | توبه | جَاهِدُوا | ۲۱۱۶ |
| ۲۰ | توبه | بِأَمْوَالِهِمْ | ۲۱۱۷ |
| ۲۱ | توبه | رِضْوَانٍ | ۲۱۱۸ |
| ۲۱ | توبه | جَنَّتِ | ۲۱۱۹ |
| ۲۲ | توبه | خَالِدِينَ | ۲۱۲۰ |
| ۲۳ | توبه | يَا أَيُّهَا | ۲۱۲۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۲۳ | توبه | إِخْوَانُكُمْ | ۲۱۲۲ |
| ۲۳ | توبه | الایمان | ۲۱۲۳ |
| ۲۳ | توبه | الظَّالِمُونَ | ۲۱۲۴ |
| ۲۴ | توبه | إِخْوَانُكُمْ | ۲۱۲۵ |
| ۲۴ | توبه | أَزْوَاجُكُمْ | ۲۱۲۶ |
| ۲۴ | توبه | تِجَارَةً | ۲۱۲۷ |
| ۲۴ | توبه | مَسْكِنُ | ۲۱۲۸ |
| ۲۴ | توبه | الْفُسِّقِينَ | ۲۱۲۹ |
| ۲۵ | توبه | شَيْئًا | ۲۱۳۰ |
| ۲۶ | توبه | الْكُفْرِينَ | ۲۱۳۱ |
| ۲۸ | توبه | يَايُهَا | ۲۱۳۲ |
| ۲۹ | توبه | قَاتِلُوا | ۲۱۳۳ |
| ۲۹ | توبه | الْكِتَابِ | ۲۱۳۴ |
| ۲۹ | توبه | صَغُرُونَ | ۲۱۳۵ |
| ۳۰ | توبه | النَّصْرَى | ۲۱۳۶ |
| ۳۰ | توبه | بِأَفْوَاهِهِمْ | ۲۱۳۷ |
| ۳۰ | توبه | يُضَاهِئُونَ | ۲۱۳۸ |
| ۳۰ | توبه | قَاتَلَهُمْ | ۲۱۳۹ |
| ۳۱ | توبه | رُهْبَانَهُمْ | ۲۱۴۰ |
| ۳۱ | توبه | وَاحِدًا | ۲۱۴۱ |
| ۳۱ | توبه | سُبْحَنَهُ | ۲۱۴۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۳۲ | توبه | يُطْفِئُوا | ۲۱۴۳ |
| ۳۲ | توبه | بِأَفْوَاهِهِمْ | ۲۱۴۴ |
| ۳۲ | توبه | الْكُفْرُونَ | ۲۱۴۵ |
| ۳۴ | توبه | يَا أَيُّهَا | ۲۱۴۶ |
| ۳۴ | توبه | أَمْوَالٍ | ۲۱۴۷ |
| ۳۴ | توبه | بِالْبَاطِلِ | ۲۱۴۸ |
| ۳۶ | توبه | كُتِبَ | ۲۱۴۹ |
| ۳۶ | توبه | السَّمَوَاتِ | ۲۱۵۰ |
| ۳۶ | توبه | قَاتِلُوا | ۲۱۵۱ |
| ۳۶ | توبه | يُقَاتِلُونَكُمْ | ۲۱۵۲ |
| ۳۷ | توبه | لِيُؤْطِئُوا | ۲۱۵۳ |
| ۳۷ | توبه | أَعْمَالِهِمْ | ۲۱۵۴ |
| ۳۷ | توبه | الْكُفْرَيْنِ | ۲۱۵۵ |
| ۳۸ | توبه | يَا أَيُّهَا | ۲۱۵۶ |
| ۳۸ | توبه | بِالْحَيَاةِ | ۲۱۵۷ |
| ۳۸ | توبه | مَتَاعُ | ۲۱۵۸ |
| ۳۸ | توبه | الْحَيَاةِ | ۲۱۵۹ |
| ۳۹ | توبه | شَيْئًا | ۲۱۶۰ |
| ۴۰ | توبه | لِصَاحِبِهِ | ۲۱۶۱ |
| ۴۱ | توبه | جَاهِدُوا | ۲۱۶۲ |
| ۴۱ | توبه | بِأَمْوَالِكُمْ | ۲۱۶۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ٤٢ | توبه | لَكَذِبُونَ | ٢١٦٤ |
| ٤٣ | توبه | الكَذِبِينَ | ٢١٦٥ |
| ٤٤ | توبه | يَسْتَأْذِنُكَ | ٢١٦٦ |
| ٤٤ | توبه | يُجْهِدُوا | ٢١٦٧ |
| ٤٤ | توبه | بِأَمْوَالِهِمْ | ٢١٦٨ |
| ٤٥ | توبه | يَسْتَأْذِنُكَ | ٢١٦٩ |
| ٤٦ | توبه | الْقُعْدِينَ | ٢١٧٠ |
| ٤٧ | توبه | خِلَالَكُمْ | ٢١٧١ |
| ٤٧ | توبه | سَمْعُونَ | ٢١٧٢ |
| ٤٧ | توبه | بِالظَّالِمِينَ | ٢١٧٣ |
| ٤٨ | توبه | كَرِهُونَ | ٢١٧٤ |
| ٤٩ | توبه | بِالْكَافِرِينَ | ٢١٧٥ |
| ٥١ | توبه | مَوْلَانَا | ٢١٧٦ |
| ٥٣ | توبه | فُسِّقِينَ | ٢١٧٧ |
| ٥٤ | توبه | نَفَقَتُهُمْ | ٢١٧٨ |
| ٥٤ | توبه | الصَّلَاةَ | ٢١٧٩ |
| ٥٤ | توبه | كَرِهُونَ | ٢١٨٠ |
| ٥٥ | توبه | أَمْوَالُهُمْ | ٢١٨١ |
| ٥٥ | توبه | أَوْلَادُهُمْ | ٢١٨٢ |
| ٥٥ | توبه | الْحَيَاةَ | ٢١٨٣ |
| ٥٥ | توبه | كَافِرُونَ | ٢١٨٤ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۵۷ | توبه | مَغْرَاتٍ | ۲۱۸۵ |
| ۵۸ | توبه | الصَّٰدَقَاتِ | ۲۱۸۶ |
| ۵۹ | توبه | ءَاتَتْهُمْ | ۲۱۸۷ |
| ۵۹ | توبه | رَٰغِبُونَ | ۲۱۸۸ |
| ۶۰ | توبه | الصَّٰدَقَاتُ | ۲۱۸۹ |
| ۶۰ | توبه | الْمَسْكِينِ | ۲۱۹۰ |
| ۶۰ | توبه | الْعَمِلِينَ | ۲۱۹۱ |
| ۶۰ | توبه | الْغَرَمِينَ | ۲۱۹۲ |
| ۶۳ | توبه | خَلِدًا | ۲۱۹۳ |
| ۶۴ | توبه | الْمُنْفِقُونَ | ۲۱۹۴ |
| ۶۴ | توبه | اسْتَهْزَءُوا | ۲۱۹۵ |
| ۶۵ | توبه | ءَايَاتِهِ | ۲۱۹۶ |
| ۶۵ | توبه | تَسْتَهْزِءُونَ | ۲۱۹۷ |
| ۶۶ | توبه | اِيْمَانِكُمْ | ۲۱۹۸ |
| ۶۷ | توبه | الْمُنْفِقُونَ | ۲۱۹۹ |
| ۶۷ | توبه | الْمُنْفِقَتُ | ۲۲۰۰ |
| ۶۷ | توبه | الْمُنْفِقِينَ | ۲۲۰۱ |
| ۶۷ | توبه | الْفٰسِقُونَ | ۲۲۰۲ |
| ۶۸ | توبه | الْمُنْفِقِينَ | ۲۲۰۳ |
| ۶۸ | توبه | الْمُنْفِقَتِ | ۲۲۰۴ |
| ۶۸ | توبه | خٰلِدِينَ | ۲۲۰۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ٦٩ | توبه | أَمْوَالًا | ٢٢٠٦ |
| ٦٩ | توبه | أَوْلَادًا | ٢٢٠٧ |
| ٦٩ | توبه | بِخَلَالِهِمْ | ٢٢٠٨ |
| ٦٩ | توبه | بِخَلَالِكُمْ | ٢٢٠٩ |
| ٦٩ | توبه | بِخَلَالِهِمْ | ٢٢١٠ |
| ٦٩ | توبه | أَعْمَالُهُمْ | ٢٢١١ |
| ٦٩ | توبه | الْخُسِرُونَ | ٢٢١٢ |
| ٧٠ | توبه | إِبْرَاهِيمَ | ٢٢١٣ |
| ٧٠ | توبه | أَصْحَابِ | ٢٢١٤ |
| ٧٠ | توبه | الْمُؤْتَفِكِ | ٢٢١٥ |
| ٧٠ | توبه | بِالْبَيِّنَاتِ | ٢٢١٦ |
| ٧١ | توبه | الْمُؤْمِنَاتُ | ٢٢١٧ |
| ٧١ | توبه | الصَّلَاةَ | ٢٢١٨ |
| ٧١ | توبه | الزَّكَاةَ | ٢٢١٩ |
| ٧٢ | توبه | الْمُؤْمِنَاتِ | ٢٢٢٠ |
| ٧٢ | توبه | جَنَّتِ | ٢٢٢١ |
| ٧٢ | توبه | الْأَنْهَرُ | ٢٢٢٢ |
| ٧٢ | توبه | خُلَادِينَ | ٢٢٢٣ |
| ٧٢ | توبه | مَسْكِنَ | ٢٢٢٤ |
| ٧٢ | توبه | جَنَّتِ | ٢٢٢٥ |
| ٧٢ | توبه | رِضْوَانُ | ٢٢٢٦ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ٧٣ | توبه | يَا أَيُّهَا | ٢٢٢٧ |
| ٧٣ | توبه | جَاهِدِ | ٢٢٢٨ |
| ٧٣ | توبه | الْمُتَّقِينَ | ٢٢٢٩ |
| ٧٣ | توبه | مَأْوَاهُمْ | ٢٢٣٠ |
| ٧٤ | توبه | إِسْلَامِهِمْ | ٢٢٣١ |
| ٧٤ | توبه | أَغْنَاهُمْ | ٢٢٣٢ |
| ٧٥ | توبه | عَاهِدًا | ٢٢٣٣ |
| ٧٥ | توبه | ءَاتَيْنَا | ٢٢٣٤ |
| ٧٥ | توبه | الصَّالِحِينَ | ٢٢٣٥ |
| ٧٦ | توبه | ءَاتَاهُمْ | ٢٢٣٦ |
| ٧٨ | توبه | نَجَّوْنَهُمْ | ٢٢٣٧ |
| ٧٨ | توبه | عَلَّامُ | ٢٢٣٨ |
| ٧٩ | توبه | الصَّدَقَاتِ | ٢٢٣٩ |
| ٨٠ | توبه | الْفَاسِقِينَ | ٢٢٤٠ |
| ٨١ | توبه | خِلَافَ | ٢٢٤١ |
| ٨١ | توبه | يُجَاهِدُوا | ٢٢٤٢ |
| ٨١ | توبه | بِأَمْوَالِهِمْ | ٢٢٤٣ |
| ٨٣ | توبه | فَاسْتَأْذَنُوكَ | ٢٢٤٤ |
| ٨٣ | توبه | تُقَاتِلُوا | ٢٢٤٥ |
| ٨٣ | توبه | الْخَالِفِينَ | ٢٢٤٦ |
| ٨٤ | توبه | فُسِقُونَ | ٢٢٤٧ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-------------------|------|
| ۸۵ | توبه | أَمْوَالُهُمْ | ۲۲۴۸ |
| ۸۵ | توبه | أَوْلَادُهُمْ | ۲۲۴۹ |
| ۸۵ | توبه | كَفِرُونَ | ۲۲۵۰ |
| ۸۶ | توبه | جَاهِدُوا | ۲۲۵۱ |
| ۸۶ | توبه | اسْتَأْذَنَكَ | ۲۲۵۲ |
| ۸۶ | توبه | الْقُعْدِينَ | ۲۲۵۳ |
| ۸۸ | توبه | جَاهِدُوا | ۲۲۵۴ |
| ۸۸ | توبه | بِأَمْوَالِهِمْ | ۲۲۵۵ |
| ۸۸ | توبه | الْخَيْرِ تُ | ۲۲۵۶ |
| ۸۹ | توبه | جَنَّتِ | ۲۲۵۷ |
| ۸۹ | توبه | الْأَنْهَرُ | ۲۲۵۸ |
| ۸۹ | توبه | خَالِدِينَ | ۲۲۵۹ |
| ۹۳ | توبه | يَسْتَأْذِنُونَكَ | ۲۲۶۰ |
| ۹۴ | توبه | عَالِمِ | ۲۲۶۱ |
| ۹۴ | توبه | الشَّهَادَةِ | ۲۲۶۲ |
| ۹۵ | توبه | مَاؤُهُمْ | ۲۲۶۳ |
| ۹۶ | توبه | الْفُسِّقِينَ | ۲۲۶۴ |
| ۹۹ | توبه | قُرْبَتِ | ۲۲۶۵ |
| ۹۹ | توبه | صَلَوَاتِ | ۲۲۶۶ |
| ۱۰۰ | توبه | السُّبِقُونَ | ۲۲۶۷ |
| ۱۰۰ | توبه | الْمُهَاجِرِينَ | ۲۲۶۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ١٠٠ | توبه | بِإِحْسَانٍ | ٢٢٦٩ |
| ١٠٠ | توبه | جَنَّتْ | ٢٢٧٠ |
| ١٠٠ | توبه | الْأَنْهَرُ | ٢٢٧١ |
| ١٠٠ | توبه | خَالِدِينَ | ٢٢٧٢ |
| ١٠١ | توبه | مُنْفِقُونَ | ٢٢٧٣ |
| ١٠٢ | توبه | صَلِحًا | ٢٢٧٤ |
| ١٠٣ | توبه | أَمْوَالِهِمْ | ٢٢٧٥ |
| ١٠٣ | توبه | صَلَوَاتِكَ | ٢٢٧٦ |
| ١٠٤ | توبه | الصَّدَقَاتِ | ٢٢٧٧ |
| ١٠٥ | توبه | عَالِمٍ | ٢٢٧٨ |
| ١٠٥ | توبه | الشَّهَادَةِ | ٢٢٧٩ |
| ١٠٧ | توبه | لَكَذِبُونَ | ٢٢٨٠ |
| ١٠٩ | توبه | بُنْيَانِهِ | ٢٢٨١ |
| ١٠٩ | توبه | رِضْوَانٍ | ٢٢٨٢ |
| ١٠٩ | توبه | بُنْيَانِهِ | ٢٢٨٣ |
| ١٠٩ | توبه | الظَّالِمِينَ | ٢٢٨٤ |
| ١١٠ | توبه | بُنْيَانُهُمْ | ٢٢٨٥ |
| ١١١ | توبه | أَمْوَالَهُمْ | ٢٢٨٦ |
| ١١١ | توبه | يُقَاتِلُونَ | ٢٢٨٧ |
| ١١١ | توبه | التَّوْرَةِ | ٢٢٨٨ |
| ١١٢ | توبه | أَلْتَتَّبِعُونَ | ٢٢٨٩ |

| آية | سوره | رسم كلمات | ج |
|-----------------|------|-----------|------|
| العَبِيدُونَ | توبة | ١١٢ | ٢٢٩٠ |
| الْحَمِيدُونَ | توبة | ١١٢ | ٢٢٩١ |
| السَّيِّحُونَ | توبة | ١١٢ | ٢٢٩٢ |
| الرَّكْعُونَ | توبة | ١١٢ | ٢٢٩٣ |
| السَّجِدُونَ | توبة | ١١٢ | ٢٢٩٤ |
| الْحَافِظُونَ | توبة | ١١٢ | ٢٢٩٥ |
| أَصْحَابُ | توبة | ١١٣ | ٢٢٩٦ |
| إِبْرَاهِيمَ | توبة | ١١٤ | ٢٢٩٧ |
| إِبْرَاهِيمَ | توبة | ١١٤ | ٢٢٩٨ |
| لَاوَاهٍ | توبة | ١١٤ | ٢٢٩٩ |
| هَدَاهُمْ | توبة | ١١٥ | ٢٣٠٠ |
| السَّمَوَاتِ | توبة | ١١٦ | ٢٣٠١ |
| يُحْيِ | توبة | ١١٦ | ٢٣٠٢ |
| الْمُهَاجِرِينَ | توبة | ١١٧ | ٢٣٠٣ |
| رَعَوْفٌ | توبة | ١١٧ | ٢٣٠٤ |
| الثَّلَاثَةِ | توبة | ١١٨ | ٢٣٠٥ |
| يَا أَيُّهَا | توبة | ١١٩ | ٢٣٠٦ |
| الصُّدِّيقِينَ | توبة | ١١٩ | ٢٣٠٧ |
| لَا يَطَّاعُونَ | توبة | ١٢٠ | ٢٣٠٨ |
| صَلِحٌ | توبة | ١٢٠ | ٢٣٠٩ |
| يَا أَيُّهَا | توبة | ١٢٣ | ٢٣١٠ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۱۲۳ | توبه | قَاتِلُوا | ۲۳۱۱ |
| ۱۲۴ | توبه | ایمانًا | ۲۳۱۲ |
| ۱۲۴ | توبه | ایمانًا | ۲۳۱۳ |
| ۱۲۵ | توبه | كَفِرُونَ | ۲۳۱۴ |
| ۱۲۷ | توبه | يَرْبُكُمْ | ۲۳۱۵ |
| ۱۲۸ | توبه | رَعَوْفٌ | ۲۳۱۶ |
| ۱ | یونس | ءَايَاتُ | ۲۳۱۷ |
| ۱ | یونس | الْكِتَابِ | ۲۳۱۸ |
| ۲ | یونس | الْكَافِرُونَ | ۲۳۱۹ |
| ۲ | یونس | لَسَجِرٌ | ۲۳۲۰ |
| ۳ | یونس | السَّمَوَاتِ | ۲۳۲۱ |
| ۴ | یونس | يَبْدُؤُا | ۲۳۲۲ |
| ۴ | یونس | الصَّلَاحِ | ۲۳۲۳ |
| ۵ | یونس | الْأَيَاتِ | ۲۳۲۴ |
| ۶ | یونس | اِخْتِلَافِ | ۲۳۲۵ |
| ۶ | یونس | السَّمَوَاتِ | ۲۳۲۶ |
| ۶ | یونس | لَآيَاتٍ | ۲۳۲۷ |
| ۷ | یونس | بِالْحَيَاةِ | ۲۳۲۸ |
| ۷ | یونس | ءَايَاتِنَا | ۲۳۲۹ |
| ۷ | یونس | غُلْفُونَ | ۲۳۳۰ |
| ۸ | یونس | مَأْوَاهُمْ | ۲۳۳۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۹ | یونس | الصِّلِحَتِ | ۲۳۳۲ |
| ۹ | یونس | بِایْمَانِهِمْ | ۲۳۳۳ |
| ۹ | یونس | الْأَنْهَرُ | ۲۳۳۴ |
| ۹ | یونس | جَنَّتِ | ۲۳۳۵ |
| ۱۰ | یونس | دَعَوْهُمْ | ۲۳۳۶ |
| ۱۰ | یونس | سُبْحَانَكَ | ۲۳۳۷ |
| ۱۰ | یونس | سَلَّمَ | ۲۳۳۸ |
| ۱۰ | یونس | دَعَوْهُمْ | ۲۳۳۹ |
| ۱۰ | یونس | الْعَالَمِينَ | ۲۳۴۰ |
| ۱۱ | یونس | طُغْيَانِهِمْ | ۲۳۴۱ |
| ۱۲ | یونس | الْإِنْسَانَ | ۲۳۴۲ |
| ۱۳ | یونس | بِالْبَيِّنَاتِ | ۲۳۴۳ |
| ۱۴ | یونس | جَعَلْنَاكُمْ | ۲۳۴۴ |
| ۱۴ | یونس | خَلَقْنَا | ۲۳۴۵ |
| ۱۵ | یونس | بَيِّنَاتٍ | ۲۳۴۶ |
| ۱۵ | یونس | تِلْقَائِ | ۲۳۴۷ |
| ۱۶ | یونس | أَدْرَأُكُمْ | ۲۳۴۸ |
| ۱۷ | یونس | بِأَيَّتِهِ | ۲۳۴۹ |
| ۱۸ | یونس | شُفَعَاؤُنَا | ۲۳۵۰ |
| ۱۸ | یونس | أَتُنَبِّئُونَ | ۲۳۵۱ |
| ۱۸ | یونس | السَّمَوَاتِ | ۲۳۵۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۸ | یونس | سُبْحٰنَهُ | ۲۳۵۳ |
| ۱۸ | یونس | تَعَالٰی | ۲۳۵۴ |
| ۱۹ | یونس | وَاحِدَةً | ۲۳۵۵ |
| ۲۲ | یونس | الشُّكْرِیْنَ | ۲۳۵۶ |
| ۲۳ | یونس | أَنْجَاهُمْ | ۲۳۵۷ |
| ۲۳ | یونس | يَا أَيُّهَا | ۲۳۵۸ |
| ۲۳ | یونس | مَتَاعَ | ۲۳۵۹ |
| ۲۳ | یونس | الْحَيٰوةِ | ۲۳۶۰ |
| ۲۴ | یونس | الْحَيٰوةِ | ۲۳۶۱ |
| ۲۴ | یونس | أَنْزَلْنَاهُ | ۲۳۶۲ |
| ۲۴ | یونس | الْأَنْعَامُ | ۲۳۶۳ |
| ۲۴ | یونس | قُدِرُونَ | ۲۳۶۴ |
| ۲۴ | یونس | أَتْلَاهَا | ۲۳۶۵ |
| ۲۴ | یونس | فَجَعَلْنَاهَا | ۲۳۶۶ |
| ۲۴ | یونس | الْأَيْتِ | ۲۳۶۷ |
| ۲۵ | یونس | السَّلَامِ | ۲۳۶۸ |
| ۲۵ | یونس | صِرَاطِ | ۲۳۶۹ |
| ۲۶ | یونس | أَصْحَابُ | ۲۳۷۰ |
| ۲۶ | یونس | خَالِدُونَ | ۲۳۷۱ |
| ۲۷ | یونس | السَّيِّئَاتِ | ۲۳۷۲ |
| ۲۷ | یونس | أَصْحَابُ | ۲۳۷۳ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|-----------------|------|
| یونس | ۲۷ | خَلِدُونَ | ۲۳۷۴ |
| یونس | ۲۹ | لَغْفِلِينَ | ۲۳۷۵ |
| یونس | ۳۰ | مَوْلَاهُمْ | ۲۳۷۶ |
| یونس | ۳۱ | الْأَبْصَارَ | ۲۳۷۷ |
| یونس | ۳۲ | الضَّلَلُ | ۲۳۷۸ |
| یونس | ۳۴ | يَبْدُوا | ۲۳۷۹ |
| یونس | ۳۴ | يَبْدُوا | ۲۳۸۰ |
| یونس | ۳۶ | شَيْئًا | ۲۳۸۱ |
| یونس | ۳۷ | الْكِتَابِ | ۲۳۸۲ |
| یونس | ۳۷ | الْعَالَمِينَ | ۲۳۸۳ |
| یونس | ۳۸ | افْتَرَاهُ | ۲۳۸۴ |
| یونس | ۳۸ | صَادِقِينَ | ۲۳۸۵ |
| یونس | ۳۹ | عَاقِبَةُ | ۲۳۸۶ |
| یونس | ۳۹ | الظَّالِمِينَ | ۲۳۸۷ |
| یونس | ۴۱ | بَرِيعُونَ | ۲۳۸۸ |
| یونس | ۴۴ | شَيْئًا | ۲۳۸۹ |
| یونس | ۴۸ | صَادِقِينَ | ۲۳۹۰ |
| یونس | ۴۹ | يَسْتَأْخِرُونَ | ۲۳۹۱ |
| یونس | ۵۰ | أَرَأَيْتُمْ | ۲۳۹۲ |
| یونس | ۵۰ | أَتَكُمُ | ۲۳۹۳ |
| یونس | ۵۰ | بَيَاتًا | ۲۳۹۴ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-------------------|------|
| ۵۱ | یونس | ءَالْنَ | ۲۳۹۵ |
| ۵۳ | یونس | یَسْتَنْبِغُونَكَ | ۲۳۹۶ |
| ۵۵ | یونس | السَّمَوَاتِ | ۲۳۹۷ |
| ۵۶ | یونس | يُحْيِ | ۲۳۹۸ |
| ۵۷ | یونس | يَا أَيُّهَا | ۲۳۹۹ |
| ۵۹ | یونس | أَرَأَيْتُمْ | ۲۴۰۰ |
| ۵۹ | یونس | حَلَالًا | ۲۴۰۱ |
| ۵۹ | یونس | ءَاللّٰهُ | ۲۴۰۲ |
| ۶۰ | یونس | الْقِيَمَةِ | ۲۴۰۳ |
| ۶۱ | یونس | كِتَبٍ | ۲۴۰۴ |
| ۶۴ | یونس | الْحَيٰوةِ | ۲۴۰۵ |
| ۶۴ | یونس | لِكَلِمَتٍ | ۲۴۰۶ |
| ۶۶ | یونس | السَّمَوَاتِ | ۲۴۰۷ |
| ۶۷ | یونس | لَأَيِّتٍ | ۲۴۰۸ |
| ۶۸ | یونس | سُبْحٰنَهُ | ۲۴۰۹ |
| ۶۸ | یونس | السَّمَوَاتِ | ۲۴۱۰ |
| ۶۸ | یونس | سُلْطٰنٍ | ۲۴۱۱ |
| ۷۰ | یونس | مَتَاعٌ | ۲۴۱۲ |
| ۷۱ | یونس | يَقُومُ | ۲۴۱۳ |
| ۷۱ | یونس | بِأَيِّتٍ | ۲۴۱۴ |
| ۷۳ | یونس | فَنَجَّيْنَاهُ | ۲۴۱۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۷۳ | یونس | جَعَلْنَاهُمْ | ۲۴۱۶ |
| ۷۳ | یونس | خَلَّيْفَ | ۲۴۱۷ |
| ۷۳ | یونس | بِأَيَّتِنَا | ۲۴۱۸ |
| ۷۳ | یونس | عَاقِبَةُ | ۲۴۱۹ |
| ۷۴ | یونس | فَجَاءَهُمْ | ۲۴۲۰ |
| ۷۴ | یونس | بِالْيَمِينِ | ۲۴۲۱ |
| ۷۵ | یونس | هُرُونَ | ۲۴۲۲ |
| ۷۵ | یونس | مَلَانِهِ | ۲۴۲۳ |
| ۷۵ | یونس | بِأَيَّتِنَا | ۲۴۲۴ |
| ۷۷ | یونس | السَّحَرُونَ | ۲۴۲۵ |
| ۷۹ | یونس | سُحْرِ | ۲۴۲۶ |
| ۸۲ | یونس | بِكَلِمَتِهِ | ۲۴۲۷ |
| ۸۳ | یونس | مَلَانِهِمْ | ۲۴۲۸ |
| ۸۴ | یونس | يَقَوْمِ | ۲۴۲۹ |
| ۸۵ | یونس | الظَّالِمِينَ | ۲۴۳۰ |
| ۸۶ | یونس | الْكَافِرِينَ | ۲۴۳۱ |
| ۸۷ | یونس | الصَّلَاةَ | ۲۴۳۲ |
| ۸۸ | یونس | أَمْوَالًا | ۲۴۳۳ |
| ۸۸ | یونس | الْحَيَاةَ | ۲۴۳۴ |
| ۸۸ | یونس | أَمْوَالِهِمْ | ۲۴۳۵ |
| ۹۰ | یونس | جَاوَزْنَا | ۲۴۳۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|----------|------|----------------|------|
| یونس ۹۰ | یونس | إِسْرَآءِیلَ | ۲۴۳۷ |
| یونس ۹۰ | یونس | إِسْرَآءِیلَ | ۲۴۳۸ |
| یونس ۹۱ | یونس | ءَالُئِنَ | ۲۴۳۹ |
| یونس ۹۲ | یونس | ءَاٰیٰتِنَا | ۲۴۴۰ |
| یونس ۹۲ | یونس | لَٰغٰفِلُوْنَ | ۲۴۴۱ |
| یونس ۹۳ | یونس | إِسْرَآءِیلَ | ۲۴۴۲ |
| یونس ۹۳ | یونس | رَزَقْنٰهُمْ | ۲۴۴۳ |
| یونس ۹۳ | یونس | الطَّیِّبٰتِ | ۲۴۴۴ |
| یونس ۹۳ | یونس | الْقِیْمَةِ | ۲۴۴۵ |
| یونس ۹۴ | یونس | فَسَقَلِ | ۲۴۴۶ |
| یونس ۹۴ | یونس | یَقْرَءُوْنَ | ۲۴۴۷ |
| یونس ۹۴ | یونس | الْكِتٰبِ | ۲۴۴۸ |
| یونس ۹۵ | یونس | بِءَاٰیٰتِ | ۲۴۴۹ |
| یونس ۹۵ | یونس | الْخٰسِرِیْنَ | ۲۴۵۰ |
| یونس ۹۸ | یونس | اٰیْمَانُهَا | ۲۴۵۱ |
| یونس ۹۸ | یونس | الْحَیٰوةِ | ۲۴۵۲ |
| یونس ۹۸ | یونس | مَتَّعْنٰهُمْ | ۲۴۵۳ |
| یونس ۱۰۱ | یونس | السَّمٰوٰتِ | ۲۴۵۴ |
| یونس ۱۰۱ | یونس | الْاٰیٰتِ | ۲۴۵۵ |
| یونس ۱۰۴ | یونس | یَآٰیُّهَا | ۲۴۵۶ |
| یونس ۱۰۴ | یونس | یَتَوَفَّٰكُمْ | ۲۴۵۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|----------|------|-----------------|------|
| یونس ۱۰۶ | یونس | الظَّالِمِينَ | ۲۴۵۸ |
| یونس ۱۰۸ | یونس | يَا أَيُّهَا | ۲۴۵۹ |
| یونس ۱۰۹ | یونس | الْحَكِيمِينَ | ۲۴۶۰ |
| هود ۱ | هود | كِتَبَ | ۲۴۶۱ |
| هود ۱ | هود | ءَايَاتُهُ | ۲۴۶۲ |
| هود ۳ | هود | مَتَاعًا | ۲۴۶۳ |
| هود ۶ | هود | كِتَبٍ | ۲۴۶۴ |
| هود ۷ | هود | السَّمَوَاتِ | ۲۴۶۵ |
| هود ۸ | هود | يَسْتَهْزِءُونَ | ۲۴۶۶ |
| هود ۹ | هود | الْإِنْسَانَ | ۲۴۶۷ |
| هود ۹ | هود | نَزَعْنَاهَا | ۲۴۶۸ |
| هود ۹ | هود | لَيَعْوَسُ | ۲۴۶۹ |
| هود ۱۰ | هود | أَذَقْنَاهُ | ۲۴۷۰ |
| هود ۱۰ | هود | السَّيِّئَاتِ | ۲۴۷۱ |
| هود ۱۱ | هود | الصَّلَاحِ | ۲۴۷۲ |
| هود ۱۳ | هود | افْتَرَاهُ | ۲۴۷۳ |
| هود ۱۳ | هود | مُفْتَرِيَةٍ | ۲۴۷۴ |
| هود ۱۳ | هود | صَادِقِينَ | ۲۴۷۵ |
| هود ۱۵ | هود | الْحَيَاةَ | ۲۴۷۶ |
| هود ۱۵ | هود | أَعْمَالَهُمْ | ۲۴۷۷ |
| هود ۱۶ | هود | بُطْلٌ | ۲۴۷۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۱۷ | هود | کِتَبُ | ۲۴۷۹ |
| ۱۸ | هود | الْأَشْهَادُ | ۲۴۸۰ |
| ۱۸ | هود | الظَّالِمِينَ | ۲۴۸۱ |
| ۱۹ | هود | كَفِرُونَ | ۲۴۸۲ |
| ۲۰ | هود | يُضْعِفُ | ۲۴۸۳ |
| ۲۳ | هود | الصَّالِحَاتِ | ۲۴۸۴ |
| ۲۳ | هود | أَصْحَابُ | ۲۴۸۵ |
| ۲۳ | هود | خَالِدُونَ | ۲۴۸۶ |
| ۲۷ | هود | نَزَاكَ | ۲۴۸۷ |
| ۲۷ | هود | نَزَاكَ | ۲۴۸۸ |
| ۲۷ | هود | كَذِبِينَ | ۲۴۸۹ |
| ۲۸ | هود | يَقُومُ | ۲۴۹۰ |
| ۲۸ | هود | أَرَاءَيْتُمْ | ۲۴۹۱ |
| ۲۸ | هود | ءَاتَنِي | ۲۴۹۲ |
| ۲۸ | هود | كَرِهُونَ | ۲۴۹۳ |
| ۲۹ | هود | يَقُومُ | ۲۴۹۴ |
| ۲۹ | هود | أَسْأَلُكُمْ | ۲۴۹۵ |
| ۲۹ | هود | مُلِقُوا | ۲۴۹۶ |
| ۲۹ | هود | أَرْبَاكُمْ | ۲۴۹۷ |
| ۳۰ | هود | يَقُومُ | ۲۴۹۸ |
| ۳۱ | هود | الظَّالِمِينَ | ۲۴۹۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۳۲ | هود | يُنُوْحُ | ۲۵۰۰ |
| ۳۲ | هود | جَادَلْتَنَا | ۲۵۰۱ |
| ۳۲ | هود | جِدَالْنَا | ۲۵۰۲ |
| ۳۲ | هود | الصُّدِّقِيْنَ | ۲۵۰۳ |
| ۳۵ | هود | اِفْتَرَاهُ | ۲۵۰۴ |
| ۳۷ | هود | لَا تُخَاطِبْنِي | ۲۵۰۵ |
| ۴۱ | هود | مَجْرُهَا | ۲۵۰۶ |
| ۴۱ | هود | مُرْسَاهَا | ۲۵۰۷ |
| ۴۲ | هود | يُبْقَى | ۲۵۰۸ |
| ۴۲ | هود | الْكٰفِرِيْنَ | ۲۵۰۹ |
| ۴۳ | هود | سَّآوَى | ۲۵۱۰ |
| ۴۴ | هود | يَاْرُضُ | ۲۵۱۱ |
| ۴۴ | هود | يَسْمَاءُ | ۲۵۱۲ |
| ۴۴ | هود | الظَّٰلِمِيْنَ | ۲۵۱۳ |
| ۴۵ | هود | الْحٰكِمِيْنَ | ۲۵۱۴ |
| ۴۶ | هود | يُنُوْحُ | ۲۵۱۵ |
| ۴۶ | هود | صَلِح | ۲۵۱۶ |
| ۴۶ | هود | فَلَا تَسْءَلْنِ | ۲۵۱۷ |
| ۴۶ | هود | الْجَاهِلِيْنَ | ۲۵۱۸ |
| ۴۷ | هود | اَسْءَلَكَ | ۲۵۱۹ |
| ۴۷ | هود | الْخٰسِرِيْنَ | ۲۵۲۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۴۸ | هود | يُنوحُ | ۲۵۲۱ |
| ۴۸ | هود | بِسَلَامٍ | ۲۵۲۲ |
| ۴۸ | هود | بَرَكَاتٍ | ۲۵۲۳ |
| ۴۹ | هود | الْعَاقِبَةِ | ۲۵۲۴ |
| ۵۰ | هود | يَقُومُ | ۲۵۲۵ |
| ۵۱ | هود | يَقُومُ | ۲۵۲۶ |
| ۵۱ | هود | أَسْأَلُكُمْ | ۲۵۲۷ |
| ۵۲ | هود | يَقُومُ | ۲۵۲۸ |
| ۵۳ | هود | يَهُودُ | ۲۵۲۹ |
| ۵۴ | هود | اعْتَرَاكَ | ۲۵۳۰ |
| ۵۶ | هود | صِرَاطٍ | ۲۵۳۱ |
| ۵۷ | هود | شَيْئًا | ۲۵۳۲ |
| ۵۸ | هود | نَجَّيْنَهُمْ | ۲۵۳۳ |
| ۵۹ | هود | بِعَايَتِ | ۲۵۳۴ |
| ۶۰ | هود | الْقِيَمَةِ | ۲۵۳۵ |
| ۶۱ | هود | صَلِحًا | ۲۵۳۶ |
| ۶۱ | هود | يَقُومُ | ۲۵۳۷ |
| ۶۲ | هود | يُصْلِحُ | ۲۵۳۸ |
| ۶۲ | هود | أَتْنَهْنَأَ | ۲۵۳۹ |
| ۶۳ | هود | يَقُومُ | ۲۵۴۰ |
| ۶۳ | هود | أَرَاءَيْتُمْ | ۲۵۴۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۶۳ | هود | ءاتَنِی | ۲۵۴۲ |
| ۶۴ | هود | یَقُومُ | ۲۵۴۳ |
| ۶۵ | هود | ثَلَاثَةَ | ۲۵۴۴ |
| ۶۶ | هود | صَلِحًا | ۲۵۴۵ |
| ۶۷ | هود | دِیَارِهِمْ | ۲۵۴۶ |
| ۶۷ | هود | جِثْمِینَ | ۲۵۴۷ |
| ۶۹ | هود | اِبْرٰهیمَ | ۲۵۴۸ |
| ۶۹ | هود | سَلَامًا | ۲۵۴۹ |
| ۶۹ | هود | سَلَامٌ | ۲۵۵۰ |
| ۷۰ | هود | رَءَا | ۲۵۵۱ |
| ۷۱ | هود | فَبَشِّرْنٰهَا | ۲۵۵۲ |
| ۷۱ | هود | یٰاِسْحٰقَ | ۲۵۵۳ |
| ۷۱ | هود | اِسْحٰقَ | ۲۵۵۴ |
| ۷۲ | هود | یُوَیْلَتٰی | ۲۵۵۵ |
| ۷۲ | هود | ءَالِدُ | ۲۵۵۶ |
| ۷۳ | هود | بَرَکٰتُهُ | ۲۵۵۷ |
| ۷۴ | هود | اِبْرٰهیمَ | ۲۵۵۸ |
| ۷۴ | هود | یُجَادِلُنَا | ۲۵۵۹ |
| ۷۵ | هود | اِبْرٰهیمَ | ۲۵۶۰ |
| ۷۵ | هود | اَوَّاهٌ | ۲۵۶۱ |
| ۷۶ | هود | یٰاِبْرٰهیمُ | ۲۵۶۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۷۸ | هود | السَّيِّئَاتِ | ۲۵۶۳ |
| ۷۸ | هود | يَقُومُ | ۲۵۶۴ |
| ۸۱ | هود | يَلُوطُ | ۲۵۶۵ |
| ۸۲ | هود | عَالِيَهَا | ۲۵۶۶ |
| ۸۳ | هود | الظَّالِمِينَ | ۲۵۶۷ |
| ۸۴ | هود | يَقُومُ | ۲۵۶۸ |
| ۸۴ | هود | أَرْبُكُمْ | ۲۵۶۹ |
| ۸۵ | هود | يَقُومُ | ۲۵۷۰ |
| ۸۶ | هود | بَقِيَّتُ | ۲۵۷۱ |
| ۸۷ | هود | يُشْعِبُ | ۲۵۷۲ |
| ۸۷ | هود | أَصْلَوْتُكَ | ۲۵۷۳ |
| ۸۷ | هود | أَمْوَالِنَا | ۲۵۷۴ |
| ۸۷ | هود | مَآنَشُوا | ۲۵۷۵ |
| ۸۸ | هود | يَقُومُ | ۲۵۷۶ |
| ۸۸ | هود | أَرْءَيْتُمْ | ۲۵۷۷ |
| ۸۸ | هود | أَنْهَكُمْ | ۲۵۷۸ |
| ۸۸ | هود | الإِصْلَاحَ | ۲۵۷۹ |
| ۸۹ | هود | يَقُومُ | ۲۵۸۰ |
| ۸۹ | هود | صَلِحٍ | ۲۵۸۱ |
| ۹۱ | هود | يُشْعِبُ | ۲۵۸۲ |
| ۹۱ | هود | لَنَرَنَّكَ | ۲۵۸۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۹۱ | هود | لَرَجَمَنَّكَ | ۲۵۸۴ |
| ۹۲ | هود | يَقُومُ | ۲۵۸۵ |
| ۹۳ | هود | يَقُومُ | ۲۵۸۶ |
| ۹۳ | هود | عَامِلٌ | ۲۵۸۷ |
| ۹۳ | هود | كَاذِبٌ | ۲۵۸۸ |
| ۹۴ | هود | دِيَارِهِمْ | ۲۵۸۹ |
| ۹۴ | هود | جَثْمِينَ | ۲۵۹۰ |
| ۹۶ | هود | بِأَيَّتِنَا | ۲۵۹۱ |
| ۹۶ | هود | سُلْطٰنٍ | ۲۵۹۲ |
| ۹۷ | هود | مَلَايِه | ۲۵۹۳ |
| ۹۸ | هود | الْقِيَمَةِ | ۲۵۹۴ |
| ۹۹ | هود | الْقِيَمَةِ | ۲۵۹۵ |
| ۱۰۱ | هود | ظَلَمْنَهُمْ | ۲۵۹۶ |
| ۱۰۲ | هود | ظَالِمَةً | ۲۵۹۷ |
| ۱۰۷ | هود | خٰلِدِينَ | ۲۵۹۸ |
| ۱۰۷ | هود | السَّمَوٰتِ | ۲۵۹۹ |
| ۱۰۸ | هود | خٰلِدِينَ | ۲۶۰۰ |
| ۱۰۸ | هود | السَّمَوٰتِ | ۲۶۰۱ |
| ۱۱۰ | هود | الْكِتٰبِ | ۲۶۰۲ |
| ۱۱۱ | هود | أَعْمَالَهُمْ | ۲۶۰۳ |
| ۱۱۴ | هود | الصَّلٰوةَ | ۲۶۰۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۱۴ | هود | الْحَسَنَاتِ | ۲۶۰۵ |
| ۱۱۴ | هود | السَّيِّئَاتِ | ۲۶۰۶ |
| ۱۱۴ | هود | لِلذَّكَرَيْنِ | ۲۶۰۷ |
| ۱۱۸ | هود | وَاحِدَةً | ۲۶۰۸ |
| ۱۲۱ | هود | عَمِلُونَ | ۲۶۰۹ |
| ۱۲۳ | هود | السَّمَوَاتِ | ۲۶۱۰ |
| ۱۲۳ | هود | بِغَافِلٍ | ۲۶۱۱ |
| ۱ | یوسف | ءَايَاتُ | ۲۶۱۲ |
| ۱ | یوسف | الْكِتَابِ | ۲۶۱۳ |
| ۲ | یوسف | أَنزَلْنَاهُ | ۲۶۱۴ |
| ۲ | یوسف | قُرْءَانًا | ۲۶۱۵ |
| ۳ | یوسف | الْغُفْلَيْنِ | ۲۶۱۶ |
| ۴ | یوسف | يَأْتِي | ۲۶۱۷ |
| ۴ | یوسف | سُجَّدِينَ | ۲۶۱۸ |
| ۵ | یوسف | يُبْقَى | ۲۶۱۹ |
| ۵ | یوسف | رُءْيَاكَ | ۲۶۲۰ |
| ۵ | یوسف | الشَّيْطَانِ | ۲۶۲۱ |
| ۵ | یوسف | لِلْإِنْسَانِ | ۲۶۲۲ |
| ۶ | یوسف | إِبْرَاهِيمَ | ۲۶۲۳ |
| ۶ | یوسف | إِسْحَاقَ | ۲۶۲۴ |
| ۷ | یوسف | ءَايَاتُ | ۲۶۲۵ |

| سورہ | آیہ | رسم کلمات | ج |
|------|-----|---------------|------|
| یوسف | ۸ | ضَلَّلِ | ۲۶۲۶ |
| یوسف | ۹ | صَلِّحِينَ | ۲۶۲۷ |
| یوسف | ۱۰ | غَلَبَتْ | ۲۶۲۸ |
| یوسف | ۱۰ | فُعِلِينَ | ۲۶۲۹ |
| یوسف | ۱۱ | يَا أَبَانَا | ۲۶۳۰ |
| یوسف | ۱۱ | لَنُصْحُونَ | ۲۶۳۱ |
| یوسف | ۱۲ | لَحْفَظُونَ | ۲۶۳۲ |
| یوسف | ۱۳ | غُفِلُونَ | ۲۶۳۳ |
| یوسف | ۱۴ | لَخَسِرُونَ | ۲۶۳۴ |
| یوسف | ۱۵ | غَلَبَتْ | ۲۶۳۵ |
| یوسف | ۱۶ | جَاءَوْ | ۲۶۳۶ |
| یوسف | ۱۷ | يَا أَبَانَا | ۲۶۳۷ |
| یوسف | ۱۷ | مَتَاعِنَا | ۲۶۳۸ |
| یوسف | ۱۷ | صَدِّقِينَ | ۲۶۳۹ |
| یوسف | ۱۸ | جَاءَوْ | ۲۶۴۰ |
| یوسف | ۱۹ | يُبْشِرُ | ۲۶۴۱ |
| یوسف | ۱۹ | غُلْمٌ | ۲۶۴۲ |
| یوسف | ۱۹ | بِضَاعَةٍ | ۲۶۴۳ |
| یوسف | ۲۰ | دَرَاهِمَ | ۲۶۴۴ |
| یوسف | ۲۰ | الزَّاهِدِينَ | ۲۶۴۵ |
| یوسف | ۲۱ | اشْتَرَاهُ | ۲۶۴۶ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|---------------|------|
| یوسف | ۲۱ | مَثُونُهُ | ۲۶۴۷ |
| یوسف | ۲۲ | ءَاتَيْنَاهُ | ۲۶۴۸ |
| یوسف | ۲۳ | رَاوَدَتْهُ | ۲۶۴۹ |
| یوسف | ۲۳ | الْأَبْوَابِ | ۲۶۵۰ |
| یوسف | ۲۳ | الظَّالِمُونَ | ۲۶۵۱ |
| یوسف | ۲۴ | رءَا | ۲۶۵۲ |
| یوسف | ۲۴ | بُرْهَانَ | ۲۶۵۳ |
| یوسف | ۲۶ | رَاوَدَتْنِي | ۲۶۵۴ |
| یوسف | ۲۶ | الْكَاذِبِينَ | ۲۶۵۵ |
| یوسف | ۲۷ | الصَّادِقِينَ | ۲۶۵۶ |
| یوسف | ۲۸ | رءَا | ۲۶۵۷ |
| یوسف | ۲۹ | الْخَاطِئِينَ | ۲۶۵۸ |
| یوسف | ۳۰ | تُرَاوِدُ | ۲۶۵۹ |
| یوسف | ۳۰ | فَتَنُهَا | ۲۶۶۰ |
| یوسف | ۳۰ | لَنَزِيهَا | ۲۶۶۱ |
| یوسف | ۳۰ | ضَلَّلِ | ۲۶۶۲ |
| یوسف | ۳۱ | مُتَّكِّئًا | ۲۶۶۳ |
| یوسف | ۳۱ | وَاحِدَةٍ | ۲۶۶۴ |
| یوسف | ۳۱ | حَشَّ | ۲۶۶۵ |
| یوسف | ۳۲ | رَاوَدَتْهُ | ۲۶۶۶ |
| یوسف | ۳۲ | الصُّغَرَيْنِ | ۲۶۶۷ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|---------------|------|
| یوسف | ۳۳ | الْجَاهِلِينَ | ۲۶۶۸ |
| یوسف | ۳۵ | الْأَيْتِ | ۲۶۶۹ |
| یوسف | ۳۶ | أَرَانِي | ۲۶۷۰ |
| یوسف | ۳۶ | أَرَانِي | ۲۶۷۱ |
| یوسف | ۳۶ | نَزَاكَ | ۲۶۷۲ |
| یوسف | ۳۷ | كَفِرُونَ | ۲۶۷۳ |
| یوسف | ۳۸ | ءَابَآءِي | ۲۶۷۴ |
| یوسف | ۳۸ | إِبْرَاهِيمَ | ۲۶۷۵ |
| یوسف | ۳۸ | إِسْحَاقَ | ۲۶۷۶ |
| یوسف | ۳۹ | يُصَاحِبِي | ۲۶۷۷ |
| یوسف | ۳۹ | ءَارَابُ | ۲۶۷۸ |
| یوسف | ۳۹ | الْوَاحِدُ | ۲۶۷۹ |
| یوسف | ۴۰ | سُلْطٰنٍ | ۲۶۸۰ |
| یوسف | ۴۱ | يُصَاحِبِي | ۲۶۸۱ |
| یوسف | ۴۲ | فَآنْسُهُ | ۲۶۸۲ |
| یوسف | ۴۲ | الشَّيْطٰنُ | ۲۶۸۳ |
| یوسف | ۴۳ | بَقَرَاتٍ | ۲۶۸۴ |
| یوسف | ۴۳ | سُنْبُلَاتٍ | ۲۶۸۵ |
| یوسف | ۴۳ | يَابِسَاتٍ | ۲۶۸۶ |
| یوسف | ۴۳ | يَا أَيُّهَا | ۲۶۸۷ |
| یوسف | ۴۳ | رُءُوسِي | ۲۶۸۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۴۳ | یوسف | لِلرُّءْيَا | ۲۶۸۹ |
| ۴۴ | یوسف | أَضْغَاثُ | ۲۶۹۰ |
| ۴۴ | یوسف | أَحْلَامُ | ۲۶۹۱ |
| ۴۴ | یوسف | الْأَحْلَامُ | ۲۶۹۲ |
| ۴۴ | یوسف | بِعِلْمَيْنِ | ۲۶۹۳ |
| ۴۶ | یوسف | بَقَرَاتٍ | ۲۶۹۴ |
| ۴۶ | یوسف | سُنْبُلَاتٍ | ۲۶۹۵ |
| ۴۶ | یوسف | يَابِسَاتٍ | ۲۶۹۶ |
| ۵۰ | یوسف | فَسَأَلَهُ | ۲۶۹۷ |
| ۵۱ | یوسف | رَاوَدْتُنَّ | ۲۶۹۸ |
| ۵۱ | یوسف | حَشَ | ۲۶۹۹ |
| ۵۱ | یوسف | الْثَنَ | ۲۷۰۰ |
| ۵۱ | یوسف | رَاوَدْتُهُ | ۲۷۰۱ |
| ۵۱ | یوسف | الصَّٰدِقِينَ | ۲۷۰۲ |
| ۶۱ | یوسف | سَنُرَاوِدُ | ۲۷۰۳ |
| ۶۱ | یوسف | لَفْعِلُونَ | ۲۷۰۴ |
| ۶۲ | یوسف | لِفِتْنَيْنِهِ | ۲۷۰۵ |
| ۶۲ | یوسف | بِضَاعَتِهِمْ | ۲۷۰۶ |
| ۶۳ | یوسف | يَا أَبَانَا | ۲۷۰۷ |
| ۶۳ | یوسف | لِحَافِظُونَ | ۲۷۰۸ |
| ۶۴ | یوسف | حَافِظًا | ۲۷۰۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۶۴ | یوسف | الرَّحِمِينَ | ۲۷۱۰ |
| ۶۵ | یوسف | مَتَاعَهُمْ | ۲۷۱۱ |
| ۶۵ | یوسف | بِضَاعَتِهِمْ | ۲۷۱۲ |
| ۶۵ | یوسف | يَا أَبَانَا | ۲۷۱۳ |
| ۶۵ | یوسف | بِضَاعَتُنَا | ۲۷۱۴ |
| ۶۷ | یوسف | يَبْنَیَّ | ۲۷۱۵ |
| ۶۷ | یوسف | وَاحِدٍ | ۲۷۱۶ |
| ۶۷ | یوسف | أَبْوَابٍ | ۲۷۱۷ |
| ۶۸ | یوسف | قَضَاهَا | ۲۷۱۸ |
| ۶۸ | یوسف | عَلَّمْنَاهُ | ۲۷۱۹ |
| ۷۰ | یوسف | لَسْرِقُونَ | ۲۷۲۰ |
| ۷۳ | یوسف | سَرِيقِينَ | ۲۷۲۱ |
| ۷۴ | یوسف | جَزْأُهُ وَ | ۲۷۲۲ |
| ۷۴ | یوسف | كَذِبِينَ | ۲۷۲۳ |
| ۷۵ | یوسف | جَزْأُهُ وَ | ۲۷۲۴ |
| ۷۵ | یوسف | جَزْأُهُ وَ | ۲۷۲۵ |
| ۷۵ | یوسف | الظَّالِمِينَ | ۲۷۲۶ |
| ۷۶ | یوسف | دَرَجَاتٍ | ۲۷۲۷ |
| ۷۸ | یوسف | يَا أَيُّهَا | ۲۷۲۸ |
| ۷۸ | یوسف | نَزَلَكَ | ۲۷۲۹ |
| ۷۹ | یوسف | مَتَاعَنَا | ۲۷۳۰ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|---------------|------|
| یوسف | ۷۹ | لَظَلِمُونَ | ۲۷۳۱ |
| یوسف | ۸۰ | اسْتَيْسُوا | ۲۷۳۲ |
| یوسف | ۸۰ | الْحَكِيمِينَ | ۲۷۳۳ |
| یوسف | ۸۱ | يَا أَبَا نَآ | ۲۷۳۴ |
| یوسف | ۸۱ | حَافِظِينَ | ۲۷۳۵ |
| یوسف | ۸۲ | وَسَّأَلِ | ۲۷۳۶ |
| یوسف | ۸۲ | لَصِدِّقُونَ | ۲۷۳۷ |
| یوسف | ۸۴ | يَأْسَفِي | ۲۷۳۸ |
| یوسف | ۸۵ | تَفْتُوْا | ۲۷۳۹ |
| یوسف | ۸۵ | الْهَالِكِينَ | ۲۷۴۰ |
| یوسف | ۸۷ | يَبْعِي | ۲۷۴۱ |
| یوسف | ۸۷ | تَايَسُوا | ۲۷۴۲ |
| یوسف | ۸۷ | يَايُسُ | ۲۷۴۳ |
| یوسف | ۸۷ | الْكُفِرُونَ | ۲۷۴۴ |
| یوسف | ۸۸ | يَايُهَا | ۲۷۴۵ |
| یوسف | ۸۸ | بِبِضَاعَةٍ | ۲۷۴۶ |
| یوسف | ۸۸ | مُزَجَّجَةٍ | ۲۷۴۷ |
| یوسف | ۸۹ | جَاهِلُونَ | ۲۷۴۸ |
| یوسف | ۹۰ | أَعْتَلَى | ۲۷۴۹ |
| یوسف | ۹۱ | لَخُطِئِينَ | ۲۷۵۰ |
| یوسف | ۹۲ | الرُّحَمِينَ | ۲۷۵۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۹۵ | یوسف | ضَلَّالِكَ | ۲۷۵۲ |
| ۹۶ | یوسف | أَلْقَاهُ | ۲۷۵۳ |
| ۹۷ | یوسف | يَا أَبَانَا | ۲۷۵۴ |
| ۹۷ | یوسف | خَطِئِينَ | ۲۷۵۵ |
| ۱۰۰ | یوسف | يَا بَتِ | ۲۷۵۶ |
| ۱۰۰ | یوسف | رُءْيَى | ۲۷۵۷ |
| ۱۰۰ | یوسف | الشَّيْطَانُ | ۲۷۵۸ |
| ۱۰۱ | یوسف | السَّمَوَاتِ | ۲۷۵۹ |
| ۱۰۱ | یوسف | وَلِيِّ | ۲۷۶۰ |
| ۱۰۱ | یوسف | بِالصَّالِحِينَ | ۲۷۶۱ |
| ۱۰۴ | یوسف | تَسْأَلُهُمْ | ۲۷۶۲ |
| ۱۰۴ | یوسف | لِلْعَالَمِينَ | ۲۷۶۳ |
| ۱۰۵ | یوسف | السَّمَوَاتِ | ۲۷۶۴ |
| ۱۰۷ | یوسف | غَاشِيَةً | ۲۷۶۵ |
| ۱۰۸ | یوسف | سُبْحَانَ | ۲۷۶۶ |
| ۱۰۹ | یوسف | عَاقِبَةُ | ۲۷۶۷ |
| ۱۱۰ | یوسف | اسْتَيْسَسَ | ۲۷۶۸ |
| ۱۱۱ | یوسف | الْأَبَابِ | ۲۷۶۹ |
| ۱ | رعد | ءَايَاتُ | ۲۷۷۰ |
| ۱ | رعد | الْكِتَابِ | ۲۷۷۱ |
| ۲ | رعد | السَّمَوَاتِ | ۲۷۷۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۲ | رعد | الْأَيْتِ | ۲۷۷۳ |
| ۳ | رعد | رَوَاسِيَ | ۲۷۷۴ |
| ۳ | رعد | أَنْهَرًا | ۲۷۷۵ |
| ۳ | رعد | الشَّامِرِ | ۲۷۷۶ |
| ۳ | رعد | لَأَيْتِ | ۲۷۷۷ |
| ۴ | رعد | مُتَجَوِّرَتْ | ۲۷۷۸ |
| ۴ | رعد | جَنَّتِ | ۲۷۷۹ |
| ۴ | رعد | أَعْنَابِ | ۲۷۸۰ |
| ۴ | رعد | وَاحِدِ | ۲۷۸۱ |
| ۴ | رعد | لَأَيْتِ | ۲۷۸۲ |
| ۵ | رعد | أَءِذَا | ۲۷۸۳ |
| ۵ | رعد | تُرَابًا | ۲۷۸۴ |
| ۵ | رعد | أَءِنَّا | ۲۷۸۵ |
| ۵ | رعد | الْأَغْلُلُ | ۲۷۸۶ |
| ۵ | رعد | أَصْحَبُ | ۲۷۸۷ |
| ۵ | رعد | خَالِدُونَ | ۲۷۸۸ |
| ۶ | رعد | الْمُثُلُتِ | ۲۷۸۹ |
| ۹ | رعد | عَالِمُ | ۲۷۹۰ |
| ۹ | رعد | الشَّهَادَةِ | ۲۷۹۱ |
| ۱۱ | رعد | مُعَقَّبَتِ | ۲۷۹۲ |
| ۱۳ | رعد | الْمَلَائِكَةُ | ۲۷۹۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۳ | رعد | الصَّوَاعِقُ | ۲۷۹۴ |
| ۱۳ | رعد | يُجَادِلُونَ | ۲۷۹۵ |
| ۱۴ | رعد | كَبَاسِطٍ | ۲۷۹۶ |
| ۱۴ | رعد | بِبَالِغِهِ | ۲۷۹۷ |
| ۱۴ | رعد | الْكَاْفِرِينَ | ۲۷۹۸ |
| ۱۴ | رعد | ضَلَّلِ | ۲۷۹۹ |
| ۱۵ | رعد | السَّمَوَاتِ | ۲۸۰۰ |
| ۱۵ | رعد | ظِلَلُهُمْ | ۲۸۰۱ |
| ۱۶ | رعد | السَّمَوَاتِ | ۲۸۰۲ |
| ۱۶ | رعد | الظُّلُمَاتِ | ۲۸۰۳ |
| ۱۶ | رعد | فَتَشَابَهَ | ۲۸۰۴ |
| ۱۶ | رعد | خَالِقُ | ۲۸۰۵ |
| ۱۶ | رعد | الوَاحِدُ | ۲۸۰۶ |
| ۱۶ | رعد | الْقَهَّارُ | ۲۸۰۷ |
| ۱۷ | رعد | مَتَاعٍ | ۲۸۰۸ |
| ۱۷ | رعد | الْبَاطِلِ | ۲۸۰۹ |
| ۱۸ | رعد | مَأْوَاهُمْ | ۲۸۱۰ |
| ۱۹ | رعد | الْأَبَابِ | ۲۸۱۱ |
| ۲۰ | رعد | الْمِيثَاقِ | ۲۸۱۲ |
| ۲۲ | رعد | الصَّلَاةِ | ۲۸۱۳ |
| ۲۲ | رعد | رَزَقْنَاهُمْ | ۲۸۱۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | جُزْءُ |
|-----|------|----------------|--------|
| ۲۲ | رعد | يَدْرَعُونَ | ۲۸۱۵ |
| ۲۳ | رعد | جَنَّتْ | ۲۸۱۶ |
| ۲۳ | رعد | أَزْوَاجِهِمْ | ۲۸۱۷ |
| ۲۳ | رعد | ذُرِّيَّتِهِمْ | ۲۸۱۸ |
| ۲۳ | رعد | الْمَلَائِكَةُ | ۲۸۱۹ |
| ۲۴ | رعد | سَلَامٌ | ۲۸۲۰ |
| ۲۵ | رعد | مِيثَاقِهِ | ۲۸۲۱ |
| ۲۶ | رعد | بِالْحَيَاةِ | ۲۸۲۲ |
| ۲۶ | رعد | الْحَيَاةُ | ۲۸۲۳ |
| ۲۶ | رعد | مَتَاعٌ | ۲۸۲۴ |
| ۲۹ | رعد | الصَّلَاحِ | ۲۸۲۵ |
| ۳۰ | رعد | أَرْسَلْنَاكَ | ۲۸۲۶ |
| ۳۱ | رعد | يَايُسَيسَ | ۲۸۲۷ |
| ۳۳ | رعد | تُنَبِّئُونَهُ | ۲۸۲۸ |
| ۳۳ | رعد | بِظَاهِرٍ | ۲۸۲۹ |
| ۳۴ | رعد | الْحَيَاةِ | ۲۸۳۰ |
| ۳۵ | رعد | الْأَنْهَرُ | ۲۸۳۱ |
| ۳۵ | رعد | الْكُفْرَيْنَ | ۲۸۳۲ |
| ۳۶ | رعد | ءَاتَيْنَهُمْ | ۲۸۳۳ |
| ۳۶ | رعد | الْكِتَابَ | ۲۸۳۴ |
| ۳۷ | رعد | أَنْزَلْنَاهُ | ۲۸۳۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|---------|----------------|------|
| ۳۸ | رعد | أَزْوَاجًا | ۲۸۳۶ |
| ۳۹ | رعد | الْكِتَابِ | ۲۸۳۷ |
| ۴۰ | رعد | الْبَلَاغُ | ۲۸۳۸ |
| ۴۲ | رعد | الْكُفْرُ | ۲۸۳۹ |
| ۴۳ | رعد | الْكِتَابِ | ۲۸۴۰ |
| ۱ | ابراهيم | كُتِبَ | ۲۸۴۱ |
| ۱ | ابراهيم | أَنْزَلْنَاهُ | ۲۸۴۲ |
| ۱ | ابراهيم | الظُّلُمَاتِ | ۲۸۴۳ |
| ۱ | ابراهيم | صِرَاطِ | ۲۸۴۴ |
| ۲ | ابراهيم | السَّمَوَاتِ | ۲۸۴۵ |
| ۲ | ابراهيم | لِلْكَافِرِينَ | ۲۸۴۶ |
| ۳ | ابراهيم | الْحَيَاةِ | ۲۸۴۷ |
| ۳ | ابراهيم | ضَلَلِ | ۲۸۴۸ |
| ۵ | ابراهيم | بِأَيَّتِنَا | ۲۸۴۹ |
| ۵ | ابراهيم | الظُّلُمَاتِ | ۲۸۵۰ |
| ۵ | ابراهيم | بِأَيَّامِ | ۲۸۵۱ |
| ۵ | ابراهيم | لَايَاتِ | ۲۸۵۲ |
| ۶ | ابراهيم | أَنْجَاكُمْ | ۲۸۵۳ |
| ۹ | ابراهيم | نَبِّؤُا | ۲۸۵۴ |
| ۹ | ابراهيم | بِالْيَنِّتِ | ۲۸۵۵ |
| ۹ | ابراهيم | أَفْوَهِمِ | ۲۸۵۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|---------|----------------|------|
| ۱۰ | ابراهیم | السَّمَوَاتِ | ۲۸۵۷ |
| ۱۰ | ابراهیم | بِسُلْطَنِ | ۲۸۵۸ |
| ۱۱ | ابراهیم | بِسُلْطَنِ | ۲۸۵۹ |
| ۱۲ | ابراهیم | هَدُنَا | ۲۸۶۰ |
| ۱۳ | ابراهیم | الظَّالِمِينَ | ۲۸۶۱ |
| ۱۸ | ابراهیم | أَعْمَالُهُمْ | ۲۸۶۲ |
| ۱۸ | ابراهیم | الضَّلَالُ | ۲۸۶۳ |
| ۱۹ | ابراهیم | السَّمَوَاتِ | ۲۸۶۴ |
| ۲۱ | ابراهیم | الضُّعْفُؤُا | ۲۸۶۵ |
| ۲۱ | ابراهیم | هَدُنَا | ۲۸۶۶ |
| ۲۱ | ابراهیم | لَهْدَيْنَكُمُ | ۲۸۶۷ |
| ۲۲ | ابراهیم | الشَّيْطَانُ | ۲۸۶۸ |
| ۲۲ | ابراهیم | سُلْطَنِ | ۲۸۶۹ |
| ۲۲ | ابراهیم | الظَّالِمِينَ | ۲۸۷۰ |
| ۲۳ | ابراهیم | الصِّلَحَاتِ | ۲۸۷۱ |
| ۲۳ | ابراهیم | جَنَّتِ | ۲۸۷۲ |
| ۲۳ | ابراهیم | الْأَنْهَارُ | ۲۸۷۳ |
| ۲۳ | ابراهیم | خَلْدِينَ | ۲۸۷۴ |
| ۲۳ | ابراهیم | سَلَّمَ | ۲۸۷۵ |
| ۲۷ | ابراهیم | الْحَيَوَةِ | ۲۸۷۶ |
| ۲۷ | ابراهیم | الظَّالِمِينَ | ۲۸۷۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|---------|-----------------|------|
| ۳۱ | ابراهیم | الصَّلَاةَ | ۲۸۷۸ |
| ۳۱ | ابراهیم | رَزَقْنَاهُمْ | ۲۸۷۹ |
| ۳۱ | ابراهیم | خِلَلٌ | ۲۸۸۰ |
| ۳۲ | ابراهیم | السَّمَوَاتِ | ۲۸۸۱ |
| ۳۲ | ابراهیم | الثَّمَرَاتِ | ۲۸۸۲ |
| ۳۲ | ابراهیم | الْأَنْهَارِ | ۲۸۸۳ |
| ۳۴ | ابراهیم | ءَاتَكُمْ | ۲۸۸۴ |
| ۳۴ | ابراهیم | الْإِنْسَانَ | ۲۸۸۵ |
| ۳۵ | ابراهیم | إِبْرَاهِيمُ | ۲۸۸۶ |
| ۳۷ | ابراهیم | الصَّلَاةَ | ۲۸۸۷ |
| ۳۷ | ابراهیم | أَفْعِدَّةً | ۲۸۸۸ |
| ۳۷ | ابراهیم | الثَّمَرَاتِ | ۲۸۸۹ |
| ۳۹ | ابراهیم | إِسْمَاعِيلَ | ۲۸۹۰ |
| ۳۹ | ابراهیم | إِسْحَاقَ | ۲۸۹۱ |
| ۴۰ | ابراهیم | الصَّلَاةَ | ۲۸۹۲ |
| ۴۱ | ابراهیم | لِوَالِدَيْ | ۲۸۹۳ |
| ۴۲ | ابراهیم | غَافِلًا | ۲۸۹۴ |
| ۴۲ | ابراهیم | الظَّالِمُونَ | ۲۸۹۵ |
| ۴۲ | ابراهیم | الْأَبْصَارُ | ۲۸۹۶ |
| ۴۳ | ابراهیم | رُءُوسِهِمْ | ۲۸۹۷ |
| ۴۳ | ابراهیم | أَفْعِدَّتِهِمْ | ۲۸۹۸ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|---------|-----|------------------|------|
| ابراهیم | ۴۵ | مَسْكِنٍ | ۲۸۹۹ |
| ابراهیم | ۴۸ | السَّمَوَاتِ | ۲۹۰۰ |
| ابراهیم | ۴۸ | الوَاحِدِ | ۲۹۰۱ |
| ابراهیم | ۵۲ | بَلَّغٌ | ۲۹۰۲ |
| ابراهیم | ۵۲ | وَاحِدٌ | ۲۹۰۳ |
| ابراهیم | ۵۲ | الْأَبَابِ | ۲۹۰۴ |
| حجر | ۱ | ءَايَاتُ | ۲۹۰۵ |
| حجر | ۱ | الْكِتَابِ | ۲۹۰۶ |
| حجر | ۵ | يَسْتَأْخِرُونَ | ۲۹۰۷ |
| حجر | ۶ | يَا أَيُّهَا | ۲۹۰۸ |
| حجر | ۷ | بِالْمَلَائِكَةِ | ۲۹۰۹ |
| حجر | ۷ | الصَّادِقِينَ | ۲۹۱۰ |
| حجر | ۸ | الْمَلَائِكَةِ | ۲۹۱۱ |
| حجر | ۹ | لَّحَافِظُونَ | ۲۹۱۲ |
| حجر | ۱۱ | يَسْتَهْزِءُونَ | ۲۹۱۳ |
| حجر | ۱۵ | أَبْصَارُنَا | ۲۹۱۴ |
| حجر | ۱۶ | زَيَّنُّهَا | ۲۹۱۵ |
| حجر | ۱۶ | لِلنَّظَرِينَ | ۲۹۱۶ |
| حجر | ۱۷ | حَفِظْنَاهَا | ۲۹۱۷ |
| حجر | ۱۷ | شَيْطَانٍ | ۲۹۱۸ |
| حجر | ۱۹ | مَدَدْنَاهَا | ۲۹۱۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------------|------|
| ۱۹ | حجر | رَوَاسِي | ۲۹۲۰ |
| ۲۰ | حجر | مَعَايِشَ | ۲۹۲۱ |
| ۲۰ | حجر | بِرِّزْقَيْنَ | ۲۹۲۲ |
| ۲۲ | حجر | الرَّيْحَ | ۲۹۲۳ |
| ۲۲ | حجر | لَوَاقِحَ | ۲۹۲۴ |
| ۲۲ | حجر | فَأَسْقَيْنَكُمُوهُ | ۲۹۲۵ |
| ۲۲ | حجر | بِخَزْنَيْنِ | ۲۹۲۶ |
| ۲۳ | حجر | نُحْيِءَ | ۲۹۲۷ |
| ۲۳ | حجر | الْوَارِثُونَ | ۲۹۲۸ |
| ۲۴ | حجر | الْمُسْتَخْرِينَ | ۲۹۲۹ |
| ۲۶ | حجر | الْإِنْسَانَ | ۲۹۳۰ |
| ۲۶ | حجر | صَلْصَالٍ | ۲۹۳۱ |
| ۲۷ | حجر | خَلَقْنَاهُ | ۲۹۳۲ |
| ۲۸ | حجر | لِلْمَلَائِكَةِ | ۲۹۳۳ |
| ۲۸ | حجر | خَالِقٌ | ۲۹۳۴ |
| ۲۸ | حجر | صَلْصَالٍ | ۲۹۳۵ |
| ۲۹ | حجر | سُجِّدِينَ | ۲۹۳۶ |
| ۳۰ | حجر | الْمَلَائِكَةُ | ۲۹۳۷ |
| ۳۱ | حجر | السُّجِّدِينَ | ۲۹۳۸ |
| ۳۲ | حجر | يَا بَلِيسُ | ۲۹۳۹ |
| ۳۲ | حجر | السُّجِّدِينَ | ۲۹۴۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۳۳ | حجر | صَلِّصَالٍ | ۲۹۴۱ |
| ۴۱ | حجر | صِرَاطُ | ۲۹۴۲ |
| ۴۲ | حجر | سُلْطَنُ | ۲۹۴۳ |
| ۴۴ | حجر | أَبْوَابِ | ۲۹۴۴ |
| ۴۵ | حجر | جَنَّتِ | ۲۹۴۵ |
| ۴۶ | حجر | بِسَلَمِ | ۲۹۴۶ |
| ۴۷ | حجر | إِخْوَانًا | ۲۹۴۷ |
| ۴۷ | حجر | مُتَقَبِّلِينَ | ۲۹۴۸ |
| ۵۱ | حجر | إِبْرَاهِيمَ | ۲۹۴۹ |
| ۵۲ | حجر | سَلَامًا | ۲۹۵۰ |
| ۵۳ | حجر | بِغُلْمِ | ۲۹۵۱ |
| ۵۵ | حجر | بَشْرُنَاكَ | ۲۹۵۲ |
| ۵۵ | حجر | الْقَنِطِينِ | ۲۹۵۳ |
| ۶۰ | حجر | الْغَابِرِينَ | ۲۹۵۴ |
| ۶۳ | حجر | جِئْنَاكَ | ۲۹۵۵ |
| ۶۴ | حجر | أَتَيْنَاكَ | ۲۹۵۶ |
| ۶۴ | حجر | لَصَدِيقُونَ | ۲۹۵۷ |
| ۶۵ | حجر | أَدْبَرَهُمْ | ۲۹۵۸ |
| ۷۰ | حجر | الْعَالَمِينَ | ۲۹۵۹ |
| ۷۱ | حجر | فَعْلِينَ | ۲۹۶۰ |
| ۷۴ | حجر | عَالِيَهَا | ۲۹۶۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|--------------------|------|
| ٧٥ | حجر | لَا يَتِ | ٢٩٦٢ |
| ٧٨ | حجر | أَصْحَابُ | ٢٩٦٣ |
| ٧٨ | حجر | لُظَالِمِينَ | ٢٩٦٤ |
| ٨٠ | حجر | أَصْحَابُ | ٢٩٦٥ |
| ٨١ | حجر | ءَاتَيْنَهُمْ | ٢٩٦٦ |
| ٨١ | حجر | ءَايَتِنَا | ٢٩٦٧ |
| ٨٥ | حجر | السَّمَوَاتِ | ٢٩٦٨ |
| ٨٦ | حجر | الْخَلْقُ | ٢٩٦٩ |
| ٨٧ | حجر | ءَاتَيْنَاكَ | ٢٩٧٠ |
| ٨٨ | حجر | أَزْوَاجًا | ٢٩٧١ |
| ٩٢ | حجر | لَنَسْأَلَنَّهُمْ | ٢٩٧٢ |
| ٩٥ | حجر | كَفَيْنَاكَ | ٢٩٧٣ |
| ٩٥ | حجر | الْمُسْتَهْزِئِينَ | ٢٩٧٤ |
| ٩٨ | حجر | السَّاجِدِينَ | ٢٩٧٥ |
| ١ | نحل | سُبْحَانَهُ | ٢٩٧٦ |
| ١ | نحل | تَعَالَى | ٢٩٧٧ |
| ٢ | نحل | الْمَلَائِكَةِ | ٢٩٧٨ |
| ٣ | نحل | السَّمَوَاتِ | ٢٩٧٩ |
| ٣ | نحل | تَعَالَى | ٢٩٨٠ |
| ٤ | نحل | الْإِنْسَانَ | ٢٩٨١ |
| ٥ | نحل | الْأَنْعَامَ | ٢٩٨٢ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۵ | نحل | مَنَافِعُ | ۲۹۸۳ |
| ۷ | نحل | بَالِغِيهِ | ۲۹۸۴ |
| ۷ | نحل | لَرَّءَوْفٌ | ۲۹۸۵ |
| ۹ | نحل | لَهَدِنُكُمْ | ۲۹۸۶ |
| ۱۱ | نحل | الْأَعْنَابِ | ۲۹۸۷ |
| ۱۱ | نحل | الثَّمَرَاتِ | ۲۹۸۸ |
| ۱۲ | نحل | مُسَخَّرَاتٍ | ۲۹۸۹ |
| ۱۲ | نحل | لَأَيِّتٍ | ۲۹۹۰ |
| ۱۳ | نحل | الْوَانِئِ | ۲۹۹۱ |
| ۱۵ | نحل | رَوَاسِيَ | ۲۹۹۲ |
| ۱۵ | نحل | أَنْهَرًا | ۲۹۹۳ |
| ۱۶ | نحل | عَلِمَتْ | ۲۹۹۴ |
| ۲۰ | نحل | شَيْئًا | ۲۹۹۵ |
| ۲۱ | نحل | أَمْوَاتٍ | ۲۹۹۶ |
| ۲۲ | نحل | وَاحِدٌ | ۲۹۹۷ |
| ۲۴ | نحل | أَسَاطِيرُ | ۲۹۹۸ |
| ۲۵ | نحل | الْقِيَمَةِ | ۲۹۹۹ |
| ۲۶ | نحل | بُنْيَانُهُمْ | ۳۰۰۰ |
| ۲۶ | نحل | أَتْنَهُمْ | ۳۰۰۱ |
| ۲۷ | نحل | الْقِيَمَةِ | ۳۰۰۲ |
| ۲۷ | نحل | شُرَكَاءِي | ۳۰۰۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۲۷ | نحل | تُشَاقُّونَ | ۳۰۰۴ |
| ۲۷ | نحل | الْكٰفِرِيْنَ | ۳۰۰۵ |
| ۲۸ | نحل | تَتَوَفَّيْهُمْ | ۳۰۰۶ |
| ۲۸ | نحل | الْمَلٰٓئِكَةُ | ۳۰۰۷ |
| ۲۹ | نحل | اَبْوَابَ | ۳۰۰۸ |
| ۲۹ | نحل | خٰلِدِيْنَ | ۳۰۰۹ |
| ۳۱ | نحل | جَنَّتْ | ۳۰۱۰ |
| ۳۱ | نحل | الْاَنْهٰرِ | ۳۰۱۱ |
| ۳۱ | نحل | يَشَآءُوْنَ | ۳۰۱۲ |
| ۳۲ | نحل | تَتَوَفَّيْهُمْ | ۳۰۱۳ |
| ۳۲ | نحل | الْمَلٰٓئِكَةُ | ۳۰۱۴ |
| ۳۲ | نحل | سَلٰمٌ | ۳۰۱۵ |
| ۳۳ | نحل | الْمَلٰٓئِكَةُ | ۳۰۱۶ |
| ۳۴ | نحل | سَيِّئٰتُ | ۳۰۱۷ |
| ۳۴ | نحل | يَسْتَمْزِعُوْنَ | ۳۰۱۸ |
| ۳۵ | نحل | الْبَلٰغُ | ۳۰۱۹ |
| ۳۶ | نحل | الطَّٰغُوْتَ | ۳۰۲۰ |
| ۳۶ | نحل | الضَّلٰلَةُ | ۳۰۲۱ |
| ۳۶ | نحل | عَاقِبَةُ | ۳۰۲۲ |
| ۳۷ | نحل | هُدٰىهُمْ | ۳۰۲۳ |
| ۳۷ | نحل | نَصْرِيْنَ | ۳۰۲۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۳۸ | نحل | أَيْمَنِهِمْ | ۳۰۲۵ |
| ۳۹ | نحل | كَذِبِينَ | ۳۰۲۶ |
| ۴۰ | نحل | أَرَدْنُهُ | ۳۰۲۷ |
| ۴۳ | نحل | فَسْأَلُوا | ۳۰۲۸ |
| ۴۴ | نحل | بِالْبَيِّنَاتِ | ۳۰۲۹ |
| ۴۵ | نحل | السَّيِّئَاتِ | ۳۰۳۰ |
| ۴۷ | نحل | لَرَّءَوْفٌ | ۳۰۳۱ |
| ۴۸ | نحل | يَتَفَقَّهُوا | ۳۰۳۲ |
| ۴۸ | نحل | ظِلَلُهُ | ۳۰۳۳ |
| ۴۸ | نحل | دُخْرُونَ | ۳۰۳۴ |
| ۴۹ | نحل | السَّمَوَاتِ | ۳۰۳۵ |
| ۴۹ | نحل | الْمَلَائِكَةُ | ۳۰۳۶ |
| ۵۱ | نحل | وَاحِدٌ | ۳۰۳۷ |
| ۵۱ | نحل | فَإِيَّايَ | ۳۰۳۸ |
| ۵۲ | نحل | السَّمَوَاتِ | ۳۰۳۹ |
| ۵۳ | نحل | تَجْعُرُونَ | ۳۰۴۰ |
| ۵۵ | نحل | ءَاتَيْنَهُمْ | ۳۰۴۱ |
| ۵۶ | نحل | رَزَقْنَاهُمْ | ۳۰۴۲ |
| ۵۶ | نحل | لَتُسْأَلُنَّ | ۳۰۴۳ |
| ۵۷ | نحل | الْبَنَاتِ | ۳۰۴۴ |
| ۵۷ | نحل | سُبْحَنَهُ | ۳۰۴۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------------|------|
| ۵۹ | نحل | يَتَوَارَى | ۳۰۴۶ |
| ۶۱ | نحل | يَسْتَأْخِرُونَ | ۳۰۴۷ |
| ۶۳ | نحل | الشَّيْطَانُ | ۳۰۴۸ |
| ۶۳ | نحل | أَعْمَالَهُمْ | ۳۰۴۹ |
| ۶۴ | نحل | الْكِتَابِ | ۳۰۵۰ |
| ۶۶ | نحل | الْأَنْعَامِ | ۳۰۵۱ |
| ۶۶ | نحل | لِلشَّرِيبِ | ۳۰۵۲ |
| ۶۷ | نحل | ثَمَرَاتِ | ۳۰۵۳ |
| ۶۷ | نحل | الْأَعْنَابِ | ۳۰۵۴ |
| ۶۹ | نحل | الثَّمَرَاتِ | ۳۰۵۵ |
| ۶۹ | نحل | الْوَائِيهِ | ۳۰۵۶ |
| ۷۰ | نحل | يَتَوَفَّكُمُ | ۳۰۵۷ |
| ۷۰ | نحل | شَيْئًا | ۳۰۵۸ |
| ۷۱ | نحل | أَيْمُهُمْ | ۳۰۵۹ |
| ۷۲ | نحل | أَزْوَاجًا | ۳۰۶۰ |
| ۷۲ | نحل | أَزْوَاجِكُمْ | ۳۰۶۱ |
| ۷۲ | نحل | الطَّيِّبَاتِ | ۳۰۶۲ |
| ۷۲ | نحل | أَفْبَالِ الْبَاطِلِ | ۳۰۶۳ |
| ۷۳ | نحل | السَّمَوَاتِ | ۳۰۶۴ |
| ۷۳ | نحل | شَيْئًا | ۳۰۶۵ |
| ۷۵ | نحل | رَزَقْنَاهُ | ۳۰۶۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۷۵ | نحل | يَسْتَوْنَ | ۳۰۶۷ |
| ۷۶ | نحل | مَوْلَاهُ | ۳۰۶۸ |
| ۷۶ | نحل | صِرَاطِ | ۳۰۶۹ |
| ۷۷ | نحل | السَّمَوَاتِ | ۳۰۷۰ |
| ۷۸ | نحل | أُمَّهَاتِكُمْ | ۳۰۷۱ |
| ۷۸ | نحل | شَيْئًا | ۳۰۷۲ |
| ۷۸ | نحل | الْأَبْصَارَ | ۳۰۷۳ |
| ۷۸ | نحل | الْأَفْعِدَةَ | ۳۰۷۴ |
| ۷۹ | نحل | مُسَحَّرَاتٍ | ۳۰۷۵ |
| ۷۹ | نحل | لَأَيِّتٍ | ۳۰۷۶ |
| ۸۰ | نحل | الْأَنْعَامِ | ۳۰۷۷ |
| ۸۰ | نحل | آثَانًا | ۳۰۷۸ |
| ۸۰ | نحل | مَتَاعًا | ۳۰۷۹ |
| ۸۱ | نحل | ظِلَالًا | ۳۰۸۰ |
| ۸۱ | نحل | أَكْنَانًا | ۳۰۸۱ |
| ۸۱ | نحل | سَرَابِيلَ | ۳۰۸۲ |
| ۸۱ | نحل | سَرَابِيلَ | ۳۰۸۳ |
| ۸۲ | نحل | الْبَلُغُ | ۳۰۸۴ |
| ۸۳ | نحل | الْكُفْرُونَ | ۳۰۸۵ |
| ۸۵ | نحل | رَعَا | ۳۰۸۶ |
| ۸۶ | نحل | رَعَا | ۳۰۸۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۸۶ | نحل | لَكَذِبُونَ | ۳۰۸۸ |
| ۸۸ | نحل | زِدْنَهُمْ | ۳۰۸۹ |
| ۸۹ | نحل | الْكِتَابِ | ۳۰۹۰ |
| ۸۹ | نحل | تَبْيَانًا | ۳۰۹۱ |
| ۹۰ | نحل | الْإِحْسَانِ | ۳۰۹۲ |
| ۹۰ | نحل | اِيتَائِي | ۳۰۹۳ |
| ۹۱ | نحل | عَاهَدْتُمْ | ۳۰۹۴ |
| ۹۱ | نحل | الْأَيْمَنِ | ۳۰۹۵ |
| ۹۲ | نحل | أَنْكَاثًا | ۳۰۹۶ |
| ۹۲ | نحل | أَيْمَنَكُمْ | ۳۰۹۷ |
| ۹۲ | نحل | الْقِيَمَةِ | ۳۰۹۸ |
| ۹۳ | نحل | وَاحِدَةً | ۳۰۹۹ |
| ۹۳ | نحل | لَتُسْأَلُنَّ | ۳۱۰۰ |
| ۹۴ | نحل | أَيْمَنَكُمْ | ۳۱۰۱ |
| ۹۷ | نحل | صَلِحًا | ۳۱۰۲ |
| ۹۷ | نحل | حَيَوَةً | ۳۱۰۳ |
| ۹۸ | نحل | الشَّيْطَانِ | ۳۱۰۴ |
| ۹۹ | نحل | سُلْطَنٌ | ۳۱۰۵ |
| ۱۰۰ | نحل | سُلْطَانُهُ | ۳۱۰۶ |
| ۱۰۴ | نحل | بِأَيْتِ | ۳۱۰۷ |
| ۱۰۵ | نحل | بِأَيْتِ | ۳۱۰۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۰۵ | نحل | الْكٰذِبُونَ | ۳۱۰۹ |
| ۱۰۶ | نحل | اِيْمَانِهٖ | ۳۱۱۰ |
| ۱۰۶ | نحل | بِالْاِيْمَانِ | ۳۱۱۱ |
| ۱۰۷ | نحل | الْحَيٰوةَ | ۳۱۱۲ |
| ۱۰۷ | نحل | الْكٰفِرِيْنَ | ۳۱۱۳ |
| ۱۰۸ | نحل | اَبْصَارِهِمْ | ۳۱۱۴ |
| ۱۰۸ | نحل | الْغٰفِلُونَ | ۳۱۱۵ |
| ۱۰۹ | نحل | الْخٰسِرُونَ | ۳۱۱۶ |
| ۱۱۰ | نحل | جَاهِدُوا | ۳۱۱۷ |
| ۱۱۱ | نحل | تُجَادِلُ | ۳۱۱۸ |
| ۱۱۲ | نحل | فَاَذٰقَهَا | ۳۱۱۹ |
| ۱۱۳ | نحل | ظٰلِمُونَ | ۳۱۲۰ |
| ۱۱۴ | نحل | حَلٰلًا | ۳۱۲۱ |
| ۱۱۶ | نحل | حَلٰلٌ | ۳۱۲۲ |
| ۱۱۷ | نحل | مَتَاعٌ | ۳۱۲۳ |
| ۱۱۸ | نحل | ظَلَمْنٰهُمْ | ۳۱۲۴ |
| ۱۱۹ | نحل | بِجَهَالَةٍ | ۳۱۲۵ |
| ۱۲۰ | نحل | اِبْرٰهِيْمَ | ۳۱۲۶ |
| ۱۲۱ | نحل | اِجْتَبَاهُ | ۳۱۲۷ |
| ۱۲۱ | نحل | هَدٰهُ | ۳۱۲۸ |
| ۱۲۱ | نحل | صِرَاطٍ | ۳۱۲۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۲۲ | نحل | ءَاتَيْنَاهُ | ۳۱۳۰ |
| ۱۲۲ | نحل | الصَّالِحِينَ | ۳۱۳۱ |
| ۱۲۳ | نحل | إِبْرَاهِيمَ | ۳۱۳۲ |
| ۱۲۴ | نحل | الْقِيَمَةَ | ۳۱۳۳ |
| ۱۲۵ | نحل | جَادِلُهُمْ | ۳۱۳۴ |
| ۱۲۶ | نحل | لِلصَّابِرِينَ | ۳۱۳۵ |
| ۱ | اسراء | سُبْحَنَ | ۳۱۳۶ |
| ۱ | اسراء | بِرُكْنًا | ۳۱۳۷ |
| ۱ | اسراء | ءَايَاتِنَا | ۳۱۳۸ |
| ۲ | اسراء | الْكِتَابِ | ۳۱۳۹ |
| ۲ | اسراء | جَعَلْنَاهُ | ۳۱۴۰ |
| ۲ | اسراء | إِسْرَآءِيلَ | ۳۱۴۱ |
| ۴ | اسراء | إِسْرَآءِيلَ | ۳۱۴۲ |
| ۴ | اسراء | الْكِتَابِ | ۳۱۴۳ |
| ۵ | اسراء | أُولَهُمَا | ۳۱۴۴ |
| ۵ | اسراء | خِلَالِ | ۳۱۴۵ |
| ۶ | اسراء | أَمَدَدْنٰكُمْ | ۳۱۴۶ |
| ۶ | اسراء | بِأَمْوَالٍ | ۳۱۴۷ |
| ۶ | اسراء | جَعَلْنٰكُمْ | ۳۱۴۸ |
| ۷ | اسراء | لِيسَوءَا | ۳۱۴۹ |
| ۸ | اسراء | لِلْكَافِرِينَ | ۳۱۵۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۹ | اسراء | الصِّلِحَتِ | ۳۱۵۱ |
| ۱۱ | اسراء | الْإِنْسَانُ | ۳۱۵۲ |
| ۱۱ | اسراء | الْإِنْسَانُ | ۳۱۵۳ |
| ۱۲ | اسراء | فَصَّلْنَاهُ | ۳۱۵۴ |
| ۱۳ | اسراء | إِنْسَانٍ | ۳۱۵۵ |
| ۱۳ | اسراء | الزَّمَنُ | ۳۱۵۶ |
| ۱۳ | اسراء | طَّيَّرَهُ | ۳۱۵۷ |
| ۱۳ | اسراء | الْقِيَمَةِ | ۳۱۵۸ |
| ۱۳ | اسراء | كِتَبًا | ۳۱۵۹ |
| ۱۳ | اسراء | يَلْقَاهُ | ۳۱۶۰ |
| ۱۴ | اسراء | كِتَابَكَ | ۳۱۶۱ |
| ۱۶ | اسراء | فَدَمَّرْنَاهَا | ۳۱۶۲ |
| ۱۸ | اسراء | يَصْلِيْهَا | ۳۱۶۳ |
| ۲۱ | اسراء | دَرَجَتٍ | ۳۱۶۴ |
| ۲۳ | اسراء | بِالْوَالِدَيْنِ | ۳۱۶۵ |
| ۲۳ | اسراء | إِحْسَانًا | ۳۱۶۶ |
| ۲۵ | اسراء | صَلِحِينَ | ۳۱۶۷ |
| ۲۵ | اسراء | لِلْأَوْبَيْنِ | ۳۱۶۸ |
| ۲۷ | اسراء | إِخْوَانَ | ۳۱۶۹ |
| ۲۷ | اسراء | الشَّيْطَانِ | ۳۱۷۰ |
| ۲۷ | اسراء | الشَّيْطَانُ | ۳۱۷۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۳۱ | اسراء | أَوْلَادُكُمْ | ۳۱۷۲ |
| ۳۱ | اسراء | إِمْلَاقٍ | ۳۱۷۳ |
| ۳۱ | اسراء | خِطَاءً | ۳۱۷۴ |
| ۳۲ | اسراء | فَاحِشَةً | ۳۱۷۵ |
| ۳۳ | اسراء | سُلْطَنًا | ۳۱۷۶ |
| ۳۴ | اسراء | مَسْئُولًا | ۳۱۷۷ |
| ۳۶ | اسراء | مَسْئُولًا | ۳۱۷۸ |
| ۴۰ | اسراء | أَفَاصِفُكُمْ | ۳۱۷۹ |
| ۴۰ | اسراء | الْمَلَائِكَةِ | ۳۱۸۰ |
| ۴۰ | اسراء | إِنَاثًا | ۳۱۸۱ |
| ۴۳ | اسراء | سُبْحَنَهُ | ۳۱۸۲ |
| ۴۳ | اسراء | تَعَالَى | ۳۱۸۳ |
| ۴۴ | اسراء | السَّمَوَاتِ | ۳۱۸۴ |
| ۴۶ | اسراء | أَدْبَرِهِمْ | ۳۱۸۵ |
| ۴۷ | اسراء | الظَّالِمُونَ | ۳۱۸۶ |
| ۴۹ | اسراء | أَعِذَا | ۳۱۸۷ |
| ۴۹ | اسراء | عِظَامًا | ۳۱۸۸ |
| ۴۹ | اسراء | رُفَاتًا | ۳۱۸۹ |
| ۴۹ | اسراء | أَعِتَا | ۳۱۹۰ |
| ۵۱ | اسراء | رُءُوسَهُمْ | ۳۱۹۱ |
| ۵۳ | اسراء | الشَّيْطَانِ | ۳۱۹۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۵۳ | اسراء | الشَّيْطَانِ | ۳۱۹۳ |
| ۵۳ | اسراء | لِلْإِنْسَانِ | ۳۱۹۴ |
| ۵۴ | اسراء | أَرْسَلْنَاكَ | ۳۱۹۵ |
| ۵۵ | اسراء | السَّمَوَاتِ | ۳۱۹۶ |
| ۵۵ | اسراء | النَّبِيِّنَ | ۳۱۹۷ |
| ۵۵ | اسراء | دَاوُدَ | ۳۱۹۸ |
| ۵۸ | اسراء | الْقِيَمَةِ | ۳۱۹۹ |
| ۵۸ | اسراء | الْكِتَابِ | ۳۲۰۰ |
| ۵۹ | اسراء | بِالْآيَاتِ | ۳۲۰۱ |
| ۵۹ | اسراء | بِالْآيَاتِ | ۳۲۰۲ |
| ۶۰ | اسراء | الرُّءْيَا | ۳۲۰۳ |
| ۶۰ | اسراء | أَرَيْنَاكَ | ۳۲۰۴ |
| ۶۰ | اسراء | طُغْيَانًا | ۳۲۰۵ |
| ۶۱ | اسراء | لِلْمَلَائِكَةِ | ۳۲۰۶ |
| ۶۱ | اسراء | ءَاسْجُدُ | ۳۲۰۷ |
| ۶۲ | اسراء | أَرَأَيْتَكَ | ۳۲۰۸ |
| ۶۲ | اسراء | الْقِيَمَةِ | ۳۲۰۹ |
| ۶۴ | اسراء | الْأَمْوَالِ | ۳۲۱۰ |
| ۶۴ | اسراء | الْأَوْلَادِ | ۳۲۱۱ |
| ۶۴ | اسراء | الشَّيْطَانِ | ۳۲۱۲ |
| ۶۵ | اسراء | سُلْطٰنٍ | ۳۲۱۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ٦٧ | اسراء | نَجَّكُمْ | ٣٢١٤ |
| ٦٧ | اسراء | الْإِنْسَانُ | ٣٢١٥ |
| ٧٠ | اسراء | حَمَلْنَهُمْ | ٣٢١٦ |
| ٧٠ | اسراء | رَزَقْنَهُمْ | ٣٢١٧ |
| ٧٠ | اسراء | الطَّيِّبَاتِ | ٣٢١٨ |
| ٧٠ | اسراء | فَضَّلْنَهُمْ | ٣٢١٩ |
| ٧١ | اسراء | بِأَمَامِهِمْ | ٣٢٢٠ |
| ٧١ | اسراء | كَتَبُوا | ٣٢٢١ |
| ٧١ | اسراء | يَقْرَءُونَ | ٣٢٢٢ |
| ٧١ | اسراء | كَتَبَهُمْ | ٣٢٢٣ |
| ٧٤ | اسراء | ثَبَّتْنَاكَ | ٣٢٢٤ |
| ٧٤ | اسراء | شَيْئًا | ٣٢٢٥ |
| ٧٥ | اسراء | لَا ذَقْنَاكَ | ٣٢٢٦ |
| ٧٥ | اسراء | الْحَيَاةِ | ٣٢٢٧ |
| ٧٦ | اسراء | خَلَّفَاكَ | ٣٢٢٨ |
| ٧٨ | اسراء | الصَّلَاةِ | ٣٢٢٩ |
| ٨٠ | اسراء | سُلْطَانًا | ٣٢٣٠ |
| ٨١ | اسراء | الْبَاطِلُ | ٣٢٣١ |
| ٨١ | اسراء | الْبَاطِلَ | ٣٢٣٢ |
| ٨٢ | اسراء | الظَّالِمِينَ | ٣٢٣٣ |
| ٨٣ | اسراء | الْإِنْسَانِ | ٣٢٣٤ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۸۳ | اسراء | نَعَا | ۳۲۳۵ |
| ۸۳ | اسراء | يَعُوسَا | ۳۲۳۶ |
| ۸۵ | اسراء | يَسْأَلُونَكَ | ۳۲۳۷ |
| ۹۱ | اسراء | الْأَنْهَرِ | ۳۲۳۸ |
| ۹۱ | اسراء | خِلَلَهَا | ۳۲۳۹ |
| ۹۲ | اسراء | الْمَلَأَكَّةَ | ۳۲۴۰ |
| ۹۳ | اسراء | كِتَبًا | ۳۲۴۱ |
| ۹۳ | اسراء | نَقْرُومَ | ۳۲۴۲ |
| ۹۵ | اسراء | مَلَأَكَّةً | ۳۲۴۳ |
| ۹۷ | اسراء | الْقِيَمَةِ | ۳۲۴۴ |
| ۹۷ | اسراء | مَأْوَهُمْ | ۳۲۴۵ |
| ۹۷ | اسراء | زِدْنَهُمْ | ۳۲۴۶ |
| ۹۸ | اسراء | بِأَيَّتِنَا | ۳۲۴۷ |
| ۹۸ | اسراء | أَعِذَا | ۳۲۴۸ |
| ۹۸ | اسراء | عِظَامًا | ۳۲۴۹ |
| ۹۸ | اسراء | رُفَاتًا | ۳۲۵۰ |
| ۹۸ | اسراء | أَعِنَّا | ۳۲۵۱ |
| ۹۹ | اسراء | السَّمَوَاتِ | ۳۲۵۲ |
| ۹۹ | اسراء | الظَّالِمُونَ | ۳۲۵۳ |
| ۱۰۰ | اسراء | الْإِنْسَانُ | ۳۲۵۴ |
| ۱۰۱ | اسراء | ءَايَتِ | ۳۲۵۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۰۱ | اسراء | بَيِّنَتْ | ۳۲۵۶ |
| ۱۰۱ | اسراء | فَسَأَلَ | ۳۲۵۷ |
| ۱۰۱ | اسراء | إِسْرَآءِيلَ | ۳۲۵۸ |
| ۱۰۱ | اسراء | يُمُوسَى | ۳۲۵۹ |
| ۱۰۲ | اسراء | السَّمَوَاتِ | ۳۲۶۰ |
| ۱۰۲ | اسراء | يُفِرْعَوْنَ | ۳۲۶۱ |
| ۱۰۳ | اسراء | فَاغْرَقْنَاهُ | ۳۲۶۲ |
| ۱۰۴ | اسراء | إِسْرَآءِيلَ | ۳۲۶۳ |
| ۱۰۵ | اسراء | أَنزَلْنَاهُ | ۳۲۶۴ |
| ۱۰۵ | اسراء | أَرْسَلْنَاكَ | ۳۲۶۵ |
| ۱۰۶ | اسراء | فَرَقْنَاهُ | ۳۲۶۶ |
| ۱۰۶ | اسراء | نَزَّلْنَاهُ | ۳۲۶۷ |
| ۱۰۸ | اسراء | سُبْحَانَ | ۳۲۶۸ |
| ۱ | كهف | الْكِتَابِ | ۳۲۶۹ |
| ۲ | كهف | الصَّلَاحِ | ۳۲۷۰ |
| ۳ | كهف | مُكِيثِينَ | ۳۲۷۱ |
| ۵ | كهف | أَفْوَهِهِمْ | ۳۲۷۲ |
| ۶ | كهف | بَاخِعٌ | ۳۲۷۳ |
| ۶ | كهف | ءَاثَارِهِمْ | ۳۲۷۴ |
| ۸ | كهف | لَجْعِلُونَ | ۳۲۷۵ |
| ۹ | كهف | أَصْحَابَ | ۳۲۷۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۹ | کهف | ءَايَاتِنَا | ۳۲۷۷ |
| ۱۲ | کهف | بَعَثْنَاهُمْ | ۳۲۷۸ |
| ۱۳ | کهف | زِدْنَاهُمْ | ۳۲۷۹ |
| ۱۴ | کهف | السَّمَوَاتِ | ۳۲۸۰ |
| ۱۵ | کهف | بِسُلْطَانٍ | ۳۲۸۱ |
| ۱۶ | کهف | فَأَوْا | ۳۲۸۲ |
| ۱۷ | کهف | تَزَوَّرُ | ۳۲۸۳ |
| ۱۷ | کهف | ءَايَاتِ | ۳۲۸۴ |
| ۱۸ | کهف | بَاسِطٌ | ۳۲۸۵ |
| ۱۹ | کهف | بَعَثْنَاهُمْ | ۳۲۸۶ |
| ۲۱ | کهف | يَتَنَازَعُونَ | ۳۲۸۷ |
| ۲۱ | کهف | بُنْيَانًا | ۳۲۸۸ |
| ۲۲ | کهف | ثَلَاثَةً | ۳۲۸۹ |
| ۲۲ | کهف | ظَاهِرًا | ۳۲۹۰ |
| ۲۳ | کهف | لِشَايٍ | ۳۲۹۱ |
| ۲۵ | کهف | ثَلَاثَ | ۳۲۹۲ |
| ۲۵ | کهف | مِائَةٍ | ۳۲۹۳ |
| ۲۶ | کهف | السَّمَوَاتِ | ۳۲۹۴ |
| ۲۷ | کهف | لِكَلِمَتِهِ | ۳۲۹۵ |
| ۲۸ | کهف | بِالْغَدْوَةِ | ۳۲۹۶ |
| ۲۸ | کهف | الْحَيَاةِ | ۳۲۹۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۲۸ | کهف | هَوْنُهُ | ۳۲۹۸ |
| ۲۹ | کهف | لِلظَّالِمِينَ | ۳۲۹۹ |
| ۳۰ | کهف | الصَّلَاحِ | ۳۳۰۰ |
| ۳۱ | کهف | جَنَّتْ | ۳۳۰۱ |
| ۳۱ | کهف | الْأَنْهَارِ | ۳۳۰۲ |
| ۳۱ | کهف | مُتَّكِينَ | ۳۳۰۳ |
| ۳۲ | کهف | أَعْنَابٍ | ۳۳۰۴ |
| ۳۲ | کهف | حَفَفْنَاهُمَا | ۳۳۰۵ |
| ۳۳ | کهف | شَيْئًا | ۳۳۰۶ |
| ۳۳ | کهف | خِلَّاهُمَا | ۳۳۰۷ |
| ۳۴ | کهف | لِصَاحِبِهِ | ۳۳۰۸ |
| ۳۷ | کهف | سَوَّكَ | ۳۳۰۹ |
| ۴۲ | کهف | يَلْتَنِي | ۳۳۱۰ |
| ۴۴ | کهف | الْوَلَايَةِ | ۳۳۱۱ |
| ۴۵ | کهف | الْحَيَاةِ | ۳۳۱۲ |
| ۴۵ | کهف | أَنْزَلْنَاهُ | ۳۳۱۳ |
| ۴۵ | کهف | الرَّيْحِ | ۳۳۱۴ |
| ۴۶ | کهف | الْحَيَاةِ | ۳۳۱۵ |
| ۴۶ | کهف | الْبَقِيَّتِ | ۳۳۱۶ |
| ۴۶ | کهف | الصَّلَاحِ | ۳۳۱۷ |
| ۴۷ | کهف | حَسَرْنَاهُمْ | ۳۳۱۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۴۸ | کهف | خَلَقْنٰكُمْ | ۳۳۱۹ |
| ۴۹ | کهف | الْكِتٰبُ | ۳۳۲۰ |
| ۴۹ | کهف | يُوَيَّلَتْنَا | ۳۳۲۱ |
| ۴۹ | کهف | الْكِتٰبِ | ۳۳۲۲ |
| ۴۹ | کهف | اَحْصٰهَا | ۳۳۲۳ |
| ۵۰ | کهف | لِلْمَلٰئِكَةِ | ۳۳۲۴ |
| ۵۰ | کهف | لِلظَّٰلِمِيْنَ | ۳۳۲۵ |
| ۵۱ | کهف | السَّمٰوٰتِ | ۳۳۲۶ |
| ۵۲ | کهف | شُرَكَآءِىَ | ۳۳۲۷ |
| ۵۳ | کهف | رَءَا | ۳۳۲۸ |
| ۵۴ | کهف | الْاِنْسَانُ | ۳۳۲۹ |
| ۵۶ | کهف | يُجَادِلُ | ۳۳۳۰ |
| ۵۶ | کهف | بِالْبَاطِلِ | ۳۳۳۱ |
| ۵۶ | کهف | ءَايَتِىَ | ۳۳۳۲ |
| ۵۷ | کهف | بِءَايٰتِ | ۳۳۳۳ |
| ۵۹ | کهف | اَهْلٰكْنٰهُمْ | ۳۳۳۴ |
| ۶۰ | کهف | لِفَتْنِهٖ | ۳۳۳۵ |
| ۶۲ | کهف | لِفَتْنِهٖ | ۳۳۳۶ |
| ۶۳ | کهف | اَرَايْتَ | ۳۳۳۷ |
| ۶۳ | کهف | اَنْسٰنِيْهٖ | ۳۳۳۸ |
| ۶۳ | کهف | الشَّيْطٰنُ | ۳۳۳۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۶۵ | کهف | ءَاتَيْنَهُ | ۳۳۴۰ |
| ۶۵ | کهف | عَلَّمْنَاهُ | ۳۳۴۱ |
| ۷۰ | کهف | تَسْأَلْنِي | ۳۳۴۲ |
| ۷۱ | کهف | شَيْئًا | ۳۳۴۳ |
| ۷۴ | کهف | غُلَامًا | ۳۳۴۴ |
| ۷۴ | کهف | شَيْئًا | ۳۳۴۵ |
| ۷۶ | کهف | تُصَاحِبُنِي | ۳۳۴۶ |
| ۷۹ | کهف | لِمَسْكِينٍ | ۳۳۴۷ |
| ۸۰ | کهف | الْغُلَامُ | ۳۳۴۸ |
| ۸۰ | کهف | طُغْيَانًا | ۳۳۴۹ |
| ۸۱ | کهف | زَكَوَّةً | ۳۳۵۰ |
| ۸۲ | کهف | لِغُلَامَيْنِ | ۳۳۵۱ |
| ۸۲ | کهف | صَلِحًا | ۳۳۵۲ |
| ۸۳ | کهف | يَسْأَلُونَكَ | ۳۳۵۳ |
| ۸۴ | کهف | ءَاتَيْنَهُ | ۳۳۵۴ |
| ۸۶ | کهف | يَذَا | ۳۳۵۵ |
| ۸۸ | کهف | صَلِحًا | ۳۳۵۶ |
| ۹۴ | کهف | يَذَا | ۳۳۵۷ |
| ۹۷ | کهف | اسْطَاعُوا | ۳۳۵۸ |
| ۹۷ | کهف | اسْتَطَاعُوا | ۳۳۵۹ |
| ۹۹ | کهف | فَجَمَعْنَاهُمْ | ۳۳۶۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۱۰۰ | کهف | لِّلْكَافِرِينَ | ۳۳۶۱ |
| ۱۰۲ | کهف | لِّلْكَافِرِينَ | ۳۳۶۲ |
| ۱۰۳ | کهف | أَعْمَالًا | ۳۳۶۳ |
| ۱۰۴ | کهف | الْحَيَاةِ | ۳۳۶۴ |
| ۱۰۵ | کهف | بِأَيِّتِ | ۳۳۶۵ |
| ۱۰۵ | کهف | أَعْمَالُهُمْ | ۳۳۶۶ |
| ۱۰۵ | کهف | الْقِيَمَةِ | ۳۳۶۷ |
| ۱۰۶ | کهف | ءَايَتِي | ۳۳۶۸ |
| ۱۰۷ | کهف | الصَّلَاحِ | ۳۳۶۹ |
| ۱۰۷ | کهف | جَنَّتْ | ۳۳۷۰ |
| ۱۰۸ | کهف | خُلَايِنَ | ۳۳۷۱ |
| ۱۰۹ | کهف | لِكَلِمَتِ | ۳۳۷۲ |
| ۱۰۹ | کهف | كَلِمَتُ | ۳۳۷۳ |
| ۱۱۰ | کهف | وَاحِدٌ | ۳۳۷۴ |
| ۱۱۰ | کهف | صَلِحًا | ۳۳۷۵ |
| ۵ | مریم | الْمَوَالِي | ۳۳۷۶ |
| ۵ | مریم | وَرَأَى | ۳۳۷۷ |
| ۷ | مریم | يُزَكِّيَّا | ۳۳۷۸ |
| ۷ | مریم | بِغُلَامٍ | ۳۳۷۹ |
| ۸ | مریم | غُلَامٌ | ۳۳۸۰ |
| ۹ | مریم | شَيْئًا | ۳۳۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ١٠ | مریم | ثَلَاثَ | ٣٣٨٢ |
| ١٢ | مریم | يُحْيِي | ٣٣٨٣ |
| ١٢ | مریم | الْكِتَابِ | ٣٣٨٤ |
| ١٤ | مریم | بِوَالِدَيْهِ | ٣٣٨٥ |
| ١٥ | مریم | سَلَامٌ | ٣٣٨٦ |
| ١٦ | مریم | الْكِتَابِ | ٣٣٨٧ |
| ١٩ | مریم | عُلُمًا | ٣٣٨٨ |
| ٢٠ | مریم | عُلْمٌ | ٣٣٨٩ |
| ٢٣ | مریم | يَلْتَمِسْنِي | ٣٣٩٠ |
| ٢٤ | مریم | فَنَادَاهَا | ٣٣٩١ |
| ٢٥ | مریم | تُسْقِطُ | ٣٣٩٢ |
| ٢٧ | مریم | يَمْرِئِمُ | ٣٣٩٣ |
| ٢٧ | مریم | شَيْئًا | ٣٣٩٤ |
| ٢٨ | مریم | يَأْخُذَتْ | ٣٣٩٥ |
| ٢٨ | مریم | هَارُونَ | ٣٣٩٦ |
| ٣٠ | مریم | ءَاتَانِي | ٣٣٩٧ |
| ٣٠ | مریم | الْكِتَابِ | ٣٣٩٨ |
| ٣١ | مریم | أَوْصِنِي | ٣٣٩٩ |
| ٣١ | مریم | بِالصَّلَاةِ | ٣٤٠٠ |
| ٣١ | مریم | الزَّكَاةِ | ٣٤٠١ |
| ٣٢ | مریم | بِوَالِدَتِي | ٣٤٠٢ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۳۳ | مریم | السَّلَامُ | ۳۴۰۳ |
| ۳۵ | مریم | سُبْحَنَهُ | ۳۴۰۴ |
| ۳۶ | مریم | صِرَاطُ | ۳۴۰۵ |
| ۳۸ | مریم | الظَّالِمُونَ | ۳۴۰۶ |
| ۳۸ | مریم | ضَلَّلِ | ۳۴۰۷ |
| ۴۱ | مریم | الْكِتَابِ | ۳۴۰۸ |
| ۴۱ | مریم | إِبْرَاهِيمَ | ۳۴۰۹ |
| ۴۲ | مریم | يَا بَتِ | ۳۴۱۰ |
| ۴۲ | مریم | شَيْئًا | ۳۴۱۱ |
| ۴۳ | مریم | يَا بَتِ | ۳۴۱۲ |
| ۴۳ | مریم | صِرَاطًا | ۳۴۱۳ |
| ۴۴ | مریم | يَا بَتِ | ۳۴۱۴ |
| ۴۴ | مریم | الشَّيْطَانِ | ۳۴۱۵ |
| ۴۴ | مریم | الشَّيْطَانِ | ۳۴۱۶ |
| ۴۵ | مریم | يَا بَتِ | ۳۴۱۷ |
| ۴۵ | مریم | لِلشَّيْطَانِ | ۳۴۱۸ |
| ۴۶ | مریم | يَا إِبْرَاهِيمُ | ۳۴۱۹ |
| ۴۷ | مریم | سَلَامٌ | ۳۴۲۰ |
| ۴۹ | مریم | إِسْحَاقَ | ۳۴۲۱ |
| ۵۱ | مریم | الْكِتَابِ | ۳۴۲۲ |
| ۵۲ | مریم | نَادَيْنَاهُ | ۳۴۲۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۵۲ | مریم | قَرَّبْنَاهُ | ۳۴۲۴ |
| ۵۳ | مریم | هَارُونَ | ۳۴۲۵ |
| ۵۴ | مریم | الْكِتَابِ | ۳۴۲۶ |
| ۵۴ | مریم | إِسْمَاعِيلَ | ۳۴۲۷ |
| ۵۵ | مریم | بِالصَّلَاةِ | ۳۴۲۸ |
| ۵۵ | مریم | الزَّكَاةِ | ۳۴۲۹ |
| ۵۶ | مریم | الْكِتَابِ | ۳۴۳۰ |
| ۵۷ | مریم | رَفَعْنَاهُ | ۳۴۳۱ |
| ۵۸ | مریم | النَّبِيِّنَ | ۳۴۳۲ |
| ۵۸ | مریم | إِبْرَاهِيمَ | ۳۴۳۳ |
| ۵۸ | مریم | إِسْرَآءِيلَ | ۳۴۳۴ |
| ۵۸ | مریم | ءَايَاتُ | ۳۴۳۵ |
| ۵۹ | مریم | الصَّلَاةِ | ۳۴۳۶ |
| ۵۹ | مریم | الشَّهَوَاتِ | ۳۴۳۷ |
| ۶۰ | مریم | صَالِحًا | ۳۴۳۸ |
| ۶۰ | مریم | شَيْئًا | ۳۴۳۹ |
| ۶۱ | مریم | جَنَّتِ | ۳۴۴۰ |
| ۶۲ | مریم | سَلَامًا | ۳۴۴۱ |
| ۶۵ | مریم | السَّمَوَاتِ | ۳۴۴۲ |
| ۶۵ | مریم | لِعِبَادَتِهِ | ۳۴۴۳ |
| ۶۶ | مریم | الْإِنْسَانُ | ۳۴۴۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۶۶ | مریم | أَءِذَا | ۳۴۴۵ |
| ۶۷ | مریم | الْإِنْسَانُ | ۳۴۴۶ |
| ۶۷ | مریم | خَلَقْنَاهُ | ۳۴۴۷ |
| ۶۷ | مریم | شَيْئًا | ۳۴۴۸ |
| ۶۸ | مریم | الشَّيْطَانِ | ۳۴۴۹ |
| ۷۲ | مریم | الظَّالِمِينَ | ۳۴۵۰ |
| ۷۳ | مریم | ءَايَاتِنَا | ۳۴۵۱ |
| ۷۳ | مریم | بَيِّنَاتٍ | ۳۴۵۲ |
| ۷۴ | مریم | آثَانًا | ۳۴۵۳ |
| ۷۴ | مریم | رِئًا | ۳۴۵۴ |
| ۷۵ | مریم | الضَّلَالَةَ | ۳۴۵۵ |
| ۷۶ | مریم | الْبَاقِيَتِ | ۳۴۵۶ |
| ۷۶ | مریم | الصَّالِحَاتِ | ۳۴۵۷ |
| ۷۷ | مریم | أَفْرَأَيْتَ | ۳۴۵۸ |
| ۷۷ | مریم | بِءَايَاتِنَا | ۳۴۵۹ |
| ۸۳ | مریم | الشَّيْطَانِ | ۳۴۶۰ |
| ۸۳ | مریم | الْكَاذِبِينَ | ۳۴۶۱ |
| ۸۷ | مریم | الشَّفَاعَةَ | ۳۴۶۲ |
| ۸۹ | مریم | شَيْئًا | ۳۴۶۳ |
| ۹۰ | مریم | السَّمَوَاتِ | ۳۴۶۴ |
| ۹۳ | مریم | السَّمَوَاتِ | ۳۴۶۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۹۴ | مریم | أَحْصَاهُمْ | ۳۴۶۶ |
| ۹۵ | مریم | الْقِيَمَةِ | ۳۴۶۷ |
| ۹۶ | مریم | الصَّالِحَاتِ | ۳۴۶۸ |
| ۹۷ | مریم | يَسِّرْنَاهُ | ۳۴۶۹ |
| ۴ | طه | السَّمَوَاتِ | ۳۴۷۰ |
| ۶ | طه | السَّمَوَاتِ | ۳۴۷۱ |
| ۹ | طه | آتَاكَ | ۳۴۷۲ |
| ۱۰ | طه | رَءَا | ۳۴۷۳ |
| ۱۱ | طه | آتَاهَا | ۳۴۷۴ |
| ۱۱ | طه | يُمُوسَى | ۳۴۷۵ |
| ۱۴ | طه | الصَّلَاةَ | ۳۴۷۶ |
| ۱۶ | طه | هُوَ | ۳۴۷۷ |
| ۱۷ | طه | يُمُوسَى | ۳۴۷۸ |
| ۱۸ | طه | أَتَوَكَّلُ | ۳۴۷۹ |
| ۱۹ | طه | يُمُوسَى | ۳۴۸۰ |
| ۲۰ | طه | فَالْقَاهَا | ۳۴۸۱ |
| ۲۳ | طه | ءَايَاتِنَا | ۳۴۸۲ |
| ۳۰ | طه | هَارُونَ | ۳۴۸۳ |
| ۳۶ | طه | يُمُوسَى | ۳۴۸۴ |
| ۴۰ | طه | فَرَجَعْنَاكَ | ۳۴۸۵ |
| ۴۰ | طه | فَنَجَّيْنَاكَ | ۳۴۸۶ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۴۰ | طہ | فَتَنَّاكَ | ۳۴۸۷ |
| ۴۰ | طہ | يُمُوسَى | ۳۴۸۸ |
| ۴۲ | طہ | بِأَيَّتِي | ۳۴۸۹ |
| ۴۷ | طہ | إِسْرَآءِيلَ | ۳۴۹۰ |
| ۴۷ | طہ | جِئْنَاكَ | ۳۴۹۱ |
| ۴۷ | طہ | السَّلَامُ | ۳۴۹۲ |
| ۴۹ | طہ | يُمُوسَى | ۳۴۹۳ |
| ۵۲ | طہ | كِتَبٍ | ۳۴۹۴ |
| ۵۳ | طہ | أَزْوَاجًا | ۳۴۹۵ |
| ۵۴ | طہ | أَنْعَامُكُمْ | ۳۴۹۶ |
| ۵۴ | طہ | لَأَيَّتِ | ۳۴۹۷ |
| ۵۵ | طہ | خَلَقْنٰكُمْ | ۳۴۹۸ |
| ۵۶ | طہ | أَرَيْنَاهُ | ۳۴۹۹ |
| ۵۶ | طہ | ءَايَاتِنَا | ۳۵۰۰ |
| ۵۷ | طہ | يُمُوسَى | ۳۵۰۱ |
| ۶۲ | طہ | فَتَنَّا زَعَوًا | ۳۵۰۲ |
| ۶۳ | طہ | هٰذِنِ | ۳۵۰۳ |
| ۶۳ | طہ | لَسَاحِرِينَ | ۳۵۰۴ |
| ۶۵ | طہ | يُمُوسَى | ۳۵۰۵ |
| ۶۹ | طہ | سِحْرِ | ۳۵۰۶ |
| ۷۰ | طہ | هٰرُونَ | ۳۵۰۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ٧١ | طه | خِلَافٍ | ٣٥٠٨ |
| ٧٢ | طه | الْبَيِّنَاتِ | ٣٥٠٩ |
| ٧٢ | طه | الْحَيَاةَ | ٣٥١٠ |
| ٧٣ | طه | خَطَايِنَا | ٣٥١١ |
| ٧٥ | طه | الصَّالِحَاتِ | ٣٥١٢ |
| ٧٥ | طه | الدَّرَجَاتِ | ٣٥١٣ |
| ٧٦ | طه | جَنَّتِ | ٣٥١٤ |
| ٧٦ | طه | الْأَنْهَارِ | ٣٥١٥ |
| ٧٦ | طه | خَالِدِينَ | ٣٥١٦ |
| ٧٧ | طه | لَا تَخَفُ | ٣٥١٧ |
| ٨٠ | طه | يَبْقَى | ٣٥١٨ |
| ٨٠ | طه | إِسْرَآءِيلَ | ٣٥١٩ |
| ٨٠ | طه | أَنْجَيْنَاكُمْ | ٣٥٢٠ |
| ٨٠ | طه | وَعَدْنَاكُمْ | ٣٥٢١ |
| ٨١ | طه | طَيِّبَاتِ | ٣٥٢٢ |
| ٨١ | طه | رَزَقْنَاكُمْ | ٣٥٢٣ |
| ٨٢ | طه | صَلِحًا | ٣٥٢٤ |
| ٨٣ | طه | يُمُوسَى | ٣٥٢٥ |
| ٨٦ | طه | غَضَبَانَ | ٣٥٢٦ |
| ٨٦ | طه | يُقِيمُ | ٣٥٢٧ |
| ٨٧ | طه | فَقَذَفْنَاهَا | ٣٥٢٨ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----------------|------|-----------|------|
| هٰرُونَ | طه | ۹۰ | ۳۵۲۹ |
| يَقُومُ | طه | ۹۰ | ۳۵۳۰ |
| عٰكِفِيْنَ | طه | ۹۱ | ۳۵۳۱ |
| يٰهٰرُونَ | طه | ۹۲ | ۳۵۳۲ |
| يَبْنُوْهُمْ | طه | ۹۴ | ۳۵۳۳ |
| اِسْرَآءِيْلَ | طه | ۹۴ | ۳۵۳۴ |
| يُسَامِرِيْ | طه | ۹۵ | ۳۵۳۵ |
| الْحَيٰوةِ | طه | ۹۷ | ۳۵۳۶ |
| ءَاتٰىنٰكَ | طه | ۹۹ | ۳۵۳۷ |
| الْقِيَمَةِ | طه | ۱۰۰ | ۳۵۳۸ |
| خٰلِدِيْنَ | طه | ۱۰۱ | ۳۵۳۹ |
| الْقِيَمَةِ | طه | ۱۰۱ | ۳۵۴۰ |
| يَتَخٰفَتُوْنَ | طه | ۱۰۳ | ۳۵۴۱ |
| يَسْأَلُوْنَكَ | طه | ۱۰۵ | ۳۵۴۲ |
| الشِّفَاعَةُ | طه | ۱۰۹ | ۳۵۴۳ |
| الصّٰلِحٰتِ | طه | ۱۱۲ | ۳۵۴۴ |
| اَنْزَلْنٰهُ | طه | ۱۱۳ | ۳۵۴۵ |
| فَتَعٰلٰى | طه | ۱۱۴ | ۳۵۴۶ |
| لِلْمَلٰٓئِكَةِ | طه | ۱۱۶ | ۳۵۴۷ |
| يٰٓاٰدَمُ | طه | ۱۱۷ | ۳۵۴۸ |
| تَظْمُوْا | طه | ۱۱۹ | ۳۵۴۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|----------------------|--------|-----------|------|
| الشَّيْطَانُ | طه | ۱۲۰ | ۳۵۵۰ |
| يَاۡدَمُ | طه | ۱۲۰ | ۳۵۵۱ |
| سَوَاءُ ۤاِثْمِهِمَا | طه | ۱۲۱ | ۳۵۵۲ |
| اِجْتَبَاهُ | طه | ۱۲۲ | ۳۵۵۳ |
| الْقِيَمَةِ | طه | ۱۲۴ | ۳۵۵۴ |
| ءَايٰتُنَا | طه | ۱۲۶ | ۳۵۵۵ |
| بِاٰتٍ | طه | ۱۲۷ | ۳۵۵۶ |
| مَسْكِنِهِمْ | طه | ۱۲۸ | ۳۵۵۷ |
| لَاٰتٍ | طه | ۱۲۸ | ۳۵۵۸ |
| ءَاَنۡآئِي | طه | ۱۳۰ | ۳۵۵۹ |
| اَزۡوَاجًا | طه | ۱۳۱ | ۳۵۶۰ |
| الْحَيٰوةِ | طه | ۱۳۱ | ۳۵۶۱ |
| بِالصَّلٰوةِ | طه | ۱۳۲ | ۳۵۶۲ |
| نَسۡأَلُكَ | طه | ۱۳۲ | ۳۵۶۳ |
| الْعَاقِبَةُ | طه | ۱۳۲ | ۳۵۶۴ |
| اَهۡلَكۡنٰهُمْ | طه | ۱۳۴ | ۳۵۶۵ |
| ءَايٰتِكَ | طه | ۱۳۴ | ۳۵۶۶ |
| اَصْحٰبُ | طه | ۱۳۵ | ۳۵۶۷ |
| الصِّرَاطِ | طه | ۱۳۵ | ۳۵۶۸ |
| اَضۡغَاثُ | انبياء | ۵ | ۳۵۶۹ |
| اَحۡلَامُ | انبياء | ۵ | ۳۵۷۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|------------------|------|
| ۵ | انبیاء | افْتَرَاهُ | ۳۵۷۱ |
| ۶ | انبیاء | اَهْلَكْنَهَا | ۳۵۷۲ |
| ۷ | انبیاء | فَسْأَلُوا | ۳۵۷۳ |
| ۸ | انبیاء | جَعَلْنَاهُمْ | ۳۵۷۴ |
| ۸ | انبیاء | خَلْدِینَ | ۳۵۷۵ |
| ۹ | انبیاء | صَدَقْنَاهُمْ | ۳۵۷۶ |
| ۹ | انبیاء | فَانْجَيْنَاهُمْ | ۳۵۷۷ |
| ۱۰ | انبیاء | کِتَابًا | ۳۵۷۸ |
| ۱۳ | انبیاء | مَسْكِنُكُمْ | ۳۵۷۹ |
| ۱۳ | انبیاء | تُسْأَلُونَ | ۳۵۸۰ |
| ۱۴ | انبیاء | يُؤَيِّلَنَا | ۳۵۸۱ |
| ۱۴ | انبیاء | ظَالِمِينَ | ۳۵۸۲ |
| ۱۵ | انبیاء | دَعَوْنَاهُمْ | ۳۵۸۳ |
| ۱۵ | انبیاء | جَعَلْنَاهُمْ | ۳۵۸۴ |
| ۱۵ | انبیاء | خَمْدِينَ | ۳۵۸۵ |
| ۱۶ | انبیاء | لِلْعَبِیْنِ | ۳۵۸۶ |
| ۱۷ | انبیاء | لَا تَخْذَنْهُ | ۳۵۸۷ |
| ۱۷ | انبیاء | فُعَلِیْنَ | ۳۵۸۸ |
| ۱۸ | انبیاء | الْبَاطِلِ | ۳۵۸۹ |
| ۱۹ | انبیاء | السَّمَوَاتِ | ۳۵۹۰ |
| ۲۲ | انبیاء | فَسُبْحَنَّ | ۳۵۹۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۲۳ | انبیاء | لَا يُسْأَلُ | ۳۵۹۲ |
| ۲۳ | انبیاء | يُسْأَلُونَ | ۳۵۹۳ |
| ۲۴ | انبیاء | بُرْهَانَكُمْ | ۳۵۹۴ |
| ۲۶ | انبیاء | سُبْحَنَهُ | ۳۵۹۵ |
| ۲۹ | انبیاء | الظَّالِمِينَ | ۳۵۹۶ |
| ۳۰ | انبیاء | السَّمَوَاتِ | ۳۵۹۷ |
| ۳۰ | انبیاء | فَفَتَقْنَهُمَا | ۳۵۹۸ |
| ۳۱ | انبیاء | رَوَّاسِي | ۳۵۹۹ |
| ۳۲ | انبیاء | ءَايَاتِهَا | ۳۶۰۰ |
| ۳۴ | انبیاء | أَفَإِن | ۳۶۰۱ |
| ۳۴ | انبیاء | الْخَالِدُونَ | ۳۶۰۲ |
| ۳۶ | انبیاء | كَافِرُونَ | ۳۶۰۳ |
| ۳۷ | انبیاء | الْإِنْسَانُ | ۳۶۰۴ |
| ۳۷ | انبیاء | سَأُورِيكُمْ | ۳۶۰۵ |
| ۳۷ | انبیاء | ءَايَاتِي | ۳۶۰۶ |
| ۳۸ | انبیاء | صَادِقِينَ | ۳۶۰۷ |
| ۴۱ | انبیاء | يَسْتَهْزِءُونَ | ۳۶۰۸ |
| ۴۴ | انبیاء | الْغَالِبُونَ | ۳۶۰۹ |
| ۴۶ | انبیاء | يُؤَيِّلَنَا | ۳۶۱۰ |
| ۴۶ | انبیاء | ظَالِمِينَ | ۳۶۱۱ |
| ۴۷ | انبیاء | الْمَوَازِينَ | ۳۶۱۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|------------------|------|
| ۴۷ | انبیاء | الْقِيَمَةِ | ۳۶۱۳ |
| ۴۷ | انبیاء | شَيْئًا | ۳۶۱۴ |
| ۴۷ | انبیاء | حُسْبِينَ | ۳۶۱۵ |
| ۴۸ | انبیاء | هَارُونَ | ۳۶۱۶ |
| ۵۰ | انبیاء | أَنزَلْنَاهُ | ۳۶۱۷ |
| ۵۱ | انبیاء | إِبْرَاهِيمَ | ۳۶۱۸ |
| ۵۱ | انبیاء | عَلَمِينَ | ۳۶۱۹ |
| ۵۲ | انبیاء | عَاكِفُونَ | ۳۶۲۰ |
| ۵۳ | انبیاء | عَبِيدِينَ | ۳۶۲۱ |
| ۵۴ | انبیاء | ضَلَّلِ | ۳۶۲۲ |
| ۵۵ | انبیاء | اللَّعِينِ | ۳۶۲۳ |
| ۵۶ | انبیاء | السَّمَوَاتِ | ۳۶۲۴ |
| ۵۶ | انبیاء | الشَّاهِدِينَ | ۳۶۲۵ |
| ۵۷ | انبیاء | أَصْنَامَكُمْ | ۳۶۲۶ |
| ۵۸ | انبیاء | جُذَذًا | ۳۶۲۷ |
| ۵۹ | انبیاء | الظَّالِمِينَ | ۳۶۲۸ |
| ۶۰ | انبیاء | إِبْرَاهِيمُ | ۳۶۲۹ |
| ۶۲ | انبیاء | ءَأَنْتَ | ۳۶۳۰ |
| ۶۲ | انبیاء | يَا إِبْرَاهِيمُ | ۳۶۳۱ |
| ۶۳ | انبیاء | فَسَأَلُوهُمْ | ۳۶۳۲ |
| ۶۴ | انبیاء | الظَّالِمُونَ | ۳۶۳۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۶۵ | انبیاء | رُءُوسِهِمْ | ۳۶۳۴ |
| ۶۶ | انبیاء | شَیْئًا | ۳۶۳۵ |
| ۶۸ | انبیاء | فَعِلِینَ | ۳۶۳۶ |
| ۶۹ | انبیاء | یُنَارُکُونِی | ۳۶۳۷ |
| ۶۹ | انبیاء | سَلَامًا | ۳۶۳۸ |
| ۶۹ | انبیاء | اِبْرَاهِیمَ | ۳۶۳۹ |
| ۷۰ | انبیاء | فَجَعَلْنَاهُمْ | ۳۶۴۰ |
| ۷۱ | انبیاء | نَجَّیْنَاهُ | ۳۶۴۱ |
| ۷۱ | انبیاء | بَرَکْنَا | ۳۶۴۲ |
| ۷۱ | انبیاء | لِلْعَالَمِینَ | ۳۶۴۳ |
| ۷۲ | انبیاء | اِسْحَاقَ | ۳۶۴۴ |
| ۷۲ | انبیاء | صَلِحِینَ | ۳۶۴۵ |
| ۷۳ | انبیاء | جَعَلْنَاهُمْ | ۳۶۴۶ |
| ۷۳ | انبیاء | الْخَیْرِاتِ | ۳۶۴۷ |
| ۷۳ | انبیاء | الصَّلَاةِ | ۳۶۴۸ |
| ۷۳ | انبیاء | الزَّكَاةِ | ۳۶۴۹ |
| ۷۳ | انبیاء | عَبْدِیْنَ | ۳۶۵۰ |
| ۷۴ | انبیاء | ءَاتَیْنَاهُ | ۳۶۵۱ |
| ۷۴ | انبیاء | نَجَّیْنَاهُ | ۳۶۵۲ |
| ۷۴ | انبیاء | الْحَبِیْثَ | ۳۶۵۳ |
| ۷۴ | انبیاء | فُسِّقِیْنَ | ۳۶۵۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-------------------|------|
| ۷۵ | انبیاء | أَدْخَلْنَاهُ | ۳۶۵۵ |
| ۷۵ | انبیاء | الصَّالِحِينَ | ۳۶۵۶ |
| ۷۶ | انبیاء | فَنَجَّيْنَاهُ | ۳۶۵۷ |
| ۷۷ | انبیاء | نَصَرْنَاهُ | ۳۶۵۸ |
| ۷۷ | انبیاء | بِعَايَتِنَا | ۳۶۵۹ |
| ۷۷ | انبیاء | فَاَعْرَقْنَاهُمْ | ۳۶۶۰ |
| ۷۸ | انبیاء | دَاوُدَ | ۳۶۶۱ |
| ۷۸ | انبیاء | سُلَيْمَانَ | ۳۶۶۲ |
| ۷۸ | انبیاء | شَاهِدِينَ | ۳۶۶۳ |
| ۷۹ | انبیاء | فَفَهَّمْنَاهَا | ۳۶۶۴ |
| ۷۹ | انبیاء | سُلَيْمَانَ | ۳۶۶۵ |
| ۷۹ | انبیاء | دَاوُدَ | ۳۶۶۶ |
| ۷۹ | انبیاء | فَعَلِينَ | ۳۶۶۷ |
| ۸۰ | انبیاء | عَلَّمْنَاهُ | ۳۶۶۸ |
| ۸۰ | انبیاء | شَاكِرُونَ | ۳۶۶۹ |
| ۸۱ | انبیاء | لِسُلَيْمَانَ | ۳۶۷۰ |
| ۸۱ | انبیاء | بَرَكْنَا | ۳۶۷۱ |
| ۸۱ | انبیاء | عَلَمِينَ | ۳۶۷۲ |
| ۸۲ | انبیاء | الشَّيَاطِينَ | ۳۶۷۳ |
| ۸۲ | انبیاء | حَافِظِينَ | ۳۶۷۴ |
| ۸۳ | انبیاء | الرَّحِمِينَ | ۳۶۷۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-------------------------------------|------|
| ۸۴ | انبیاء | ءَاتَيْنَاهُ | ۳۶۷۶ |
| ۸۴ | انبیاء | لِلْعَبِيدِ | ۳۶۷۷ |
| ۸۵ | انبیاء | إِسْمَاعِيلَ | ۳۶۷۸ |
| ۸۵ | انبیاء | الصَّابِرِينَ | ۳۶۷۹ |
| ۸۶ | انبیاء | أَدْخَلْنَاهُمْ | ۳۶۸۰ |
| ۸۶ | انبیاء | الصَّالِحِينَ | ۳۶۸۱ |
| ۸۷ | انبیاء | مُغَاضِبًا | ۳۶۸۲ |
| ۸۷ | انبیاء | الظُّلُمَاتِ | ۳۶۸۳ |
| ۸۷ | انبیاء | سُبْحَانَكَ | ۳۶۸۴ |
| ۸۷ | انبیاء | الظَّالِمِينَ | ۳۶۸۵ |
| ۸۸ | انبیاء | نَجَّيْنَاهُ | ۳۶۸۶ |
| ۸۸ | انبیاء | نُحْيِ «ن كوچك روی تیره درج شود» | ۳۶۸۷ |
| ۸۹ | انبیاء | الْوَارِثِينَ | ۳۶۸۸ |
| ۹۰ | انبیاء | يُسَارِعُونَ | ۳۶۸۹ |
| ۹۰ | انبیاء | الْخَيْرَاتِ | ۳۶۹۰ |
| ۹۰ | انبیاء | خَاشِعِينَ | ۳۶۹۱ |
| ۹۱ | انبیاء | جَعَلْنَاهَا | ۳۶۹۲ |
| ۹۱ | انبیاء | لِلْعَالَمِينَ | ۳۶۹۳ |
| ۹۲ | انبیاء | وَاحِدَةً | ۳۶۹۴ |
| ۹۳ | انبیاء | رَاجِعُونَ | ۳۶۹۵ |
| ۹۴ | انبیاء | الصَّالِحَاتِ | ۳۶۹۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۹۴ | انبیاء | کَتَبُونَ | ۳۶۹۷ |
| ۹۵ | انبیاء | حَرَمٌ | ۳۶۹۸ |
| ۹۵ | انبیاء | أَهْلَكْنَاهَا | ۳۶۹۹ |
| ۹۷ | انبیاء | شَاخِصَةً | ۳۷۰۰ |
| ۹۷ | انبیاء | أَبْصَارُ | ۳۷۰۱ |
| ۹۷ | انبیاء | يُؤَيِّلَنَا | ۳۷۰۲ |
| ۹۷ | انبیاء | ظَالِمِينَ | ۳۷۰۳ |
| ۹۸ | انبیاء | وَرِدُونَ | ۳۷۰۴ |
| ۹۹ | انبیاء | خَالِدُونَ | ۳۷۰۵ |
| ۱۰۲ | انبیاء | خَالِدُونَ | ۳۷۰۶ |
| ۱۰۳ | انبیاء | تَتَلَقَّيْهُمْ | ۳۷۰۷ |
| ۱۰۳ | انبیاء | الْمَلَائِكَةُ | ۳۷۰۸ |
| ۱۰۴ | انبیاء | فَاعِلِينَ | ۳۷۰۹ |
| ۱۰۵ | انبیاء | الصَّالِحُونَ | ۳۷۱۰ |
| ۱۰۶ | انبیاء | لَبَلَّغًا | ۳۷۱۱ |
| ۱۰۶ | انبیاء | عَبِيدِينَ | ۳۷۱۲ |
| ۱۰۷ | انبیاء | أَرْسَلْنَاكَ | ۳۷۱۳ |
| ۱۰۷ | انبیاء | لِلْعَالَمِينَ | ۳۷۱۴ |
| ۱۰۸ | انبیاء | وَاحِدٌ | ۳۷۱۵ |
| ۱۱۱ | انبیاء | مَتَاعٌ | ۳۷۱۶ |
| ۱۱۲ | انبیاء | قُلْ | ۳۷۱۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۱ | حج | يَا أَيُّهَا | ۳۷۱۸ |
| ۲ | حج | سُكْرِي | ۳۷۱۹ |
| ۲ | حج | بِسُكْرِي | ۳۷۲۰ |
| ۳ | حج | يُجَادِلُ | ۳۷۲۱ |
| ۳ | حج | شَيْطَانٍ | ۳۷۲۲ |
| ۵ | حج | يَا أَيُّهَا | ۳۷۲۳ |
| ۵ | حج | خَلَقْنٰكُمْ | ۳۷۲۴ |
| ۵ | حج | شَيْئًا | ۳۷۲۵ |
| ۶ | حج | يُحْيِي | ۳۷۲۶ |
| ۸ | حج | يُجَادِلُ | ۳۷۲۷ |
| ۸ | حج | كِتَبٍ | ۳۷۲۸ |
| ۹ | حج | الْقِيَمَةِ | ۳۷۲۹ |
| ۱۰ | حج | بِظُلَامٍ | ۳۷۳۰ |
| ۱۲ | حج | الضَّلَلُ | ۳۷۳۱ |
| ۱۴ | حج | الصَّلَاحِ | ۳۷۳۲ |
| ۱۴ | حج | جَنَّتِ | ۳۷۳۳ |
| ۱۴ | حج | الْأَنْهَارِ | ۳۷۳۴ |
| ۱۶ | حج | أَنْزَلْنَاهُ | ۳۷۳۵ |
| ۱۶ | حج | ءَايَاتٍ | ۳۷۳۶ |
| ۱۶ | حج | بَيِّنَاتٍ | ۳۷۳۷ |
| ۱۷ | حج | الصَّبْعَيْنِ | ۳۷۳۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۷ | حج | النَّصْرَى | ۳۷۳۹ |
| ۱۷ | حج | الْقِيَمَةِ | ۳۷۴۰ |
| ۱۸ | حج | السَّمَوَاتِ | ۳۷۴۱ |
| ۱۹ | حج | رُءُوسِهِمْ | ۳۷۴۲ |
| ۲۱ | حج | مَقَامِعُ | ۳۷۴۳ |
| ۲۳ | حج | الصَّلِحَاتِ | ۳۷۴۴ |
| ۲۳ | حج | جَنَّتِ | ۳۷۴۵ |
| ۲۳ | حج | الْأَنْهَارِ | ۳۷۴۶ |
| ۲۴ | حج | صِرَاطِ | ۳۷۴۷ |
| ۲۵ | حج | جَعَلْنَاهُ | ۳۷۴۸ |
| ۲۵ | حج | الْعَاكِفُ | ۳۷۴۹ |
| ۲۶ | حج | لِإِبْرَاهِيمَ | ۳۷۵۰ |
| ۲۶ | حج | شَيْئًا | ۳۷۵۱ |
| ۲۸ | حج | مَنَافِعَ | ۳۷۵۲ |
| ۲۸ | حج | مَعْلُومَاتِ | ۳۷۵۳ |
| ۲۸ | حج | الْأَنْعَامِ | ۳۷۵۴ |
| ۳۰ | حج | حُرِّمَتْ | ۳۷۵۵ |
| ۳۰ | حج | الْأَنْعَامِ | ۳۷۵۶ |
| ۳۰ | حج | الْأَوْثَانِ | ۳۷۵۷ |
| ۳۲ | حج | شَعَائِرَ | ۳۷۵۸ |
| ۳۳ | حج | مَنَافِعُ | ۳۷۵۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۳۴ | حج | الْأَنْعَامِ | ۳۷۶۰ |
| ۳۴ | حج | وَاحِدٌ | ۳۷۶۱ |
| ۳۵ | حج | الصَّابِرِينَ | ۳۷۶۲ |
| ۳۵ | حج | الصَّلَاةِ | ۳۷۶۳ |
| ۳۵ | حج | رَزَقْنَاهُمْ | ۳۷۶۴ |
| ۳۶ | حج | جَعَلْنَاهَا | ۳۷۶۵ |
| ۳۶ | حج | شَعَائِرَ | ۳۷۶۶ |
| ۳۶ | حج | سَخَّرْنَاهَا | ۳۷۶۷ |
| ۳۷ | حج | هَدَيْنَاكُمْ | ۳۷۶۸ |
| ۳۸ | حج | يُدْفَعُ | ۳۷۶۹ |
| ۳۹ | حج | يُقْتَلُونَ | ۳۷۷۰ |
| ۴۰ | حج | دِيَارِهِمْ | ۳۷۷۱ |
| ۴۰ | حج | صَوَامِعُ | ۳۷۷۲ |
| ۴۰ | حج | صَلَوَاتُ | ۳۷۷۳ |
| ۴۰ | حج | مَسْجِدُ | ۳۷۷۴ |
| ۴۱ | حج | مَكَّنَهُمْ | ۳۷۷۵ |
| ۴۱ | حج | الصَّلَاةَ | ۳۷۷۶ |
| ۴۱ | حج | الزَّكَاةَ | ۳۷۷۷ |
| ۴۱ | حج | عَاقِبَةُ | ۳۷۷۸ |
| ۴۳ | حج | إِبْرَاهِيمَ | ۳۷۷۹ |
| ۴۴ | حج | أَصْحَابُ | ۳۷۸۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۴۴ | حج | لِّلْكَافِرِينَ | ۳۷۸۱ |
| ۴۵ | حج | أَهْلَكْنَاهَا | ۳۷۸۲ |
| ۴۶ | حج | الْأَبْصَارُ | ۳۷۸۳ |
| ۴۹ | حج | يَا أَيُّهَا | ۳۷۸۴ |
| ۵۰ | حج | الْصَّالِحَاتِ | ۳۷۸۵ |
| ۵۱ | حج | ءَايَاتِنَا | ۳۷۸۶ |
| ۵۱ | حج | مُعْجِزِينَ | ۳۷۸۷ |
| ۵۱ | حج | أَصْحَابُ | ۳۷۸۸ |
| ۵۲ | حج | الشَّيْطَانُ | ۳۷۸۹ |
| ۵۲ | حج | الشَّيْطَانُ | ۳۷۹۰ |
| ۵۲ | حج | ءَايَاتِهِ | ۳۷۹۱ |
| ۵۳ | حج | الشَّيْطَانُ | ۳۷۹۲ |
| ۵۳ | حج | الظَّالِمِينَ | ۳۷۹۳ |
| ۵۴ | حج | صِرَاطِ | ۳۷۹۴ |
| ۵۶ | حج | الْصَّالِحَاتِ | ۳۷۹۵ |
| ۵۶ | حج | جَنَّتِ | ۳۷۹۶ |
| ۵۷ | حج | بِأَيَّتِنَا | ۳۷۹۷ |
| ۵۸ | حج | الرُّزْقِينَ | ۳۷۹۸ |
| ۶۲ | حج | الْبَاطِلُ | ۳۷۹۹ |
| ۶۴ | حج | السَّمَوَاتِ | ۳۸۰۰ |
| ۶۵ | حج | لَرَّءَوْفٌ | ۳۸۰۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۶۶ | حج | الْإِنْسَانِ | ۳۸۰۲ |
| ۶۷ | حج | يُنَازِعُكَ | ۳۸۰۳ |
| ۶۸ | حج | جَادِلُوكَ | ۳۸۰۴ |
| ۶۹ | حج | الْقِيَمَةِ | ۳۸۰۵ |
| ۷۰ | حج | كِتَبٍ | ۳۸۰۶ |
| ۷۱ | حج | سُلْطَانًا | ۳۸۰۷ |
| ۷۱ | حج | لِلظَّالِمِينَ | ۳۸۰۸ |
| ۷۲ | حج | ءَايَاتُنَا | ۳۸۰۹ |
| ۷۲ | حج | بَيَّنْتُ | ۳۸۱۰ |
| ۷۲ | حج | ءَايَاتِنَا | ۳۸۱۱ |
| ۷۳ | حج | يَا أَيُّهَا | ۳۸۱۲ |
| ۷۳ | حج | شَيْئًا | ۳۸۱۳ |
| ۷۵ | حج | الْمَلَائِكَةِ | ۳۸۱۴ |
| ۷۷ | حج | يَا أَيُّهَا | ۳۸۱۵ |
| ۷۸ | حج | جَاهِدُوا | ۳۸۱۶ |
| ۷۸ | حج | اجْتَبَاكُمْ | ۳۸۱۷ |
| ۷۸ | حج | إِبْرَاهِيمَ | ۳۸۱۸ |
| ۷۸ | حج | سَمَّكُمْ | ۳۸۱۹ |
| ۷۸ | حج | الصَّلَاةَ | ۳۸۲۰ |
| ۷۸ | حج | الزَّكَاةَ | ۳۸۲۱ |
| ۷۸ | حج | مَوْلَكُمْ | ۳۸۲۲ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۲ | مؤمنون | خَشِعُونَ | ۳۸۲۳ |
| ۴ | مؤمنون | لِلزَّكَاةِ | ۳۸۲۴ |
| ۴ | مؤمنون | فَعِلُونَ | ۳۸۲۵ |
| ۵ | مؤمنون | حَافِظُونَ | ۳۸۲۶ |
| ۶ | مؤمنون | أَزْوَاجِهِمْ | ۳۸۲۷ |
| ۶ | مؤمنون | أَيْمَانُهُمْ | ۳۸۲۸ |
| ۸ | مؤمنون | لِأَمْنَتِهِمْ | ۳۸۲۹ |
| ۸ | مؤمنون | رَاعُونَ | ۳۸۳۰ |
| ۹ | مؤمنون | صَلَّوْا بِهِمْ | ۳۸۳۱ |
| ۱۰ | مؤمنون | الْوَارِثُونَ | ۳۸۳۲ |
| ۱۱ | مؤمنون | خَالِدُونَ | ۳۸۳۳ |
| ۱۲ | مؤمنون | الْإِنْسَانَ | ۳۸۳۴ |
| ۱۲ | مؤمنون | سُلَّالَةٍ | ۳۸۳۵ |
| ۱۳ | مؤمنون | جَعَلْنَاهُ | ۳۸۳۶ |
| ۱۴ | مؤمنون | عِظَامًا | ۳۸۳۷ |
| ۱۴ | مؤمنون | الْعِظَمَ | ۳۸۳۸ |
| ۱۴ | مؤمنون | أَنْشَأْنَاهُ | ۳۸۳۹ |
| ۱۴ | مؤمنون | الْخَالِقِينَ | ۳۸۴۰ |
| ۱۶ | مؤمنون | الْقِيَمَةَ | ۳۸۴۱ |
| ۱۷ | مؤمنون | غُلْفَيْنِ | ۳۸۴۲ |
| ۱۸ | مؤمنون | فَأَسْكَنْنَاهُ | ۳۸۴۳ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|------------------|------|
| ۱۸ | مؤمنون | لَقْدِرُونَ | ۳۸۴۴ |
| ۱۹ | مؤمنون | جَنَّتِ | ۳۸۴۵ |
| ۱۹ | مؤمنون | أَعْنَابِ | ۳۸۴۶ |
| ۱۹ | مؤمنون | فَوَاكِهُ | ۳۸۴۷ |
| ۲۱ | مؤمنون | الْأَنْعَامِ | ۳۸۴۸ |
| ۲۱ | مؤمنون | مَنَافِعُ | ۳۸۴۹ |
| ۲۳ | مؤمنون | يَقُومُ | ۳۸۵۰ |
| ۲۴ | مؤمنون | الْمَلَأُوا | ۳۸۵۱ |
| ۲۴ | مؤمنون | مَلَائِكَةً | ۳۸۵۲ |
| ۲۷ | مؤمنون | لَا تُخَاطِبُنِي | ۳۸۵۳ |
| ۲۸ | مؤمنون | نَجِّنَا | ۳۸۵۴ |
| ۲۸ | مؤمنون | الظَّالِمِينَ | ۳۸۵۵ |
| ۳۰ | مؤمنون | لَايَتٍ | ۳۸۵۶ |
| ۳۳ | مؤمنون | أَتَرَفْنَهُمْ | ۳۸۵۷ |
| ۳۳ | مؤمنون | الْحَيَاةِ | ۳۸۵۸ |
| ۳۴ | مؤمنون | لَخُسِرُونَ | ۳۸۵۹ |
| ۳۵ | مؤمنون | عِظَامًا | ۳۸۶۰ |
| ۴۰ | مؤمنون | نُدْمِينَ | ۳۸۶۱ |
| ۴۱ | مؤمنون | فَجَعَلْنَاهُمْ | ۳۸۶۲ |
| ۴۱ | مؤمنون | الظَّالِمِينَ | ۳۸۶۳ |
| ۴۳ | مؤمنون | يَسْتَأْخِرُونَ | ۳۸۶۴ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------|------|
| ۴۴ | مؤمنون | جَعَلْنَاهُمْ | ۳۸۶۵ |
| ۴۵ | مؤمنون | هٰرُونَ | ۳۸۶۶ |
| ۴۵ | مؤمنون | بِأَيَّتِنَا | ۳۸۶۷ |
| ۴۵ | مؤمنون | سُلْطٰنٍ | ۳۸۶۸ |
| ۴۶ | مؤمنون | مَلَاِیْهِ | ۳۸۶۹ |
| ۴۷ | مؤمنون | عَبِدُونَ | ۳۸۷۰ |
| ۴۹ | مؤمنون | الْكِتٰبِ | ۳۸۷۱ |
| ۵۰ | مؤمنون | ءَاوَيْنٰهُمَا | ۳۸۷۲ |
| ۵۱ | مؤمنون | يَاۤاَيُّهَا | ۳۸۷۳ |
| ۵۱ | مؤمنون | الطَّيِّبٰتِ | ۳۸۷۴ |
| ۵۱ | مؤمنون | صٰلِحًا | ۳۸۷۵ |
| ۵۲ | مؤمنون | وَاحِدَةً | ۳۸۷۶ |
| ۵۶ | مؤمنون | الْخَيْرٰتِ | ۳۸۷۷ |
| ۵۸ | مؤمنون | بِأَيِّتِ | ۳۸۷۸ |
| ۶۰ | مؤمنون | رٰجِعُونَ | ۳۸۷۹ |
| ۶۱ | مؤمنون | يُسَارِعُونَ | ۳۸۸۰ |
| ۶۱ | مؤمنون | الْخَيْرٰتِ | ۳۸۸۱ |
| ۶۱ | مؤمنون | سٰبِقُونَ | ۳۸۸۲ |
| ۶۲ | مؤمنون | كِتٰبٍ | ۳۸۸۳ |
| ۶۳ | مؤمنون | اَعْمَالٍ | ۳۸۸۴ |
| ۶۳ | مؤمنون | عٰمِلُونَ | ۳۸۸۵ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|---------------|------|
| ۶۴ | مؤمنون | يَجْرُونَ | ۳۸۸۶ |
| ۶۵ | مؤمنون | لَا تَجْرُوا | ۳۸۸۷ |
| ۶۶ | مؤمنون | ءایقی | ۳۸۸۸ |
| ۶۶ | مؤمنون | أَعْقَابِكُمْ | ۳۸۸۹ |
| ۶۷ | مؤمنون | سِرًّا | ۳۸۹۰ |
| ۷۰ | مؤمنون | كَرِهُونَ | ۳۸۹۱ |
| ۷۱ | مؤمنون | السَّمَوَاتِ | ۳۸۹۲ |
| ۷۱ | مؤمنون | أَتَيْنَهُمْ | ۳۸۹۳ |
| ۷۲ | مؤمنون | تَسْأَلُهُمْ | ۳۸۹۴ |
| ۷۲ | مؤمنون | الرَّزْقِينَ | ۳۸۹۵ |
| ۷۳ | مؤمنون | صِرَاطِ | ۳۸۹۶ |
| ۷۴ | مؤمنون | الصِّرَاطِ | ۳۸۹۷ |
| ۷۴ | مؤمنون | لَنَكْبُونَ | ۳۸۹۸ |
| ۷۵ | مؤمنون | رَحْمَتِهِمْ | ۳۸۹۹ |
| ۷۵ | مؤمنون | طُغْيَانِهِمْ | ۳۹۰۰ |
| ۷۶ | مؤمنون | أَخَذْنَهُمْ | ۳۹۰۱ |
| ۷۸ | مؤمنون | الْأَبْصَارَ | ۳۹۰۲ |
| ۷۸ | مؤمنون | الْأَفْئِدَةَ | ۳۹۰۳ |
| ۸۰ | مؤمنون | يُحْيِء | ۳۹۰۴ |
| ۸۰ | مؤمنون | اِخْتِلَافُ | ۳۹۰۵ |
| ۸۲ | مؤمنون | أَإِذَا | ۳۹۰۶ |

| سورہ | آیہ | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|---------------|------|
| مؤمنون | ۸۲ | عِظَامًا | ۳۹۰۷ |
| مؤمنون | ۸۲ | أَعْتَا | ۳۹۰۸ |
| مؤمنون | ۸۳ | أَسَاطِيرُ | ۳۹۰۹ |
| مؤمنون | ۸۶ | السَّمَوَاتِ | ۳۹۱۰ |
| مؤمنون | ۹۰ | أَتَيْنَهُمْ | ۳۹۱۱ |
| مؤمنون | ۹۰ | لَكَذِبُونَ | ۳۹۱۲ |
| مؤمنون | ۹۱ | سُبْحَنَ | ۳۹۱۳ |
| مؤمنون | ۹۲ | عَالِمِ | ۳۹۱۴ |
| مؤمنون | ۹۲ | الشَّهَادَةِ | ۳۹۱۵ |
| مؤمنون | ۹۲ | فَتَعَالَى | ۳۹۱۶ |
| مؤمنون | ۹۴ | الظَّالِمِينَ | ۳۹۱۷ |
| مؤمنون | ۹۵ | لَقَدِرُونَ | ۳۹۱۸ |
| مؤمنون | ۹۷ | هَمَزَاتِ | ۳۹۱۹ |
| مؤمنون | ۹۷ | الشَّيْطَانِ | ۳۹۲۰ |
| مؤمنون | ۱۰۰ | صَلِحًا | ۳۹۲۱ |
| مؤمنون | ۱۰۲ | مَوَازِينُهُ | ۳۹۲۲ |
| مؤمنون | ۱۰۳ | مَوَازِينُهُ | ۳۹۲۳ |
| مؤمنون | ۱۰۳ | خَالِدُونَ | ۳۹۲۴ |
| مؤمنون | ۱۰۴ | كَلِحُونَ | ۳۹۲۵ |
| مؤمنون | ۱۰۵ | ءَايَتِي | ۳۹۲۶ |
| مؤمنون | ۱۰۷ | ظَالِمُونَ | ۳۹۲۷ |

| سورہ | آیہ | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|---------------|------|
| مؤمنون | ۱۰۸ | اِخْسَعُوا | ۳۹۲۸ |
| مؤمنون | ۱۰۹ | الرَّحِمِينَ | ۳۹۲۹ |
| مؤمنون | ۱۱۲ | قُلْ | ۳۹۳۰ |
| مؤمنون | ۱۱۳ | فَسَقِلْ | ۳۹۳۱ |
| مؤمنون | ۱۱۴ | قُلْ | ۳۹۳۲ |
| مؤمنون | ۱۱۵ | خَلَقْنٰكُمْ | ۳۹۳۳ |
| مؤمنون | ۱۱۶ | فَتَعَلٰی | ۳۹۳۴ |
| مؤمنون | ۱۱۷ | بُرْهَانَ | ۳۹۳۵ |
| مؤمنون | ۱۱۷ | الْكٰفِرُونَ | ۳۹۳۶ |
| مؤمنون | ۱۱۸ | الرَّحِمِينَ | ۳۹۳۷ |
| نور | ۱ | اَنْزَلْنٰهَا | ۳۹۳۸ |
| نور | ۱ | فَرَضْنٰهَا | ۳۹۳۹ |
| نور | ۱ | ءَايٰتٍ | ۳۹۴۰ |
| نور | ۱ | بَيِّنٰتٍ | ۳۹۴۱ |
| نور | ۲ | وَاحِدٍ | ۳۹۴۲ |
| نور | ۲ | مِائَةً | ۳۹۴۳ |
| نور | ۴ | الْمُحْصَنٰتِ | ۳۹۴۴ |
| نور | ۴ | ثَمٰنِينَ | ۳۹۴۵ |
| نور | ۴ | شَهَادَةً | ۳۹۴۶ |
| نور | ۴ | الْفٰسِقُونَ | ۳۹۴۷ |
| نور | ۶ | اَزْوَاجَهُمْ | ۳۹۴۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۶ | نور | فَشَهَادَةُ | ۳۹۴۹ |
| ۶ | نور | شَهِدَتْ | ۳۹۵۰ |
| ۶ | نور | الصَّٰدِقِیْنَ | ۳۹۵۱ |
| ۷ | نور | الخَامِسَةُ | ۳۹۵۲ |
| ۷ | نور | الْكٰذِبِیْنَ | ۳۹۵۳ |
| ۸ | نور | یَدْرُؤُا | ۳۹۵۴ |
| ۸ | نور | شَهِدَتْ | ۳۹۵۵ |
| ۸ | نور | الْكٰذِبِیْنَ | ۳۹۵۶ |
| ۹ | نور | الخَامِسَةَ | ۳۹۵۷ |
| ۹ | نور | الصَّٰدِقِیْنَ | ۳۹۵۸ |
| ۱۱ | نور | جَآءُو | ۳۹۵۹ |
| ۱۲ | نور | الْمُؤْمِنٰتُ | ۳۹۶۰ |
| ۱۳ | نور | جَآءُو | ۳۹۶۱ |
| ۱۳ | نور | الْكٰذِبِیْنَ | ۳۹۶۲ |
| ۱۶ | نور | سُبْحٰنَكَ | ۳۹۶۳ |
| ۱۶ | نور | بُهْتٰنٌ | ۳۹۶۴ |
| ۱۸ | نور | الْآیٰتِ | ۳۹۶۵ |
| ۱۹ | نور | الْفَاحِشَةُ | ۳۹۶۶ |
| ۲۰ | نور | رَعَوْفٌ | ۳۹۶۷ |
| ۲۱ | نور | یَآئِیُّهَا | ۳۹۶۸ |
| ۲۱ | نور | خُطُوٰتِ | ۳۹۶۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۲۱ | نور | الشَّيْطَانِ | ۳۹۷۰ |
| ۲۱ | نور | خُطُوتٍ | ۳۹۷۱ |
| ۲۱ | نور | الشَّيْطَانِ | ۳۹۷۲ |
| ۲۲ | نور | المُسْكِينِ | ۳۹۷۳ |
| ۲۲ | نور | المُهْجَرِينَ | ۳۹۷۴ |
| ۲۳ | نور | المُحْصَنَاتِ | ۳۹۷۵ |
| ۲۳ | نور | الْغُفْلَتِ | ۳۹۷۶ |
| ۲۳ | نور | الْمُؤْمِنَاتِ | ۳۹۷۷ |
| ۲۶ | نور | الْخَبِيثَاتِ | ۳۹۷۸ |
| ۲۶ | نور | لِالْخَبِيثَاتِ | ۳۹۷۹ |
| ۲۶ | نور | الطَّيِّبَاتِ | ۳۹۸۰ |
| ۲۶ | نور | لِلطَّيِّبَاتِ | ۳۹۸۱ |
| ۲۶ | نور | مُبَرَّرُونَ | ۳۹۸۲ |
| ۲۷ | نور | يَا أَيُّهَا | ۳۹۸۳ |
| ۲۹ | نور | مَتَاعُ | ۳۹۸۴ |
| ۳۰ | نور | أَبْصَارِهِمْ | ۳۹۸۵ |
| ۳۱ | نور | لِلْمُؤْمِنَاتِ | ۳۹۸۶ |
| ۳۱ | نور | أَبْصَارِهِنَّ | ۳۹۸۷ |
| ۳۱ | نور | إِخْوَانَهُنَّ | ۳۹۸۸ |
| ۳۱ | نور | إِخْوَانَهُنَّ | ۳۹۸۹ |
| ۳۱ | نور | أَخَوَاتَهُنَّ | ۳۹۹۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۳۱ | نور | أَيْمُنَنَّ | ۳۹۹۱ |
| ۳۱ | نور | التَّبَعِينَ | ۳۹۹۲ |
| ۳۱ | نور | عَوْرَتِ | ۳۹۹۳ |
| ۳۱ | نور | أَيُّهُ | ۳۹۹۴ |
| ۳۲ | نور | الْأَيْمَى | ۳۹۹۵ |
| ۳۲ | نور | الصَّالِحِينَ | ۳۹۹۶ |
| ۳۲ | نور | وَاسِعٌ | ۳۹۹۷ |
| ۳۳ | نور | الْكِتَابِ | ۳۹۹۸ |
| ۳۳ | نور | أَيْمُنُكُمْ | ۳۹۹۹ |
| ۳۳ | نور | ءَاتَكُمْ | ۴۰۰۰ |
| ۳۳ | نور | فَتَيِّتَكُمْ | ۴۰۰۱ |
| ۳۳ | نور | الْحَيَاةِ | ۴۰۰۲ |
| ۳۳ | نور | إِكْرَاهِهِنَّ | ۴۰۰۳ |
| ۳۴ | نور | ءَايَاتِ | ۴۰۰۴ |
| ۳۴ | نور | مُبَيَّنَاتِ | ۴۰۰۵ |
| ۳۵ | نور | السَّمَوَاتِ | ۴۰۰۶ |
| ۳۵ | نور | كَمِشْكُوتٍ | ۴۰۰۷ |
| ۳۵ | نور | مُبْرَكَةٍ | ۴۰۰۸ |
| ۳۵ | نور | الْأَمْثَالِ | ۴۰۰۹ |
| ۳۷ | نور | تِجَارَةً | ۴۰۱۰ |
| ۳۷ | نور | الصَّلَاةِ | ۴۰۱۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۳۷ | نور | الزَّكَاةُ | ۴۰۱۲ |
| ۳۷ | نور | الْأَبْصَارُ | ۴۰۱۳ |
| ۳۹ | نور | أَعْمَاهُمْ | ۴۰۱۴ |
| ۳۹ | نور | شَيْئًا | ۴۰۱۵ |
| ۳۹ | نور | فَوَفَّاهُ | ۴۰۱۶ |
| ۴۰ | نور | كَظَلُمْتُ | ۴۰۱۷ |
| ۴۰ | نور | يَغْشَاهُ | ۴۰۱۸ |
| ۴۰ | نور | ظَلُمْتُ | ۴۰۱۹ |
| ۴۰ | نور | يَرَاهَا | ۴۰۲۰ |
| ۴۱ | نور | السَّمَوَاتِ | ۴۰۲۱ |
| ۴۱ | نور | صَفَّتِ | ۴۰۲۲ |
| ۴۲ | نور | السَّمَوَاتِ | ۴۰۲۳ |
| ۴۳ | نور | خِلَالِهِ | ۴۰۲۴ |
| ۴۳ | نور | بِالْأَبْصَارِ | ۴۰۲۵ |
| ۴۴ | نور | الْأَبْصَارِ | ۴۰۲۶ |
| ۴۶ | نور | ءَايَاتِ | ۴۰۲۷ |
| ۴۶ | نور | مُبَيِّنَاتِ | ۴۰۲۸ |
| ۴۶ | نور | صِرَاطِ | ۴۰۲۹ |
| ۵۰ | نور | الظَّالِمُونَ | ۴۰۳۰ |
| ۵۳ | نور | أَيْمَنِهِمْ | ۴۰۳۱ |
| ۵۴ | نور | الْبَلَّغُ | ۴۰۳۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------------|------|
| ۵۵ | نور | الصِّلِحَتِ | ۴۰۳۳ |
| ۵۵ | نور | شَيْئًا | ۴۰۳۴ |
| ۵۵ | نور | الْفُسِقُونَ | ۴۰۳۵ |
| ۵۶ | نور | الصَّلَاةَ | ۴۰۳۶ |
| ۵۶ | نور | الزَّكَاةَ | ۴۰۳۷ |
| ۵۷ | نور | مَأْوَاهُمْ | ۴۰۳۸ |
| ۵۸ | نور | يَا أَيُّهَا | ۴۰۳۹ |
| ۵۸ | نور | لَيْسْتَ أَذِنُكُمْ | ۴۰۴۰ |
| ۵۸ | نور | أَيْمُنُكُمْ | ۴۰۴۱ |
| ۵۸ | نور | ثَلَاثَ | ۴۰۴۲ |
| ۵۸ | نور | مَرَّاتٍ | ۴۰۴۳ |
| ۵۸ | نور | صَلَاةٍ | ۴۰۴۴ |
| ۵۸ | نور | صَلَاةٍ | ۴۰۴۵ |
| ۵۸ | نور | ثَلَاثُ | ۴۰۴۶ |
| ۵۸ | نور | عَوْرَتٍ | ۴۰۴۷ |
| ۵۸ | نور | طَوُفُونَ | ۴۰۴۸ |
| ۵۸ | نور | الْأَيَّتِ | ۴۰۴۹ |
| ۵۹ | نور | الْأَطْفَالُ | ۴۰۵۰ |
| ۵۹ | نور | فَلَيْسْتَ أَذِنُوا | ۴۰۵۱ |
| ۵۹ | نور | اسْتَأْذَنَ | ۴۰۵۲ |
| ۵۹ | نور | ءَايَاتِهِ | ۴۰۵۳ |

| سورہ | آیہ | رسم کلمات | ج |
|-------|-----|-------------------|------|
| نور | ۶۰ | القَوَاعِدُ | ۴۰۵۴ |
| نور | ۶۰ | مُتَبَرِّجَاتٍ | ۴۰۵۵ |
| نور | ۶۱ | أُمَّهَاتِكُمْ | ۴۰۵۶ |
| نور | ۶۱ | إِخْوَانِكُمْ | ۴۰۵۷ |
| نور | ۶۱ | أَخَوَاتِكُمْ | ۴۰۵۸ |
| نور | ۶۱ | أَعْمَامِكُمْ | ۴۰۵۹ |
| نور | ۶۱ | عَمَّاتِكُمْ | ۴۰۶۰ |
| نور | ۶۱ | أَخَوَالِكُمْ | ۴۰۶۱ |
| نور | ۶۱ | خَلَائِكُمْ | ۴۰۶۲ |
| نور | ۶۱ | مُبْرَكَةً | ۴۰۶۳ |
| نور | ۶۱ | الْأَيْتِ | ۴۰۶۴ |
| نور | ۶۲ | يَسْتَأْذِنُوهُ | ۴۰۶۵ |
| نور | ۶۲ | يَسْتَأْذِنُونَكَ | ۴۰۶۶ |
| نور | ۶۲ | اسْتَأْذِنُوكَ | ۴۰۶۷ |
| نور | ۶۴ | السَّمَوَاتِ | ۴۰۶۸ |
| فرقان | ۱ | لِلْعَالَمِينَ | ۴۰۶۹ |
| فرقان | ۲ | السَّمَوَاتِ | ۴۰۷۰ |
| فرقان | ۳ | شَيْئًا | ۴۰۷۱ |
| فرقان | ۳ | حَيَوَةً | ۴۰۷۲ |
| فرقان | ۴ | افْتَرَاهُ | ۴۰۷۳ |
| فرقان | ۴ | جَاءُوا | ۴۰۷۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۵ | فرقان | أَسَاطِيرُ | ۴۰۷۵ |
| ۶ | فرقان | السَّمَوَاتِ | ۴۰۷۶ |
| ۸ | فرقان | الظَّالِمُونَ | ۴۰۷۷ |
| ۹ | فرقان | الْأَمْثَالَ | ۴۰۷۸ |
| ۱۰ | فرقان | جَنَّتِ | ۴۰۷۹ |
| ۱۰ | فرقان | الْأَنْهَارِ | ۴۰۸۰ |
| ۱۴ | فرقان | وَاحِدًا | ۴۰۸۱ |
| ۱۶ | فرقان | يَشَاءُونَ | ۴۰۸۲ |
| ۱۶ | فرقان | خُلْدِينَ | ۴۰۸۳ |
| ۱۶ | فرقان | مَسْئُولًا | ۴۰۸۴ |
| ۱۷ | فرقان | ءَأَنْتُمْ | ۴۰۸۵ |
| ۱۸ | فرقان | سُبْحَانَكَ | ۴۰۸۶ |
| ۲۱ | فرقان | الْمَلَائِكَةُ | ۴۰۸۷ |
| ۲۲ | فرقان | الْمَلَائِكَةَ | ۴۰۸۸ |
| ۲۳ | فرقان | فَجَعَلْنَاهُ | ۴۰۸۹ |
| ۲۴ | فرقان | أَصْحَابُ | ۴۰۹۰ |
| ۲۵ | فرقان | بِالْغَمَامِ | ۴۰۹۱ |
| ۲۵ | فرقان | الْمَلَائِكَةُ | ۴۰۹۲ |
| ۲۶ | فرقان | الْكَافِرِينَ | ۴۰۹۳ |
| ۲۷ | فرقان | يَلِيَّتَنِي | ۴۰۹۴ |
| ۲۸ | فرقان | يُوَلِّتَنِي | ۴۰۹۵ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|-------|-----|------------------|------|
| فرقان | ۲۹ | الشَّيْطَانُ | ۴۰۹۶ |
| فرقان | ۲۹ | لِلْإِنْسَانِ | ۴۰۹۷ |
| فرقان | ۳۰ | يُرَبِّ | ۴۰۹۸ |
| فرقان | ۳۲ | وَاحِدَةً | ۴۰۹۹ |
| فرقان | ۳۲ | رَتَّلْنَاهُ | ۴۱۰۰ |
| فرقان | ۳۳ | جِئْنَاكَ | ۴۱۰۱ |
| فرقان | ۳۵ | الْكِتَابِ | ۴۱۰۲ |
| فرقان | ۳۵ | هَارُونَ | ۴۱۰۳ |
| فرقان | ۳۶ | بِأَيَّتِنَا | ۴۱۰۴ |
| فرقان | ۳۶ | فَدَمَّرْنَاهُمْ | ۴۱۰۵ |
| فرقان | ۳۷ | أَغْرَقْنَاهُمْ | ۴۱۰۶ |
| فرقان | ۳۷ | جَعَلْنَاهُمْ | ۴۱۰۷ |
| فرقان | ۳۷ | لِلظَّالِمِينَ | ۴۱۰۸ |
| فرقان | ۳۸ | أَصْحَابِ | ۴۱۰۹ |
| فرقان | ۳۹ | الْأَمْثَالِ | ۴۱۱۰ |
| فرقان | ۴۳ | أَرَأَيْتَ | ۴۱۱۱ |
| فرقان | ۴۳ | هُوَئِلَهِ | ۴۱۱۲ |
| فرقان | ۴۴ | كَالْأَنْعَامِ | ۴۱۱۳ |
| فرقان | ۴۶ | قَبَضْنَاهُ | ۴۱۱۴ |
| فرقان | ۴۸ | الرَّيْحِ | ۴۱۱۵ |
| فرقان | ۴۹ | لِنُحْيِيَهُ | ۴۱۱۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۴۹ | فرقان | أَنعَامًا | ۴۱۱۷ |
| ۵۰ | فرقان | صَرَّفْنَاهُ | ۴۱۱۸ |
| ۵۲ | فرقان | الْكَافِرِينَ | ۴۱۱۹ |
| ۵۲ | فرقان | جَاهِدْهُمْ | ۴۱۲۰ |
| ۵۶ | فرقان | أَرْسَلْنَاكَ | ۴۱۲۱ |
| ۵۷ | فرقان | أَسْأَلُكُمْ | ۴۱۲۲ |
| ۵۹ | فرقان | السَّمَوَاتِ | ۴۱۲۳ |
| ۵۹ | فرقان | فَسْأَلْ | ۴۱۲۴ |
| ۶۱ | فرقان | سِرْجًا | ۴۱۲۵ |
| ۶۳ | فرقان | الْجَاهِلُونَ | ۴۱۲۶ |
| ۶۳ | فرقان | سَلَامًا | ۴۱۲۷ |
| ۶۴ | فرقان | قِيَامًا | ۴۱۲۸ |
| ۶۹ | فرقان | يُضْعَفُ | ۴۱۲۹ |
| ۶۹ | فرقان | الْقِيَمَةِ | ۴۱۳۰ |
| ۷۰ | فرقان | صَلِحًا | ۴۱۳۱ |
| ۷۰ | فرقان | سَيِّئَاتِهِمْ | ۴۱۳۲ |
| ۷۰ | فرقان | حَسَنَاتٍ | ۴۱۳۳ |
| ۷۱ | فرقان | صَلِحًا | ۴۱۳۴ |
| ۷۳ | فرقان | بِأَيِّتٍ | ۴۱۳۵ |
| ۷۴ | فرقان | أَزْوَاجِنَا | ۴۱۳۶ |
| ۷۴ | فرقان | ذُرِّيَّتِنَا | ۴۱۳۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۷۵ | فرقان | سَلَمًا | ۴۱۳۸ |
| ۷۶ | فرقان | خَلِيدِينَ | ۴۱۳۹ |
| ۷۷ | فرقان | يَعْبُوًا | ۴۱۴۰ |
| ۲ | شعراء | ءَايٰتُ | ۴۱۴۱ |
| ۲ | شعراء | الْكِتٰبِ | ۴۱۴۲ |
| ۳ | شعراء | بَاخِعٌ | ۴۱۴۳ |
| ۴ | شعراء | اَعْنَاقُهُمْ | ۴۱۴۴ |
| ۴ | شعراء | خٰضِعِينَ | ۴۱۴۵ |
| ۶ | شعراء | اَنْبَاءُ | ۴۱۴۶ |
| ۶ | شعراء | يَسْتَهْزِءُونَ | ۴۱۴۷ |
| ۱۰ | شعراء | الظَّالِمِينَ | ۴۱۴۸ |
| ۱۳ | شعراء | هٰرُونَ | ۴۱۴۹ |
| ۱۵ | شعراء | بِئَايٰتِنَا | ۴۱۵۰ |
| ۱۶ | شعراء | الْعٰلَمِينَ | ۴۱۵۱ |
| ۱۷ | شعراء | اِسْرَآءِيْلَ | ۴۱۵۲ |
| ۱۹ | شعراء | الْكٰفِرِينَ | ۴۱۵۳ |
| ۲۲ | شعراء | اِسْرَآءِيْلَ | ۴۱۵۴ |
| ۲۳ | شعراء | الْعٰلَمِينَ | ۴۱۵۵ |
| ۲۴ | شعراء | السَّمَوٰتِ | ۴۱۵۶ |
| ۳۱ | شعراء | الصّٰدِقِينَ | ۴۱۵۷ |
| ۳۳ | شعراء | لِلنّٰظِرِينَ | ۴۱۵۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------------|------|
| ۳۴ | شعراء | لَسَاحِرٌ | ۴۱۵۹ |
| ۳۶ | شعراء | حٰشِرِیْنَ | ۴۱۶۰ |
| ۳۸ | شعراء | لِمِیْقَاتِ | ۴۱۶۱ |
| ۴۰ | شعراء | الْغٰلِیْنَ | ۴۱۶۲ |
| ۴۱ | شعراء | اٰثِنَّ | ۴۱۶۳ |
| ۴۱ | شعراء | الْغٰلِیْنَ | ۴۱۶۴ |
| ۴۴ | شعراء | الْغٰلِبُوْنَ | ۴۱۶۵ |
| ۴۶ | شعراء | سٰجِدِیْنَ | ۴۱۶۶ |
| ۴۷ | شعراء | الْعٰلَمِیْنَ | ۴۱۶۷ |
| ۴۸ | شعراء | هٰرُوْنَ | ۴۱۶۸ |
| ۴۹ | شعراء | خِلَافِ | ۴۱۶۹ |
| ۵۱ | شعراء | خَطَايِنَا | ۴۱۷۰ |
| ۵۳ | شعراء | حٰشِرِیْنَ | ۴۱۷۱ |
| ۵۶ | شعراء | حٰذِرُوْنَ | ۴۱۷۲ |
| ۵۷ | شعراء | فَاٰخِرَ جَنَّتِهِمْ | ۴۱۷۳ |
| ۵۷ | شعراء | جَنَّتِ | ۴۱۷۴ |
| ۵۹ | شعراء | اَوْرَثْنٰهَا | ۴۱۷۵ |
| ۵۹ | شعراء | اِسْرَآءِیْلَ | ۴۱۷۶ |
| ۶۱ | شعراء | تَرَاۤءَا | ۴۱۷۷ |
| ۶۱ | شعراء | اَصْحٰبُ | ۴۱۷۸ |
| ۶۹ | شعراء | اِبْرٰهِيْمَ | ۴۱۷۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ٧١ | شعراء | عُكْفِیْنَ | ٤١٨٠ |
| ٧٥ | شعراء | اَفْرَءِیْتُمُ | ٤١٨١ |
| ٧٧ | شعراء | العالمینَ | ٤١٨٢ |
| ٨٢ | شعراء | خَطِیْئَتِیْ | ٤١٨٣ |
| ٨٣ | شعراء | بِالصُّلِحِیْنَ | ٤١٨٤ |
| ٩٤ | شعراء | الغاوونَ | ٤١٨٥ |
| ٩٧ | شعراء | ضَلَلِ | ٤١٨٦ |
| ٩٨ | شعراء | العالمینَ | ٤١٨٧ |
| ١٠٠ | شعراء | شُفِعِیْنَ | ٤١٨٨ |
| ١٠٩ | شعراء | اَسْأَلُکُمْ | ٤١٨٩ |
| ١٠٩ | شعراء | العالمینَ | ٤١٩٠ |
| ١١٦ | شعراء | یُنُوْحُ | ٤١٩١ |
| ١١٩ | شعراء | فَاَنْجِیْنٰهُ | ٤١٩٢ |
| ١٢٧ | شعراء | اَسْأَلُکُمْ | ٤١٩٣ |
| ١٢٧ | شعراء | العالمینَ | ٤١٩٤ |
| ١٣٣ | شعراء | بِاَنْعَامِ | ٤١٩٥ |
| ١٣٤ | شعراء | جَنَّتِ | ٤١٩٦ |
| ١٣٦ | شعراء | الوَعْظِیْنَ | ٤١٩٧ |
| ١٣٩ | شعراء | فَاَهْلَکْنٰهُمْ | ٤١٩٨ |
| ١٤٢ | شعراء | صَلِحُ | ٤١٩٩ |
| ١٤٥ | شعراء | اَسْأَلُکُمْ | ٤٢٠٠ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------|------|
| ۱۴۵ | شعراء | العالمین | ۴۲۰۱ |
| ۱۴۶ | شعراء | ههنا | ۴۲۰۲ |
| ۱۴۷ | شعراء | جنت | ۴۲۰۳ |
| ۱۴۹ | شعراء | فرهین | ۴۲۰۴ |
| ۱۵۴ | شعراء | الصدیقین | ۴۲۰۵ |
| ۱۵۷ | شعراء | ندمین | ۴۲۰۶ |
| ۱۶۴ | شعراء | اسئلکم | ۴۲۰۷ |
| ۱۶۴ | شعراء | العالمین | ۴۲۰۸ |
| ۱۶۵ | شعراء | العالمین | ۴۲۰۹ |
| ۱۶۶ | شعراء | ازواجکم | ۴۲۱۰ |
| ۱۶۷ | شعراء | یلوط | ۴۲۱۱ |
| ۱۷۰ | شعراء | فنجینه | ۴۲۱۲ |
| ۱۷۱ | شعراء | الغیرین | ۴۲۱۳ |
| ۱۷۶ | شعراء | اصحب | ۴۲۱۴ |
| ۱۷۶ | شعراء | لئیکه | ۴۲۱۵ |
| ۱۸۰ | شعراء | اسئلکم | ۴۲۱۶ |
| ۱۸۰ | شعراء | العالمین | ۴۲۱۷ |
| ۱۸۶ | شعراء | الکذبین | ۴۲۱۸ |
| ۱۸۷ | شعراء | الصدیقین | ۴۲۱۹ |
| ۱۹۲ | شعراء | العالمین | ۴۲۲۰ |
| ۱۹۷ | شعراء | علموا | ۴۲۲۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۹۷ | شعراء | إِسْرَآءِیلَ | ۴۲۲۲ |
| ۱۹۸ | شعراء | نَزَّلَهُ | ۴۲۲۳ |
| ۲۰۰ | شعراء | سَلَکْنَهُ | ۴۲۲۴ |
| ۲۰۵ | شعراء | أَفْرَءِیتَ | ۴۲۲۵ |
| ۲۰۵ | شعراء | مَتَّعْنَهُمْ | ۴۲۲۶ |
| ۲۰۹ | شعراء | ظَالِمِینَ | ۴۲۲۷ |
| ۲۱۰ | شعراء | الشَّیْطِینُ | ۴۲۲۸ |
| ۲۱۸ | شعراء | یَرْکَ | ۴۲۲۹ |
| ۲۱۹ | شعراء | السَّجِدِینَ | ۴۲۳۰ |
| ۲۲۱ | شعراء | الشَّیْطِینُ | ۴۲۳۱ |
| ۲۲۳ | شعراء | کَذِبُونَ | ۴۲۳۲ |
| ۲۲۴ | شعراء | الْغَاوُونَ | ۴۲۳۳ |
| ۲۲۷ | شعراء | الصَّٰلِحِیْنَ | ۴۲۳۴ |
| ۱ | نمل | ءَايٰتُ | ۴۲۳۵ |
| ۳ | نمل | الصَّلٰوَةِ | ۴۲۳۶ |
| ۳ | نمل | الرَّکُوَةِ | ۴۲۳۷ |
| ۴ | نمل | اَعْمَاهُمْ | ۴۲۳۸ |
| ۷ | نمل | سَعَاتِیْکُمْ | ۴۲۳۹ |
| ۸ | نمل | سُبْحٰنَ | ۴۲۴۰ |
| ۸ | نمل | العٰلَمِیْنَ | ۴۲۴۱ |
| ۹ | نمل | یُمُوْسٰی | ۴۲۴۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۱۰ | نمل | يُمُوسِي | ۴۲۴۳ |
| ۱۲ | نمل | ءَايَاتِ | ۴۲۴۴ |
| ۱۲ | نمل | فُسِّقِينَ | ۴۲۴۵ |
| ۱۳ | نمل | ءَايَاتُنَا | ۴۲۴۶ |
| ۱۴ | نمل | عَاقِبَةُ | ۴۲۴۷ |
| ۱۵ | نمل | دَاوُدَ | ۴۲۴۸ |
| ۱۵ | نمل | سُلَيْمَنَ | ۴۲۴۹ |
| ۱۶ | نمل | سُلَيْمَنُ | ۴۲۵۰ |
| ۱۶ | نمل | دَاوُدَ | ۴۲۵۱ |
| ۱۶ | نمل | يَا أَيُّهَا | ۴۲۵۲ |
| ۱۷ | نمل | لِسُلَيْمَنَ | ۴۲۵۳ |
| ۱۸ | نمل | يَا أَيُّهَا | ۴۲۵۴ |
| ۱۸ | نمل | مَسْكِنَكُمْ | ۴۲۵۵ |
| ۱۸ | نمل | سُلَيْمَنُ | ۴۲۵۶ |
| ۱۹ | نمل | وَالِدَيَّ | ۴۲۵۷ |
| ۱۹ | نمل | صَالِحًا | ۴۲۵۸ |
| ۱۹ | نمل | تَرْضَاهُ | ۴۲۵۹ |
| ۱۹ | نمل | الصَّالِحِينَ | ۴۲۶۰ |
| ۲۱ | نمل | بِسُلْطَانٍ | ۴۲۶۱ |
| ۲۴ | نمل | الشَّيْطَانُ | ۴۲۶۲ |
| ۲۴ | نمل | أَعْمَاهُمْ | ۴۲۶۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۲۵ | نمل | السَّمَوَاتِ | ۴۲۶۴ |
| ۲۷ | نمل | الْكٰذِبِيْنَ | ۴۲۶۵ |
| ۲۸ | نمل | بِكِتٰبِيْ | ۴۲۶۶ |
| ۲۹ | نمل | يٰٓاَيُّهَا | ۴۲۶۷ |
| ۲۹ | نمل | الْمَلٰٓؤُا | ۴۲۶۸ |
| ۲۹ | نمل | كِتٰبٍ | ۴۲۶۹ |
| ۳۰ | نمل | سُلَيْمٰنَ | ۴۲۷۰ |
| ۳۲ | نمل | يٰٓاَيُّهَا | ۴۲۷۱ |
| ۳۲ | نمل | الْمَلٰٓؤُا | ۴۲۷۲ |
| ۳۶ | نمل | سُلَيْمٰنَ | ۴۲۷۳ |
| ۳۶ | نمل | ءَاتٰنِيْهِ | ۴۲۷۴ |
| ۳۶ | نمل | ءَاتٰكُمْ | ۴۲۷۵ |
| ۳۷ | نمل | صٰغِرُوْنَ | ۴۲۷۶ |
| ۳۸ | نمل | يٰٓاَيُّهَا | ۴۲۷۷ |
| ۳۸ | نمل | الْمَلٰٓؤُا | ۴۲۷۸ |
| ۴۰ | نمل | الْكِتٰبِ | ۴۲۷۹ |
| ۴۰ | نمل | ءَاَشْكُرُ | ۴۲۸۰ |
| ۴۳ | نمل | كَافِرِيْنَ | ۴۲۸۱ |
| ۴۴ | نمل | سُلَيْمٰنَ | ۴۲۸۲ |
| ۴۴ | نمل | الْعٰلَمِيْنَ | ۴۲۸۳ |
| ۴۵ | نمل | صٰلِحًا | ۴۲۸۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۴۶ | نمل | يَقُومُ | ۴۲۸۵ |
| ۴۷ | نمل | طَلَّيْرُكُمْ | ۴۲۸۶ |
| ۴۹ | نمل | لَصْدِقُونَ | ۴۲۸۷ |
| ۵۱ | نمل | عَاقِبَةُ | ۴۲۸۸ |
| ۵۱ | نمل | دَمَرْنَهُمْ | ۴۲۸۹ |
| ۵۴ | نمل | الْفُحْشَةَ | ۴۲۹۰ |
| ۵۵ | نمل | اِئْتَكُمْ | ۴۲۹۱ |
| ۵۷ | نمل | فَانْجِيْنُهُ | ۴۲۹۲ |
| ۵۷ | نمل | قَدَّرْنَاهَا | ۴۲۹۳ |
| ۵۷ | نمل | الْغَبْرَيْنِ | ۴۲۹۴ |
| ۵۹ | نمل | سَلَّمَ | ۴۲۹۵ |
| ۶۰ | نمل | السَّمَوَاتِ | ۴۲۹۶ |
| ۶۰ | نمل | أَعْلَهُ | ۴۲۹۷ |
| ۶۱ | نمل | خِلَالَهَا | ۴۲۹۸ |
| ۶۱ | نمل | أَنْهَرَا | ۴۲۹۹ |
| ۶۱ | نمل | رَوَاسِي | ۴۳۰۰ |
| ۶۱ | نمل | أَعْلَهُ | ۴۳۰۱ |
| ۶۲ | نمل | أَعْلَهُ | ۴۳۰۲ |
| ۶۳ | نمل | ظَلُمْتُ | ۴۳۰۳ |
| ۶۳ | نمل | الرَّيْحِ | ۴۳۰۴ |
| ۶۳ | نمل | أَعْلَهُ | ۴۳۰۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۶۳ | نمل | تَعَالَى | ۴۳۰۶ |
| ۶۴ | نمل | يَبْدُؤُا | ۴۳۰۷ |
| ۶۴ | نمل | أَئِلَهِهُ | ۴۳۰۸ |
| ۶۴ | نمل | بُرْهَانِكُمْ | ۴۳۰۹ |
| ۶۴ | نمل | صٰدِقِيْنَ | ۴۳۱۰ |
| ۶۵ | نمل | السَّمٰوٰتِ | ۴۳۱۱ |
| ۶۶ | نمل | اَدْرٰكُ | ۴۳۱۲ |
| ۶۷ | نمل | اَءِذَا | ۴۳۱۳ |
| ۶۷ | نمل | تُرٰبًا | ۴۳۱۴ |
| ۶۷ | نمل | اٰنَا | ۴۳۱۵ |
| ۶۸ | نمل | اَسَاطِيْرُ | ۴۳۱۶ |
| ۶۹ | نمل | عَاقِبَةُ | ۴۳۱۷ |
| ۷۱ | نمل | صٰدِقِيْنَ | ۴۳۱۸ |
| ۷۵ | نمل | كِتٰبٍ | ۴۳۱۹ |
| ۷۶ | نمل | اِسْرَآءِيْلَ | ۴۳۲۰ |
| ۸۱ | نمل | بِهٰدِي | ۴۳۲۱ |
| ۸۱ | نمل | ضَلَلْتَهُمْ | ۴۳۲۲ |
| ۸۱ | نمل | بِاٰيٰتِنَا | ۴۳۲۳ |
| ۸۲ | نمل | بِاٰيٰتِنَا | ۴۳۲۴ |
| ۸۳ | نمل | بِاٰيٰتِنَا | ۴۳۲۵ |
| ۸۴ | نمل | جَآءُو | ۴۳۲۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۸۴ | نمل | بِثَاقِی | ۴۳۲۷ |
| ۸۶ | نمل | لَا یَتِ | ۴۳۲۸ |
| ۸۷ | نمل | السَّمَوَاتِ | ۴۳۲۹ |
| ۸۷ | نمل | ذَخِرِیْنَ | ۴۳۳۰ |
| ۹۳ | نمل | ءَایَّتِهِ | ۴۳۳۱ |
| ۹۳ | نمل | بِغَافِلٍ | ۴۳۳۲ |
| ۲ | قصص | ءَایَّتُ | ۴۳۳۳ |
| ۲ | قصص | الْكِتَابِ | ۴۳۳۴ |
| ۴ | قصص | یَسْتَحِیْءُ | ۴۳۳۵ |
| ۵ | قصص | الْوَرِثِیْنَ | ۴۳۳۶ |
| ۶ | قصص | هَامِنَ | ۴۳۳۷ |
| ۸ | قصص | هَامِنَ | ۴۳۳۸ |
| ۸ | قصص | خَطِیْیْنَ | ۴۳۳۹ |
| ۱۰ | قصص | فُرْعَا | ۴۳۴۰ |
| ۱۲ | قصص | نُصِیْحُونَ | ۴۳۴۱ |
| ۱۳ | قصص | فَرَدَدْنُهُ | ۴۳۴۲ |
| ۱۴ | قصص | ءَاتَیْنَهُ | ۴۳۴۳ |
| ۱۵ | قصص | فَاسْتَغَاثُهُ | ۴۳۴۴ |
| ۱۵ | قصص | الشَّیْطَانِ | ۴۳۴۵ |
| ۱۹ | قصص | یُمُوسِیْ | ۴۳۴۶ |
| ۲۰ | قصص | یُمُوسِیْ | ۴۳۴۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ٢٠ | قصص | النَّصِیحِينَ | ٤٣٤٨ |
| ٢١ | قصص | الظَّالِمِينَ | ٤٣٤٩ |
| ٢٥ | قصص | إِحْدَاهُمَا | ٤٣٥٠ |
| ٢٥ | قصص | الظَّالِمِينَ | ٤٣٥١ |
| ٢٦ | قصص | إِحْدَاهُمَا | ٤٣٥٢ |
| ٢٦ | قصص | يَأْتَتْ | ٤٣٥٣ |
| ٢٦ | قصص | اسْتَأْجِرْهُ | ٤٣٥٤ |
| ٢٦ | قصص | اسْتَأْجَرَتْ | ٤٣٥٥ |
| ٢٧ | قصص | هَتَيْنِ | ٤٣٥٦ |
| ٢٧ | قصص | ثُمَّ | ٤٣٥٧ |
| ٢٧ | قصص | الصَّالِحِينَ | ٤٣٥٨ |
| ٢٨ | قصص | عُدْوَانَ | ٤٣٥٩ |
| ٣٠ | قصص | أَتَاهَا | ٤٣٦٠ |
| ٣٠ | قصص | شَاطِئِ | ٤٣٦١ |
| ٣٠ | قصص | الْمُبْرَكَةِ | ٤٣٦٢ |
| ٣٠ | قصص | يُمُوسَى | ٤٣٦٣ |
| ٣٠ | قصص | الْعَالَمِينَ | ٤٣٦٤ |
| ٣١ | قصص | يُمُوسَى | ٤٣٦٥ |
| ٣٢ | قصص | فَذُنِّكَ | ٤٣٦٦ |
| ٣٢ | قصص | بُرْهَنَانِ | ٤٣٦٧ |
| ٣٢ | قصص | مَلَائِكَةٍ | ٤٣٦٨ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۳۲ | قصص | فُسِقِينَ | ۴۳۶۹ |
| ۳۴ | قصص | هُرُونُ | ۴۳۷۰ |
| ۳۵ | قصص | سُلْطَانًا | ۴۳۷۱ |
| ۳۵ | قصص | بِأَيَّتِنَا | ۴۳۷۲ |
| ۳۵ | قصص | الْغَالِبُونَ | ۴۳۷۳ |
| ۳۶ | قصص | بِأَيَّتِنَا | ۴۳۷۴ |
| ۳۶ | قصص | بَيَّنَّتْ | ۴۳۷۵ |
| ۳۷ | قصص | عَاقِبَةُ | ۴۳۷۶ |
| ۳۷ | قصص | الظَّالِمُونَ | ۴۳۷۷ |
| ۳۸ | قصص | يَا أَيُّهَا | ۴۳۷۸ |
| ۳۸ | قصص | يُهَامِنُ | ۴۳۷۹ |
| ۳۸ | قصص | الْكَاذِبِينَ | ۴۳۸۰ |
| ۴۰ | قصص | فَأَخَذْنَاهُ | ۴۳۸۱ |
| ۴۰ | قصص | فَنَبَذْنَاهُمْ | ۴۳۸۲ |
| ۴۰ | قصص | عَاقِبَةُ | ۴۳۸۳ |
| ۴۰ | قصص | الظَّالِمِينَ | ۴۳۸۴ |
| ۴۱ | قصص | جَعَلْنَاهُمْ | ۴۳۸۵ |
| ۴۱ | قصص | الْقِيَمَةِ | ۴۳۸۶ |
| ۴۲ | قصص | أَتَبَعْنَاهُمْ | ۴۳۸۷ |
| ۴۲ | قصص | الْقِيَمَةِ | ۴۳۸۸ |
| ۴۳ | قصص | الْكِتَابِ | ۴۳۸۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۴۴ | قصص | الشَّهِدِينَ | ۴۳۹۰ |
| ۴۵ | قصص | ءَايَاتِنَا | ۴۳۹۱ |
| ۴۶ | قصص | أَتَاهُمْ | ۴۳۹۲ |
| ۴۷ | قصص | ءَايَاتِكَ | ۴۳۹۳ |
| ۴۸ | قصص | تَظَاهَرَا | ۴۳۹۴ |
| ۴۸ | قصص | كُفِرُونَ | ۴۳۹۵ |
| ۴۹ | قصص | بِكِتَابٍ | ۴۳۹۶ |
| ۴۹ | قصص | صِدِّيقِينَ | ۴۳۹۷ |
| ۵۰ | قصص | هُوَ | ۴۳۹۸ |
| ۵۰ | قصص | الظَّالِمِينَ | ۴۳۹۹ |
| ۵۲ | قصص | ءَاتَيْنَاهُمْ | ۴۴۰۰ |
| ۵۲ | قصص | الْكِتَابِ | ۴۴۰۱ |
| ۵۴ | قصص | يَدْرَأُونَ | ۴۴۰۲ |
| ۵۴ | قصص | رَزَقْنَاهُمْ | ۴۴۰۳ |
| ۵۵ | قصص | أَعْمَالُنَا | ۴۴۰۴ |
| ۵۵ | قصص | أَعْمَالُكُمْ | ۴۴۰۵ |
| ۵۵ | قصص | سَلَامٌ | ۴۴۰۶ |
| ۵۵ | قصص | الْجَاهِلِينَ | ۴۴۰۷ |
| ۵۷ | قصص | ثَمَرَاتُ | ۴۴۰۸ |
| ۵۸ | قصص | مَسْكِينَهُمْ | ۴۴۰۹ |
| ۵۸ | قصص | الْوَارِثِينَ | ۴۴۱۰ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|----------------|------|
| قصص | ۵۹ | ءَايَاتِنَا | ۴۴۱۱ |
| قصص | ۵۹ | ظَالِمُونَ | ۴۴۱۲ |
| قصص | ۶۰ | فَتَاعُ | ۴۴۱۳ |
| قصص | ۶۰ | الْحَيَاةِ | ۴۴۱۴ |
| قصص | ۶۱ | وَعَدْنُهُ | ۴۴۱۵ |
| قصص | ۶۱ | لَاقِيهِ | ۴۴۱۶ |
| قصص | ۶۱ | مَتَّعْنَاهُ | ۴۴۱۷ |
| قصص | ۶۱ | مَتَاعَ | ۴۴۱۸ |
| قصص | ۶۱ | الْحَيَاةِ | ۴۴۱۹ |
| قصص | ۶۱ | الْقِيَمَةِ | ۴۴۲۰ |
| قصص | ۶۲ | شُرَكَاءِي | ۴۴۲۱ |
| قصص | ۶۳ | أَغْوَيْنَهُمْ | ۴۴۲۲ |
| قصص | ۶۷ | صَلِحًا | ۴۴۲۳ |
| قصص | ۶۸ | سُبْحَنَ | ۴۴۲۴ |
| قصص | ۶۸ | تَعَالَى | ۴۴۲۵ |
| قصص | ۷۱ | أَرَأَيْتُمْ | ۴۴۲۶ |
| قصص | ۷۱ | الْقِيَمَةِ | ۴۴۲۷ |
| قصص | ۷۲ | أَرَأَيْتُمْ | ۴۴۲۸ |
| قصص | ۷۲ | الْقِيَمَةِ | ۴۴۲۹ |
| قصص | ۷۴ | شُرَكَاءِي | ۴۴۳۰ |
| قصص | ۷۵ | بُرْهَانَكُمْ | ۴۴۳۱ |

| سوره | آیه | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|----------------|------|
| قصص | ۷۶ | قَارُونَ | ۴۴۳۲ |
| قصص | ۷۶ | ءَاتَيْنَهُ | ۴۴۳۳ |
| قصص | ۷۶ | لَتَنوُّاْ | ۴۴۳۴ |
| قصص | ۷۷ | ءَاتَاكَ | ۴۴۳۵ |
| قصص | ۷۸ | يُسْأَلُ | ۴۴۳۶ |
| قصص | ۷۹ | الْحَيٰوةَ | ۴۴۳۷ |
| قصص | ۷۹ | يَلَيْتَ | ۴۴۳۸ |
| قصص | ۷۹ | قَارُونَ | ۴۴۳۹ |
| قصص | ۸۰ | صَلِحًا | ۴۴۴۰ |
| قصص | ۸۰ | يُلَقِّهَآ | ۴۴۴۱ |
| قصص | ۸۰ | الصُّبْرُونَ | ۴۴۴۲ |
| قصص | ۸۲ | الْكٰفِرُونَ | ۴۴۴۳ |
| قصص | ۸۳ | الْعَاقِبَةُ | ۴۴۴۴ |
| قصص | ۸۴ | السَّيِّئَاتِ | ۴۴۴۵ |
| قصص | ۸۵ | ضَلَلِ | ۴۴۴۶ |
| قصص | ۸۶ | الْكِتٰبِ | ۴۴۴۷ |
| قصص | ۸۶ | لِلْكَافِرِينَ | ۴۴۴۸ |
| قصص | ۸۷ | ءَايَتِ | ۴۴۴۹ |
| عنكبوت | ۳ | الْكٰذِبِينَ | ۴۴۵۰ |
| عنكبوت | ۴ | السَّيِّئَاتِ | ۴۴۵۱ |
| عنكبوت | ۶ | جَاهِدَ | ۴۴۵۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۶ | عنکبوت | يُجَاهِدُ | ۴۴۵۳ |
| ۶ | عنکبوت | الْعَالَمِينَ | ۴۴۵۴ |
| ۷ | عنکبوت | الصَّالِحَاتِ | ۴۴۵۵ |
| ۷ | عنکبوت | سَيِّئَاتِهِمْ | ۴۴۵۶ |
| ۸ | عنکبوت | الْإِنْسَانَ | ۴۴۵۷ |
| ۸ | عنکبوت | بِوَالِدَيْهِ | ۴۴۵۸ |
| ۸ | عنکبوت | جَاهِدَاكَ | ۴۴۵۹ |
| ۹ | عنکبوت | الصَّالِحَاتِ | ۴۴۶۰ |
| ۹ | عنکبوت | الصَّالِحِينَ | ۴۴۶۱ |
| ۱۰ | عنکبوت | الْعَالَمِينَ | ۴۴۶۲ |
| ۱۱ | عنکبوت | الْمُنْفِقِينَ | ۴۴۶۳ |
| ۱۲ | عنکبوت | خَطَايَاكُمْ | ۴۴۶۴ |
| ۱۲ | عنکبوت | بِحَمَلِينَ | ۴۴۶۵ |
| ۱۲ | عنکبوت | خَطَايَاهُمْ | ۴۴۶۶ |
| ۱۲ | عنکبوت | لَكَذِبُونَ | ۴۴۶۷ |
| ۱۳ | عنکبوت | وَلَيُسْأَلُنَّ | ۴۴۶۸ |
| ۱۳ | عنکبوت | الْقِيَمَةَ | ۴۴۶۹ |
| ۱۴ | عنکبوت | ظَالِمُونَ | ۴۴۷۰ |
| ۱۵ | عنکبوت | فَأَنْجَيْنَاهُ | ۴۴۷۱ |
| ۱۵ | عنکبوت | أَصْحَابَ | ۴۴۷۲ |
| ۱۵ | عنکبوت | جَعَلْنَاهَا | ۴۴۷۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------|------|
| ۱۵ | عنکبوت | لِلْعَالَمِينَ | ۴۴۷۴ |
| ۱۶ | عنکبوت | إِبْرَاهِيمَ | ۴۴۷۵ |
| ۱۷ | عنکبوت | أَوْثَانًا | ۴۴۷۶ |
| ۱۸ | عنکبوت | الْبَلُغُ | ۴۴۷۷ |
| ۲۳ | عنکبوت | بِثَايَتِ | ۴۴۷۸ |
| ۲۴ | عنکبوت | فَأَنْجَاهُ | ۴۴۷۹ |
| ۲۴ | عنکبوت | لَأَيَّتِ | ۴۴۸۰ |
| ۲۵ | عنکبوت | أَوْثَانًا | ۴۴۸۱ |
| ۲۵ | عنکبوت | الْحَيَوةِ | ۴۴۸۲ |
| ۲۵ | عنکبوت | الْقِيَمَةِ | ۴۴۸۳ |
| ۲۵ | عنکبوت | مَأْوَكُمْ | ۴۴۸۴ |
| ۲۵ | عنکبوت | نُصْرِينَ | ۴۴۸۵ |
| ۲۷ | عنکبوت | إِسْحَاقَ | ۴۴۸۶ |
| ۲۷ | عنکبوت | الْكِتَابِ | ۴۴۸۷ |
| ۲۷ | عنکبوت | ءَاتَيْنَاهُ | ۴۴۸۸ |
| ۲۷ | عنکبوت | الصَّالِحِينَ | ۴۴۸۹ |
| ۲۸ | عنکبوت | الْفَاحِشَةَ | ۴۴۹۰ |
| ۲۸ | عنکبوت | الْعَالَمِينَ | ۴۴۹۱ |
| ۲۹ | عنکبوت | أَيْنُّكُمْ | ۴۴۹۲ |
| ۲۹ | عنکبوت | الصَّادِقِينَ | ۴۴۹۳ |
| ۳۱ | عنکبوت | إِبْرَاهِيمَ | ۴۴۹۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۳۱ | عنکبوت | ظالمین | ۴۴۹۵ |
| ۳۲ | عنکبوت | الغیرین | ۴۴۹۶ |
| ۳۳ | عنکبوت | الغیرین | ۴۴۹۷ |
| ۳۶ | عنکبوت | یقوم | ۴۴۹۸ |
| ۳۷ | عنکبوت | جثمین | ۴۴۹۹ |
| ۳۸ | عنکبوت | مَسْكِينِهِمْ | ۴۵۰۰ |
| ۳۸ | عنکبوت | الشَّيْطَانُ | ۴۵۰۱ |
| ۳۸ | عنکبوت | أَعْمَاهُمْ | ۴۵۰۲ |
| ۳۹ | عنکبوت | قارونَ | ۴۵۰۳ |
| ۳۹ | عنکبوت | هامنَ | ۴۵۰۴ |
| ۳۹ | عنکبوت | بِالْبَيِّنَاتِ | ۴۵۰۵ |
| ۳۹ | عنکبوت | سَبِقِينَ | ۴۵۰۶ |
| ۴۳ | عنکبوت | الْأَمْثَالُ | ۴۵۰۷ |
| ۴۳ | عنکبوت | الْعَامُونَ | ۴۵۰۸ |
| ۴۴ | عنکبوت | السَّمَوَاتِ | ۴۵۰۹ |
| ۴۵ | عنکبوت | الْكِتَابِ | ۴۵۱۰ |
| ۴۵ | عنکبوت | الصَّلَاةَ | ۴۵۱۱ |
| ۴۵ | عنکبوت | الصَّلَاةَ | ۴۵۱۲ |
| ۴۶ | عنکبوت | لَا تُجَادِلُوا | ۴۵۱۳ |
| ۴۶ | عنکبوت | الْكِتَابِ | ۴۵۱۴ |
| ۴۶ | عنکبوت | وَاحِدٌ | ۴۵۱۵ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|-----------------|------|
| عنکبوت | ۴۷ | الکِتَبِ | ۴۵۱۶ |
| عنکبوت | ۴۷ | ءَاتَيْنَهُمْ | ۴۵۱۷ |
| عنکبوت | ۴۷ | الکِتَبِ | ۴۵۱۸ |
| عنکبوت | ۴۷ | بِأَيَّتِنَا | ۴۵۱۹ |
| عنکبوت | ۴۷ | الکٰفِرُونَ | ۴۵۲۰ |
| عنکبوت | ۴۸ | كِتَبٍ | ۴۵۲۱ |
| عنکبوت | ۴۹ | ءَايٰتٍ | ۴۵۲۲ |
| عنکبوت | ۴۹ | بَيِّنٰتٍ | ۴۵۲۳ |
| عنکبوت | ۴۹ | بِأَيَّتِنَا | ۴۵۲۴ |
| عنکبوت | ۴۹ | الظَّالِمُونَ | ۴۵۲۵ |
| عنکبوت | ۵۰ | ءَايٰتٍ | ۴۵۲۶ |
| عنکبوت | ۵۰ | الْأَيٰتِ | ۴۵۲۷ |
| عنکبوت | ۵۱ | الکِتَبِ | ۴۵۲۸ |
| عنکبوت | ۵۲ | السَّمٰوٰتِ | ۴۵۲۹ |
| عنکبوت | ۵۲ | بِالْبَاطِلِ | ۴۵۳۰ |
| عنکبوت | ۵۲ | الْخٰسِرُونَ | ۴۵۳۱ |
| عنکبوت | ۵۴ | بِالْكَافِرِينَ | ۴۵۳۲ |
| عنکبوت | ۵۵ | يَغْشَاهُمْ | ۴۵۳۳ |
| عنکبوت | ۵۶ | يُعِبَادِي | ۴۵۳۴ |
| عنکبوت | ۵۶ | وَاسِعَةً | ۴۵۳۵ |
| عنکبوت | ۵۶ | فَإِيَّايَ | ۴۵۳۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------------|------|
| ۵۸ | عنکبوت | الصِّلِحَتِ | ۴۵۳۷ |
| ۵۸ | عنکبوت | الْأَنْهَرُ | ۴۵۳۸ |
| ۵۸ | عنکبوت | خُلَادِينَ | ۴۵۳۹ |
| ۵۸ | عنکبوت | الْعَمِلِينَ | ۴۵۴۰ |
| ۶۱ | عنکبوت | السَّمَوَاتِ | ۴۵۴۱ |
| ۶۴ | عنکبوت | الْحَيَوَةُ | ۴۵۴۲ |
| ۶۵ | عنکبوت | نَجَّاهُمْ | ۴۵۴۳ |
| ۶۶ | عنکبوت | ءَاتَيْنَهُمْ | ۴۵۴۴ |
| ۶۷ | عنکبوت | أَقْبَابِ الْبَاطِلِ | ۴۵۴۵ |
| ۶۸ | عنکبوت | لِلْكَافِرِينَ | ۴۵۴۶ |
| ۶۹ | عنکبوت | جَاهِدُوا | ۴۵۴۷ |
| ۷ | روم | ظَاهِرًا | ۴۵۴۸ |
| ۷ | روم | الْحَيَوَةُ | ۴۵۴۹ |
| ۷ | روم | غُفْلُونَ | ۴۵۵۰ |
| ۸ | روم | السَّمَوَاتِ | ۴۵۵۱ |
| ۸ | روم | بِلِقَاءِ | ۴۵۵۲ |
| ۸ | روم | لِكَافِرُونَ | ۴۵۵۳ |
| ۹ | روم | عَاقِبَةُ | ۴۵۵۴ |
| ۹ | روم | بِالْبَيِّنَاتِ | ۴۵۵۵ |
| ۱۰ | روم | عَاقِبَةً | ۴۵۵۶ |
| ۱۰ | روم | أَسَاءُوا | ۴۵۵۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۱۰ | روم | السَّوَاىَ | ۴۵۵۸ |
| ۱۰ | روم | بِغَايَةِ | ۴۵۵۹ |
| ۱۰ | روم | يَسْتَهْزِءُونَ | ۴۵۶۰ |
| ۱۱ | روم | يَبْدُؤُا | ۴۵۶۱ |
| ۱۳ | روم | شُفَعَا | ۴۵۶۲ |
| ۱۳ | روم | كَافِرِينَ | ۴۵۶۳ |
| ۱۵ | روم | الصَّالِحَاتِ | ۴۵۶۴ |
| ۱۶ | روم | بِغَايَتِنَا | ۴۵۶۵ |
| ۱۶ | روم | لِقَاءِ | ۴۵۶۶ |
| ۱۷ | روم | فَسُبْحَنَّ | ۴۵۶۷ |
| ۱۸ | روم | السَّمَوَاتِ | ۴۵۶۸ |
| ۱۹ | روم | يُحْيِ | ۴۵۶۹ |
| ۲۰ | روم | ءَايَاتِهِ | ۴۵۷۰ |
| ۲۱ | روم | ءَايَاتِهِ | ۴۵۷۱ |
| ۲۱ | روم | أَزْوَاجًا | ۴۵۷۲ |
| ۲۱ | روم | لَّآئِي | ۴۵۷۳ |
| ۲۲ | روم | ءَايَاتِهِ | ۴۵۷۴ |
| ۲۲ | روم | السَّمَوَاتِ | ۴۵۷۵ |
| ۲۲ | روم | اِخْتِلَافُ | ۴۵۷۶ |
| ۲۲ | روم | أَلْوَانِكُمْ | ۴۵۷۷ |
| ۲۲ | روم | لَّآئِي | ۴۵۷۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۲۲ | روم | لِّلْعَالَمِينَ | ۴۵۷۹ |
| ۲۳ | روم | ءَايَاتِهِ | ۴۵۸۰ |
| ۲۳ | روم | لَّآيَاتٍ | ۴۵۸۱ |
| ۲۴ | روم | ءَايَاتِهِ | ۴۵۸۲ |
| ۲۴ | روم | فِيْهِۦ | ۴۵۸۳ |
| ۲۴ | روم | لَّآيَاتٍ | ۴۵۸۴ |
| ۲۵ | روم | ءَايَاتِهِ | ۴۵۸۵ |
| ۲۶ | روم | السَّمَوَاتِ | ۴۵۸۶ |
| ۲۶ | روم | قَنَتُونَ | ۴۵۸۷ |
| ۲۷ | روم | يَبْدُؤُا | ۴۵۸۸ |
| ۲۷ | روم | السَّمَوَاتِ | ۴۵۸۹ |
| ۲۸ | روم | أَيُّكُمْ | ۴۵۹۰ |
| ۲۸ | روم | رَزَقْنَكُمْ | ۴۵۹۱ |
| ۲۸ | روم | الْأَيَاتِ | ۴۵۹۲ |
| ۲۹ | روم | نُصْرِينَ | ۴۵۹۳ |
| ۳۰ | روم | فِطْرَتَ | ۴۵۹۴ |
| ۳۱ | روم | الصَّلَاةَ | ۴۵۹۵ |
| ۳۴ | روم | ءَاتَيْنَهُمْ | ۴۵۹۶ |
| ۳۵ | روم | سُلْطٰنًا | ۴۵۹۷ |
| ۳۷ | روم | لَّآيَاتٍ | ۴۵۹۸ |
| ۳۹ | روم | أَمْوَالِ | ۴۵۹۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----------------|------|-----------|------|
| زَكَاةٍ | روم | ۳۹ | ۴۶۰۰ |
| سُبْحَانَهُ | روم | ۴۰ | ۴۶۰۱ |
| تَعَالَى | روم | ۴۰ | ۴۶۰۲ |
| عَاقِبَةُ | روم | ۴۲ | ۴۶۰۳ |
| صَالِحًا | روم | ۴۴ | ۴۶۰۴ |
| الصَّالِحَاتِ | روم | ۴۵ | ۴۶۰۵ |
| الْكَافِرِينَ | روم | ۴۵ | ۴۶۰۶ |
| آيَاتِهِ | روم | ۴۶ | ۴۶۰۷ |
| مُبَشِّرَاتٍ | روم | ۴۶ | ۴۶۰۸ |
| فَجَاءَهُمْ | روم | ۴۷ | ۴۶۰۹ |
| بِالْبَيِّنَاتِ | روم | ۴۷ | ۴۶۱۰ |
| الرَّيْحِ | روم | ۴۸ | ۴۶۱۱ |
| خِلَالِهِ | روم | ۴۸ | ۴۶۱۲ |
| ءَاثِرٍ | روم | ۵۰ | ۴۶۱۳ |
| رَحْمَتٍ | روم | ۵۰ | ۴۶۱۴ |
| يُحْيِي | روم | ۵۰ | ۴۶۱۵ |
| لَمْحِي | روم | ۵۰ | ۴۶۱۶ |
| يَهْدِي | روم | ۵۳ | ۴۶۱۷ |
| صَلَّلْتَهُمْ | روم | ۵۳ | ۴۶۱۸ |
| بِعَايَتِنَا | روم | ۵۳ | ۴۶۱۹ |
| الْإِيمَانَ | روم | ۵۶ | ۴۶۲۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۵۶ | روم | کِتَبِ | ۴۶۲۱ |
| ۲ | لقمان | ءَايَتْ | ۴۶۲۲ |
| ۲ | لقمان | الکِتَبِ | ۴۶۲۳ |
| ۴ | لقمان | الصَّلَاةَ | ۴۶۲۴ |
| ۴ | لقمان | الزَّكَاةَ | ۴۶۲۵ |
| ۷ | لقمان | ءَايٰتِنَا | ۴۶۲۶ |
| ۸ | لقمان | الصَّلٰحٰتِ | ۴۶۲۷ |
| ۸ | لقمان | جَنَّتْ | ۴۶۲۸ |
| ۹ | لقمان | خٰلِدِيْنَ | ۴۶۲۹ |
| ۱۰ | لقمان | السَّمَوٰتِ | ۴۶۳۰ |
| ۱۰ | لقمان | رَوٰسِيْ | ۴۶۳۱ |
| ۱۱ | لقمان | الظَّٰلِمُوْنَ | ۴۶۳۲ |
| ۱۱ | لقمان | ضَلٰلٍ | ۴۶۳۳ |
| ۱۲ | لقمان | لُقْمٰنَ | ۴۶۳۴ |
| ۱۳ | لقمان | لُقْمٰنُ | ۴۶۳۵ |
| ۱۳ | لقمان | يُبْقٰى | ۴۶۳۶ |
| ۱۴ | لقمان | الْاِنْسَانَ | ۴۶۳۷ |
| ۱۴ | لقمان | بِوَالِدَيْهِ | ۴۶۳۸ |
| ۱۴ | لقمان | فِصْلُهُ | ۴۶۳۹ |
| ۱۴ | لقمان | لِوَالِدَيْكَ | ۴۶۴۰ |
| ۱۵ | لقمان | جَاهِدَاكَ | ۴۶۴۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|--------------|------|
| ۱۶ | لقمان | يُبَقِّ | ۴۶۴۲ |
| ۱۶ | لقمان | السَّمَوَاتِ | ۴۶۴۳ |
| ۱۷ | لقمان | يُبَقِّ | ۴۶۴۴ |
| ۱۷ | لقمان | الصَّلَاةَ | ۴۶۴۵ |
| ۱۹ | لقمان | الْأَصْوَاتِ | ۴۶۴۶ |
| ۲۰ | لقمان | السَّمَوَاتِ | ۴۶۴۷ |
| ۲۰ | لقمان | ظَاهِرَةً | ۴۶۴۸ |
| ۲۰ | لقمان | يُجَادِلُ | ۴۶۴۹ |
| ۲۰ | لقمان | كِتَبِ | ۴۶۵۰ |
| ۲۱ | لقمان | الشَّيْطَانُ | ۴۶۵۱ |
| ۲۲ | لقمان | عَاقِبَةً | ۴۶۵۲ |
| ۲۵ | لقمان | السَّمَوَاتِ | ۴۶۵۳ |
| ۲۶ | لقمان | السَّمَوَاتِ | ۴۶۵۴ |
| ۲۷ | لقمان | أَقْلَامُ | ۴۶۵۵ |
| ۲۷ | لقمان | كَلِمَتُ | ۴۶۵۶ |
| ۲۸ | لقمان | وَاحِدَةٍ | ۴۶۵۷ |
| ۳۰ | لقمان | الْبَاطِلُ | ۴۶۵۸ |
| ۳۱ | لقمان | ءَايَاتِهِ | ۴۶۵۹ |
| ۳۱ | لقمان | لَايَةٍ | ۴۶۶۰ |
| ۳۲ | لقمان | نَجَّاهُمْ | ۴۶۶۱ |
| ۳۲ | لقمان | بِأَيَّتِنَا | ۴۶۶۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۳۳ | لقمان | يَا أَيُّهَا | ۴۶۶۳ |
| ۳۳ | لقمان | شَيْئًا | ۴۶۶۴ |
| ۳۳ | لقمان | الْحَيَوَةُ | ۴۶۶۵ |
| ۲ | سجده | الْكِتَابِ | ۴۶۶۶ |
| ۲ | سجده | الْعَالَمِينَ | ۴۶۶۷ |
| ۳ | سجده | افْتَرَاهُ | ۴۶۶۸ |
| ۳ | سجده | آتَاهُمْ | ۴۶۶۹ |
| ۴ | سجده | السَّمَوَاتِ | ۴۶۷۰ |
| ۶ | سجده | عَالِمٍ | ۴۶۷۱ |
| ۶ | سجده | الشَّهَادَةِ | ۴۶۷۲ |
| ۷ | سجده | الْإِنْسَانِ | ۴۶۷۳ |
| ۸ | سجده | سُلَالَةٍ | ۴۶۷۴ |
| ۹ | سجده | سَوْنُهُ | ۴۶۷۵ |
| ۹ | سجده | الْأَبْصَارِ | ۴۶۷۶ |
| ۹ | سجده | الْأَفْعِدَةِ | ۴۶۷۷ |
| ۱۰ | سجده | أَعِذَا | ۴۶۷۸ |
| ۱۰ | سجده | أَعِنَّا | ۴۶۷۹ |
| ۱۰ | سجده | كَفِرُونَ | ۴۶۸۰ |
| ۱۱ | سجده | يَتَوَفَّنُكُمْ | ۴۶۸۱ |
| ۱۲ | سجده | رُءُوسِهِمْ | ۴۶۸۲ |
| ۱۲ | سجده | صَلِحًا | ۴۶۸۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱۳ | سجده | هُدًىهَا | ۴۶۸۴ |
| ۱۴ | سجده | نَسِينُكُمْ | ۴۶۸۵ |
| ۱۵ | سجده | بِأَيَّتِنَا | ۴۶۸۶ |
| ۱۶ | سجده | رَزَقْنَاهُمْ | ۴۶۸۷ |
| ۱۸ | سجده | لَا يَسْتَوُونَ | ۴۶۸۸ |
| ۱۹ | سجده | الصَّالِحَاتِ | ۴۶۸۹ |
| ۱۹ | سجده | جَنَّتْ | ۴۶۹۰ |
| ۲۰ | سجده | فَمَا وَهُمْ | ۴۶۹۱ |
| ۲۲ | سجده | بِأَيَّتِ | ۴۶۹۲ |
| ۲۳ | سجده | الْكِتَابِ | ۴۶۹۳ |
| ۲۳ | سجده | جَعَلْنَاهُ | ۴۶۹۴ |
| ۲۳ | سجده | إِسْرَآءِيلَ | ۴۶۹۵ |
| ۲۴ | سجده | بِأَيَّتِنَا | ۴۶۹۶ |
| ۲۵ | سجده | الْقِيَمَةِ | ۴۶۹۷ |
| ۲۶ | سجده | مَسْكِينِهِمْ | ۴۶۹۸ |
| ۲۶ | سجده | لَايَتٍ | ۴۶۹۹ |
| ۲۷ | سجده | أَنْعَامُهُمْ | ۴۷۰۰ |
| ۲۸ | سجده | صَادِقِينَ | ۴۷۰۱ |
| ۲۹ | سجده | إِيمَانُهُمْ | ۴۷۰۲ |
| ۱ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۷۰۳ |
| ۱ | احزاب | الْكَافِرِينَ | ۴۷۰۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱ | احزاب | الْمُنْفِقِينَ | ۴۷۰۵ |
| ۴ | احزاب | أَزْوَاجَكُمْ | ۴۷۰۶ |
| ۴ | احزاب | الَّتِي | ۴۷۰۷ |
| ۴ | احزاب | تُظَاهِرُونَ | ۴۷۰۸ |
| ۴ | احزاب | أُمَّهَاتِكُمْ | ۴۷۰۹ |
| ۴ | احزاب | بِأَفْوَهِكُمْ | ۴۷۱۰ |
| ۵ | احزاب | فَأَخْوَانَكُمْ | ۴۷۱۱ |
| ۵ | احزاب | مَوْلِيَكُمْ | ۴۷۱۲ |
| ۶ | احزاب | أَزْوَاجَهُ | ۴۷۱۳ |
| ۶ | احزاب | أُمَّهَاتِهِمْ | ۴۷۱۴ |
| ۶ | احزاب | كِتَبِ | ۴۷۱۵ |
| ۶ | احزاب | الْمُهَاجِرِينَ | ۴۷۱۶ |
| ۶ | احزاب | الْكِتَابِ | ۴۷۱۷ |
| ۷ | احزاب | النَّبِيِّينَ | ۴۷۱۸ |
| ۷ | احزاب | مِثَاقَهُمْ | ۴۷۱۹ |
| ۷ | احزاب | إِبْرَاهِيمَ | ۴۷۲۰ |
| ۷ | احزاب | مِثَاقًا | ۴۷۲۱ |
| ۸ | احزاب | لَيَسْأَلَ | ۴۷۲۲ |
| ۸ | احزاب | الصَّادِقِينَ | ۴۷۲۳ |
| ۸ | احزاب | لِلْكَافِرِينَ | ۴۷۲۴ |
| ۹ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۷۲۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱۰ | احزاب | جَاءُوكُمْ | ۴۷۲۶ |
| ۱۰ | احزاب | الْأَبْصَارُ | ۴۷۲۷ |
| ۱۲ | احزاب | الْمُتَّفِقُونَ | ۴۷۲۸ |
| ۱۳ | احزاب | يَاْأَهْلَ | ۴۷۲۹ |
| ۱۳ | احزاب | يَسْتَأْذِنُ | ۴۷۳۰ |
| ۱۵ | احزاب | عَاهِدُوا | ۴۷۳۱ |
| ۱۵ | احزاب | الْأَدْبَارَ | ۴۷۳۲ |
| ۱۵ | احزاب | مَسْئُولًا | ۴۷۳۳ |
| ۱۸ | احزاب | لِإِخْوَانِهِمْ | ۴۷۳۴ |
| ۱۹ | احزاب | أَعْمَاهُمْ | ۴۷۳۵ |
| ۲۰ | احزاب | يَسْأَلُونَ | ۴۷۳۶ |
| ۲۰ | احزاب | قَاتَلُوا | ۴۷۳۷ |
| ۲۲ | احزاب | رَاءَ | ۴۷۳۸ |
| ۲۲ | احزاب | إِيْمَانًا | ۴۷۳۹ |
| ۲۳ | احزاب | عَاهِدُوا | ۴۷۴۰ |
| ۲۴ | احزاب | الصُّدِّيقِينَ | ۴۷۴۱ |
| ۲۴ | احزاب | الْمُنْفِقِينَ | ۴۷۴۲ |
| ۲۶ | احزاب | ظَاهِرُوهُمْ | ۴۷۴۳ |
| ۲۶ | احزاب | الْكُتُبِ | ۴۷۴۴ |
| ۲۷ | احزاب | دِيَارَهُمْ | ۴۷۴۵ |
| ۲۷ | احزاب | أَمْوَالَهُمْ | ۴۷۴۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۲۷ | احزاب | تَطْعُوهَا | ۴۷۴۷ |
| ۲۸ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۷۴۸ |
| ۲۸ | احزاب | لِأَزْوَاجِكَ | ۴۷۴۹ |
| ۲۸ | احزاب | الْحَيَاةَ | ۴۷۵۰ |
| ۲۹ | احزاب | لِلْمُحْسِنَاتِ | ۴۷۵۱ |
| ۳۰ | احزاب | يُنِسَاءَ | ۴۷۵۲ |
| ۳۰ | احزاب | بِفَاحِشَةٍ | ۴۷۵۳ |
| ۳۰ | احزاب | يُضْعَفُ | ۴۷۵۴ |
| ۳۱ | احزاب | صَلِحًا | ۴۷۵۵ |
| ۳۲ | احزاب | يُنِسَاءَ | ۴۷۵۶ |
| ۳۳ | احزاب | الْجَاهِلِيَّةِ | ۴۷۵۷ |
| ۳۳ | احزاب | الصَّلَاةَ | ۴۷۵۸ |
| ۳۳ | احزاب | الزَّكَاةَ | ۴۷۵۹ |
| ۳۴ | احزاب | ءَايَاتِ | ۴۷۶۰ |
| ۳۵ | احزاب | الْمُسْلِمَاتِ | ۴۷۶۱ |
| ۳۵ | احزاب | الْمُؤْمِنَاتِ | ۴۷۶۲ |
| ۳۵ | احزاب | الْقَنَاتِ | ۴۷۶۳ |
| ۳۵ | احزاب | الْقَنَاتِ | ۴۷۶۴ |
| ۳۵ | احزاب | الصَّادِقِينَ | ۴۷۶۵ |
| ۳۵ | احزاب | الْصِّدِّيقَاتِ | ۴۷۶۶ |
| ۳۵ | احزاب | الصَّابِرِينَ | ۴۷۶۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|--------------------|------|
| ۳۵ | احزاب | الصَّابِرَاتِ | ۴۷۶۸ |
| ۳۵ | احزاب | الْخٰشِعٰتِ | ۴۷۶۹ |
| ۳۵ | احزاب | الْخٰشِعَاتِ | ۴۷۷۰ |
| ۳۵ | احزاب | الْمُتَّصِدِّقَاتِ | ۴۷۷۱ |
| ۳۵ | احزاب | الصَّائِمَاتِ | ۴۷۷۲ |
| ۳۵ | احزاب | الصَّائِمَاتِ | ۴۷۷۳ |
| ۳۵ | احزاب | الْحٰفِظٰتِ | ۴۷۷۴ |
| ۳۵ | احزاب | الْحٰفِظَاتِ | ۴۷۷۵ |
| ۳۵ | احزاب | الذَّكِرٰتِ | ۴۷۷۶ |
| ۳۵ | احزاب | الذَّكِرَاتِ | ۴۷۷۷ |
| ۳۶ | احزاب | ضَلَّالًا | ۴۷۷۸ |
| ۳۷ | احزاب | تَخَشُّهُ | ۴۷۷۹ |
| ۳۷ | احزاب | زَوَّجْنٰهَا | ۴۷۸۰ |
| ۳۷ | احزاب | اَزْوَاجِ | ۴۷۸۱ |
| ۳۹ | احزاب | رَسَلْتُ | ۴۷۸۲ |
| ۴۰ | احزاب | النَّبِیِّیْنَ | ۴۷۸۳ |
| ۴۱ | احزاب | یَٰٓأَیُّهَا | ۴۷۸۴ |
| ۴۳ | احزاب | مَلَآئِكُتْهُ | ۴۷۸۵ |
| ۴۳ | احزاب | الظُّلُمَاتِ | ۴۷۸۶ |
| ۴۴ | احزاب | سَلَامٌ | ۴۷۸۷ |
| ۴۵ | احزاب | یَٰٓأَیُّهَا | ۴۷۸۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۴۵ | احزاب | أَرْسَلْنَاكَ | ۴۷۸۹ |
| ۴۵ | احزاب | شَاهِدًا | ۴۷۹۰ |
| ۴۸ | احزاب | الْكٰفِرِيْنَ | ۴۷۹۱ |
| ۴۸ | احزاب | الْمُنْفِقِيْنَ | ۴۷۹۲ |
| ۴۸ | احزاب | أَذْنُهُمْ | ۴۷۹۳ |
| ۴۹ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۷۹۴ |
| ۴۹ | احزاب | الْمُؤْمِنَاتِ | ۴۷۹۵ |
| ۵۰ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۷۹۶ |
| ۵۰ | احزاب | أَزْوَاجَكَ | ۴۷۹۷ |
| ۵۰ | احزاب | عَمَلَتِكَ | ۴۷۹۸ |
| ۵۰ | احزاب | خَلَلَتِكَ | ۴۷۹۹ |
| ۵۰ | احزاب | أَزْوَاجِهِمْ | ۴۸۰۰ |
| ۵۰ | احزاب | أَيْمَانُهُمْ | ۴۸۰۱ |
| ۵۱ | احزاب | تُؤْوَى | ۴۸۰۲ |
| ۵۲ | احزاب | أَزْوَاجِ | ۴۸۰۳ |
| ۵۳ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۸۰۴ |
| ۵۳ | احزاب | نُظَرِينَ | ۴۸۰۵ |
| ۵۳ | احزاب | إِنَّهُ | ۴۸۰۶ |
| ۵۳ | احزاب | مُسْتَعْسِينَ | ۴۸۰۷ |
| ۵۳ | احزاب | فَيَسْتَحْيَءُ | ۴۸۰۸ |
| ۵۳ | احزاب | يَسْتَحْيَءُ | ۴۸۰۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۵۳ | احزاب | مَتَاعًا | ۴۸۱۰ |
| ۵۳ | احزاب | فَسْأَلُوهُمْ | ۴۸۱۱ |
| ۵۳ | احزاب | أَزْوَاجَهُ | ۴۸۱۲ |
| ۵۴ | احزاب | شَيْئًا | ۴۸۱۳ |
| ۵۵ | احزاب | إِخْوَانِهِنَّ | ۴۸۱۴ |
| ۵۵ | احزاب | إِخْوَانِهِنَّ | ۴۸۱۵ |
| ۵۵ | احزاب | أَخَوَاتِهِنَّ | ۴۸۱۶ |
| ۵۵ | احزاب | أَيْمُهُنَّ | ۴۸۱۷ |
| ۵۶ | احزاب | مَلَائِكَتُهُ | ۴۸۱۸ |
| ۵۶ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۸۱۹ |
| ۵۸ | احزاب | الْمُؤْمِنَاتِ | ۴۸۲۰ |
| ۵۸ | احزاب | بِهِتَانًا | ۴۸۲۱ |
| ۵۹ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۸۲۲ |
| ۵۹ | احزاب | لِأَزْوَاجِكَ | ۴۸۲۳ |
| ۵۹ | احزاب | جَلَابِيبِهِنَّ | ۴۸۲۴ |
| ۶۰ | احزاب | الْمُنْفِقُونَ | ۴۸۲۵ |
| ۶۳ | احزاب | يَسْأَلُكَ | ۴۸۲۶ |
| ۶۴ | احزاب | الْكَاذِبِينَ | ۴۸۲۷ |
| ۶۵ | احزاب | خُلْدِينَ | ۴۸۲۸ |
| ۶۶ | احزاب | يَلَيِّنَا | ۴۸۲۹ |
| ۶۹ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۸۳۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۷۰ | احزاب | يَا أَيُّهَا | ۴۸۳۱ |
| ۷۱ | احزاب | أَعْمَالِكُمْ | ۴۸۳۲ |
| ۷۲ | احزاب | السَّمَوَاتِ | ۴۸۳۳ |
| ۷۲ | احزاب | الْإِنْسَانُ | ۴۸۳۴ |
| ۷۳ | احزاب | الْمُنْفِقِينَ | ۴۸۳۵ |
| ۷۳ | احزاب | الْمُنْفِقَاتِ | ۴۸۳۶ |
| ۷۳ | احزاب | الْمُشْرِكَاتِ | ۴۸۳۷ |
| ۷۳ | احزاب | الْمُؤْمِنَاتِ | ۴۸۳۸ |
| ۱ | سبأ | السَّمَوَاتِ | ۴۸۳۹ |
| ۳ | سبأ | عَالِمِ | ۴۸۴۰ |
| ۳ | سبأ | السَّمَوَاتِ | ۴۸۴۱ |
| ۳ | سبأ | كِتَابِ | ۴۸۴۲ |
| ۴ | سبأ | الصَّلَاحَاتِ | ۴۸۴۳ |
| ۵ | سبأ | ءَايَاتِنَا | ۴۸۴۴ |
| ۵ | سبأ | مُعْجِزِينَ | ۴۸۴۵ |
| ۶ | سبأ | صِرَاطِ | ۴۸۴۶ |
| ۸ | سبأ | الضَّلَلِ | ۴۸۴۷ |
| ۱۰ | سبأ | دَاوُدَ | ۴۸۴۸ |
| ۱۰ | سبأ | يُجِبَالُ | ۴۸۴۹ |
| ۱۱ | سبأ | سُبُغَاتِ | ۴۸۵۰ |
| ۱۱ | سبأ | صَلِحًا | ۴۸۵۱ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|------------------|
| ٤٨٥٢ | سبأ | ١٢ | لِسُلَيْمَانَ |
| ٤٨٥٣ | سبأ | ١٣ | مَحَارِيبَ |
| ٤٨٥٤ | سبأ | ١٣ | تَمَائِيلَ |
| ٤٨٥٥ | سبأ | ١٣ | رَاسِيَتِ |
| ٤٨٥٦ | سبأ | ١٣ | دَاوُدَ |
| ٤٨٥٧ | سبأ | ١٦ | بَدَّلْنَاهُمْ |
| ٤٨٥٨ | سبأ | ١٧ | جَزَيْنَاهُمْ |
| ٤٨٥٩ | سبأ | ١٧ | نُجْزَى |
| ٤٨٦٠ | سبأ | ١٨ | بَرَكْنَا |
| ٤٨٦١ | سبأ | ١٨ | ظَاهِرَةً |
| ٤٨٦٢ | سبأ | ١٩ | بَعْدَ |
| ٤٨٦٣ | سبأ | ١٩ | فَجَعَلْنَاهُمْ |
| ٤٨٦٤ | سبأ | ١٩ | مَرَّقْنَاهُمْ |
| ٤٨٦٥ | سبأ | ١٩ | لَأَيَّتِ |
| ٤٨٦٦ | سبأ | ٢١ | سُلْطٰنٍ |
| ٤٨٦٧ | سبأ | ٢٢ | السَّمَوَاتِ |
| ٤٨٦٨ | سبأ | ٢٣ | الشَّفَعَةُ |
| ٤٨٦٩ | سبأ | ٢٤ | السَّمَوَاتِ |
| ٤٨٧٠ | سبأ | ٢٤ | ضَلَّلِ |
| ٤٨٧١ | سبأ | ٢٥ | لَا تُسْأَلُونَ |
| ٤٨٧٢ | سبأ | ٢٥ | لَا نُسْأَلُ |

| سُورَةُ | سوره | آیه | رسم کلمات |
|---------|------|-----|---------------------|
| ٤٨٧٣ | سبأ | ٢٨ | أَرْسَلْنَاكَ |
| ٤٨٧٤ | سبأ | ٢٩ | صٰدِقِيْنَ |
| ٤٨٧٥ | سبأ | ٣٠ | لَا تَسْتَأْخِرُونَ |
| ٤٨٧٦ | سبأ | ٣١ | الظَّالِمُونَ |
| ٤٨٧٧ | سبأ | ٣٢ | صَدَدْنٰكُمْ |
| ٤٨٧٨ | سبأ | ٣٣ | الْأَغْلَلِ |
| ٤٨٧٩ | سبأ | ٣٤ | كَفِرُونَ |
| ٤٨٨٠ | سبأ | ٣٥ | أَمْوَالًا |
| ٤٨٨١ | سبأ | ٣٥ | أَوْلَادًا |
| ٤٨٨٢ | سبأ | ٣٧ | أَمْوَالِكُمْ |
| ٤٨٨٣ | سبأ | ٣٧ | أَوْلَادُكُمْ |
| ٤٨٨٤ | سبأ | ٣٧ | صٰلِحًا |
| ٤٨٨٥ | سبأ | ٣٧ | الْعُرْفِ |
| ٤٨٨٦ | سبأ | ٣٨ | ءَايٰتِنَا |
| ٤٨٨٧ | سبأ | ٣٨ | مُعْجِزِينَ |
| ٤٨٨٨ | سبأ | ٣٩ | الرُّزْقِينَ |
| ٤٨٨٩ | سبأ | ٤٠ | لِلْمَلَائِكَةِ |
| ٤٨٩٠ | سبأ | ٤١ | سُبْحٰنَكَ |
| ٤٨٩١ | سبأ | ٤٣ | ءَايٰتِنَا |
| ٤٨٩٢ | سبأ | ٤٣ | بَيِّنَاتٍ |
| ٤٨٩٣ | سبأ | ٤٤ | ءَاتَيْنٰهُمْ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|----------------|------|
| سبأ | ۴۵ | ءَاتَيْنَهُمْ | ۴۸۹۴ |
| سبأ | ۴۶ | بِوَاحِدَةٍ | ۴۸۹۵ |
| سبأ | ۴۶ | فُرَادَىٰ | ۴۸۹۶ |
| سبأ | ۴۸ | عَلَّامٌ | ۴۸۹۷ |
| سبأ | ۴۹ | الْبَاطِلُ | ۴۸۹۸ |
| فاطر | ۱ | السَّمَوَاتِ | ۴۸۹۹ |
| فاطر | ۱ | الْمَلَائِكَةِ | ۴۹۰۰ |
| فاطر | ۱ | ثُلُثَ | ۴۹۰۱ |
| فاطر | ۱ | رُبْعَ | ۴۹۰۲ |
| فاطر | ۳ | يَا أَيُّهَا | ۴۹۰۳ |
| فاطر | ۳ | خَالِقِ | ۴۹۰۴ |
| فاطر | ۵ | يَا أَيُّهَا | ۴۹۰۵ |
| فاطر | ۵ | الْحَيَوٰةُ | ۴۹۰۶ |
| فاطر | ۶ | الشَّيْطٰنَ | ۴۹۰۷ |
| فاطر | ۶ | أَصْحٰبِ | ۴۹۰۸ |
| فاطر | ۷ | الصَّٰلِحٰتِ | ۴۹۰۹ |
| فاطر | ۸ | حَسَرٰتِ | ۴۹۱۰ |
| فاطر | ۹ | الرَّيْحِ | ۴۹۱۱ |
| فاطر | ۹ | فَسَّقْنَهُ | ۴۹۱۲ |
| فاطر | ۱۰ | الصَّٰلِحِ | ۴۹۱۳ |
| فاطر | ۱۰ | السَّيِّئٰتِ | ۴۹۱۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۱۱ | فاطر | أَزْوَاجًا | ۴۹۱۵ |
| ۱۱ | فاطر | كِتَبٍ | ۴۹۱۶ |
| ۱۴ | فاطر | الْقِيَمَةِ | ۴۹۱۷ |
| ۱۵ | فاطر | يَا أَيُّهَا | ۴۹۱۸ |
| ۱۸ | فاطر | الصَّلَاةَ | ۴۹۱۹ |
| ۲۰ | فاطر | الظُّلُمَاتِ | ۴۹۲۰ |
| ۲۲ | فاطر | الْأَمْوَاتِ | ۴۹۲۱ |
| ۲۴ | فاطر | أَرْسَلْنَاكَ | ۴۹۲۲ |
| ۲۵ | فاطر | بِالْبَيِّنَاتِ | ۴۹۲۳ |
| ۲۵ | فاطر | بِالْكِتَابِ | ۴۹۲۴ |
| ۲۷ | فاطر | ثَمَرَاتِ | ۴۹۲۵ |
| ۲۷ | فاطر | أَلْوَانِهَا | ۴۹۲۶ |
| ۲۷ | فاطر | أَلْوَانِهَا | ۴۹۲۷ |
| ۲۸ | فاطر | الْأَنْعَامِ | ۴۹۲۸ |
| ۲۸ | فاطر | أَلْوَانِهِ | ۴۹۲۹ |
| ۲۸ | فاطر | الْعُلَمَاءُ | ۴۹۳۰ |
| ۲۹ | فاطر | كِتَابِ | ۴۹۳۱ |
| ۲۹ | فاطر | الصَّلَاةَ | ۴۹۳۲ |
| ۲۹ | فاطر | رَزَقْنَاهُمْ | ۴۹۳۳ |
| ۲۹ | فاطر | تِجَارَةً | ۴۹۳۴ |
| ۳۱ | فاطر | الْكِتَابِ | ۴۹۳۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۳۲ | فاطر | الکِتَبِ | ۴۹۳۶ |
| ۳۲ | فاطر | بِالْخَيْرَاتِ | ۴۹۳۷ |
| ۳۳ | فاطر | جَنَّتْ | ۴۹۳۸ |
| ۳۷ | فاطر | صَلِحًا | ۴۹۳۹ |
| ۳۷ | فاطر | لِلظَّالِمِينَ | ۴۹۴۰ |
| ۳۸ | فاطر | عَالِمٌ | ۴۹۴۱ |
| ۳۸ | فاطر | السَّمَوَاتِ | ۴۹۴۲ |
| ۳۹ | فاطر | خَلِّفَ | ۴۹۴۳ |
| ۳۹ | فاطر | الْكَافِرِينَ | ۴۹۴۴ |
| ۳۹ | فاطر | الْكَافِرِينَ | ۴۹۴۵ |
| ۴۰ | فاطر | أَرْءَيْتُمْ | ۴۹۴۶ |
| ۴۰ | فاطر | السَّمَوَاتِ | ۴۹۴۷ |
| ۴۰ | فاطر | ءَاتَيْنَاهُمْ | ۴۹۴۸ |
| ۴۰ | فاطر | كِتَابًا | ۴۹۴۹ |
| ۴۰ | فاطر | بَيَّنَّتْ | ۴۹۵۰ |
| ۴۰ | فاطر | الظَّالِمُونَ | ۴۹۵۱ |
| ۴۱ | فاطر | السَّمَوَاتِ | ۴۹۵۲ |
| ۴۲ | فاطر | أَيْمَنِهِمْ | ۴۹۵۳ |
| ۴۴ | فاطر | عَاقِبَةُ | ۴۹۵۴ |
| ۴۴ | فاطر | السَّمَوَاتِ | ۴۹۵۵ |
| ۴ | يس | صِرَاطِ | ۴۹۵۶ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|-------------------|
| ٤٩٥٧ | يس | ٦ | غُفِلُونَ |
| ٤٩٥٨ | يس | ٨ | أَعْنَقِيهِمْ |
| ٤٩٥٩ | يس | ٨ | أَغْلَلَا |
| ٤٩٦٠ | يس | ٩ | فَأَغْشَيْنَاهُمْ |
| ٤٩٦١ | يس | ١٠ | ءَاَنْذَرْتَهُمْ |
| ٤٩٦٢ | يس | ١٢ | نُحِي |
| ٤٩٦٣ | يس | ١٢ | ءَاثَارَهُمْ |
| ٤٩٦٤ | يس | ١٢ | أَحْصَيْنَاهُ |
| ٤٩٦٥ | يس | ١٣ | أَصْحَابَ |
| ٤٩٦٦ | يس | ١٧ | الْبَلُغُ |
| ٤٩٦٧ | يس | ١٩ | طَاوَرُكُمْ |
| ٤٩٦٨ | يس | ١٩ | أَيْنَ |
| ٤٩٦٩ | يس | ٢٠ | يَقُومُ |
| ٤٩٧٠ | يس | ٢١ | لَا يَسْأَلُكُمْ |
| ٤٩٧١ | يس | ٢٣ | ءَاتَّخِذُ |
| ٤٩٧٢ | يس | ٢٣ | شَفَاعَتُهُمْ |
| ٤٩٧٣ | يس | ٢٣ | شَيْئًا |
| ٤٩٧٤ | يس | ٢٤ | ضَلَّلِ |
| ٤٩٧٥ | يس | ٢٦ | يَلَيْتَ |
| ٤٩٧٦ | يس | ٢٩ | وَاحِدَةً |
| ٤٩٧٧ | يس | ٢٩ | خُمِدُونَ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۳۰ | یس | يُحَسِّرَةً | ۴۹۷۸ |
| ۳۰ | یس | يَسْتَهْزِءُونَ | ۴۹۷۹ |
| ۳۳ | یس | أَحْيَيْنَهَا | ۴۹۸۰ |
| ۳۴ | یس | جَنَّتْ | ۴۹۸۱ |
| ۳۴ | یس | أَعْنَابٍ | ۴۹۸۲ |
| ۳۶ | یس | سُبْحَنَ | ۴۹۸۳ |
| ۳۶ | یس | الْأَزْوَاجِ | ۴۹۸۴ |
| ۳۹ | یس | قَدَّرْنَاهُ | ۴۹۸۵ |
| ۴۴ | یس | مَتَاعًا | ۴۹۸۶ |
| ۴۶ | یس | ءَايَاتِ | ۴۹۸۷ |
| ۴۷ | یس | ضَلَّلِ | ۴۹۸۸ |
| ۴۸ | یس | صَادِقِينَ | ۴۹۸۹ |
| ۴۹ | یس | وَاحِدَةً | ۴۹۹۰ |
| ۵۲ | یس | يُؤَيِّلَنَا | ۴۹۹۱ |
| ۵۳ | یس | وَاحِدَةً | ۴۹۹۲ |
| ۵۴ | یس | شَيْئًا | ۴۹۹۳ |
| ۵۵ | یس | أَصْحَابَ | ۴۹۹۴ |
| ۵۵ | یس | فَكِهِونَ | ۴۹۹۵ |
| ۵۶ | یس | أَزْوَاجُهُمْ | ۴۹۹۶ |
| ۵۶ | یس | ظَلَّلِ | ۴۹۹۷ |
| ۵۶ | یس | مُتَّكِوْنَ | ۴۹۹۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۵۷ | یس | فَاكِهَةٌ | ۴۹۹۹ |
| ۵۸ | یس | سَلَمٌ | ۵۰۰۰ |
| ۵۹ | یس | امْتَاٰزُوا | ۵۰۰۱ |
| ۶۰ | یس | يَبْنٰی | ۵۰۰۲ |
| ۶۰ | یس | الشَّيْطٰنَ | ۵۰۰۳ |
| ۶۱ | یس | صِرَاطُ | ۵۰۰۴ |
| ۶۵ | یس | اَفْوَٰهِيْهِمْ | ۵۰۰۵ |
| ۶۶ | یس | الصِّرَاطَ | ۵۰۰۶ |
| ۶۷ | یس | لَمَسَخْنٰهُمْ | ۵۰۰۷ |
| ۶۷ | یس | اسْتَطَاعُوا | ۵۰۰۸ |
| ۶۹ | یس | عَمَّنْهُ | ۵۰۰۹ |
| ۷۰ | یس | الْكٰفِرِيْنَ | ۵۰۱۰ |
| ۷۱ | یس | اَنْعَامًا | ۵۰۱۱ |
| ۷۱ | یس | مَلِكُوْنَ | ۵۰۱۲ |
| ۷۲ | یس | ذَلَّلْنٰهَا | ۵۰۱۳ |
| ۷۳ | یس | مَنْاَفِعُ | ۵۰۱۴ |
| ۷۷ | یس | اَلْاِنْسَانُ | ۵۰۱۵ |
| ۷۷ | یس | خَلَقْنٰهُ | ۵۰۱۶ |
| ۷۸ | یس | يُحٰی | ۵۰۱۷ |
| ۷۸ | یس | العِظَامَ | ۵۰۱۸ |
| ۸۱ | یس | السَّمَوٰتِ | ۵۰۱۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۸۱ | یس | بِقَدْرِ | ۵۰۲۰ |
| ۸۱ | یس | الْخَلْقُ | ۵۰۲۱ |
| ۸۲ | یس | شَيْئًا | ۵۰۲۲ |
| ۸۳ | یس | فَسُبْحَنَّ | ۵۰۲۳ |
| ۱ | صافات | الْصِفَّتِ | ۵۰۲۴ |
| ۲ | صافات | فَالزُّجُرَّتِ | ۵۰۲۵ |
| ۳ | صافات | فَالْتَلَّيْتُ | ۵۰۲۶ |
| ۴ | صافات | لَوَاحِدٌ | ۵۰۲۷ |
| ۵ | صافات | السَّمَوَاتِ | ۵۰۲۸ |
| ۵ | صافات | الْمَشَارِقِ | ۵۰۲۹ |
| ۷ | صافات | شَيْطَانِ | ۵۰۳۰ |
| ۱۱ | صافات | خَلَقْنَاهُمْ | ۵۰۳۱ |
| ۱۶ | صافات | أَعِذَا | ۵۰۳۲ |
| ۱۶ | صافات | عِظَامًا | ۵۰۳۳ |
| ۱۶ | صافات | أَعِنَّا | ۵۰۳۴ |
| ۱۸ | صافات | دُخْرُونَ | ۵۰۳۵ |
| ۱۹ | صافات | وَاحِدَةً | ۵۰۳۶ |
| ۲۰ | صافات | يُؤَيِّلَنَا | ۵۰۳۷ |
| ۲۲ | صافات | أَزْوَاجَهُمْ | ۵۰۳۸ |
| ۲۳ | صافات | صِرَاطِ | ۵۰۳۹ |
| ۲۴ | صافات | مَسْئُولُونَ | ۵۰۴۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۳۰ | صافات | سُلْطٰنٍ | ۵۰۴۱ |
| ۳۰ | صافات | طٰغِیْنَ | ۵۰۴۲ |
| ۳۲ | صافات | فَاَغْوٰیۡنَکُمۡ | ۵۰۴۳ |
| ۳۲ | صافات | غَوِیۡنَ | ۵۰۴۴ |
| ۳۶ | صافات | اٰتٰنَا | ۵۰۴۵ |
| ۴۲ | صافات | فَوَاکِهُ | ۵۰۴۶ |
| ۴۳ | صافات | جَنَّتِ | ۵۰۴۷ |
| ۴۴ | صافات | مُتَقَبِّلِیۡنَ | ۵۰۴۸ |
| ۴۶ | صافات | لِلۡشَّرِیۡنَ | ۵۰۴۹ |
| ۴۸ | صافات | قَصِرٰتُ | ۵۰۵۰ |
| ۵۲ | صافات | اَءَنَّاۤکَ | ۵۰۵۱ |
| ۵۳ | صافات | اَءِذَا | ۵۰۵۲ |
| ۵۳ | صافات | عِظَامًا | ۵۰۵۳ |
| ۵۳ | صافات | اَءِنَّا | ۵۰۵۴ |
| ۶۱ | صافات | الْعٰمِلُوۡنَ | ۵۰۵۵ |
| ۶۳ | صافات | جَعَلْنٰهَا | ۵۰۵۶ |
| ۶۳ | صافات | لِلظَّٰلِمِیۡنَ | ۵۰۵۷ |
| ۶۵ | صافات | رُءُوسُ | ۵۰۵۸ |
| ۶۵ | صافات | الشَّیْطٰنِیۡنَ | ۵۰۵۹ |
| ۶۶ | صافات | فَمَالِیۡوَنَ | ۵۰۶۰ |
| ۷۰ | صافات | ءَاثَرِهِمۡ | ۵۰۶۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۷۳ | صافات | عاقِبَةُ | ۵۰۶۲ |
| ۷۵ | صافات | نادانا | ۵۰۶۳ |
| ۷۶ | صافات | نَجَّيْنَهُ | ۵۰۶۴ |
| ۷۹ | صافات | سَلَّمَ | ۵۰۶۵ |
| ۷۹ | صافات | الْعَالَمِينَ | ۵۰۶۶ |
| ۸۳ | صافات | لِابْرَاهِيمَ | ۵۰۶۷ |
| ۸۶ | صافات | أَنفَكَ | ۵۰۶۸ |
| ۸۷ | صافات | الْعَالَمِينَ | ۵۰۶۹ |
| ۹۷ | صافات | بُنْيَانًا | ۵۰۷۰ |
| ۹۸ | صافات | فَجَعَلْنَاهُمْ | ۵۰۷۱ |
| ۱۰۰ | صافات | الصَّالِحِينَ | ۵۰۷۲ |
| ۱۰۱ | صافات | فَبَشِّرْهُ | ۵۰۷۳ |
| ۱۰۱ | صافات | بِغُلَامٍ | ۵۰۷۴ |
| ۱۰۲ | صافات | يُبْقَى | ۵۰۷۵ |
| ۱۰۲ | صافات | يَنَابِتٍ | ۵۰۷۶ |
| ۱۰۲ | صافات | الصَّابِرِينَ | ۵۰۷۷ |
| ۱۰۴ | صافات | نَادَيْنَاهُ | ۵۰۷۸ |
| ۱۰۴ | صافات | يَا اِبْرَاهِيمُ | ۵۰۷۹ |
| ۱۰۵ | صافات | الرُّءْيَا | ۵۰۸۰ |
| ۱۰۶ | صافات | الْبَلَاءِ | ۵۰۸۱ |
| ۱۰۷ | صافات | فَدَيْنَاهُ | ۵۰۸۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱۰۹ | صافات | سَلَّمَ | ۵۰۸۳ |
| ۱۰۹ | صافات | إِبْرَاهِيمَ | ۵۰۸۴ |
| ۱۱۲ | صافات | بَشَّرْنَاهُ | ۵۰۸۵ |
| ۱۱۲ | صافات | يَاسْحَقَ | ۵۰۸۶ |
| ۱۱۲ | صافات | الصَّالِحِينَ | ۵۰۸۷ |
| ۱۱۳ | صافات | بَرَكْنَا | ۵۰۸۸ |
| ۱۱۳ | صافات | إِسْحَاقَ | ۵۰۸۹ |
| ۱۱۴ | صافات | هَارُونَ | ۵۰۹۰ |
| ۱۱۵ | صافات | نَجَّيْنَاهُمَا | ۵۰۹۱ |
| ۱۱۶ | صافات | نَصَرْنَاهُمْ | ۵۰۹۲ |
| ۱۱۶ | صافات | الْغَالِيْنَ | ۵۰۹۳ |
| ۱۱۷ | صافات | ءَاتَيْنَاهُمَا | ۵۰۹۴ |
| ۱۱۷ | صافات | الْكِتَابَ | ۵۰۹۵ |
| ۱۱۸ | صافات | هَدَيْنَاهُمَا | ۵۰۹۶ |
| ۱۱۸ | صافات | الصِّرَاطَ | ۵۰۹۷ |
| ۱۲۰ | صافات | سَلَّمَ | ۵۰۹۸ |
| ۱۲۰ | صافات | هَارُونَ | ۵۰۹۹ |
| ۱۲۵ | صافات | الْخَالِقِينَ | ۵۱۰۰ |
| ۱۳۰ | صافات | سَلَّمَ | ۵۱۰۱ |
| ۱۳۴ | صافات | نَجَّيْنَاهُ | ۵۱۰۲ |
| ۱۳۵ | صافات | الْغَيْرِينَ | ۵۱۰۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|------------------|------|
| ۱۴۵ | صافات | فَنَبَذْنَاهُ | ۵۱۰۴ |
| ۱۴۷ | صافات | أَرْسَلْنَاهُ | ۵۱۰۵ |
| ۱۴۷ | صافات | مِائَةٍ | ۵۱۰۶ |
| ۱۴۸ | صافات | فَمَتَّعْنَاهُمْ | ۵۱۰۷ |
| ۱۵۰ | صافات | الْمَلَأْنِيكَ | ۵۱۰۸ |
| ۱۵۰ | صافات | إِنَاثًا | ۵۱۰۹ |
| ۱۵۰ | صافات | شُهُودَ | ۵۱۱۰ |
| ۱۵۲ | صافات | لَكَذِبُونَ | ۵۱۱۱ |
| ۱۵۶ | صافات | سُلْطٰنٍ | ۵۱۱۲ |
| ۱۵۷ | صافات | بِكِتٰبِكُمْ | ۵۱۱۳ |
| ۱۵۷ | صافات | صٰدِقِينَ | ۵۱۱۴ |
| ۱۵۹ | صافات | سُبْحٰنَ | ۵۱۱۵ |
| ۱۶۲ | صافات | بِفِتْنَيْنِ | ۵۱۱۶ |
| ۱۷۳ | صافات | الْغٰلِبُونَ | ۵۱۱۷ |
| ۱۸۰ | صافات | سُبْحٰنَ | ۵۱۱۸ |
| ۱۸۱ | صافات | سَلٰمٌ | ۵۱۱۹ |
| ۱۸۲ | صافات | الْعٰلَمِينَ | ۵۱۲۰ |
| ۴ | ص | الْكٰفِرُونَ | ۵۱۲۱ |
| ۴ | ص | سِحْرٍ | ۵۱۲۲ |
| ۵ | ص | وَاحِدًا | ۵۱۲۳ |
| ۷ | ص | اِخْتِلَافٌ | ۵۱۲۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۸ | ص | أَنْزَلَ | ۵۱۲۵ |
| ۱۰ | ص | السَّمَوَاتِ | ۵۱۲۶ |
| ۱۰ | ص | الْأَسْبَابِ | ۵۱۲۷ |
| ۱۳ | ص | أَصْحَبُ | ۵۱۲۸ |
| ۱۳ | ص | لَيْكَةِ | ۵۱۲۹ |
| ۱۵ | ص | وَاحِدَةً | ۵۱۳۰ |
| ۱۷ | ص | دَاوُدَ | ۵۱۳۱ |
| ۲۰ | ص | ءَاتَيْنَاهُ | ۵۱۳۲ |
| ۲۱ | ص | آتَاكَ | ۵۱۳۳ |
| ۲۱ | ص | نَبُؤًا | ۵۱۳۴ |
| ۲۲ | ص | دَاوُدَ | ۵۱۳۵ |
| ۲۲ | ص | الصِّرَاطِ | ۵۱۳۶ |
| ۲۳ | ص | وَاحِدَةً | ۵۱۳۷ |
| ۲۴ | ص | الصَّالِحَاتِ | ۵۱۳۸ |
| ۲۴ | ص | دَاوُدُ | ۵۱۳۹ |
| ۲۴ | ص | فَتَنَّهُ | ۵۱۴۰ |
| ۲۶ | ص | يُدَاوُدُ | ۵۱۴۱ |
| ۲۶ | ص | جَعَلْنَاكَ | ۵۱۴۲ |
| ۲۷ | ص | بَاطِلًا | ۵۱۴۳ |
| ۲۸ | ص | الصَّالِحَاتِ | ۵۱۴۴ |
| ۲۹ | ص | كُتِبَ | ۵۱۴۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۲۹ | ص | أَنْزَلْنَاهُ | ۵۱۴۶ |
| ۲۹ | ص | مُبَارَكٌ | ۵۱۴۷ |
| ۲۹ | ص | ءَايَاتِهِ | ۵۱۴۸ |
| ۲۹ | ص | الْأَبَابِ | ۵۱۴۹ |
| ۳۰ | ص | لِدَاوُدَ | ۵۱۵۰ |
| ۳۰ | ص | سُلَيْمَانَ | ۵۱۵۱ |
| ۳۱ | ص | الْصَّفِيفَتِ | ۵۱۵۲ |
| ۳۴ | ص | سُلَيْمَانَ | ۵۱۵۳ |
| ۳۷ | ص | الشَّيْطَانِ | ۵۱۵۴ |
| ۴۱ | ص | الشَّيْطَانُ | ۵۱۵۵ |
| ۴۳ | ص | الْأَبَابِ | ۵۱۵۶ |
| ۴۴ | ص | وَجَدْنَاهُ | ۵۱۵۷ |
| ۴۵ | ص | عِبْدَنَا | ۵۱۵۸ |
| ۴۵ | ص | إِبْرَاهِيمَ | ۵۱۵۹ |
| ۴۵ | ص | إِسْحَاقَ | ۵۱۶۰ |
| ۴۵ | ص | الْأَبْصَارِ | ۵۱۶۱ |
| ۴۶ | ص | أَخْلَصْنَاهُمْ | ۵۱۶۲ |
| ۴۸ | ص | إِسْمَاعِيلَ | ۵۱۶۳ |
| ۵۰ | ص | جَنَّاتِ | ۵۱۶۴ |
| ۵۰ | ص | الْأَبْوَابِ | ۵۱۶۵ |
| ۵۱ | ص | مُتَّكِنِينَ | ۵۱۶۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۵۱ | ص | بِفَاكِهَةٍ | ۵۱۶۷ |
| ۵۲ | ص | قَصِرَتْ | ۵۱۶۸ |
| ۵۵ | ص | لِلطَّغِينِ | ۵۱۶۹ |
| ۵۸ | ص | أَزْوَاجٍ | ۵۱۷۰ |
| ۶۳ | ص | أَتَّخَذْنَهُمْ | ۵۱۷۱ |
| ۶۳ | ص | الْأَبْصَارُ | ۵۱۷۲ |
| ۶۵ | ص | الْوَاحِدُ | ۵۱۷۳ |
| ۶۶ | ص | السَّمَوَاتِ | ۵۱۷۴ |
| ۶۶ | ص | الْغَفَّارُ | ۵۱۷۵ |
| ۶۷ | ص | نَبُؤًا | ۵۱۷۶ |
| ۷۱ | ص | لِلْمَلَائِكَةِ | ۵۱۷۷ |
| ۷۱ | ص | خَالِقُ | ۵۱۷۸ |
| ۷۲ | ص | سَاجِدِينَ | ۵۱۷۹ |
| ۷۳ | ص | الْمَلَائِكَةُ | ۵۱۸۰ |
| ۷۴ | ص | الْكَافِرِينَ | ۵۱۸۱ |
| ۷۵ | ص | يَا بَلِيسُ | ۵۱۸۲ |
| ۸۶ | ص | أَسْأَلُكُمْ | ۵۱۸۳ |
| ۸۷ | ص | لِلْعَالَمِينَ | ۵۱۸۴ |
| ۱ | زمر | الْكِتَابِ | ۵۱۸۵ |
| ۲ | زمر | الْكِتَابِ | ۵۱۸۶ |
| ۳ | زمر | كَذِبٌ | ۵۱۸۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۴ | زمر | سُبْحٰنُهُ | ۵۱۸۸ |
| ۴ | زمر | الوَاحِدُ | ۵۱۸۹ |
| ۵ | زمر | السَّمَوَاتِ | ۵۱۹۰ |
| ۵ | زمر | الْغَفَّارُ | ۵۱۹۱ |
| ۶ | زمر | وَاحِدَةٍ | ۵۱۹۲ |
| ۶ | زمر | الْأَنْعَامِ | ۵۱۹۳ |
| ۶ | زمر | ثَمْنِيَّةَ | ۵۱۹۴ |
| ۶ | زمر | أَزْوَاجِ | ۵۱۹۵ |
| ۶ | زمر | أُمَّهَاتِكُمْ | ۵۱۹۶ |
| ۶ | زمر | ظَلُمْتُ | ۵۱۹۷ |
| ۶ | زمر | ثَلَاثِ | ۵۱۹۸ |
| ۸ | زمر | الْإِنْسَانَ | ۵۱۹۹ |
| ۸ | زمر | أَصْحَابِ | ۵۲۰۰ |
| ۹ | زمر | قَانِتٌ | ۵۲۰۱ |
| ۹ | زمر | الْأَلْبَابِ | ۵۲۰۲ |
| ۱۰ | زمر | يُعْبَادِ | ۵۲۰۳ |
| ۱۰ | زمر | وَاسِعَةً | ۵۲۰۴ |
| ۱۰ | زمر | الصَّابِرُونَ | ۵۲۰۵ |
| ۱۵ | زمر | الْخٰسِرِينَ | ۵۲۰۶ |
| ۱۵ | زمر | الْقِيَمَةِ | ۵۲۰۷ |
| ۱۶ | زمر | يُعْبَادِ | ۵۲۰۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۱۷ | زمر | الطَّاعُونَ | ۵۲۰۹ |
| ۱۸ | زمر | هَدَاهُمْ | ۵۲۱۰ |
| ۱۸ | زمر | الْأَبَابِ | ۵۲۱۱ |
| ۲۰ | زمر | الْأَنْهَارِ | ۵۲۱۲ |
| ۲۱ | زمر | يَنْابِيعَ | ۵۲۱۳ |
| ۲۱ | زمر | أَلْوَانِهِ | ۵۲۱۴ |
| ۲۱ | زمر | فَتَرَهُ | ۵۲۱۵ |
| ۲۱ | زمر | حُطَّامًا | ۵۲۱۶ |
| ۲۱ | زمر | الْأَبَابِ | ۵۲۱۷ |
| ۲۲ | زمر | لِلْإِسْلَامِ | ۵۲۱۸ |
| ۲۲ | زمر | لِلْقُسِيِّ | ۵۲۱۹ |
| ۲۲ | زمر | ضَلَلِ | ۵۲۲۰ |
| ۲۳ | زمر | كِتَابًا | ۵۲۲۱ |
| ۲۳ | زمر | مُتَشَابِهًا | ۵۲۲۲ |
| ۲۴ | زمر | الْقِيَمَةِ | ۵۲۲۳ |
| ۲۴ | زمر | لِلظَّالِمِينَ | ۵۲۲۴ |
| ۲۵ | زمر | فَاتَّهَمُوا | ۵۲۲۵ |
| ۲۶ | زمر | الْحَيَاةِ | ۵۲۲۶ |
| ۲۹ | زمر | مُتَشَكِّسُونَ | ۵۲۲۷ |
| ۳۱ | زمر | الْقِيَمَةِ | ۵۲۲۸ |
| ۳۲ | زمر | لِلْكَافِرِينَ | ۵۲۲۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۳۴ | زمر | يَشَاءُونَ | ۵۲۳۰ |
| ۳۸ | زمر | السَّمَوَاتِ | ۵۲۳۱ |
| ۳۸ | زمر | أَفَرَأَيْتُمْ | ۵۲۳۲ |
| ۳۸ | زمر | كُشِفَتْ | ۵۲۳۳ |
| ۳۸ | زمر | مُمْسِكْتُ | ۵۲۳۴ |
| ۳۹ | زمر | يَقُومُ | ۵۲۳۵ |
| ۳۹ | زمر | عَامِلٌ | ۵۲۳۶ |
| ۴۱ | زمر | الْكِتَابِ | ۵۲۳۷ |
| ۴۲ | زمر | لَايَتٍ | ۵۲۳۸ |
| ۴۳ | زمر | شَيْئًا | ۵۲۳۹ |
| ۴۴ | زمر | الشَّفَاعَةُ | ۵۲۴۰ |
| ۴۴ | زمر | السَّمَوَاتِ | ۵۲۴۱ |
| ۴۶ | زمر | السَّمَوَاتِ | ۵۲۴۲ |
| ۴۶ | زمر | عَالِمٍ | ۵۲۴۳ |
| ۴۶ | زمر | الشَّهَادَةِ | ۵۲۴۴ |
| ۴۷ | زمر | الْقِيَمَةِ | ۵۲۴۵ |
| ۴۸ | زمر | سَيِّئَاتُ | ۵۲۴۶ |
| ۴۸ | زمر | يَسْتَهْزِءُونَ | ۵۲۴۷ |
| ۴۹ | زمر | الْإِنْسَانَ | ۵۲۴۸ |
| ۴۹ | زمر | خَوَّلَهُ | ۵۲۴۹ |
| ۵۱ | زمر | سَيِّئَاتُ | ۵۲۵۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|---------------|------|-----------|------|
| سَيِّئَاتُ | زمر | ۵۱ | ۵۲۵۱ |
| لَايَتِ | زمر | ۵۲ | ۵۲۵۲ |
| يُعِبَادِي | زمر | ۵۳ | ۵۲۵۳ |
| يُحْسِرَتِي | زمر | ۵۶ | ۵۲۵۴ |
| السَّخِرِينَ | زمر | ۵۶ | ۵۲۵۵ |
| هَدَنِي | زمر | ۵۷ | ۵۲۵۶ |
| ءَايَتِي | زمر | ۵۹ | ۵۲۵۷ |
| الْكٰفِرِينَ | زمر | ۵۹ | ۵۲۵۸ |
| الْقِيَمَةِ | زمر | ۶۰ | ۵۲۵۹ |
| خَالِقُ | زمر | ۶۲ | ۵۲۶۰ |
| السَّمَوَاتِ | زمر | ۶۳ | ۵۲۶۱ |
| بِأَيِّتِ | زمر | ۶۳ | ۵۲۶۲ |
| الْخٰسِرُونَ | زمر | ۶۳ | ۵۲۶۳ |
| الْجٰهِلُونَ | زمر | ۶۴ | ۵۲۶۴ |
| الْخٰسِرِينَ | زمر | ۶۵ | ۵۲۶۵ |
| الشَّٰكِرِينَ | زمر | ۶۶ | ۵۲۶۶ |
| الْقِيَمَةِ | زمر | ۶۷ | ۵۲۶۷ |
| السَّمَوٰتِ | زمر | ۶۷ | ۵۲۶۸ |
| مَطْوِيَّتْ | زمر | ۶۷ | ۵۲۶۹ |
| سُبْحٰنُهُ | زمر | ۶۷ | ۵۲۷۰ |
| تَعَالٰی | زمر | ۶۷ | ۵۲۷۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۶۸ | زمر | السَّمَوَاتِ | ۵۲۷۲ |
| ۶۹ | زمر | الْكِتَابِ | ۵۲۷۳ |
| ۶۹ | زمر | جِئَءَ | ۵۲۷۴ |
| ۶۹ | زمر | بِالنَّبِيِّينَ | ۵۲۷۵ |
| ۷۱ | زمر | جَاءَوهَا | ۵۲۷۶ |
| ۷۱ | زمر | أَبْوَابُهَا | ۵۲۷۷ |
| ۷۱ | زمر | ءَايَاتِ | ۵۲۷۸ |
| ۷۱ | زمر | الْكَاْفِرِينَ | ۵۲۷۹ |
| ۷۲ | زمر | أَبْوَابَ | ۵۲۸۰ |
| ۷۲ | زمر | خَالِدِينَ | ۵۲۸۱ |
| ۷۳ | زمر | جَاءَوهَا | ۵۲۸۲ |
| ۷۳ | زمر | أَبْوَابُهَا | ۵۲۸۳ |
| ۷۳ | زمر | سَلَامٌ | ۵۲۸۴ |
| ۷۳ | زمر | خَالِدِينَ | ۵۲۸۵ |
| ۷۴ | زمر | الْعَمَلِينَ | ۵۲۸۶ |
| ۷۵ | زمر | الْمَلَائِكَةَ | ۵۲۸۷ |
| ۷۵ | زمر | الْعَالَمِينَ | ۵۲۸۸ |
| ۲ | غافر | الْكِتَابِ | ۵۲۸۹ |
| ۴ | غافر | يُجَادِلُ | ۵۲۹۰ |
| ۴ | غافر | ءَايَاتِ | ۵۲۹۱ |
| ۴ | غافر | الْبِلَادِ | ۵۲۹۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۵ | غافر | جادلوا | ۵۲۹۳ |
| ۵ | غافر | بِالْبَاطِلِ | ۵۲۹۴ |
| ۶ | غافر | أَصْحَابُ | ۵۲۹۵ |
| ۸ | غافر | جَنَّتِ | ۵۲۹۶ |
| ۸ | غافر | أَزْوَاجِهِمْ | ۵۲۹۷ |
| ۸ | غافر | ذُرِّيَّتِهِمْ | ۵۲۹۸ |
| ۹ | غافر | السَّيِّئَاتِ | ۵۲۹۹ |
| ۹ | غافر | السَّيِّئَاتِ | ۵۳۰۰ |
| ۱۰ | غافر | الْإِيمَانِ | ۵۳۰۱ |
| ۱۳ | غافر | ءَايَاتِهِ | ۵۳۰۲ |
| ۱۴ | غافر | الْكَافِرُونَ | ۵۳۰۳ |
| ۱۵ | غافر | الدَّرَجَاتِ | ۵۳۰۴ |
| ۱۶ | غافر | بُرُزُونَ | ۵۳۰۵ |
| ۱۶ | غافر | الْوَاحِدِ | ۵۳۰۶ |
| ۱۸ | غافر | كَظْمِينَ | ۵۳۰۷ |
| ۱۸ | غافر | لِلظَّالِمِينَ | ۵۳۰۸ |
| ۲۱ | غافر | عَاقِبَةُ | ۵۳۰۹ |
| ۲۲ | غافر | بِالْبَيِّنَاتِ | ۵۳۱۰ |
| ۲۳ | غافر | بِعَايَتِنَا | ۵۳۱۱ |
| ۲۳ | غافر | سُلْطَنِ | ۵۳۱۲ |
| ۲۴ | غافر | هَامِنَ | ۵۳۱۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۲۴ | غافر | قارونَ | ۵۳۱۴ |
| ۲۴ | غافر | سِحْرِ | ۵۳۱۵ |
| ۲۵ | غافر | الْكٰفِرِيْنَ | ۵۳۱۶ |
| ۲۵ | غافر | ضَلَلِ | ۵۳۱۷ |
| ۲۸ | غافر | اِيْمَانَهُوْ | ۵۳۱۸ |
| ۲۸ | غافر | بِالْيَمِيْنَتِ | ۵۳۱۹ |
| ۲۸ | غافر | كَازِبًا | ۵۳۲۰ |
| ۲۹ | غافر | يَقُوْمُ | ۵۳۲۱ |
| ۲۹ | غافر | ظٰهَرِيْنَ | ۵۳۲۲ |
| ۳۰ | غافر | يَقُوْمُ | ۵۳۲۳ |
| ۳۲ | غافر | يَقُوْمُ | ۵۳۲۴ |
| ۳۴ | غافر | بِالْيَمِيْنَتِ | ۵۳۲۵ |
| ۳۵ | غافر | يُجَادِلُوْنَ | ۵۳۲۶ |
| ۳۵ | غافر | ءَايٰتِ | ۵۳۲۷ |
| ۳۵ | غافر | سُلٰطِيْنِ | ۵۳۲۸ |
| ۳۵ | غافر | اَتْنٰهُمْ | ۵۳۲۹ |
| ۳۶ | غافر | يُهٰمِنُوْ | ۵۳۳۰ |
| ۳۶ | غافر | الْاَسْبَابَ | ۵۳۳۱ |
| ۳۷ | غافر | اَسْبَابَ | ۵۳۳۲ |
| ۳۷ | غافر | السَّمٰوٰتِ | ۵۳۳۳ |
| ۳۷ | غافر | كَازِبًا | ۵۳۳۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۳۸ | غافر | يَقُومُ | ۵۳۳۵ |
| ۳۹ | غافر | يَقُومُ | ۵۳۳۶ |
| ۳۹ | غافر | الْحَيٰوةُ | ۵۳۳۷ |
| ۳۹ | غافر | مَتَاعٌ | ۵۳۳۸ |
| ۴۰ | غافر | صٰلِحًا | ۵۳۳۹ |
| ۴۱ | غافر | يَقُومُ | ۵۳۴۰ |
| ۴۱ | غافر | التَّجْوَةِ | ۵۳۴۱ |
| ۴۲ | غافر | الْغَفَّارِ | ۵۳۴۲ |
| ۴۳ | غافر | اَصْحٰبُ | ۵۳۴۳ |
| ۴۵ | غافر | فَوَقَّعُ | ۵۳۴۴ |
| ۴۵ | غافر | سَيِّئَاتِ | ۵۳۴۵ |
| ۴۷ | غافر | الضُّعْفُوۡا | ۵۳۴۶ |
| ۵۰ | غافر | بِالْبَيِّنٰتِ | ۵۳۴۷ |
| ۵۰ | غافر | دُعُوۡا | ۵۳۴۸ |
| ۵۰ | غافر | الْكٰفِرِيۡنَ | ۵۳۴۹ |
| ۵۰ | غافر | ضَلٰلٍ | ۵۳۵۰ |
| ۵۱ | غافر | الْحَيٰوةِ | ۵۳۵۱ |
| ۵۱ | غافر | الْاَشْهَادُ | ۵۳۵۲ |
| ۵۲ | غافر | الظَّٰلِمِيۡنَ | ۵۳۵۳ |
| ۵۳ | غافر | اِسْرَآءِیۡلَ | ۵۳۵۴ |
| ۵۳ | غافر | الْكِتٰبِ | ۵۳۵۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۵۴ | غافر | الْأَبَابِ | ۵۳۵۶ |
| ۵۵ | غافر | الْإِبْكَارِ | ۵۳۵۷ |
| ۵۶ | غافر | يُجَادِلُونَ | ۵۳۵۸ |
| ۵۶ | غافر | ءَايَاتِ | ۵۳۵۹ |
| ۵۶ | غافر | سُلْطَنِ | ۵۳۶۰ |
| ۵۶ | غافر | آتَاهُمْ | ۵۳۶۱ |
| ۵۶ | غافر | بِبَالِغِيهِ | ۵۳۶۲ |
| ۵۷ | غافر | السَّمَوَاتِ | ۵۳۶۳ |
| ۵۸ | غافر | الصَّلَاحَاتِ | ۵۳۶۴ |
| ۶۲ | غافر | خَالِقُ | ۵۳۶۵ |
| ۶۳ | غافر | بِثَايَاتِ | ۵۳۶۶ |
| ۶۴ | غافر | الطَّيِّبَاتِ | ۵۳۶۷ |
| ۶۴ | غافر | الْعَالَمِينَ | ۵۳۶۸ |
| ۶۵ | غافر | الْعَالَمِينَ | ۵۳۶۹ |
| ۶۶ | غافر | الْبَيِّنَاتِ | ۵۳۷۰ |
| ۶۶ | غافر | الْعَالَمِينَ | ۵۳۷۱ |
| ۶۸ | غافر | يُحْيِءُ | ۵۳۷۲ |
| ۶۹ | غافر | يُجَادِلُونَ | ۵۳۷۳ |
| ۶۹ | غافر | ءَايَاتِ | ۵۳۷۴ |
| ۷۰ | غافر | بِالْكِتَابِ | ۵۳۷۵ |
| ۷۱ | غافر | الْأَغْلُلُ | ۵۳۷۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ٧١ | غافر | أَعْنَاقِهِمْ | ٥٣٧٧ |
| ٧١ | غافر | السَّلْسِلُ | ٥٣٧٨ |
| ٧٤ | غافر | شَيْئًا | ٥٣٧٩ |
| ٧٤ | غافر | الْكُفْرِينَ | ٥٣٨٠ |
| ٧٦ | غافر | أَبْوَابَ | ٥٣٨١ |
| ٧٦ | غافر | خَالِدِينَ | ٥٣٨٢ |
| ٧٩ | غافر | الْأَنْعَامَ | ٥٣٨٣ |
| ٨٠ | غافر | مَنَافِعُ | ٥٣٨٤ |
| ٨١ | غافر | ءَايَاتِهِ | ٥٣٨٥ |
| ٨١ | غافر | ءَايَاتِ | ٥٣٨٦ |
| ٨٢ | غافر | عَاقِبَةُ | ٥٣٨٧ |
| ٨٣ | غافر | بِالْبَيِّنَاتِ | ٥٣٨٨ |
| ٨٣ | غافر | يَسْتَهْزِءُونَ | ٥٣٨٩ |
| ٨٥ | غافر | إِيمَانُهُمْ | ٥٣٩٠ |
| ٨٥ | غافر | الْكُفْرُونَ | ٥٣٩١ |
| ٣ | فصلت | كِتَبُ | ٥٣٩٢ |
| ٣ | فصلت | ءَايَاتُهُ | ٥٣٩٣ |
| ٥ | فصلت | عَمِلُونَ | ٥٣٩٤ |
| ٦ | فصلت | وَاحِدٌ | ٥٣٩٥ |
| ٧ | فصلت | الزَّكَاةَ | ٥٣٩٦ |
| ٧ | فصلت | كُفْرُونَ | ٥٣٩٧ |

| سورہ | آیہ | رسم کلمات | ج |
|------|-----|-----------------|------|
| فصلت | ۸ | الصِّلِحَتِ | ۵۳۹۸ |
| فصلت | ۹ | اِئْتِكُمْ | ۵۳۹۹ |
| فصلت | ۹ | العَالَمِينَ | ۵۴۰۰ |
| فصلت | ۱۰ | رَوَاسِي | ۵۴۰۱ |
| فصلت | ۱۰ | بُرْكَ | ۵۴۰۲ |
| فصلت | ۱۰ | اَقْوَاتِهَا | ۵۴۰۳ |
| فصلت | ۱۲ | فَقَضَاهُنَّ | ۵۴۰۴ |
| فصلت | ۱۲ | سَمَوَاتِ | ۵۴۰۵ |
| فصلت | ۱۲ | بِمَصَابِيحِ | ۵۴۰۶ |
| فصلت | ۱۳ | صَاعِقَةً | ۵۴۰۷ |
| فصلت | ۱۳ | صَاعِقَةٍ | ۵۴۰۸ |
| فصلت | ۱۴ | مَلَائِكَةً | ۵۴۰۹ |
| فصلت | ۱۴ | كَافِرُونَ | ۵۴۱۰ |
| فصلت | ۱۵ | بِغَايَتِنَا | ۵۴۱۱ |
| فصلت | ۱۶ | الْحَيَاةِ | ۵۴۱۲ |
| فصلت | ۱۷ | فَهَدَيْنَاهُمْ | ۵۴۱۳ |
| فصلت | ۱۷ | صَاعِقَةً | ۵۴۱۴ |
| فصلت | ۲۰ | جَاءُوهَا | ۵۴۱۵ |
| فصلت | ۲۰ | اَبْصَارُهُمْ | ۵۴۱۶ |
| فصلت | ۲۲ | اَبْصَارُكُمْ | ۵۴۱۷ |
| فصلت | ۲۳ | اَرَدْنَكُمْ | ۵۴۱۸ |

| سورة | آيه | رسم كلمات | ج |
|------|-----|---------------|------|
| فصلت | ٢٣ | الْخُسْرَيْنَ | ٥٤١٩ |
| فصلت | ٢٥ | خُسْرَيْنَ | ٥٤٢٠ |
| فصلت | ٢٨ | بِأَيَّتِنَا | ٥٤٢١ |
| فصلت | ٣٠ | اسْتَقَامُوا | ٥٤٢٢ |
| فصلت | ٣٠ | الْمَلَأْتُكَ | ٥٤٢٣ |
| فصلت | ٣١ | الْحَيَاةِ | ٥٤٢٤ |
| فصلت | ٣٣ | صَلِحًا | ٥٤٢٥ |
| فصلت | ٣٤ | عَدَاوَةً | ٥٤٢٦ |
| فصلت | ٣٥ | يُلْقِيهَا | ٥٤٢٧ |
| فصلت | ٣٥ | يُلْقِيهَا | ٥٤٢٨ |
| فصلت | ٣٦ | الشَّيْطَانِ | ٥٤٢٩ |
| فصلت | ٣٧ | ءَايَتِهِ | ٥٤٣٠ |
| فصلت | ٣٨ | لَا يَسْمُونَ | ٥٤٣١ |
| فصلت | ٣٩ | ءَايَتِهِ | ٥٤٣٢ |
| فصلت | ٣٩ | خَاشِعَةً | ٥٤٣٣ |
| فصلت | ٤٠ | ءَايَتِنَا | ٥٤٣٤ |
| فصلت | ٤٠ | الْقِيَمَةِ | ٥٤٣٥ |
| فصلت | ٤١ | لَكِتَابٍ | ٥٤٣٦ |
| فصلت | ٤٢ | الْبَاطِلُ | ٥٤٣٧ |
| فصلت | ٤٤ | جَعَلْنَاهُ | ٥٤٣٨ |
| فصلت | ٤٤ | ءَايَتُهُ | ٥٤٣٩ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۴۴ | فصلت | ءَاعَجَبِيْ | ۵۴۴۰ |
| ۴۵ | فصلت | الْكِتٰبِ | ۵۴۴۱ |
| ۴۶ | فصلت | صٰلِحًا | ۵۴۴۲ |
| ۴۶ | فصلت | بِظُلَامٍ | ۵۴۴۳ |
| ۴۷ | فصلت | ثَمَرٰتٍ | ۵۴۴۴ |
| ۴۷ | فصلت | شُرَكَآءِیْ | ۵۴۴۵ |
| ۴۷ | فصلت | ءَاذُنٰکَ | ۵۴۴۶ |
| ۴۹ | فصلت | لَا یَسْمُ | ۵۴۴۷ |
| ۴۹ | فصلت | الْاِنْسَانُ | ۵۴۴۸ |
| ۴۹ | فصلت | فَیْعٰوُسُ | ۵۴۴۹ |
| ۵۰ | فصلت | اَذْقَنُهٗ | ۵۴۵۰ |
| ۵۱ | فصلت | الْاِنْسَانِ | ۵۴۵۱ |
| ۵۱ | فصلت | نَعَا | ۵۴۵۲ |
| ۵۲ | فصلت | اَرٰءَیْتُمْ | ۵۴۵۳ |
| ۵۳ | فصلت | ءَاٰیٰتِنَا | ۵۴۵۴ |
| ۴ | شوری | السَّمٰوٰتِ | ۵۴۵۵ |
| ۵ | شوری | السَّمٰوٰتِ | ۵۴۵۶ |
| ۵ | شوری | الْمَلٰٓئِکَةُ | ۵۴۵۷ |
| ۸ | شوری | وَاحِدَةً | ۵۴۵۸ |
| ۸ | شوری | الظَّٰلِمُوْنَ | ۵۴۵۹ |
| ۹ | شوری | یُحٰی | ۵۴۶۰ |

| سُورَةُ | سوره | آیه | رسم کلمات |
|---------|------|-----|---------------|
| ۵۴۶۱ | شوری | ۱۱ | السَّمَوَاتِ |
| ۵۴۶۲ | شوری | ۱۱ | أَزْوَاجًا |
| ۵۴۶۳ | شوری | ۱۱ | الْأَنْعَامِ |
| ۵۴۶۴ | شوری | ۱۱ | أَزْوَاجًا |
| ۵۴۶۵ | شوری | ۱۱ | يَذَرُوكُمْ |
| ۵۴۶۶ | شوری | ۱۲ | السَّمَوَاتِ |
| ۵۴۶۷ | شوری | ۱۳ | إِبْرَاهِيمَ |
| ۵۴۶۸ | شوری | ۱۴ | الْكِتَابِ |
| ۵۴۶۹ | شوری | ۱۵ | كِتَابِ |
| ۵۴۷۰ | شوری | ۱۵ | أَعْمَالُنَا |
| ۵۴۷۱ | شوری | ۱۵ | أَعْمَالُكُمْ |
| ۵۴۷۲ | شوری | ۱۷ | الْكِتَابِ |
| ۵۴۷۳ | شوری | ۱۸ | ضَلَّلِ |
| ۵۴۷۴ | شوری | ۲۱ | شُرَكَاءُ |
| ۵۴۷۵ | شوری | ۲۱ | الظَّالِمِينَ |
| ۵۴۷۶ | شوری | ۲۲ | الظَّالِمِينَ |
| ۵۴۷۷ | شوری | ۲۲ | الصَّالِحَاتِ |
| ۵۴۷۸ | شوری | ۲۲ | يَشَاءُونَ |
| ۵۴۷۹ | شوری | ۲۳ | الصَّالِحَاتِ |
| ۵۴۸۰ | شوری | ۲۳ | أَسْأَلُكُمْ |
| ۵۴۸۱ | شوری | ۲۴ | الْبَاطِلَ |

| سُورَةُ | سوره | آیه | رسم کلمات |
|---------|------|-----|----------------|
| ۵۴۸۲ | شوری | ۲۴ | بِكَلِمَتِهِ |
| ۵۴۸۳ | شوری | ۲۵ | السَّيِّئَاتِ |
| ۵۴۸۴ | شوری | ۲۶ | الصَّالِحَاتِ |
| ۵۴۸۵ | شوری | ۲۶ | الْكَافِرُونَ |
| ۵۴۸۶ | شوری | ۲۹ | ءَايَاتِهِ |
| ۵۴۸۷ | شوری | ۲۹ | السَّمَوَاتِ |
| ۵۴۸۸ | شوری | ۳۰ | أَصَابَكُمْ |
| ۵۴۸۹ | شوری | ۳۲ | ءَايَاتِهِ |
| ۵۴۹۰ | شوری | ۳۲ | كَالْأَعْلَامِ |
| ۵۴۹۱ | شوری | ۳۳ | لَايَاتٍ |
| ۵۴۹۲ | شوری | ۳۵ | يُجَادِلُونَ |
| ۵۴۹۳ | شوری | ۳۵ | ءَايَاتِنَا |
| ۵۴۹۴ | شوری | ۳۶ | فَمَتَاعُ |
| ۵۴۹۵ | شوری | ۳۶ | الْحَيَاةِ |
| ۵۴۹۶ | شوری | ۳۷ | كَبِيرٍ |
| ۵۴۹۷ | شوری | ۳۷ | الْفَوَاحِشَ |
| ۵۴۹۸ | شوری | ۳۸ | الصَّلَاةِ |
| ۵۴۹۹ | شوری | ۳۸ | رَزَقْنَاهُمْ |
| ۵۵۰۰ | شوری | ۴۰ | جَزْأُ |
| ۵۵۰۱ | شوری | ۴۰ | الظَّالِمِينَ |
| ۵۵۰۲ | شوری | ۴۴ | الظَّالِمِينَ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|------------------|
| ٥٥٠٣ | شوری | ٤٥ | تَرْبَهُمْ |
| ٥٥٠٤ | شوری | ٤٥ | خَشِيعِينَ |
| ٥٥٠٥ | شوری | ٤٥ | الْخُسْرَيْنِ |
| ٥٥٠٦ | شوری | ٤٥ | الْقِيَمَةِ |
| ٥٥٠٧ | شوری | ٤٥ | الظَّالِمِينَ |
| ٥٥٠٨ | شوری | ٤٨ | أَرْسَلْنَاكَ |
| ٥٥٠٩ | شوری | ٤٨ | الْبَلْغُ |
| ٥٥١٠ | شوری | ٤٨ | الْإِنْسَانَ |
| ٥٥١١ | شوری | ٤٨ | الْإِنْسَانَ |
| ٥٥١٢ | شوری | ٤٩ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٥١٣ | شوری | ٤٩ | إِنَّا |
| ٥٥١٤ | شوری | ٥٠ | إِنَّا |
| ٥٥١٥ | شوری | ٥١ | وَرَأَى |
| ٥٥١٦ | شوری | ٥٢ | الْكِتَابِ |
| ٥٥١٧ | شوری | ٥٢ | الْإِيمَانُ |
| ٥٥١٨ | شوری | ٥٢ | جَعَلْنَاهُ |
| ٥٥١٩ | شوری | ٥٢ | صِرَاطِ |
| ٥٥٢٠ | شوری | ٥٣ | صِرَاطِ |
| ٥٥٢١ | شوری | ٥٣ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٥٢٢ | زخرف | ٢ | الْكِتَابِ |
| ٥٥٢٣ | زخرف | ٣ | جَعَلْنَاهُ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|-----------------|------|
| زخرف | ۳ | قُرْءَانًا | ۵۵۲۴ |
| زخرف | ۴ | الْكِتَابِ | ۵۵۲۵ |
| زخرف | ۷ | يَسْتَهْزِءُونَ | ۵۵۲۶ |
| زخرف | ۹ | السَّمَوَاتِ | ۵۵۲۷ |
| زخرف | ۱۲ | الْأَزْوَاجِ | ۵۵۲۸ |
| زخرف | ۱۲ | الْأَنْعَامِ | ۵۵۲۹ |
| زخرف | ۱۳ | لِتَسْتَوُوا | ۵۵۳۰ |
| زخرف | ۱۳ | سُبْحَانَ | ۵۵۳۱ |
| زخرف | ۱۵ | الْإِنْسَانَ | ۵۵۳۲ |
| زخرف | ۱۶ | أَصْفَاكُمْ | ۵۵۳۳ |
| زخرف | ۱۸ | يُنشِئُوا | ۵۵۳۴ |
| زخرف | ۱۹ | الْمَلَائِكَةَ | ۵۵۳۵ |
| زخرف | ۱۹ | عِبْدُ | ۵۵۳۶ |
| زخرف | ۱۹ | إِنَانًا | ۵۵۳۷ |
| زخرف | ۱۹ | شَهِادَتُهُمْ | ۵۵۳۸ |
| زخرف | ۱۹ | يُسْأَلُونَ | ۵۵۳۹ |
| زخرف | ۲۰ | عَبَدْنَاهُمْ | ۵۵۴۰ |
| زخرف | ۲۱ | ءَاتَيْنَاهُمْ | ۵۵۴۱ |
| زخرف | ۲۱ | كِتَابًا | ۵۵۴۲ |
| زخرف | ۲۲ | ءَاثَارِهِمْ | ۵۵۴۳ |
| زخرف | ۲۳ | ءَاثَارِهِمْ | ۵۵۴۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|--------------|------|
| ۲۴ | زخرف | قُلْ | ۵۵۴۵ |
| ۲۴ | زخرف | كَافِرُونَ | ۵۵۴۶ |
| ۲۵ | زخرف | عَاقِبَةُ | ۵۵۴۷ |
| ۲۶ | زخرف | إِبْرَاهِيمُ | ۵۵۴۸ |
| ۳۰ | زخرف | كَافِرُونَ | ۵۵۴۹ |
| ۳۲ | زخرف | الْحَيٰوةِ | ۵۵۵۰ |
| ۳۲ | زخرف | دَرَجٰتٍ | ۵۵۵۱ |
| ۳۳ | زخرف | وَاحِدَةً | ۵۵۵۲ |
| ۳۴ | زخرف | أَبَوَابًا | ۵۵۵۳ |
| ۳۴ | زخرف | يَتَّكِنُونَ | ۵۵۵۴ |
| ۳۵ | زخرف | مَتَاعُ | ۵۵۵۵ |
| ۳۵ | زخرف | الْحَيٰوةِ | ۵۵۵۶ |
| ۳۶ | زخرف | شَیْطٰنًا | ۵۵۵۷ |
| ۳۸ | زخرف | يَلَيَّتْ | ۵۵۵۸ |
| ۴۰ | زخرف | ضَلٰلٍ | ۵۵۵۹ |
| ۴۲ | زخرف | وَعَدْنَهُمْ | ۵۵۶۰ |
| ۴۳ | زخرف | صِرَاطٍ | ۵۵۶۱ |
| ۴۴ | زخرف | تُسْأَلُونَ | ۵۵۶۲ |
| ۴۵ | زخرف | وَسَّأَلَ | ۵۵۶۳ |
| ۴۶ | زخرف | بِعَايَتِنَا | ۵۵۶۴ |
| ۴۶ | زخرف | مَلَايَهُ | ۵۵۶۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-------------------|------|
| ۴۶ | زخرف | العالمین | ۵۵۶۶ |
| ۴۷ | زخرف | بِأَيَّتِنَا | ۵۵۶۷ |
| ۴۸ | زخرف | أَخَذْنَهُمْ | ۵۵۶۸ |
| ۴۹ | زخرف | يَايَهُ | ۵۵۶۹ |
| ۵۱ | زخرف | يَقُومُ | ۵۵۷۰ |
| ۵۱ | زخرف | الأنهر | ۵۵۷۱ |
| ۵۳ | زخرف | الْمَلَائِكَةُ | ۵۵۷۲ |
| ۵۴ | زخرف | فُسِقِينَ | ۵۵۷۳ |
| ۵۵ | زخرف | فَأَغْرَقْنَاهُمْ | ۵۵۷۴ |
| ۵۶ | زخرف | فَجَعَلْنَاهُمْ | ۵۵۷۵ |
| ۵۸ | زخرف | ءَالِهَتُنَا | ۵۵۷۶ |
| ۵۹ | زخرف | جَعَلْنَاهُ | ۵۵۷۷ |
| ۵۹ | زخرف | إِسْرَآءِيلَ | ۵۵۷۸ |
| ۶۰ | زخرف | مَلَائِكَةً | ۵۵۷۹ |
| ۶۱ | زخرف | صِرَاطُ | ۵۵۸۰ |
| ۶۲ | زخرف | الشَّيْطَانُ | ۵۵۸۱ |
| ۶۳ | زخرف | بِالْيَمِينِ | ۵۵۸۲ |
| ۶۴ | زخرف | صِرَاطُ | ۵۵۸۳ |
| ۶۸ | زخرف | يُعْبَادِ | ۵۵۸۴ |
| ۶۹ | زخرف | بِأَيَّتِنَا | ۵۵۸۵ |
| ۷۰ | زخرف | أَزْوَاجُكُمْ | ۵۵۸۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۷۱ | زخرف | خَلِدُونَ | ۵۵۸۷ |
| ۷۳ | زخرف | فَاكِهَةً | ۵۵۸۸ |
| ۷۴ | زخرف | خَلِدُونَ | ۵۵۸۹ |
| ۷۶ | زخرف | ظَلَمْنَاهُمْ | ۵۵۹۰ |
| ۷۶ | زخرف | الظَّالِمِينَ | ۵۵۹۱ |
| ۷۷ | زخرف | يَمَالِكُ | ۵۵۹۲ |
| ۷۷ | زخرف | مَكِثُونَ | ۵۵۹۳ |
| ۷۸ | زخرف | جِئْنَاكُمْ | ۵۵۹۴ |
| ۷۸ | زخرف | كَرِهُونَ | ۵۵۹۵ |
| ۸۰ | زخرف | نَجَّوْنَهُمْ | ۵۵۹۶ |
| ۸۱ | زخرف | الْعَبِيدِينَ | ۵۵۹۷ |
| ۸۲ | زخرف | سُبْحَنَ | ۵۵۹۸ |
| ۸۲ | زخرف | السَّمَوَاتِ | ۵۵۹۹ |
| ۸۳ | زخرف | يُلْقُوا | ۵۶۰۰ |
| ۸۵ | زخرف | السَّمَوَاتِ | ۵۶۰۱ |
| ۸۶ | زخرف | الشَّفَاعَةَ | ۵۶۰۲ |
| ۸۸ | زخرف | يَرْبِّ | ۵۶۰۳ |
| ۸۹ | زخرف | سَلَامٌ | ۵۶۰۴ |
| ۲ | دخان | الْكِتَابِ | ۵۶۰۵ |
| ۳ | دخان | أَنْزَلْنَاهُ | ۵۶۰۶ |
| ۳ | دخان | مُبْرَكَةً | ۵۶۰۷ |

| سُورَةُ | سوره | آیه | رسم کلمات |
|---------|------|-----|-----------------|
| ۵۶۰۸ | دخان | ۷ | السَّمُوتِ |
| ۵۶۰۹ | دخان | ۸ | يُحْيِءُ |
| ۵۶۱۰ | دخان | ۱۹ | بِسُلْطٰنٍ |
| ۵۶۱۱ | دخان | ۲۵ | جَنَّتِ |
| ۵۶۱۲ | دخان | ۲۷ | فَكِهِيْنَ |
| ۵۶۱۳ | دخان | ۲۸ | اَوْرَثْنٰهَا |
| ۵۶۱۴ | دخان | ۳۰ | اِسْرَآءِیْلَ |
| ۵۶۱۵ | دخان | ۳۲ | اِخْتَرْنٰهُمْ |
| ۵۶۱۶ | دخان | ۳۲ | العٰلَمِیْنَ |
| ۵۶۱۷ | دخان | ۳۳ | ءَاتٰیْنٰهُمْ |
| ۵۶۱۸ | دخان | ۳۳ | الْاٰیٰتِ |
| ۵۶۱۹ | دخان | ۳۳ | بَلَّوْا |
| ۵۶۲۰ | دخان | ۳۶ | صٰدِقِیْنَ |
| ۵۶۲۱ | دخان | ۳۷ | اَهْلَكْنٰهُمْ |
| ۵۶۲۲ | دخان | ۳۸ | السَّمُوتِ |
| ۵۶۲۳ | دخان | ۳۸ | لِغَبِیْنٍ |
| ۵۶۲۴ | دخان | ۳۹ | خَلَقْنٰهُمْ |
| ۵۶۲۵ | دخان | ۴۰ | مِیْقَاتُهُمْ |
| ۵۶۲۶ | دخان | ۴۱ | شَیْئًا |
| ۵۶۲۷ | دخان | ۵۲ | جَنَّتِ |
| ۵۶۲۸ | دخان | ۵۳ | مُتَّقِبِلِیْنَ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۵۴ | دخان | زَوَّجْنَهُمْ | ۵۶۲۹ |
| ۵۵ | دخان | فَاَكِهَةً | ۵۶۳۰ |
| ۵۶ | دخان | وَقْنَهُمْ | ۵۶۳۱ |
| ۵۸ | دخان | يَسْرَنُهُ | ۵۶۳۲ |
| ۲ | جاثیة | الْكُتُبِ | ۵۶۳۳ |
| ۳ | جاثیة | السَّمَوَاتِ | ۵۶۳۴ |
| ۳ | جاثیة | لَايَتٍ | ۵۶۳۵ |
| ۴ | جاثیة | ءَايَتٍ | ۵۶۳۶ |
| ۵ | جاثیة | اِخْتِلَافِ | ۵۶۳۷ |
| ۵ | جاثیة | الرَّيْحِ | ۵۶۳۸ |
| ۵ | جاثیة | ءَايَتٍ | ۵۶۳۹ |
| ۶ | جاثیة | ءَايَتٍ | ۵۶۴۰ |
| ۶ | جاثیة | ءَايَتِهِ | ۵۶۴۱ |
| ۸ | جاثیة | ءَايَتٍ | ۵۶۴۲ |
| ۹ | جاثیة | ءَايَتِنَا | ۵۶۴۳ |
| ۹ | جاثیة | شَيْئًا | ۵۶۴۴ |
| ۱۰ | جاثیة | شَيْئًا | ۵۶۴۵ |
| ۱۱ | جاثیة | بِأَيَّتٍ | ۵۶۴۶ |
| ۱۳ | جاثیة | السَّمَوَاتِ | ۵۶۴۷ |
| ۱۳ | جاثیة | لَايَتٍ | ۵۶۴۸ |
| ۱۵ | جاثیة | صَلِحًا | ۵۶۴۹ |

| جُ | سوره | آيه | رسم كلمات |
|------|-------|-----|---------------|
| ٥٦٥٠ | جاثية | ١٦ | اِسْرَآءِیْلَ |
| ٥٦٥١ | جاثية | ١٦ | الکِتَبَ |
| ٥٦٥٢ | جاثية | ١٦ | رَزَقْنٰهُمْ |
| ٥٦٥٣ | جاثية | ١٦ | الطَّيِّبَاتِ |
| ٥٦٥٤ | جاثية | ١٦ | فَضَّلْنٰهُمْ |
| ٥٦٥٥ | جاثية | ١٦ | العَالَمِينَ |
| ٥٦٥٦ | جاثية | ١٧ | ءَاتَيْنٰهُمْ |
| ٥٦٥٧ | جاثية | ١٧ | بَيِّنَاتٍ |
| ٥٦٥٨ | جاثية | ١٧ | الْقِيَمَةِ |
| ٥٦٥٩ | جاثية | ١٨ | جَعَلْنَاكَ |
| ٥٦٦٠ | جاثية | ١٩ | شَيْئًا |
| ٥٦٦١ | جاثية | ١٩ | الظَّالِمِينَ |
| ٥٦٦٢ | جاثية | ٢٠ | بَصَائِرُ |
| ٥٦٦٣ | جاثية | ٢١ | السَّيِّئَاتِ |
| ٥٦٦٤ | جاثية | ٢١ | الصَّالِحَاتِ |
| ٥٦٦٥ | جاثية | ٢٢ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٦٦٦ | جاثية | ٢٣ | أَفْرَأَيْتَ |
| ٥٦٦٧ | جاثية | ٢٣ | هُوَ |
| ٥٦٦٨ | جاثية | ٢٣ | غِشْوَةً |
| ٥٦٦٩ | جاثية | ٢٥ | ءَايُنَا |
| ٥٦٧٠ | جاثية | ٢٥ | بَيِّنَاتٍ |

| جُزْءُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|--------|---------|-------|------------------|
| ٥٦٧١ | جاثية | ٢٥ | صِدِّيقِينَ |
| ٥٦٧٢ | جاثية | ٢٦ | الْقِيلَمَةِ |
| ٥٦٧٣ | جاثية | ٢٧ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٦٧٤ | جاثية | ٢٨ | كِتَابَهَا |
| ٥٦٧٥ | جاثية | ٢٩ | كِتَابُنَا |
| ٥٦٧٦ | جاثية | ٣٠ | الصَّالِحَاتِ |
| ٥٦٧٧ | جاثية | ٣١ | ءَايَتِي |
| ٥٦٧٨ | جاثية | ٣٣ | سَيِّئَاتُ |
| ٥٦٧٩ | جاثية | ٣٣ | يَسْتَمِزُّونَ |
| ٥٦٨٠ | جاثية | ٣٤ | نَنْسُكُكُمْ |
| ٥٦٨١ | جاثية | ٣٤ | مَأْوَكُمْ |
| ٥٦٨٢ | جاثية | ٣٤ | نُصْرِينَ |
| ٥٦٨٣ | جاثية | ٣٥ | ءَايَتِ |
| ٥٦٨٤ | جاثية | ٣٥ | الْحَيَاةُ |
| ٥٦٨٥ | جاثية | ٣٦ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٦٨٦ | جاثية | ٣٦ | الْعَالَمِينَ |
| ٥٦٨٧ | جاثية | ٣٧ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٦٨٨ | احقاف | ٢ | الْكِتَابِ |
| ٥٦٨٩ | احقاف | ٣ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٦٩٠ | احقاف | ٤ | أَرَاءَيْتُمْ |
| ٥٦٩١ | احقاف | ٤ | السَّمَوَاتِ |

| سورہ | آیہ | رسم کلمات | ج |
|-------|-----|----------------|------|
| احقاف | ۴ | يَكْتِبُ | ۵۶۹۲ |
| احقاف | ۴ | اَثَرَةٍ | ۵۶۹۳ |
| احقاف | ۴ | صٰدِقِيْنَ | ۵۶۹۴ |
| احقاف | ۵ | الْقِيَمَةِ | ۵۶۹۵ |
| احقاف | ۵ | غٰفِلُوْنَ | ۵۶۹۶ |
| احقاف | ۶ | كَافِرِيْنَ | ۵۶۹۷ |
| احقاف | ۷ | ءَايٰتُنَا | ۵۶۹۸ |
| احقاف | ۷ | بَيِّنٰتٍ | ۵۶۹۹ |
| احقاف | ۸ | اَقْرَبُهُ | ۵۷۰۰ |
| احقاف | ۸ | شَيْئًا | ۵۷۰۱ |
| احقاف | ۱۰ | اَرۡعٰیۡمُ | ۵۷۰۲ |
| احقاف | ۱۰ | اِسْرَآءِیْلَ | ۵۷۰۳ |
| احقاف | ۱۰ | الظَّٰلِمِيْنَ | ۵۷۰۴ |
| احقاف | ۱۲ | كِتٰبُ | ۵۷۰۵ |
| احقاف | ۱۲ | كِتٰبُ | ۵۷۰۶ |
| احقاف | ۱۳ | اِسْتَقَامُوا | ۵۷۰۷ |
| احقاف | ۱۴ | اَصْحٰبُ | ۵۷۰۸ |
| احقاف | ۱۴ | خٰلِدِيْنَ | ۵۷۰۹ |
| احقاف | ۱۵ | اِلۡنَسٰنَ | ۵۷۱۰ |
| احقاف | ۱۵ | بِوَالِدَيْهِ | ۵۷۱۱ |
| احقاف | ۱۵ | اِحْسَانًا | ۵۷۱۲ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|------------------|
| ٥٧١٣ | احقاف | ١٥ | فِصَالُهُ |
| ٥٧١٤ | احقاف | ١٥ | ثَلَاثُونَ |
| ٥٧١٥ | احقاف | ١٥ | وَالِدَيَّ |
| ٥٧١٦ | احقاف | ١٥ | صَلِحًا |
| ٥٧١٧ | احقاف | ١٥ | تَرْضَاهُ |
| ٥٧١٨ | احقاف | ١٦ | سَيِّئَاتِهِمْ |
| ٥٧١٩ | احقاف | ١٦ | أَصْحَابِ |
| ٥٧٢٠ | احقاف | ١٧ | لِوَالِدَيْهِ |
| ٥٧٢١ | احقاف | ١٧ | أَسَاطِيرُ |
| ٥٧٢٢ | احقاف | ١٨ | خُسْرَيْنَ |
| ٥٧٢٣ | احقاف | ١٩ | دَرَجَتٍ |
| ٥٧٢٤ | احقاف | ١٩ | أَعْمَالُهُمْ |
| ٥٧٢٥ | احقاف | ٢٠ | طَيِّبَاتِكُمْ |
| ٥٧٢٦ | احقاف | ٢٢ | الصَّٰدِقِينَ |
| ٥٧٢٧ | احقاف | ٢٣ | أَرْبَابِكُمْ |
| ٥٧٢٨ | احقاف | ٢٥ | مَسْكُونُهُمْ |
| ٥٧٢٩ | احقاف | ٢٦ | مَكْنُونُهُمْ |
| ٥٧٣٠ | احقاف | ٢٦ | مَكْنُونَكُمْ |
| ٥٧٣١ | احقاف | ٢٦ | أَبْصَارًا |
| ٥٧٣٢ | احقاف | ٢٦ | أَفْعِدَّةً |
| ٥٧٣٣ | احقاف | ٢٦ | أَبْصَارُهُمْ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۲۶ | احقاف | أَفْعِدْتُهُمْ | ۵۷۳۴ |
| ۲۶ | احقاف | بِثَايَتِ | ۵۷۳۵ |
| ۲۶ | احقاف | يَسْتَهْزِءُونَ | ۵۷۳۶ |
| ۲۷ | احقاف | الْأَيَّتِ | ۵۷۳۷ |
| ۳۰ | احقاف | يَقُومَنَا | ۵۷۳۸ |
| ۳۰ | احقاف | كِتَبًا | ۵۷۳۹ |
| ۳۱ | احقاف | يَقُومَنَا | ۵۷۴۰ |
| ۳۲ | احقاف | ضَلَلِ | ۵۷۴۱ |
| ۳۳ | احقاف | السَّمَوَاتِ | ۵۷۴۲ |
| ۳۳ | احقاف | بِقَدْرِ | ۵۷۴۳ |
| ۳۳ | احقاف | يُحْيِي | ۵۷۴۴ |
| ۳۵ | احقاف | بَلِّغْ | ۵۷۴۵ |
| ۳۵ | احقاف | الْفٰسِقُونَ | ۵۷۴۶ |
| ۱ | محمد | أَعْمَاهُمْ | ۵۷۴۷ |
| ۲ | محمد | الصِّلِحَتِ | ۵۷۴۸ |
| ۲ | محمد | سَيِّئَاتِهِمْ | ۵۷۴۹ |
| ۳ | محمد | الْبَاطِلَ | ۵۷۵۰ |
| ۳ | محمد | أَمْثَالَهُمْ | ۵۷۵۱ |
| ۴ | محمد | أَعْمَاهُمْ | ۵۷۵۲ |
| ۷ | محمد | يَا أَيُّهَا | ۵۷۵۳ |
| ۸ | محمد | أَعْمَاهُمْ | ۵۷۵۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۹ | محمد | أَعْمَاهُمْ | ۵۷۵۵ |
| ۱۰ | محمد | عَاقِبَةُ | ۵۷۵۶ |
| ۱۰ | محمد | لِلْكَافِرِينَ | ۵۷۵۷ |
| ۱۰ | محمد | أَمْثَالُهَا | ۵۷۵۸ |
| ۱۱ | محمد | الْكَافِرِينَ | ۵۷۵۹ |
| ۱۲ | محمد | الصَّالِحَاتِ | ۵۷۶۰ |
| ۱۲ | محمد | جَنَّتِ | ۵۷۶۱ |
| ۱۲ | محمد | الْأَنْهَارِ | ۵۷۶۲ |
| ۱۲ | محمد | الْأَنْعَامِ | ۵۷۶۳ |
| ۱۳ | محمد | أَهْلَكْنَاهُمْ | ۵۷۶۴ |
| ۱۵ | محمد | أَنْهَارٍ | ۵۷۶۵ |
| ۱۵ | محمد | أَنْهَارٍ | ۵۷۶۶ |
| ۱۵ | محمد | أَنْهَارٍ | ۵۷۶۷ |
| ۱۵ | محمد | لِلشَّرِّينَ | ۵۷۶۸ |
| ۱۵ | محمد | أَنْهَارٍ | ۵۷۶۹ |
| ۱۵ | محمد | الثَّمَرَاتِ | ۵۷۷۰ |
| ۱۵ | محمد | خَالِدٍ | ۵۷۷۱ |
| ۱۷ | محمد | ءَاتَاهُمْ | ۵۷۷۲ |
| ۱۷ | محمد | تَقْوَاهُمْ | ۵۷۷۳ |
| ۱۸ | محمد | ذِكْرُهُمْ | ۵۷۷۴ |
| ۱۹ | محمد | الْمُؤْمِنَاتِ | ۵۷۷۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|------------------|------|
| ۱۹ | محمد | مَثُونُكُمْ | ۵۷۷۶ |
| ۲۳ | محمد | أَبْصَارُهُمْ | ۵۷۷۷ |
| ۲۵ | محمد | أَدْبِرْهُمْ | ۵۷۷۸ |
| ۲۵ | محمد | الشَّيْطَانُ | ۵۷۷۹ |
| ۲۷ | محمد | الْمَلَائِكَةُ | ۵۷۸۰ |
| ۲۷ | محمد | أَدْبِرْهُمْ | ۵۷۸۱ |
| ۲۸ | محمد | رِضْوَانَهُ | ۵۷۸۲ |
| ۲۸ | محمد | أَعْمَالَهُمْ | ۵۷۸۳ |
| ۲۹ | محمد | أَضْغَانَهُمْ | ۵۷۸۴ |
| ۳۰ | محمد | لَا رَيْنَكُهُمْ | ۵۷۸۵ |
| ۳۰ | محمد | بِسِيمَتِهِمْ | ۵۷۸۶ |
| ۳۰ | محمد | أَعْمَالَكُمْ | ۵۷۸۷ |
| ۳۱ | محمد | الْمُجَاهِدِينَ | ۵۷۸۸ |
| ۳۱ | محمد | الصَّابِرِينَ | ۵۷۸۹ |
| ۳۲ | محمد | شَيْئًا | ۵۷۹۰ |
| ۳۲ | محمد | أَعْمَالَهُمْ | ۵۷۹۱ |
| ۳۳ | محمد | يَا أَيُّهَا | ۵۷۹۲ |
| ۳۳ | محمد | أَعْمَالَكُمْ | ۵۷۹۳ |
| ۳۵ | محمد | أَعْمَالَكُمْ | ۵۷۹۴ |
| ۳۶ | محمد | الْحَيَاةُ | ۵۷۹۵ |
| ۳۶ | محمد | لَا يَسْأَلُكُمْ | ۵۷۹۶ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|------------------|
| ٥٧٩٧ | محمد | ٣٦ | أَمْوَالُكُمْ |
| ٥٧٩٨ | محمد | ٣٧ | يَسْأَلُكُمْوهَا |
| ٥٧٩٩ | محمد | ٣٧ | أَضْغَانَكُمْ |
| ٥٨٠٠ | محمد | ٣٨ | هَآأَنْتُمْ |
| ٥٨٠١ | محمد | ٣٨ | أَمْثَالُكُمْ |
| ٥٨٠٢ | فتح | ٢ | صِرَاطًا |
| ٥٨٠٣ | فتح | ٤ | إِيمَانًا |
| ٥٨٠٤ | فتح | ٤ | إِيمَانِهِمْ |
| ٥٨٠٥ | فتح | ٤ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٨٠٦ | فتح | ٥ | الْمُؤْمِنَاتِ |
| ٥٨٠٧ | فتح | ٥ | جَنَّتِ |
| ٥٨٠٨ | فتح | ٥ | الْأَنْهَارِ |
| ٥٨٠٩ | فتح | ٥ | خَالِدِينَ |
| ٥٨١٠ | فتح | ٥ | سَيِّئَاتِهِمْ |
| ٥٨١١ | فتح | ٦ | الْمُنْفِقِينَ |
| ٥٨١٢ | فتح | ٦ | الْمُنْفِقَاتِ |
| ٥٨١٣ | فتح | ٦ | الْمُشْرِكَاتِ |
| ٥٨١٤ | فتح | ٧ | السَّمَوَاتِ |
| ٥٨١٥ | فتح | ٨ | أَرْسَلْنَاكَ |
| ٥٨١٦ | فتح | ٨ | شَاهِدًا |
| ٥٨١٧ | فتح | ١٠ | عَهْدَ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|------------------|------|
| فتح | ۱۱ | أَمْوَالُنَا | ۵۸۱۸ |
| فتح | ۱۱ | شَيْئًا | ۵۸۱۹ |
| فتح | ۱۳ | لِّلْكَافِرِينَ | ۵۸۲۰ |
| فتح | ۱۴ | السَّمَوَاتِ | ۵۸۲۱ |
| فتح | ۱۵ | كَلِمَ | ۵۸۲۲ |
| فتح | ۱۶ | تُفَاتِلُونَهُمْ | ۵۸۲۳ |
| فتح | ۱۷ | جَنَّتِ | ۵۸۲۴ |
| فتح | ۱۷ | الْأَنْهَارِ | ۵۸۲۵ |
| فتح | ۱۸ | آثَابُهُمْ | ۵۸۲۶ |
| فتح | ۲۰ | صِرَاطًا | ۵۸۲۷ |
| فتح | ۲۲ | قَاتِلْكُمْ | ۵۸۲۸ |
| فتح | ۲۲ | الْأَدْبَارَ | ۵۸۲۹ |
| فتح | ۲۵ | مُؤْمِنَتٌ | ۵۸۳۰ |
| فتح | ۲۵ | تَطَّوَّهُمْ | ۵۸۳۱ |
| فتح | ۲۶ | الْجَاهِلِيَّةِ | ۵۸۳۲ |
| فتح | ۲۷ | الرُّءْيَا | ۵۸۳۳ |
| فتح | ۲۷ | رُءُوسَكُمْ | ۵۸۳۴ |
| فتح | ۲۹ | تَرْبَهُمْ | ۵۸۳۵ |
| فتح | ۲۹ | رِضْوَانًا | ۵۸۳۶ |
| فتح | ۲۹ | التَّورَةِ | ۵۸۳۷ |
| فتح | ۲۹ | شَطْطِهِ | ۵۸۳۸ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|-------|-----|----------------|------|
| فتح | ۲۹ | الصِّلِحَتِ | ۵۸۳۹ |
| حجرات | ۱ | يَايُهَا | ۵۸۴۰ |
| حجرات | ۲ | يَايُهَا | ۵۸۴۱ |
| حجرات | ۲ | أَصْوَاتِكُمْ | ۵۸۴۲ |
| حجرات | ۲ | أَعْمَالِكُمْ | ۵۸۴۳ |
| حجرات | ۳ | أَصْوَاتُهُمْ | ۵۸۴۴ |
| حجرات | ۴ | الْحُجُرَاتِ | ۵۸۴۵ |
| حجرات | ۶ | يَايُهَا | ۵۸۴۶ |
| حجرات | ۶ | بِجَهَالَةٍ | ۵۸۴۷ |
| حجرات | ۶ | نُدَمِينَ | ۵۸۴۸ |
| حجرات | ۷ | الْإِيمَانَ | ۵۸۴۹ |
| حجرات | ۷ | الرَّاشِدُونَ | ۵۸۵۰ |
| حجرات | ۹ | إِحْدَهُمَا | ۵۸۵۱ |
| حجرات | ۹ | فَقَاتِلُوا | ۵۸۵۲ |
| حجرات | ۱۱ | يَايُهَا | ۵۸۵۳ |
| حجرات | ۱۱ | بِالْأَلْقَابِ | ۵۸۵۴ |
| حجرات | ۱۱ | الْإِيمَانِ | ۵۸۵۵ |
| حجرات | ۱۱ | الظَّالِمُونَ | ۵۸۵۶ |
| حجرات | ۱۲ | يَايُهَا | ۵۸۵۷ |
| حجرات | ۱۳ | يَايُهَا | ۵۸۵۸ |
| حجرات | ۱۳ | خَلَقْنَكُمْ | ۵۸۵۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۱۳ | حجرات | جَعَلْنٰكُمْ | ۵۸۶۰ |
| ۱۳ | حجرات | اَتَقْنٰكُمْ | ۵۸۶۱ |
| ۱۴ | حجرات | الایمانُ | ۵۸۶۲ |
| ۱۴ | حجرات | اَعْمَالِکُمْ | ۵۸۶۳ |
| ۱۴ | حجرات | شَیْئًا | ۵۸۶۴ |
| ۱۵ | حجرات | جَاهِدُوا | ۵۸۶۵ |
| ۱۵ | حجرات | بِأَمْوَالِهِمْ | ۵۸۶۶ |
| ۱۵ | حجرات | الصُّدِقُونَ | ۵۸۶۷ |
| ۱۶ | حجرات | السَّمَوَاتِ | ۵۸۶۸ |
| ۱۷ | حجرات | إِسْلَامَكُمْ | ۵۸۶۹ |
| ۱۷ | حجرات | هَدٰنٰكُمْ | ۵۸۷۰ |
| ۱۷ | حجرات | لِلْإِیْمَانِ | ۵۸۷۱ |
| ۱۷ | حجرات | صٰدِقِیْنَ | ۵۸۷۲ |
| ۱۸ | حجرات | السَّمَوَاتِ | ۵۸۷۳ |
| ۲ | ق | الْكَافِرُونَ | ۵۸۷۴ |
| ۳ | ق | أَءِذَا | ۵۸۷۵ |
| ۴ | ق | کِتٰبُ | ۵۸۷۶ |
| ۶ | ق | بَنٰیْنَهَا | ۵۸۷۷ |
| ۶ | ق | زَيَّنَّهَا | ۵۸۷۸ |
| ۷ | ق | مَدَدْنَهَا | ۵۸۷۹ |
| ۷ | ق | رَوٰی | ۵۸۸۰ |

| سوره | آیه | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|------------------|------|
| ق | ۹ | مُبْرَكًا | ۵۸۸۱ |
| ق | ۹ | جَنَّتْ | ۵۸۸۲ |
| ق | ۱۰ | بَاسِقَتِ | ۵۸۸۳ |
| ق | ۱۲ | أَصْحَبُ | ۵۸۸۴ |
| ق | ۱۳ | إِخْوَانُ | ۵۸۸۵ |
| ق | ۱۴ | أَصْحَبُ | ۵۸۸۶ |
| ق | ۱۶ | الْإِنْسَانِ | ۵۸۸۷ |
| ق | ۲۷ | ضَلَّلِ | ۵۸۸۸ |
| ق | ۲۹ | بِظُلَامٍ | ۵۸۸۹ |
| ق | ۳۴ | بِسَلَامٍ | ۵۸۹۰ |
| ق | ۳۵ | يَشَاءُونَ | ۵۸۹۱ |
| ق | ۳۶ | الْبِلَادِ | ۵۸۹۲ |
| ق | ۳۸ | السَّمَوَاتِ | ۵۸۹۳ |
| ق | ۴۰ | أَدْبَرَ | ۵۸۹۴ |
| ق | ۴۳ | نُحْيِ | ۵۸۹۵ |
| ذاریات | ۱ | الذَّرِيَّتِ | ۵۸۹۶ |
| ذاریات | ۲ | فَالْحُمِلَتِ | ۵۸۹۷ |
| ذاریات | ۳ | فَالْجُرِيَّتِ | ۵۸۹۸ |
| ذاریات | ۴ | فَالْمُقَسَّمَتِ | ۵۸۹۹ |
| ذاریات | ۶ | لَوَاقِعُ | ۵۹۰۰ |
| ذاریات | ۱۰ | الْخَرَّاصُونَ | ۵۹۰۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۱۲ | ذاریات | يَسْأَلُونَ | ۵۹۰۲ |
| ۱۵ | ذاریات | جَنَّتْ | ۵۹۰۳ |
| ۱۶ | ذاریات | ءَاتَهُم | ۵۹۰۴ |
| ۱۹ | ذاریات | أَمْوَالِهِم | ۵۹۰۵ |
| ۲۰ | ذاریات | ءَايَاتٍ | ۵۹۰۶ |
| ۲۴ | ذاریات | آتَاكَ | ۵۹۰۷ |
| ۲۴ | ذاریات | إِبْرَاهِيمَ | ۵۹۰۸ |
| ۲۵ | ذاریات | سَلَامًا | ۵۹۰۹ |
| ۲۵ | ذاریات | سَلَامٌ | ۵۹۱۰ |
| ۲۸ | ذاریات | بِغُلْمٍ | ۵۹۱۱ |
| ۳۸ | ذاریات | أَرْسَلْنَاهُ | ۵۹۱۲ |
| ۳۸ | ذاریات | بِسُلْطَانٍ | ۵۹۱۳ |
| ۳۹ | ذاریات | سِحْرٍ | ۵۹۱۴ |
| ۴۰ | ذاریات | فَاَخَذْنَاهُ | ۵۹۱۵ |
| ۴۰ | ذاریات | فَنَبَذْنَاهُمْ | ۵۹۱۶ |
| ۴۴ | ذاریات | الصُّعِقَةُ | ۵۹۱۷ |
| ۴۵ | ذاریات | اسْتَطَاعُوا | ۵۹۱۸ |
| ۴۶ | ذاریات | فُسِقِينَ | ۵۹۱۹ |
| ۴۷ | ذاریات | بَنَيْنَاهَا | ۵۹۲۰ |
| ۴۷ | ذاریات | بِأَيْدٍ | ۵۹۲۱ |
| ۴۸ | ذاریات | فَرَّشْنَاهَا | ۵۹۲۲ |

| سُورَةُ | سوره | آیه | رسم کلمات |
|---------|--------|-----|-----------------|
| ۵۹۲۳ | ذاریات | ۴۸ | الْمُهْدُونَ |
| ۵۹۲۴ | ذاریات | ۵۹ | أَصْحَابِهِم |
| ۵۹۲۵ | طور | ۲ | كِتَابٍ |
| ۵۹۲۶ | طور | ۷ | لَوَاقِعٍ |
| ۵۹۲۷ | طور | ۱۷ | جَنَّتِ |
| ۵۹۲۸ | طور | ۱۸ | فَكِهِينَ |
| ۵۹۲۹ | طور | ۱۸ | ءَاتَهُم |
| ۵۹۳۰ | طور | ۱۸ | وَوَقَّعَهُم |
| ۵۹۳۱ | طور | ۱۹ | هَنِيئًا |
| ۵۹۳۲ | طور | ۲۰ | مُتَّكِنِينَ |
| ۵۹۳۳ | طور | ۲۰ | زَوَّجْنَاهُمْ |
| ۵۹۳۴ | طور | ۲۱ | بِإِيمَانٍ |
| ۵۹۳۵ | طور | ۲۱ | الَّتَنَّهُم |
| ۵۹۳۶ | طور | ۲۲ | أَمَدَدْنَاهُمْ |
| ۵۹۳۷ | طور | ۲۲ | بِفَاكِهَةٍ |
| ۵۹۳۸ | طور | ۲۳ | يَتَنَازَعُونَ |
| ۵۹۳۹ | طور | ۲۷ | وَوَقَّعْنَا |
| ۵۹۴۰ | طور | ۳۲ | أَحْلَامُهُمْ |
| ۵۹۴۱ | طور | ۳۴ | صَادِقِينَ |
| ۵۹۴۲ | طور | ۳۵ | الْخُلُقُونَ |
| ۵۹۴۳ | طور | ۳۶ | السَّمَوَاتِ |

| آیه | سورہ | رسم کلمات | ج |
|-----|------|-----------------|------|
| ۳۸ | طور | بِسُلْطٰنٍ | ۵۹۴۴ |
| ۳۹ | طور | الْبَنٰتِ | ۵۹۴۵ |
| ۴۰ | طور | تَسْأَلُهُمْ | ۵۹۴۶ |
| ۴۳ | طور | سُبْحٰنَ | ۵۹۴۷ |
| ۴۵ | طور | يُلْقُوا | ۵۹۴۸ |
| ۴۶ | طور | شَيْئًا | ۵۹۴۹ |
| ۴۹ | طور | اِدْبَارَ | ۵۹۵۰ |
| ۱۲ | نجم | اَفْتُمِرُوْنَ | ۵۹۵۱ |
| ۱۸ | نجم | ءَايٰتِ | ۵۹۵۲ |
| ۱۹ | نجم | اَفَرَّءَيْتُمْ | ۵۹۵۳ |
| ۱۹ | نجم | اللّٰتِ | ۵۹۵۴ |
| ۲۰ | نجم | مَنْوَةً | ۵۹۵۵ |
| ۲۳ | نجم | سُلْطٰنٍ | ۵۹۵۶ |
| ۲۴ | نجم | لِلْاِنْسَانِ | ۵۹۵۷ |
| ۲۶ | نجم | السَّمٰوٰتِ | ۵۹۵۸ |
| ۲۶ | نجم | شَفَاعَتُهُمْ | ۵۹۵۹ |
| ۲۶ | نجم | شَيْئًا | ۵۹۶۰ |
| ۲۷ | نجم | الْمَلٰٓئِكَةِ | ۵۹۶۱ |
| ۲۸ | نجم | شَيْئًا | ۵۹۶۲ |
| ۲۹ | نجم | الْحَيٰوةَ | ۵۹۶۳ |
| ۳۱ | نجم | السَّمٰوٰتِ | ۵۹۶۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۳۱ | نجم | آسَاءُوا | ۵۹۶۵ |
| ۳۲ | نجم | كَبِيرٌ | ۵۹۶۶ |
| ۳۲ | نجم | الْفَوَاحِشَ | ۵۹۶۷ |
| ۳۲ | نجم | وَاسِعٌ | ۵۹۶۸ |
| ۳۲ | نجم | أُمَّهَاتِكُمْ | ۵۹۶۹ |
| ۳۳ | نجم | أَفْرَأَيْتَ | ۵۹۷۰ |
| ۳۷ | نجم | إِبْرَاهِيمَ | ۵۹۷۱ |
| ۳۹ | نجم | لِلْإِنْسَانِ | ۵۹۷۲ |
| ۴۱ | نجم | يُجْزَاهُ | ۵۹۷۳ |
| ۵۴ | نجم | فَغَشَّاهَا | ۵۹۷۴ |
| ۶۱ | نجم | سِدُونَ | ۵۹۷۵ |
| ۵ | قمر | بِالْغَةِ | ۵۹۷۶ |
| ۷ | قمر | أَبْصَارُهُمْ | ۵۹۷۷ |
| ۸ | قمر | الْكَافِرُونَ | ۵۹۷۸ |
| ۱۱ | قمر | أَبْوَابَ | ۵۹۷۹ |
| ۱۳ | قمر | حَمَلْنَاهُ | ۵۹۸۰ |
| ۱۳ | قمر | الْوَاحِ | ۵۹۸۱ |
| ۱۵ | قمر | تَرَكْنَاهَا | ۵۹۸۲ |
| ۲۴ | قمر | وَاحِدًا | ۵۹۸۳ |
| ۲۴ | قمر | ضَلَلٍ | ۵۹۸۴ |
| ۲۵ | قمر | أَلْقَى | ۵۹۸۵ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|-----------------|------|
| قمر | ۳۱ | وَاحِدَةً | ۵۹۸۶ |
| قمر | ۳۴ | نَجَّيْنَاهُمْ | ۵۹۸۷ |
| قمر | ۳۷ | رَاوَدُوهُ | ۵۹۸۸ |
| قمر | ۴۲ | بِأَيَّتِنَا | ۵۹۸۹ |
| قمر | ۴۲ | فَأَخَذْنَاهُمْ | ۵۹۹۰ |
| قمر | ۴۷ | ضَلَّلِ | ۵۹۹۱ |
| قمر | ۴۹ | خَلَقْنَاهُ | ۵۹۹۲ |
| قمر | ۵۰ | وَاحِدَةً | ۵۹۹۳ |
| قمر | ۵۴ | جَنَّتِ | ۵۹۹۴ |
| الرحمن | ۳ | الْإِنْسَانَ | ۵۹۹۵ |
| الرحمن | ۱۱ | فَاكِهَةً | ۵۹۹۶ |
| الرحمن | ۱۴ | الْإِنْسَانَ | ۵۹۹۷ |
| الرحمن | ۱۴ | صَلَّالٍ | ۵۹۹۸ |
| الرحمن | ۲۴ | كَأَلْأَعْلَامِ | ۵۹۹۹ |
| الرحمن | ۲۷ | ذُو الْجَلَلِ | ۶۰۰۰ |
| الرحمن | ۲۹ | يَسْأَلُهُ | ۶۰۰۱ |
| الرحمن | ۲۹ | السَّمَوَاتِ | ۶۰۰۲ |
| الرحمن | ۳۱ | أَيُّهُ | ۶۰۰۳ |
| الرحمن | ۳۳ | يَمَعَشَرِ | ۶۰۰۴ |
| الرحمن | ۳۳ | السَّمَوَاتِ | ۶۰۰۵ |
| الرحمن | ۳۳ | بِسُلْطَانٍ | ۶۰۰۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|---------------|------|
| ۳۹ | الرحمن | لَا يُسْأَلُ | ۶۰۰۷ |
| ۴۱ | الرحمن | بِسْمِهِمْ | ۶۰۰۸ |
| ۴۱ | الرحمن | بِالنَّوَاصِي | ۶۰۰۹ |
| ۵۲ | الرحمن | فَاكِهَةً | ۶۰۱۰ |
| ۵۴ | الرحمن | مُتَّكِينَ | ۶۰۱۱ |
| ۵۶ | الرحمن | قَصِرَتْ | ۶۰۱۲ |
| ۶۰ | الرحمن | الْإِحْسَانِ | ۶۰۱۳ |
| ۶۰ | الرحمن | الْإِحْسَانُ | ۶۰۱۴ |
| ۶۸ | الرحمن | فَاكِهَةً | ۶۰۱۵ |
| ۷۰ | الرحمن | خَيْرَاتٍ | ۶۰۱۶ |
| ۷۲ | الرحمن | مَقْصُورَاتٍ | ۶۰۱۷ |
| ۷۶ | الرحمن | مُتَّكِينَ | ۶۰۱۸ |
| ۷۸ | الرحمن | تَبَرَّكَ | ۶۰۱۹ |
| ۷۸ | الرحمن | ذِي الْجَلَلِ | ۶۰۲۰ |
| ۷ | واقعه | أَزْوَاجًا | ۶۰۲۱ |
| ۷ | واقعه | ثَلَاثَةً | ۶۰۲۲ |
| ۸ | واقعه | فَأَصْحَبُ | ۶۰۲۳ |
| ۸ | واقعه | أَصْحَبُ | ۶۰۲۴ |
| ۹ | واقعه | أَصْحَبُ | ۶۰۲۵ |
| ۹ | واقعه | الْمَشْعَمَةِ | ۶۰۲۶ |
| ۹ | واقعه | أَصْحَبُ | ۶۰۲۷ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|-------|-----|-----------------|------|
| واقعه | ۹ | المَشْعَمَة | ۶۰۲۸ |
| واقعه | ۱۰ | السُّبِقُونَ | ۶۰۲۹ |
| واقعه | ۱۰ | السُّبِقُونَ | ۶۰۳۰ |
| واقعه | ۱۲ | جَنَّتِ | ۶۰۳۱ |
| واقعه | ۱۶ | مُتَّكِينَ | ۶۰۳۲ |
| واقعه | ۱۶ | مُتَقَبِلِينَ | ۶۰۳۳ |
| واقعه | ۱۷ | وِلْدَانٍ | ۶۰۳۴ |
| واقعه | ۲۰ | فَاكِهَةٍ | ۶۰۳۵ |
| واقعه | ۲۳ | كَامِثَالٍ | ۶۰۳۶ |
| واقعه | ۲۶ | سَلَامًا | ۶۰۳۷ |
| واقعه | ۲۶ | سَلَامًا | ۶۰۳۸ |
| واقعه | ۲۷ | أَصْحَابُ | ۶۰۳۹ |
| واقعه | ۲۷ | أَصْحَابُ | ۶۰۴۰ |
| واقعه | ۳۲ | فَاكِهَةٍ | ۶۰۴۱ |
| واقعه | ۳۵ | أَنشَأْنَهُنَّ | ۶۰۴۲ |
| واقعه | ۳۶ | فَجَعَلْنَهُنَّ | ۶۰۴۳ |
| واقعه | ۳۸ | لِأَصْحَابِ | ۶۰۴۴ |
| واقعه | ۴۱ | أَصْحَابُ | ۶۰۴۵ |
| واقعه | ۴۱ | أَصْحَابُ | ۶۰۴۶ |
| واقعه | ۴۷ | إِذَا | ۶۰۴۷ |
| واقعه | ۴۷ | عِظَامًا | ۶۰۴۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۴۷ | واقعه | أَعِنَّا | ۶۰۴۹ |
| ۵۰ | واقعه | مِيقَاتِ | ۶۰۵۰ |
| ۵۳ | واقعه | فَمَالِئُونَ | ۶۰۵۱ |
| ۵۴ | واقعه | فَشْرِبُونَ | ۶۰۵۲ |
| ۵۵ | واقعه | فَشْرِبُونَ | ۶۰۵۳ |
| ۵۷ | واقعه | خَلَقْنَكُمْ | ۶۰۵۴ |
| ۵۸ | واقعه | أَفَرَأَيْتُمْ | ۶۰۵۵ |
| ۵۹ | واقعه | ءَأَنْتُمْ | ۶۰۵۶ |
| ۵۹ | واقعه | الْخَالِقُونَ | ۶۰۵۷ |
| ۶۱ | واقعه | أَمْثَالَكُمْ | ۶۰۵۸ |
| ۶۳ | واقعه | أَفَرَأَيْتُمْ | ۶۰۵۹ |
| ۶۴ | واقعه | ءَأَنْتُمْ | ۶۰۶۰ |
| ۶۴ | واقعه | الزَّرْعُونَ | ۶۰۶۱ |
| ۶۵ | واقعه | لَجَعَلْنَاهُ | ۶۰۶۲ |
| ۶۵ | واقعه | حُطَامًا | ۶۰۶۳ |
| ۶۸ | واقعه | أَفَرَأَيْتُمْ | ۶۰۶۴ |
| ۶۹ | واقعه | ءَأَنْتُمْ | ۶۰۶۵ |
| ۷۰ | واقعه | جَعَلْنَاهُ | ۶۰۶۶ |
| ۷۱ | واقعه | أَفَرَأَيْتُمْ | ۶۰۶۷ |
| ۷۲ | واقعه | ءَأَنْتُمْ | ۶۰۶۸ |
| ۷۲ | واقعه | الْمُنْشِعُونَ | ۶۰۶۹ |

| جُزْءُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|--------|---------|-------|------------------|
| ٦٠٧٠ | واقعة | ٧٣ | جَعَلْنَاهَا |
| ٦٠٧١ | واقعة | ٧٣ | مَتَاعًا |
| ٦٠٧٢ | واقعة | ٧٥ | بِمَوَاقِعَ |
| ٦٠٧٣ | واقعة | ٧٨ | كِتَبٍ |
| ٦٠٧٤ | واقعة | ٨٠ | الْعَالَمِينَ |
| ٦٠٧٥ | واقعة | ٨٧ | صٰدِقِينَ |
| ٦٠٧٦ | واقعة | ٩٠ | أَصْحٰبِ |
| ٦٠٧٧ | واقعة | ٩١ | فَسَلِّمْ |
| ٦٠٧٨ | واقعة | ٩١ | أَصْحٰبِ |
| ٦٠٧٩ | حديد | ١ | السَّمٰوٰتِ |
| ٦٠٨٠ | حديد | ٢ | السَّمٰوٰتِ |
| ٦٠٨١ | حديد | ٢ | يُحْيِءُ |
| ٦٠٨٢ | حديد | ٣ | الظَّاهِرُ |
| ٦٠٨٣ | حديد | ٤ | السَّمٰوٰتِ |
| ٦٠٨٤ | حديد | ٥ | السَّمٰوٰتِ |
| ٦٠٨٥ | حديد | ٨ | مِثَاقِكُمْ |
| ٦٠٨٦ | حديد | ٩ | ءَايٰتِ |
| ٦٠٨٧ | حديد | ٩ | بَيِّنٰتِ |
| ٦٠٨٨ | حديد | ٩ | الظُّلُمٰتِ |
| ٦٠٨٩ | حديد | ٩ | لَرَّءَوْفٌ |
| ٦٠٩٠ | حديد | ١٠ | مِثْرٰثُ |

| جُزْءُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|--------|---------|-------|------------------|
| ٦٠٩١ | حَدِيد | ١٠ | السَّمَوَاتِ |
| ٦٠٩٢ | حَدِيد | ١٠ | قَاتَلْ |
| ٦٠٩٣ | حَدِيد | ١٠ | قَاتِلُوا |
| ٦٠٩٤ | حَدِيد | ١١ | فَيُضْعَفُهُ |
| ٦٠٩٥ | حَدِيد | ١٢ | الْمُؤْمِنَاتِ |
| ٦٠٩٦ | حَدِيد | ١٢ | بِأَيْمَانِهِمْ |
| ٦٠٩٧ | حَدِيد | ١٢ | بُشْرَانَكُمْ |
| ٦٠٩٨ | حَدِيد | ١٢ | جَنَّتْ |
| ٦٠٩٩ | حَدِيد | ١٢ | الْأَنْهَارِ |
| ٦١٠٠ | حَدِيد | ١٢ | خَالِدِينَ |
| ٦١٠١ | حَدِيد | ١٣ | الْمُنْفِقُونَ |
| ٦١٠٢ | حَدِيد | ١٣ | الْمُنْفِقَاتُ |
| ٦١٠٣ | حَدِيد | ١٣ | ظَاهِرُهُمْ |
| ٦١٠٤ | حَدِيد | ١٥ | مَأْوَانَكُمْ |
| ٦١٠٥ | حَدِيد | ١٥ | مَوْلَانَكُمْ |
| ٦١٠٦ | حَدِيد | ١٦ | الْكِتَابِ |
| ٦١٠٧ | حَدِيد | ١٦ | فَسِقُونَ |
| ٦١٠٨ | حَدِيد | ١٧ | يُحْيِ |
| ٦١٠٩ | حَدِيد | ١٧ | الْأَيَّتِ |
| ٦١١٠ | حَدِيد | ١٨ | الْمُصَدِّقَاتِ |
| ٦١١١ | حَدِيد | ١٨ | يُضْعَفُ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|------|-----|-----------------|------|
| حدید | ۱۹ | بِأَيَّتِنَا | ۶۱۱۲ |
| حدید | ۱۹ | أَصْحَابُ | ۶۱۱۳ |
| حدید | ۲۰ | الْحَيَوَةُ | ۶۱۱۴ |
| حدید | ۲۰ | الْأَمْوَالِ | ۶۱۱۵ |
| حدید | ۲۰ | الْأَوْلَادِ | ۶۱۱۶ |
| حدید | ۲۰ | فَقَرُّهُ | ۶۱۱۷ |
| حدید | ۲۰ | حُطَامًا | ۶۱۱۸ |
| حدید | ۲۰ | رِضْوَانٌ | ۶۱۱۹ |
| حدید | ۲۰ | الْحَيَوَةُ | ۶۱۲۰ |
| حدید | ۲۰ | مَتَاعٌ | ۶۱۲۱ |
| حدید | ۲۲ | كِتَبٍ | ۶۱۲۲ |
| حدید | ۲۳ | ءَاتَاكُمْ | ۶۱۲۳ |
| حدید | ۲۵ | بِالْبَيِّنَاتِ | ۶۱۲۴ |
| حدید | ۲۵ | الْكِتَابِ | ۶۱۲۵ |
| حدید | ۲۵ | مَنَافِعُ | ۶۱۲۶ |
| حدید | ۲۶ | إِبْرَاهِيمَ | ۶۱۲۷ |
| حدید | ۲۶ | الْكِتَابِ | ۶۱۲۸ |
| حدید | ۲۶ | فُسِقُونَ | ۶۱۲۹ |
| حدید | ۲۷ | ءَاثَارِهِمْ | ۶۱۳۰ |
| حدید | ۲۷ | ءَاتَيْنَاهُ | ۶۱۳۱ |
| حدید | ۲۷ | كَتَبْنَاهَا | ۶۱۳۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------|------|
| ۲۷ | حدید | رِضْوَانِ | ۶۱۳۳ |
| ۲۷ | حدید | فُسِقُونَ | ۶۱۳۴ |
| ۲۸ | حدید | يَا أَيُّهَا | ۶۱۳۵ |
| ۲۹ | حدید | الْكِتَابِ | ۶۱۳۶ |
| ۱ | مجادله | تُجَادِلُكَ | ۶۱۳۷ |
| ۲ | مجادله | يُظَاهِرُونَ | ۶۱۳۸ |
| ۲ | مجادله | أُمَّهَاتِهِمْ | ۶۱۳۹ |
| ۲ | مجادله | أُمَّهَاتِهِمْ | ۶۱۴۰ |
| ۲ | مجادله | الَّتِي | ۶۱۴۱ |
| ۳ | مجادله | يُظَاهِرُونَ | ۶۱۴۲ |
| ۴ | مجادله | لِلْكَافِرِينَ | ۶۱۴۳ |
| ۵ | مجادله | ءَايَاتِ | ۶۱۴۴ |
| ۵ | مجادله | بَيَّنْتُ | ۶۱۴۵ |
| ۵ | مجادله | لِلْكَافِرِينَ | ۶۱۴۶ |
| ۶ | مجادله | أَحْصَاهُ | ۶۱۴۷ |
| ۷ | مجادله | السَّمَوَاتِ | ۶۱۴۸ |
| ۷ | مجادله | ثَلَاثَةَ | ۶۱۴۹ |
| ۷ | مجادله | الْقِيَمَةِ | ۶۱۵۰ |
| ۸ | مجادله | يَتَنَجَّوْنَ | ۶۱۵۱ |
| ۸ | مجادله | الْعُدْوَانِ | ۶۱۵۲ |
| ۸ | مجادله | جَاءُوكَ | ۶۱۵۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------|------|
| ۹ | مجادله | يَا أَيُّهَا | ۶۱۵۴ |
| ۹ | مجادله | تَنَاجِيْتُمْ | ۶۱۵۵ |
| ۹ | مجادله | تَتَنَجَّوْا | ۶۱۵۶ |
| ۹ | مجادله | الْعُدْوَانِ | ۶۱۵۷ |
| ۹ | مجادله | تَنَاجَوْا | ۶۱۵۸ |
| ۱۰ | مجادله | الشَّيْطَانِ | ۶۱۵۹ |
| ۱۰ | مجادله | شَيْئًا | ۶۱۶۰ |
| ۱۱ | مجادله | يَا أَيُّهَا | ۶۱۶۱ |
| ۱۱ | مجادله | الْمَجْلِسِ | ۶۱۶۲ |
| ۱۱ | مجادله | دَرَجَتٍ | ۶۱۶۳ |
| ۱۲ | مجادله | يَا أَيُّهَا | ۶۱۶۴ |
| ۱۲ | مجادله | نَاجِيْتُمْ | ۶۱۶۵ |
| ۱۲ | مجادله | نَجْوَانِكُمْ | ۶۱۶۶ |
| ۱۳ | مجادله | ءَأَشْفَقْتُمْ | ۶۱۶۷ |
| ۱۳ | مجادله | نَجْوَانِكُمْ | ۶۱۶۸ |
| ۱۳ | مجادله | صَدَقْتِ | ۶۱۶۹ |
| ۱۳ | مجادله | الصَّلَاةَ | ۶۱۷۰ |
| ۱۳ | مجادله | الزَّكَاةَ | ۶۱۷۱ |
| ۱۶ | مجادله | أَيْمَانَهُمْ | ۶۱۷۲ |
| ۱۷ | مجادله | أَمْوَالَهُمْ | ۶۱۷۳ |
| ۱۷ | مجادله | أَوْلَادَهُمْ | ۶۱۷۴ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|---------------|------|
| ۱۷ | مجادله | شَيْئًا | ۶۱۷۵ |
| ۱۷ | مجادله | أَصْحَابُ | ۶۱۷۶ |
| ۱۷ | مجادله | خَالِدُونَ | ۶۱۷۷ |
| ۱۸ | مجادله | الْكَاذِبُونَ | ۶۱۷۸ |
| ۱۹ | مجادله | الشَّيْطَانُ | ۶۱۷۹ |
| ۱۹ | مجادله | فَأَنسَاهُمْ | ۶۱۸۰ |
| ۱۹ | مجادله | الشَّيْطَانِ | ۶۱۸۱ |
| ۱۹ | مجادله | الشَّيْطَانِ | ۶۱۸۲ |
| ۱۹ | مجادله | الْخُسِرُونَ | ۶۱۸۳ |
| ۲۲ | مجادله | إِخْوَانَهُمْ | ۶۱۸۴ |
| ۲۲ | مجادله | الْإِيمَانَ | ۶۱۸۵ |
| ۲۲ | مجادله | جَنَّتْ | ۶۱۸۶ |
| ۲۲ | مجادله | الْأَنْهَارِ | ۶۱۸۷ |
| ۲۲ | مجادله | خَالِدِينَ | ۶۱۸۸ |
| ۱ | حشر | السَّمَوَاتِ | ۶۱۸۹ |
| ۲ | حشر | الْكِتَابِ | ۶۱۹۰ |
| ۲ | حشر | دِيَارِهِمْ | ۶۱۹۱ |
| ۲ | حشر | فَاتَهُمْ | ۶۱۹۲ |
| ۲ | حشر | يَأُولَى | ۶۱۹۳ |
| ۲ | حشر | الْأَبْصَارِ | ۶۱۹۴ |
| ۵ | حشر | الْفُسَقِينَ | ۶۱۹۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------------|------|
| ۷ | حشر | الْيَتِمَى | ۶۱۹۶ |
| ۷ | حشر | الْمَسْكِينِ | ۶۱۹۷ |
| ۷ | حشر | ءَاتَاكُمْ | ۶۱۹۸ |
| ۷ | حشر | نَهَكُمْ | ۶۱۹۹ |
| ۸ | حشر | الْمُهَاجِرِينَ | ۶۲۰۰ |
| ۸ | حشر | دِيَارِهِمْ | ۶۲۰۱ |
| ۸ | حشر | أَمْوَالِهِمْ | ۶۲۰۲ |
| ۸ | حشر | رِضْوَانًا | ۶۲۰۳ |
| ۸ | حشر | الصَّادِقُونَ | ۶۲۰۴ |
| ۹ | حشر | تَبَوَّءُوا | ۶۲۰۵ |
| ۹ | حشر | الْإِيمَانَ | ۶۲۰۶ |
| ۱۰ | حشر | جَاءُوا | ۶۲۰۷ |
| ۱۰ | حشر | لِإِخْوَانِنَا | ۶۲۰۸ |
| ۱۰ | حشر | بِالْإِيمَانِ | ۶۲۰۹ |
| ۱۰ | حشر | رَعَوْفٌ | ۶۲۱۰ |
| ۱۱ | حشر | لِإِخْوَانِهِمْ | ۶۲۱۱ |
| ۱۱ | حشر | الْكِتَابِ | ۶۲۱۲ |
| ۱۱ | حشر | لَكَذِبُونَ | ۶۲۱۳ |
| ۱۲ | حشر | الْأَدْبَارَ | ۶۲۱۴ |
| ۱۴ | حشر | لَا يُقَاتِلُونَكُمْ | ۶۲۱۵ |
| ۱۶ | حشر | الشَّيْطَانِ | ۶۲۱۶ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|---------------|------|
| ۱۶ | حشر | لِلْإِنْسَانِ | ۶۲۱۷ |
| ۱۶ | حشر | الْعَالَمِينَ | ۶۲۱۸ |
| ۱۷ | حشر | عَاقِبَتُهُمْ | ۶۲۱۹ |
| ۱۷ | حشر | خَالِدِينَ | ۶۲۲۰ |
| ۱۷ | حشر | جَزْؤًا | ۶۲۲۱ |
| ۱۷ | حشر | الظَّالِمِينَ | ۶۲۲۲ |
| ۱۸ | حشر | يَا أَيُّهَا | ۶۲۲۳ |
| ۱۹ | حشر | فَأَنسَهُمْ | ۶۲۲۴ |
| ۱۹ | حشر | الْفُسِقُونَ | ۶۲۲۵ |
| ۲۰ | حشر | أَصْحَابُ | ۶۲۲۶ |
| ۲۰ | حشر | أَصْحَابُ | ۶۲۲۷ |
| ۲۰ | حشر | أَصْحَابُ | ۶۲۲۸ |
| ۲۱ | حشر | خَاشِعًا | ۶۲۲۹ |
| ۲۱ | حشر | الْأَمْثَالُ | ۶۲۳۰ |
| ۲۲ | حشر | عَالِمُ | ۶۲۳۱ |
| ۲۲ | حشر | الشَّهَادَةِ | ۶۲۳۲ |
| ۲۳ | حشر | السَّلَامُ | ۶۲۳۳ |
| ۲۳ | حشر | سُبْحَنَ | ۶۲۳۴ |
| ۲۴ | حشر | الْخَالِقُ | ۶۲۳۵ |
| ۲۴ | حشر | السَّمَوَاتِ | ۶۲۳۶ |
| ۱ | ممتحنه | يَا أَيُّهَا | ۶۲۳۷ |

| سورة | آیه | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|------------------|------|
| ممتحنه | ۱ | جِهَادًا | ۶۲۳۸ |
| ممتحنه | ۳ | أَوْلَادُكُمْ | ۶۲۳۹ |
| ممتحنه | ۳ | الْقِيَمَةِ | ۶۲۴۰ |
| ممتحنه | ۴ | إِبْرَاهِيمَ | ۶۲۴۱ |
| ممتحنه | ۴ | بُرْءًا | ۶۲۴۲ |
| ممتحنه | ۴ | الْعَدَاوَةِ | ۶۲۴۳ |
| ممتحنه | ۴ | إِبْرَاهِيمَ | ۶۲۴۴ |
| ممتحنه | ۸ | لَا يَنْهَكُكُمْ | ۶۲۴۵ |
| ممتحنه | ۸ | يُقَاتِلُوكُمْ | ۶۲۴۶ |
| ممتحنه | ۸ | دِيَارِكُمْ | ۶۲۴۷ |
| ممتحنه | ۹ | يَنْهَكُكُمْ | ۶۲۴۸ |
| ممتحنه | ۹ | قَاتِلُوكُمْ | ۶۲۴۹ |
| ممتحنه | ۹ | دِيَارِكُمْ | ۶۲۵۰ |
| ممتحنه | ۹ | ظَاهَرُوا | ۶۲۵۱ |
| ممتحنه | ۹ | الظَّالِمُونَ | ۶۲۵۲ |
| ممتحنه | ۱۰ | يَا أَيُّهَا | ۶۲۵۳ |
| ممتحنه | ۱۰ | الْمُؤْمِنَاتُ | ۶۲۵۴ |
| ممتحنه | ۱۰ | مُهَاجِرَاتٍ | ۶۲۵۵ |
| ممتحنه | ۱۰ | بِإِيمَانِهِنَّ | ۶۲۵۶ |
| ممتحنه | ۱۰ | مُؤْمِنَاتٍ | ۶۲۵۷ |
| ممتحنه | ۱۰ | وَسَّأَلُوا | ۶۲۵۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------|------|
| ۱۰ | ممتحنه | وَلْيَسْأَلُوا | ۶۲۵۹ |
| ۱۱ | ممتحنه | أَزْوَاجِكُمْ | ۶۲۶۰ |
| ۱۱ | ممتحنه | أَزْوَاجُهُمْ | ۶۲۶۱ |
| ۱۲ | ممتحنه | يَا أَيُّهَا | ۶۲۶۲ |
| ۱۲ | ممتحنه | الْمُؤْمِنَاتُ | ۶۲۶۳ |
| ۱۲ | ممتحنه | شَيْئًا | ۶۲۶۴ |
| ۱۲ | ممتحنه | أَوْلَادَهُنَّ | ۶۲۶۵ |
| ۱۲ | ممتحنه | بِئْتَانِ | ۶۲۶۶ |
| ۱۳ | ممتحنه | يَا أَيُّهَا | ۶۲۶۷ |
| ۱۳ | ممتحنه | أَصْحَابِ | ۶۲۶۸ |
| ۱ | الصف | السَّمَوَاتِ | ۶۲۶۹ |
| ۲ | الصف | يَا أَيُّهَا | ۶۲۷۰ |
| ۴ | الصف | يُقَاتِلُونَ | ۶۲۷۱ |
| ۴ | الصف | بُنْيَانٌ | ۶۲۷۲ |
| ۵ | الصف | يَقُومُ | ۶۲۷۳ |
| ۵ | الصف | الْفَسِيقِينَ | ۶۲۷۴ |
| ۶ | الصف | يَبْقَى | ۶۲۷۵ |
| ۶ | الصف | إِسْرَآءِيلَ | ۶۲۷۶ |
| ۶ | الصف | التَّوْرَةِ | ۶۲۷۷ |
| ۶ | الصف | بِالْيَنِّتِ | ۶۲۷۸ |
| ۷ | الصف | الْإِسْلَامِ | ۶۲۷۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|--------------------|------|
| ۷ | الصّفّ | الظّٰلِمِیْنَ | ۶۲۸۰ |
| ۸ | الصّفّ | لِیُطْفِئُوا | ۶۲۸۱ |
| ۸ | الصّفّ | بِأَفْوَهِهِمْ | ۶۲۸۲ |
| ۸ | الصّفّ | الکٰفِرُوْنَ | ۶۲۸۳ |
| ۱۰ | الصّفّ | یَآئِیَّهَا | ۶۲۸۴ |
| ۱۰ | الصّفّ | تِجَارَةٍ | ۶۲۸۵ |
| ۱۱ | الصّفّ | تُجَاهِدُوْنَ | ۶۲۸۶ |
| ۱۱ | الصّفّ | بِأَمْوَالِکُمْ | ۶۲۸۷ |
| ۱۲ | الصّفّ | جَنَّتِ | ۶۲۸۸ |
| ۱۲ | الصّفّ | الْأَنْهَرِ | ۶۲۸۹ |
| ۱۲ | الصّفّ | مَسٰکِیْنٍ | ۶۲۹۰ |
| ۱۲ | الصّفّ | جَنَّتِ | ۶۲۹۱ |
| ۱۴ | الصّفّ | یَآئِیَّهَا | ۶۲۹۲ |
| ۱۴ | الصّفّ | لِلْحَوَارِیِّیْنَ | ۶۲۹۳ |
| ۱۴ | الصّفّ | إِسْرَآءِیْلَ | ۶۲۹۴ |
| ۱۴ | الصّفّ | ظَاهِرِیْنَ | ۶۲۹۵ |
| ۱ | جمعه | السَّمٰوٰتِ | ۶۲۹۶ |
| ۲ | جمعه | الْأُمَیِّیْنَ | ۶۲۹۷ |
| ۲ | جمعه | ءَایٰتِهِ | ۶۲۹۸ |
| ۲ | جمعه | الکِتٰبِ | ۶۲۹۹ |
| ۲ | جمعه | ضَلٰلٍ | ۶۳۰۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|---------|-----------------|------|
| ۵ | جمعه | التَّورَةِ | ۶۳۰۱ |
| ۵ | جمعه | بِأَيِّتِ | ۶۳۰۲ |
| ۵ | جمعه | الظَّالِمِينَ | ۶۳۰۳ |
| ۶ | جمعه | يَا أَيُّهَا | ۶۳۰۴ |
| ۶ | جمعه | صَادِقِينَ | ۶۳۰۵ |
| ۷ | جمعه | بِالظَّالِمِينَ | ۶۳۰۶ |
| ۸ | جمعه | مُلْقِيكُمْ | ۶۳۰۷ |
| ۸ | جمعه | عَالِمِ | ۶۳۰۸ |
| ۸ | جمعه | الشَّهَادَةِ | ۶۳۰۹ |
| ۹ | جمعه | يَا أَيُّهَا | ۶۳۱۰ |
| ۹ | جمعه | لِلصَّلَاةِ | ۶۳۱۱ |
| ۱۰ | جمعه | الصَّلَاةِ | ۶۳۱۲ |
| ۱۱ | جمعه | تِجَارَةً | ۶۳۱۳ |
| ۱۱ | جمعه | التِّجَارَةِ | ۶۳۱۴ |
| ۱۱ | جمعه | الرِّزْقِينَ | ۶۳۱۵ |
| ۱ | منافقون | الْمُنْفِقُونَ | ۶۳۱۶ |
| ۱ | منافقون | الْمُنْفِقِينَ | ۶۳۱۷ |
| ۱ | منافقون | لَكَذِبُونَ | ۶۳۱۸ |
| ۲ | منافقون | أَيْمَانَهُمْ | ۶۳۱۹ |
| ۴ | منافقون | قَاتَلَهُمْ | ۶۳۲۰ |
| ۵ | منافقون | رُءُوسَهُمْ | ۶۳۲۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|---------|-----------------|------|
| ۶ | منافقون | الْفٰسِقِیْنَ | ۶۳۲۲ |
| ۷ | منافقون | السَّمَوٰتِ | ۶۳۲۳ |
| ۷ | منافقون | الْمُنْفِقِیْنَ | ۶۳۲۴ |
| ۸ | منافقون | الْمُنْفِقِیْنَ | ۶۳۲۵ |
| ۹ | منافقون | یَآئِهَا | ۶۳۲۶ |
| ۹ | منافقون | أَمْوَالِكُمْ | ۶۳۲۷ |
| ۹ | منافقون | أَوْلَادُكُمْ | ۶۳۲۸ |
| ۹ | منافقون | الْخٰسِرُونَ | ۶۳۲۹ |
| ۱۰ | منافقون | رَزَقْنٰكُمْ | ۶۳۳۰ |
| ۱۰ | منافقون | الصَّٰلِحِیْنَ | ۶۳۳۱ |
| ۱ | تغابن | السَّمَوٰتِ | ۶۳۳۲ |
| ۳ | تغابن | السَّمَوٰتِ | ۶۳۳۳ |
| ۴ | تغابن | السَّمَوٰتِ | ۶۳۳۴ |
| ۵ | تغابن | نَبِؤًا | ۶۳۳۵ |
| ۶ | تغابن | بِالْبَیِّنٰتِ | ۶۳۳۶ |
| ۹ | تغابن | صٰلِحًا | ۶۳۳۷ |
| ۹ | تغابن | سَیِّئَاتِهِ | ۶۳۳۸ |
| ۹ | تغابن | جَنَّتْ | ۶۳۳۹ |
| ۹ | تغابن | الْأَنْهٰرِ | ۶۳۴۰ |
| ۹ | تغابن | خٰلِدِیْنَ | ۶۳۴۱ |
| ۱۰ | تغابن | بِعَٰیَّتِنَا | ۶۳۴۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۱۰ | تغابن | أَصْحَابُ | ۶۳۴۳ |
| ۱۰ | تغابن | خَلِيدِينَ | ۶۳۴۴ |
| ۱۲ | تغابن | الْبَلُغُ | ۶۳۴۵ |
| ۱۴ | تغابن | يَا أَيُّهَا | ۶۳۴۶ |
| ۱۴ | تغابن | أَزْوَاجِكُمْ | ۶۳۴۷ |
| ۱۴ | تغابن | أَوْلَادِكُمْ | ۶۳۴۸ |
| ۱۵ | تغابن | أَمْوَالِكُمْ | ۶۳۴۹ |
| ۱۵ | تغابن | أَوْلَادِكُمْ | ۶۳۵۰ |
| ۱۷ | تغابن | يُضْعِفُهُ | ۶۳۵۱ |
| ۱۸ | تغابن | عَالِمٌ | ۶۳۵۲ |
| ۱۸ | تغابن | الشَّهَادَةِ | ۶۳۵۳ |
| ۱ | طلاق | يَا أَيُّهَا | ۶۳۵۴ |
| ۱ | طلاق | بِفَاحِشَةٍ | ۶۳۵۵ |
| ۲ | طلاق | الشَّهَادَةِ | ۶۳۵۶ |
| ۳ | طلاق | بِالْغُ | ۶۳۵۷ |
| ۴ | طلاق | الَّتِي | ۶۳۵۸ |
| ۴ | طلاق | ثَلَاثَةُ | ۶۳۵۹ |
| ۴ | طلاق | الَّتِي | ۶۳۶۰ |
| ۴ | طلاق | أُولَتْ | ۶۳۶۱ |
| ۵ | طلاق | سَيِّئَاتِهِ | ۶۳۶۲ |
| ۶ | طلاق | أُولَتْ | ۶۳۶۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ٧ | طلاق | ءَاتَهُ | ٦٣٦٤ |
| ٧ | طلاق | ءَاتَهَا | ٦٣٦٥ |
| ٨ | طلاق | فَحَاسَبْنَهَا | ٦٣٦٦ |
| ٨ | طلاق | عَذَّبْنَهَا | ٦٣٦٧ |
| ٩ | طلاق | عَاقِبَةُ | ٦٣٦٨ |
| ١٠ | طلاق | يَأُولَى | ٦٣٦٩ |
| ١٠ | طلاق | الْأَلْبَابِ | ٦٣٧٠ |
| ١١ | طلاق | ءَايَتِ | ٦٣٧١ |
| ١١ | طلاق | مُبَيِّنَاتِ | ٦٣٧٢ |
| ١١ | طلاق | الصُّلَحَاتِ | ٦٣٧٣ |
| ١١ | طلاق | الظُّلُمَاتِ | ٦٣٧٤ |
| ١١ | طلاق | صَلِحًا | ٦٣٧٥ |
| ١١ | طلاق | جَنَّتِ | ٦٣٧٦ |
| ١١ | طلاق | الْأَنْهَارِ | ٦٣٧٧ |
| ١١ | طلاق | خَالِدِينَ | ٦٣٧٨ |
| ١٢ | طلاق | سَمَوَاتِ | ٦٣٧٩ |
| ١ | تحريم | يَأَيُّهَا | ٦٣٨٠ |
| ١ | تحريم | أَزْوَاجِكَ | ٦٣٨١ |
| ٢ | تحريم | أَيْمِنُكُمْ | ٦٣٨٢ |
| ٢ | تحريم | مَوْلَانُكُمْ | ٦٣٨٣ |
| ٣ | تحريم | أَزْوَاجِهِ | ٦٣٨٤ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۴ | تحریم | تَظَاهَرَا | ۶۳۸۵ |
| ۴ | تحریم | مَوْلَاهُ | ۶۳۸۶ |
| ۴ | تحریم | صَلِحُ | ۶۳۸۷ |
| ۴ | تحریم | الْمَلَائِكَةُ | ۶۳۸۸ |
| ۵ | تحریم | أَزْوَاجًا | ۶۳۸۹ |
| ۵ | تحریم | مُسْلِمَاتٍ | ۶۳۹۰ |
| ۵ | تحریم | مُؤْمِنَاتٍ | ۶۳۹۱ |
| ۵ | تحریم | قَنِيتٍ | ۶۳۹۲ |
| ۵ | تحریم | تُئِبَّتِ | ۶۳۹۳ |
| ۵ | تحریم | عَبْدَاتٍ | ۶۳۹۴ |
| ۵ | تحریم | سُئِحَتْ | ۶۳۹۵ |
| ۵ | تحریم | ثَيِّبَتْ | ۶۳۹۶ |
| ۶ | تحریم | يَا أَيُّهَا | ۶۳۹۷ |
| ۶ | تحریم | مَلَائِكَةً | ۶۳۹۸ |
| ۷ | تحریم | يَا أَيُّهَا | ۶۳۹۹ |
| ۸ | تحریم | يَا أَيُّهَا | ۶۴۰۰ |
| ۸ | تحریم | سَيِّئَاتِكُمْ | ۶۴۰۱ |
| ۸ | تحریم | جَنَّتِ | ۶۴۰۲ |
| ۸ | تحریم | الْأَنْهَرُ | ۶۴۰۳ |
| ۸ | تحریم | بِأَيْمَانِهِمْ | ۶۴۰۴ |
| ۹ | تحریم | يَا أَيُّهَا | ۶۴۰۵ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | جُزْءُ |
|-----|-------|----------------|--------|
| ٩ | تحریم | جَاهِدِ | ٦٤٠٦ |
| ٩ | تحریم | الْمُنْفِقِينَ | ٦٤٠٧ |
| ٩ | تحریم | مَا وَنُهِمُ | ٦٤٠٨ |
| ١٠ | تحریم | صَالِحِينَ | ٦٤٠٩ |
| ١٠ | تحریم | شَيْئًا | ٦٤١٠ |
| ١٠ | تحریم | الدَّٰخِلِينَ | ٦٤١١ |
| ١١ | تحریم | الظَّالِمِينَ | ٦٤١٢ |
| ١٢ | تحریم | عِمْرَانَ | ٦٤١٣ |
| ١٢ | تحریم | بِكَلِمَاتٍ | ٦٤١٤ |
| ١٢ | تحریم | الْقَتْلَيْنِ | ٦٤١٥ |
| ١ | مُلْك | تَبَارَكَ | ٦٤١٦ |
| ٢ | مُلْك | الْحَيٰوةَ | ٦٤١٧ |
| ٣ | مُلْك | سَمَوَاتٍ | ٦٤١٨ |
| ٣ | مُلْك | تَفَوُّتٍ | ٦٤١٩ |
| ٥ | مُلْك | بِمَصَابِيحَ | ٦٤٢٠ |
| ٥ | مُلْك | جَعَلْنَهَا | ٦٤٢١ |
| ٥ | مُلْك | لِلشَّيْطٰنِ | ٦٤٢٢ |
| ٩ | مُلْك | ضَلٰلٍ | ٦٤٢٣ |
| ١٠ | مُلْك | اَصْحٰبِ | ٦٤٢٤ |
| ١١ | مُلْك | لِاَصْحٰبِ | ٦٤٢٥ |
| ١٦ | مُلْك | ءَاٰمِنٰتُمْ | ٦٤٢٦ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|------------------|
| ٦٤٢٧ | مُلْكٌ | ١٩ | صُفِّتِ |
| ٦٤٢٨ | مُلْكٌ | ٢٠ | الْكُفْرُونَ |
| ٦٤٢٩ | مُلْكٌ | ٢٢ | صِرَاطِ |
| ٦٤٣٠ | مُلْكٌ | ٢٣ | الْأَبْصَارَ |
| ٦٤٣١ | مُلْكٌ | ٢٣ | الْأَفْعِدَةَ |
| ٦٤٣٢ | مُلْكٌ | ٢٥ | صُدِّقِينَ |
| ٦٤٣٣ | مُلْكٌ | ٢٧ | سَيِّئَتِ |
| ٦٤٣٤ | مُلْكٌ | ٢٨ | أَرْءَيْتُمْ |
| ٦٤٣٥ | مُلْكٌ | ٢٨ | الْكُفْرِينَ |
| ٦٤٣٦ | مُلْكٌ | ٢٩ | ضَلَّلِ |
| ٦٤٣٧ | مُلْكٌ | ٣٠ | أَرْءَيْتُمْ |
| ٦٤٣٨ | قَلَمٌ | ١٥ | ءَايَاتُنَا |
| ٦٤٣٩ | قَلَمٌ | ١٥ | أَسَاطِيرُ |
| ٦٤٤٠ | قَلَمٌ | ١٧ | بَلَوْنَهُمْ |
| ٦٤٤١ | قَلَمٌ | ١٧ | أَصْحَابَ |
| ٦٤٤٢ | قَلَمٌ | ٢٢ | صُرِّمِينَ |
| ٦٤٤٣ | قَلَمٌ | ٢٣ | يَتَخَفَتُونَ |
| ٦٤٤٤ | قَلَمٌ | ٢٥ | قُدْرِينَ |
| ٦٤٤٥ | قَلَمٌ | ٢٩ | سُبْحَنَ |
| ٦٤٤٦ | قَلَمٌ | ٢٩ | ظَالِمِينَ |
| ٦٤٤٧ | قَلَمٌ | ٣٠ | يَتَلَاوَمُونَ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۳۱ | قلم | يُوَيَّلِنَا | ۶۴۴۸ |
| ۳۱ | قلم | طُغِينَ | ۶۴۴۹ |
| ۳۲ | قلم | رُغْبُونَ | ۶۴۵۰ |
| ۳۴ | قلم | جَنَّتِ | ۶۴۵۱ |
| ۳۷ | قلم | كِتَبُ | ۶۴۵۲ |
| ۳۹ | قلم | أَيْنُ | ۶۴۵۳ |
| ۳۹ | قلم | بَلِغَةً | ۶۴۵۴ |
| ۳۹ | قلم | الْقِيَمَةِ | ۶۴۵۵ |
| ۴۱ | قلم | صِدِّقِينَ | ۶۴۵۶ |
| ۴۳ | قلم | خَاشِعَةً | ۶۴۵۷ |
| ۴۳ | قلم | أَبْصَارُهُمْ | ۶۴۵۸ |
| ۴۳ | قلم | سَلِمُونَ | ۶۴۵۹ |
| ۴۶ | قلم | تَسْأَلُهُمْ | ۶۴۶۰ |
| ۴۹ | قلم | تَذَرُكَهُ | ۶۴۶۱ |
| ۵۰ | قلم | فَاجْتَبَاهُ | ۶۴۶۲ |
| ۵۰ | قلم | الصَّالِحِينَ | ۶۴۶۳ |
| ۵۱ | قلم | بِأَبْصَارِهِمْ | ۶۴۶۴ |
| ۵۲ | قلم | لِلْعَالَمِينَ | ۶۴۶۵ |
| ۳ | حاقّة | أَدْرَاكَ | ۶۴۶۶ |
| ۷ | حاقّة | ثَمَنِيَّةَ | ۶۴۶۷ |
| ۹ | حاقّة | الْمُؤْتَفِكُتْ | ۶۴۶۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۱ | حاقّه | حَمَلْنٰكُمْ | ۶۴۶۹ |
| ۱۲ | حاقّه | وَاعِيَةً | ۶۴۷۰ |
| ۱۳ | حاقّه | وَاحِدَةً | ۶۴۷۱ |
| ۱۴ | حاقّه | وَاحِدَةً | ۶۴۷۲ |
| ۱۷ | حاقّه | ثَمْنِيَةً | ۶۴۷۳ |
| ۱۹ | حاقّه | كِتَبُوا | ۶۴۷۴ |
| ۱۹ | حاقّه | اقْرَءُوا | ۶۴۷۵ |
| ۱۹ | حاقّه | كِتَبِيهِ | ۶۴۷۶ |
| ۲۰ | حاقّه | مُلِقٍ | ۶۴۷۷ |
| ۲۴ | حاقّه | هَنِيئًا | ۶۴۷۸ |
| ۲۵ | حاقّه | كِتَبُوا | ۶۴۷۹ |
| ۲۵ | حاقّه | يَلِيَتَنِي | ۶۴۸۰ |
| ۲۵ | حاقّه | كِتَبِيهِ | ۶۴۸۱ |
| ۲۷ | حاقّه | يَلِيَهَا | ۶۴۸۲ |
| ۲۹ | حاقّه | سُلْطَانِيهِ | ۶۴۸۳ |
| ۳۵ | حاقّه | هَاهُنَا | ۶۴۸۴ |
| ۳۷ | حاقّه | الْخٰطِئُوْنَ | ۶۴۸۵ |
| ۴۳ | حاقّه | الْعٰلَمِيْنَ | ۶۴۸۶ |
| ۴۷ | حاقّه | حٰزِنِيْنَ | ۶۴۸۷ |
| ۵۰ | حاقّه | الْكٰفِرِيْنَ | ۶۴۸۸ |
| ۲ | معارج | لِلْكٰفِرِيْنَ | ۶۴۸۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-----------------|------|
| ۴ | معارج | الْمَلَأَكَّةُ | ۶۴۹۰ |
| ۷ | معارج | نَرُهُ | ۶۴۹۱ |
| ۱۰ | معارج | لَا يَسْأَلُ | ۶۴۹۲ |
| ۱۲ | معارج | صَاحِبَتِهِ | ۶۴۹۳ |
| ۱۳ | معارج | تُؤْيِهِ | ۶۴۹۴ |
| ۱۹ | معارج | الْإِنْسَانَ | ۶۴۹۵ |
| ۲۴ | معارج | أَمْوَالِهِمْ | ۶۴۹۶ |
| ۲۹ | معارج | حَافِظُونَ | ۶۴۹۷ |
| ۳۰ | معارج | أَزْوَاجِهِمْ | ۶۴۹۸ |
| ۳۰ | معارج | أَيْمُهُمْ | ۶۴۹۹ |
| ۳۲ | معارج | لِأَمْنَتِهِمْ | ۶۵۰۰ |
| ۳۲ | معارج | رَاعُونَ | ۶۵۰۱ |
| ۳۳ | معارج | بِشَهَادَتِهِمْ | ۶۵۰۲ |
| ۳۵ | معارج | جَنَّتِ | ۶۵۰۳ |
| ۳۹ | معارج | خَلَقْنَاهُمْ | ۶۵۰۴ |
| ۴۰ | معارج | الْمَشْرِقِ | ۶۵۰۵ |
| ۴۰ | معارج | الْمَغْرِبِ | ۶۵۰۶ |
| ۴۰ | معارج | لَقَدِرُونَ | ۶۵۰۷ |
| ۴۲ | معارج | يُلْقُوا | ۶۵۰۸ |
| ۴۴ | معارج | خَاشِعَةً | ۶۵۰۹ |
| ۴۴ | معارج | أَبْصَارُهُمْ | ۶۵۱۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|----------------|------|
| ۲ | نوح | يَقُوم | ۶۵۱۱ |
| ۶ | نوح | دُعَاۤى | ۶۵۱۲ |
| ۷ | نوح | اَصَابِعُهُمْ | ۶۵۱۳ |
| ۱۲ | نوح | بِأَمْوَالٍ | ۶۵۱۴ |
| ۱۲ | نوح | جَنَّتْ | ۶۵۱۵ |
| ۱۲ | نوح | اَنْهَرًا | ۶۵۱۶ |
| ۱۵ | نوح | سَمَوَاتٍ | ۶۵۱۷ |
| ۲۴ | نوح | الظَّالِمِينَ | ۶۵۱۸ |
| ۲۴ | نوح | ضَلَالًا | ۶۵۱۹ |
| ۲۵ | نوح | خَطِيْئَتِهِمْ | ۶۵۲۰ |
| ۲۶ | نوح | الْكٰفِرِينَ | ۶۵۲۱ |
| ۲۸ | نوح | لِوَالِدَيْ | ۶۵۲۲ |
| ۲۸ | نوح | الْمُؤْمِنَاتِ | ۶۵۲۳ |
| ۲۸ | نوح | الظَّالِمِينَ | ۶۵۲۴ |
| ۳ | جن | تَعَالَى | ۶۵۲۵ |
| ۳ | جن | صَاحِبَةً | ۶۵۲۶ |
| ۸ | جن | فَوَجَدْنَهَا | ۶۵۲۷ |
| ۹ | جن | مَقَاعِدَ | ۶۵۲۸ |
| ۱۱ | جن | الصُّلِحُونَ | ۶۵۲۹ |
| ۱۴ | جن | الْقُسِطُونَ | ۶۵۳۰ |
| ۱۵ | جن | الْقُسِطُونَ | ۶۵۳۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|-------------------|------|
| ۱۶ | جن | استقاموا | ۶۵۳۲ |
| ۱۶ | جن | لَأَسْقِيَنَّهُمْ | ۶۵۳۳ |
| ۱۸ | جن | الْمَسْجِدَ | ۶۵۳۴ |
| ۲۳ | جن | بَلَاغًا | ۶۵۳۵ |
| ۲۳ | جن | رِسْلَتِهِ | ۶۵۳۶ |
| ۲۳ | جن | خَلِيدِينَ | ۶۵۳۷ |
| ۲۶ | جن | عَالِمٌ | ۶۵۳۸ |
| ۲۸ | جن | رِسْلَتِ | ۶۵۳۹ |
| ۱ | مزمّل | يَا أَيُّهَا | ۶۵۴۰ |
| ۶ | مزمّل | وَطْأًا | ۶۵۴۱ |
| ۱۵ | مزمّل | شَاهِدًا | ۶۵۴۲ |
| ۱۶ | مزمّل | فَاخْذَنُ | ۶۵۴۳ |
| ۱۷ | مزمّل | الْوِلْدَانَ | ۶۵۴۴ |
| ۲۰ | مزمّل | فَاقْرَءُوا | ۶۵۴۵ |
| ۲۰ | مزمّل | يُقَاتِلُونَ | ۶۵۴۶ |
| ۲۰ | مزمّل | فَاقْرَءُوا | ۶۵۴۷ |
| ۲۰ | مزمّل | الصَّلَاةَ | ۶۵۴۸ |
| ۲۰ | مزمّل | الزَّكَاةَ | ۶۵۴۹ |
| ۱ | مدثر | يَا أَيُّهَا | ۶۵۵۰ |
| ۱۰ | مدثر | الْكَافِرِينَ | ۶۵۵۱ |
| ۱۶ | مدثر | لَا يَتَنَا | ۶۵۵۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|---------------|------|
| ۲۷ | مدثر | أَدْرَاكَ | ۶۵۵۳ |
| ۳۱ | مدثر | أَصْحَابَ | ۶۵۵۴ |
| ۳۱ | مدثر | مَلَأْتُكَ | ۶۵۵۵ |
| ۳۱ | مدثر | الْكِتَابَ | ۶۵۵۶ |
| ۳۱ | مدثر | إِيمَانًا | ۶۵۵۷ |
| ۳۱ | مدثر | الْكِتَابَ | ۶۵۵۸ |
| ۳۱ | مدثر | الْكَافِرُونَ | ۶۵۵۹ |
| ۳۹ | مدثر | أَصْحَابَ | ۶۵۶۰ |
| ۴۰ | مدثر | جَنَّتِ | ۶۵۶۱ |
| ۴۷ | مدثر | أَتَيْنَا | ۶۵۶۲ |
| ۴۸ | مدثر | شَفَاعَةً | ۶۵۶۳ |
| ۴۸ | مدثر | الشُّفَعَاءِ | ۶۵۶۴ |
| ۱ | قیامه | الْقِيَمَةِ | ۶۵۶۵ |
| ۳ | قیامه | الْإِنْسَانُ | ۶۵۶۶ |
| ۴ | قیامه | قُدْرِينَ | ۶۵۶۷ |
| ۵ | قیامه | الْإِنْسَانُ | ۶۵۶۸ |
| ۶ | قیامه | يَسْأَلُ | ۶۵۶۹ |
| ۶ | قیامه | الْقِيَمَةِ | ۶۵۷۰ |
| ۱۰ | قیامه | الْإِنْسَانُ | ۶۵۷۱ |
| ۱۳ | قیامه | يُنَبِّأُ | ۶۵۷۲ |
| ۱۳ | قیامه | الْإِنْسَانُ | ۶۵۷۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۱۴ | قیامه | الْإِنْسَانُ | ۶۵۷۴ |
| ۱۸ | قیامه | قَرَأْنُهُ | ۶۵۷۵ |
| ۳۶ | قیامه | الْإِنْسَانُ | ۶۵۷۶ |
| ۴۰ | قیامه | بِقَادِرٍ | ۶۵۷۷ |
| ۴۰ | قیامه | يُحْيِيءُ | ۶۵۷۸ |
| ۱ | انسان | الْإِنْسَانِ | ۶۵۷۹ |
| ۱ | انسان | شَيْئًا | ۶۵۸۰ |
| ۲ | انسان | الْإِنْسَانَ | ۶۵۸۱ |
| ۲ | انسان | فَجَعَلْنَاهُ | ۶۵۸۲ |
| ۳ | انسان | هَدَيْنَاهُ | ۶۵۸۳ |
| ۴ | انسان | لِلْكَافِرِينَ | ۶۵۸۴ |
| ۴ | انسان | سَلْسَلًا | ۶۵۸۵ |
| ۴ | انسان | أَغْلَلًا | ۶۵۸۶ |
| ۱۱ | انسان | فَوْقَهُمْ | ۶۵۸۷ |
| ۱۱ | انسان | لَقَبَهُمْ | ۶۵۸۸ |
| ۱۲ | انسان | جَزَاهُمْ | ۶۵۸۹ |
| ۱۳ | انسان | مُتَّكِنِينَ | ۶۵۹۰ |
| ۱۴ | انسان | ظَلَّلُهَا | ۶۵۹۱ |
| ۱۹ | انسان | وِلْدَانٌ | ۶۵۹۲ |
| ۲۱ | انسان | عَلَيْهِمْ | ۶۵۹۳ |
| ۲۱ | انسان | سَقَاهُمْ | ۶۵۹۴ |

| سُورَةُ | سُورَةُ | آيَةُ | رِسْمُ كَلِمَاتٍ |
|---------|---------|-------|------------------|
| ٦٥٩٥ | انسان | ٢٨ | خَلَقْنَاهُمْ |
| ٦٥٩٦ | انسان | ٢٨ | أَمْثَلَهُمْ |
| ٦٥٩٧ | انسان | ٣٠ | تَشَاءُونَ |
| ٦٥٩٨ | انسان | ٣١ | الظَّالِمِينَ |
| ٦٥٩٩ | مرسلات | ١ | الْمُرْسَلَاتِ |
| ٦٦٠٠ | مرسلات | ٢ | فَالْعَصِيفَاتِ |
| ٦٦٠١ | مرسلات | ٣ | النَّشْرِاتِ |
| ٦٦٠٢ | مرسلات | ٤ | فَالْفُرْقَاتِ |
| ٦٦٠٣ | مرسلات | ٥ | فَالْمُلْقِيَاتِ |
| ٦٦٠٤ | مرسلات | ٧ | لَوَاقِعُ |
| ٦٦٠٥ | مرسلات | ١٤ | أَدْرَاكَ |
| ٦٦٠٦ | مرسلات | ٢١ | فَجَعَلْنَاهُ |
| ٦٦٠٧ | مرسلات | ٢٣ | الْقَادِرُونَ |
| ٦٦٠٨ | مرسلات | ٢٦ | أَمْوَئَاتًا |
| ٦٦٠٩ | مرسلات | ٢٧ | رَوَاسِيَ |
| ٦٦١٠ | مرسلات | ٢٧ | شِخَاتٍ |
| ٦٦١١ | مرسلات | ٢٧ | أَسْقَيْنُكُمْ |
| ٦٦١٢ | مرسلات | ٣٠ | ثَلَاثَ |
| ٦٦١٣ | مرسلات | ٣٣ | جِمَالَتٍ |
| ٦٦١٤ | مرسلات | ٣٨ | جَمَعْنَاهُ |
| ٦٦١٥ | مرسلات | ٤١ | ظِلَالٍ |

| سُورَةُ | سوره | آیه | رسم کلمات |
|---------|--------|-----|----------------|
| ۶۶۱۶ | مرسلات | ۴۲ | فَوَاكِهَ |
| ۶۶۱۷ | مرسلات | ۴۳ | هَنِيئًا |
| ۶۶۱۸ | نبأ | ۶ | مِهْدًا |
| ۶۶۱۹ | نبأ | ۸ | خَلَقْنٰكُمْ |
| ۶۶۲۰ | نبأ | ۸ | اَزْوَاجًا |
| ۶۶۲۱ | نبأ | ۱۴ | الْمُعْصِرَاتِ |
| ۶۶۲۲ | نبأ | ۱۶ | جَنَّتِ |
| ۶۶۲۳ | نبأ | ۱۷ | مِيقَاتًا |
| ۶۶۲۴ | نبأ | ۱۹ | اَبْوَابًا |
| ۶۶۲۵ | نبأ | ۲۲ | لِلطَّغِيْنَ |
| ۶۶۲۶ | نبأ | ۲۳ | لِبَشِیْنٍ |
| ۶۶۲۷ | نبأ | ۲۸ | بِاٰیَاتِنَا |
| ۶۶۲۸ | نبأ | ۲۹ | اَحْصٰیْنٰهُ |
| ۶۶۲۹ | نبأ | ۲۹ | کِتٰبًا |
| ۶۶۳۰ | نبأ | ۳۲ | اَعْنَابًا |
| ۶۶۳۱ | نبأ | ۳۵ | کِذَّابًا |
| ۶۶۳۲ | نبأ | ۳۷ | السَّمٰوٰتِ |
| ۶۶۳۳ | نبأ | ۳۸ | الْمَلٰٓئِکَةِ |
| ۶۶۳۴ | نبأ | ۴۰ | اَنْذَرْنٰكُمْ |
| ۶۶۳۵ | نبأ | ۴۰ | یَلٰٓئِیْنِیْ |
| ۶۶۳۶ | نبأ | ۴۰ | تُرَابًا |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-------------------|------|
| ۱ | نازعات | وَالنَّازِعَاتِ | ۶۶۳۷ |
| ۲ | نازعات | وَالنَّشِيطَاتِ | ۶۶۳۸ |
| ۳ | نازعات | وَالسَّابِحَاتِ | ۶۶۳۹ |
| ۴ | نازعات | فَالسَّابِقَاتِ | ۶۶۴۰ |
| ۵ | نازعات | فَالْمُدَبِّرَاتِ | ۶۶۴۱ |
| ۹ | نازعات | أَبْصَارُهَا | ۶۶۴۲ |
| ۹ | نازعات | خَاشِعَةً | ۶۶۴۳ |
| ۱۰ | نازعات | أَعْنَاءَ | ۶۶۴۴ |
| ۱۱ | نازعات | أَعِذَا | ۶۶۴۵ |
| ۱۱ | نازعات | عِظَامًا | ۶۶۴۶ |
| ۱۳ | نازعات | وَاحِدَةً | ۶۶۴۷ |
| ۱۵ | نازعات | أَتَاكَ | ۶۶۴۸ |
| ۱۶ | نازعات | نَادِيَهُ | ۶۶۴۹ |
| ۲۰ | نازعات | فَارِيَهُ | ۶۶۵۰ |
| ۲۷ | نازعات | ءَأَنْتُمْ | ۶۶۵۱ |
| ۲۷ | نازعات | بَنِيهَا | ۶۶۵۲ |
| ۲۸ | نازعات | فَسَوَّيْنَهَا | ۶۶۵۳ |
| ۲۹ | نازعات | ضُحَاهَا | ۶۶۵۴ |
| ۳۰ | نازعات | دَحَاهَا | ۶۶۵۵ |
| ۳۱ | نازعات | مَرَعَاهَا | ۶۶۵۶ |
| ۳۲ | نازعات | أَرْسَاهَا | ۶۶۵۷ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۳۳ | نازعات | مَتَاعًا | ۶۶۵۸ |
| ۳۳ | نازعات | لِإِنْعَامِكُمْ | ۶۶۵۹ |
| ۳۵ | نازعات | الْإِنْسَانُ | ۶۶۶۰ |
| ۳۸ | نازعات | الْحَيَوَةُ | ۶۶۶۱ |
| ۴۲ | نازعات | يَسْأَلُونَكَ | ۶۶۶۲ |
| ۴۲ | نازعات | مُرْسُلَهَا | ۶۶۶۳ |
| ۴۳ | نازعات | ذِكْرُهَا | ۶۶۶۴ |
| ۴۴ | نازعات | مُنْتَهَاهَا | ۶۶۶۵ |
| ۴۵ | نازعات | يَخْشَاهَا | ۶۶۶۶ |
| ۴۶ | نازعات | ضُحَاهَا | ۶۶۶۷ |
| ۱۷ | عبس | الْإِنْسَانُ | ۶۶۶۸ |
| ۲۴ | عبس | الْإِنْسَانُ | ۶۶۶۹ |
| ۳۱ | عبس | فَاكِهَةً | ۶۶۷۰ |
| ۳۲ | عبس | مَتَاعًا | ۶۶۷۱ |
| ۳۲ | عبس | لِإِنْعَامِكُمْ | ۶۶۷۲ |
| ۳۶ | عبس | صَاحِبَتِهِ | ۶۶۷۳ |
| ۸ | تکویر | المَوْءِدَةُ | ۶۶۷۴ |
| ۲۵ | تکویر | شَيْطَانٍ | ۶۶۷۵ |
| ۲۷ | تکویر | لِلْعَالَمِينَ | ۶۶۷۶ |
| ۲۹ | تکویر | تَشَاءُونَ | ۶۶۷۷ |
| ۲۹ | تکویر | الْعَالَمِينَ | ۶۶۷۸ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-------------------|------|
| ۶ | انفطار | يَا أَيُّهَا | ۶۶۷۹ |
| ۶ | انفطار | الْإِنْسَانُ | ۶۶۸۰ |
| ۷ | انفطار | فَسَوِّدَكَ | ۶۶۸۱ |
| ۱۰ | انفطار | لِحَافِظِينَ | ۶۶۸۲ |
| ۱۱ | انفطار | كُتِبِينَ | ۶۶۸۳ |
| ۱۷ | انفطار | أَدْرَكَ | ۶۶۸۴ |
| ۱۸ | انفطار | أَدْرَكَ | ۶۶۸۵ |
| ۱۹ | انفطار | شَيْئًا | ۶۶۸۶ |
| ۶ | مطففين | الْعَالَمِينَ | ۶۶۸۷ |
| ۷ | مطففين | كِتَبَ | ۶۶۸۸ |
| ۸ | مطففين | أَدْرَكَ | ۶۶۸۹ |
| ۹ | مطففين | كِتَبَ | ۶۶۹۰ |
| ۱۳ | مطففين | ءَايَاتُنَا | ۶۶۹۱ |
| ۱۳ | مطففين | أَسَاطِيرُ | ۶۶۹۲ |
| ۱۸ | مطففين | كِتَبَ | ۶۶۹۳ |
| ۱۹ | مطففين | أَدْرَكَ | ۶۶۹۴ |
| ۲۰ | مطففين | كِتَبَ | ۶۶۹۵ |
| ۲۶ | مطففين | الْمُتَنَفِّسُونَ | ۶۶۹۶ |
| ۳۳ | مطففين | حَافِظِينَ | ۶۶۹۷ |
| ۶ | انشقاق | يَا أَيُّهَا | ۶۶۹۸ |
| ۶ | انشقاق | الْإِنْسَانُ | ۶۶۹۹ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|----------------|------|
| ۶ | انشقاق | فُلْقِيهِ | ۶۷۰۰ |
| ۷ | انشقاق | كِتَبُو | ۶۷۰۱ |
| ۱۰ | انشقاق | كِتَبُو | ۶۷۰۲ |
| ۲۵ | انشقاق | الصَّلِحَتِ | ۶۷۰۳ |
| ۴ | بروج | أَصْحَبُ | ۶۷۰۴ |
| ۹ | بروج | السَّمَوَاتِ | ۶۷۰۵ |
| ۱۰ | بروج | الْمُؤْمِنَاتِ | ۶۷۰۶ |
| ۱۱ | بروج | الصَّلِحَتِ | ۶۷۰۷ |
| ۱۱ | بروج | جَنَّتْ | ۶۷۰۸ |
| ۱۱ | بروج | الْأَنْهَارِ | ۶۷۰۹ |
| ۱۷ | بروج | أَتَاكَ | ۶۷۱۰ |
| ۲ | طارق | أَدْرَاكَ | ۶۷۱۱ |
| ۵ | طارق | الْإِنْسَانُ | ۶۷۱۲ |
| ۱۷ | طارق | الْكَافِرِينَ | ۶۷۱۳ |
| ۱۶ | اعلى | الْحَيَوَةِ | ۶۷۱۴ |
| ۱۹ | اعلى | إِبْرَاهِيمَ | ۶۷۱۵ |
| ۱ | غاشية | أَتَاكَ | ۶۷۱۶ |
| ۱ | غاشية | الْغَاشِيَةِ | ۶۷۱۷ |
| ۲ | غاشية | خَاشِعَةً | ۶۷۱۸ |
| ۱۱ | غاشية | لَاغِيَةً | ۶۷۱۹ |
| ۸ | فجر | الْبِلَادِ | ۶۷۲۰ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۱۱ | فجر | الْبِلَادِ | ۶۷۲۱ |
| ۱۵ | فجر | الْإِنْسَانُ | ۶۷۲۲ |
| ۱۵ | فجر | ابْتَلَاهُ | ۶۷۲۳ |
| ۱۶ | فجر | ابْتَلَاهُ | ۶۷۲۴ |
| ۱۶ | فجر | أَهَانِ | ۶۷۲۵ |
| ۱۸ | فجر | تَحْضُونَ | ۶۷۲۶ |
| ۲۳ | فجر | جِءَ | ۶۷۲۷ |
| ۲۳ | فجر | الْإِنْسَانُ | ۶۷۲۸ |
| ۲۴ | فجر | يَلِيَّتِي | ۶۷۲۹ |
| ۲۷ | فجر | يَايَتُهَا | ۶۷۳۰ |
| ۲۹ | فجر | عِبْدِي | ۶۷۳۱ |
| ۴ | بلد | الْإِنْسَانِ | ۶۷۳۲ |
| ۱۰ | بلد | هَدَيْنَهُ | ۶۷۳۳ |
| ۱۲ | بلد | أَدْرَاكَ | ۶۷۳۴ |
| ۱۴ | بلد | إِطْعَمْ | ۶۷۳۵ |
| ۱۸ | بلد | أَصْحَبُ | ۶۷۳۶ |
| ۱۹ | بلد | بِغَايَتِنَا | ۶۷۳۷ |
| ۱۹ | بلد | أَصْحَبُ | ۶۷۳۸ |
| ۱۹ | بلد | الْمَشْئَمَةِ | ۶۷۳۹ |
| ۱ | شمس | ضُحَاهَا | ۶۷۴۰ |
| ۲ | شمس | تَلُّهَا | ۶۷۴۱ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|------|---------------|------|
| ۳ | شمس | جَلَّهَا | ۶۷۴۲ |
| ۴ | شمس | يَغْشَاهَا | ۶۷۴۳ |
| ۵ | شمس | بَنَاهَا | ۶۷۴۴ |
| ۶ | شمس | طَحَّاهَا | ۶۷۴۵ |
| ۷ | شمس | سَوَّاهَا | ۶۷۴۶ |
| ۸ | شمس | تَقْوَاهَا | ۶۷۴۷ |
| ۹ | شمس | زَكَّاهَا | ۶۷۴۸ |
| ۱۰ | شمس | دَسَّاهَا | ۶۷۴۹ |
| ۱۱ | شمس | بِطْغُونَهَا | ۶۷۵۰ |
| ۱۲ | شمس | أَشَقَّاهَا | ۶۷۵۱ |
| ۱۳ | شمس | سُقِّيَاهَا | ۶۷۵۲ |
| ۱۴ | شمس | فَسَّوْنَهَا | ۶۷۵۳ |
| ۱۵ | شمس | عُقْبَاهَا | ۶۷۵۴ |
| ۱۵ | لیل | لَا يَصِلُهَا | ۶۷۵۵ |
| ۴ | تین | الْإِنْسَانَ | ۶۷۵۶ |
| ۵ | تین | رَدَدْنَاهُ | ۶۷۵۷ |
| ۵ | تین | سُفْلِينَ | ۶۷۵۸ |
| ۶ | تین | الصُّلَحَاتِ | ۶۷۵۹ |
| ۸ | تین | الْحَاكِمِينَ | ۶۷۶۰ |
| ۲ | علق | الْإِنْسَانَ | ۶۷۶۱ |
| ۵ | علق | الْإِنْسَانَ | ۶۷۶۲ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|-------|----------------|------|
| ۶ | علق | الْإِنْسَانُ | ۶۷۶۳ |
| ۹ | علق | أَرَأَيْتَ | ۶۷۶۴ |
| ۱۱ | علق | أَرَأَيْتَ | ۶۷۶۵ |
| ۱۳ | علق | أَرَأَيْتَ | ۶۷۶۶ |
| ۱۶ | علق | كَاذِبَةٍ | ۶۷۶۷ |
| ۱ | قدر | أَنزَلْنَاهُ | ۶۷۶۸ |
| ۲ | قدر | أَدْرَاكَ | ۶۷۶۹ |
| ۴ | قدر | الْمَلَائِكَةُ | ۶۷۷۰ |
| ۵ | قدر | سَلَامٌ | ۶۷۷۱ |
| ۱ | بینہ | الْكِتَابِ | ۶۷۷۲ |
| ۴ | بینہ | الْكِتَابِ | ۶۷۷۳ |
| ۵ | بینہ | الصَّلَاةَ | ۶۷۷۴ |
| ۵ | بینہ | الزَّكَاةَ | ۶۷۷۵ |
| ۶ | بینہ | الْكِتَابِ | ۶۷۷۶ |
| ۶ | بینہ | خَالِدِينَ | ۶۷۷۷ |
| ۷ | بینہ | الصَّالِحِينَ | ۶۷۷۸ |
| ۸ | بینہ | جَنَّتْ | ۶۷۷۹ |
| ۸ | بینہ | الْأَنْهَارِ | ۶۷۸۰ |
| ۸ | بینہ | خَالِدِينَ | ۶۷۸۱ |
| ۳ | زلزلہ | الْإِنْسَانُ | ۶۷۸۲ |
| ۶ | زلزلہ | أَعْمَاهُمْ | ۶۷۸۳ |

| آیه | سوره | رسم کلمات | ج |
|-----|--------|-----------------|------|
| ۱ | عادیات | العَدِیْتِ | ۶۷۸۴ |
| ۲ | عادیات | فَالْمُورِیْتِ | ۶۷۸۵ |
| ۳ | عادیات | فَالْمُغِیْرَتِ | ۶۷۸۶ |
| ۶ | عادیات | الْإِنْسَانِ | ۶۷۸۷ |
| ۳ | قارعه | أَدْرَبْكَ | ۶۷۸۸ |
| ۶ | قارعه | مَوَازِیْنُهُ | ۶۷۸۹ |
| ۸ | قارعه | مَوَازِیْنُهُ | ۶۷۹۰ |
| ۱۰ | قارعه | أَدْرَبْكَ | ۶۷۹۱ |
| ۱ | تکاثر | أَهْلُكُمْ | ۶۷۹۲ |
| ۸ | تکاثر | لَتَسْأَلَنَّ | ۶۷۹۳ |
| ۲ | عصر | الْإِنْسَانِ | ۶۷۹۴ |
| ۳ | عصر | الصَّلَاحِیْتِ | ۶۷۹۵ |
| ۵ | همزه | أَدْرَبْكَ | ۶۷۹۶ |
| ۷ | همزه | الْأَفْعِدَةِ | ۶۷۹۷ |
| ۱ | فیل | بِأَصْحَبِ | ۶۷۹۸ |
| ۱ | قریش | لِیْلِفِ | ۶۷۹۹ |
| ۲ | قریش | أَلْفِیْهِمْ | ۶۸۰۰ |
| ۱ | ماعون | أَرَاءِیْتَ | ۶۸۰۱ |
| ۶ | ماعون | یُرْآءُونَ | ۶۸۰۲ |
| ۱ | کوثر | أَعْطَیْنَاكَ | ۶۸۰۳ |
| ۱ | کافرون | یَآئِیْهَا | ۶۸۰۴ |

| سوره | آیه | رسم کلمات | ج |
|--------|-----|---------------|------|
| کافرون | ۱ | الْكَافِرُونَ | ۶۸۰۵ |
| کافرون | ۳ | عِبِدُونَ | ۶۸۰۶ |
| کافرون | ۵ | عِبِدُونَ | ۶۸۰۷ |
| فلق | ۴ | النَّفْثَاتِ | ۶۸۰۸ |

This document was created with Win2PDF available at <http://www.daneprairie.com>.
The unregistered version of Win2PDF is for evaluation or non-commercial use only.